रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन.ओ.बी.डब्ल्यू. से संबद्ध)

दिनांक 18 जनवरी 1992

महासचिव का प्रतिवेदन

सम्मान्य अध्यक्ष महोदय, उपस्थित अतिथिगण एवं बंधुवृन्द,

आर्गेनाइजेशन की त्रयोदश वार्षिक आमसभा के शुभ अवसर पर आपका हार्दिक स्वागत करते हुए आलोच्य कालखण्ड के लिये महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है ।

श्रद्धाञ्जलियाँ :- आलोच्य अवधि में देश-विदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों एवं श्रमिक हितों के रक्षार्थ जिनलोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया, उनके अप्रतिम त्याग एवं बलिदान का सादर स्मरण करते हुए, हम उन्हें अपनी अन्यतम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । कश्मीर एवं पंजाब में आतंकवादियों द्वारा हत्याओं का सिलसिला इस वर्ष भी जारी रहा । लगभग पूरे देश में अलगाववादियों, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों और नक्सलियों द्वारा और उन शहीद नागरिकों को हम अपनी अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

भारतीय मजदूर संघ, बिहार के प्रमुख श्रमिक नेता प्रदेश मंत्री श्री शंभु शरणजी, एक स्कूटर दुर्घटना में चल बसे । श्रमिक क्षेत्र में उनके महान योगदान का पुण्य-स्मरण करते हुए हम उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । संघ परिवार के एक वरिष्ठ सदस्य, जिनकी कई राष्ट्रवादी संस्थाओं/संघटनों में भागीदारी थी, श्री लखन कुमार श्रीवास्तव भी हमारे बीच नहीं रहे । राष्ट्र की आजीवन सेवा के महान् व्रती, मातृभूमि के इस सपूत के प्रति हम अनन्य भाव से श्रद्धा-सुमन निवेदित करते हैं ।

पूर्व प्रधान मंत्री श्री राजीव गाँधी की चुनाव प्रचार के दौरान जघन्य हत्या कर दी गई । इस हत्या की तीव्र निन्दा करते हुए हम श्री गाँधी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । इसके अतिरिक्त भारतीय श्रमांदोलन के अग्रणी नेता श्री श्रीपाद अमृत डांगे, वयोवृद्ध कांग्रेसी नेता श्री उमा शंकर दीक्षित, श्री अच्युत मेनन, मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री श्री जाम्पक सिंह, प्रख्यात व्यंग्यकार श्री शरद जोशी, प्रसिद्ध बांगला साहित्यकार श्री विमल मित्र, द्विवेदी युग के महान साहित्यकार श्री नारायण चतुर्वेदी, विख्यात साहित्य समालोचक श्री प्रभाकर माचवे, राज्य सभा सदस्य श्री सत्यपाल मित्तल, प्रमुख चिकित्सक डा. शिव नारायण सिंह, शास्त्रीय कंठस्वर-गायन के प्रमुख स्तंभ श्री कुमार गंधर्व, उड़ीसा के स्वतंत्रता सेनानी श्री राजकृष्ण बोस, फिल्म निर्देशक जी.अरविन्दन, फिल्म अभिनेत्री दुर्गा खोटे, लीला मिश्रा एवं नूतन आदि दिवंगत हुए । इन सबों को सादर श्रद्धाञ्जलियाँ ।

उत्तर प्रदेश में आए भयानक भूकम्प से पीड़ित बंधुओं के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए इस प्राकृतिक आपदा में मारे गये लोगों को भी हम सादर श्रद्धाञ्जलि अर्पित करते हैं ।

कृ.पृ.उ.

अपने रिजर्व बैंक में भी हमने कई मित्रों को खोया है । श्री रामचोज सिंह, श्री दारोगा सिंह, श्री कृष्णदेव चौधरी, श्री बैजनाथ सेन, श्री एस.सी. बोस, श्री राजेन्द्र शर्मा, श्री रघुराज सिंह, श्री राजेन्द्र भगत, श्री कामेश्वर नारायण सिंह, श्री रामदेव प्रसाद एवं राम बचन राम आदि मित्रों की आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुए हम उन्हें अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अन्तराष्ट्रीय परिदृश्य :- आलोच्य अवधि में अंतरराष्ट्रीय जगत में कई परिवर्तन हुए हैं । पिछले वर्ष के प्रतिवेदन में व्यक्त वह भविष्यवाणी, कि साम्यवादी सोवियत संघ बिखर जायगा और उसकी जगह मात्र रूस नाम का एक देश रह जायगा, पिछले वर्ष दिसम्बर में सोवियत राष्ट्रपति के इस्तीफे के बाद औपचारिक रूप से सत्य प्रमाणित हुई । पूरे साम्यवादी जगत में हलचल मची रही और एक-एक कर ये देश या तो गृह युद्ध के शिकार हुए अथवा साम्यवादी सिद्धांतों का आवरण फेंक मुक्त बाजार की ओर अग्रसर हो गये । इराक के राष्ट्रपति सद्दाम का मानमर्दन हुआ और कुवैत मुक्त हुआ । थाइलैण्ड और माली में सशस्त्र सैनिकों ने तख्ता पलटा । नेपाल और बांगला देश में लोकतंत्र की विधिवत् स्थापना हुई । हम अपने इन पड़ोसी देशों में लोकतंत्र के दीर्घजीवी और स्वस्थ होने की कामना करते हैं । अफगानिस्तान में स्थिति सामान्य होने के आसार नजर आए परन्तु वहाँ के पूर्वशासक शाह जहीर की हत्या का असफल प्रयास किया गया । पाकिस्तान में भयंकर गृहयुद्ध, आन्तरिक अव्यवस्था, राजनैतिक दुराचरण का दौर रहा । आलोच्य अवधि में भी हमारे देश के प्रति उसका रवैया शत्रुवत् रहा । उसने कश्मीर एवं पंजाब के उग्रवादियों को अपने यहाँ प्रशिक्षित करना, प्रोत्साहित करना, उनकी हर संभव सहायता करना जारी रखा और कश्मीर के मुद्दे को शिमला समझौते की भावना के विपरीत विभिन्न अन्तरराष्ट्रीय मंचों पर उठाकर भारत को कूटनीतिक स्तर पर भी परेशान किया । बर्मा (म्यामार) और बांगलादेश में सैन्य तनाव दृष्टिगोचर हुआ । म्यामार में सैनिक जुन्टा ने सत्ता नहीं छोड़ी । वहाँ की लोकतांत्रिक जनाकांक्षा को मुखरित करने वाली कुमारी आन शू को नोबुल शांति पुरस्कार प्रदान किया गया । कुमारी शू को बधाई । अफ्रीकी कांग्रेस के अध्यक्ष चुने जाने पर भारतरत्न श्री नेल्शन मण्डेला को भी हम बधाई देते हैं । अर्जेन्टीना ने गुट निरपेक्ष आन्दोलन से अपना नाता तोड़ लिया, जबकि हरारे में 37वाँ राष्ट्रमंडल शिखर सम्मेलन आतंकवाद के खिलाफ कदम उठाने के प्रस्ताव के साथ समाप्त हो गया । कराकस में समूह-15 के सम्मेलन का भी विकास की अन्तरराष्ट्रीय समस्या के समाधान के आह्वान के साथ समापन हुआ । पारस्परिक सहयोग के संकल्प के साथ दक्षेस शिखर सम्मेलन कोलम्बो में सम्पन्न हुआ । इजरायल के विरूद्ध संयुक्त राष्ट्र संघ में पारित नस्लवादी प्रस्ताव निरस्त हुआ ।

.........3/-

राष्ट्रीय परिदृश्य :- आलोच्य कालखण्ड में भारतीय राजनीति में कई उतार चढ़ाव आए। चंद्रशेखर की समाजवादी जनता पार्टी की सरकार ने त्यागपत्र दिया। नौवीं लोकसभा भंगकर दशम लोकसभा के गठन हेतु आम चुनाव हुए। स्पष्ट बहुमत के बिना भी सबसे बड़े दल के रूप में उभरे कांग्रेस को सरकार बनाने का आमंत्रण मिला। जातिवाद की राजनीति करने वाले जनता दल का औपचारिक विभाजन हो गया। प्रधानमंत्री के रूप में श्री नरसिंह राव ने अपनी परिपक्वता सिद्ध करने का पूरा प्रयास किया परन्तु उन्हें विरासत में मिली सारी समस्याएँ ज्यों की ज्यों बनी रहीं। आलोच्य कालखण्ड में सरकार मँहगाई और बेरोजगारी को नियंत्रित करने में पूर्णतः असफल रही। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के ईशारे पर तय की गई नई अर्थनीतियों से, रूपये के अवमूल्यन और मनमाने कराधानों से देश की आर्थिक अवस्था और भी जर्जर हो गई। आर्थिक रूप से देश के पूर्णतः विदेशी प्रभुत्व में चले जाने की आशंका प्रबल हो गई। नई औद्योगिक नीति से कई उद्योगों के बंद हो जाने की संभावना उत्पन्न हो गई। राष्ट्रीय एकता परिषद में देशद्रोही तत्वों को आमंत्रित कर बैठकें बुलाई जाती रहीं और इस मंच से राष्ट्रवादी तत्वों को अलग थलग करने की पुरजोर कोशिश की गई, जबकि कई राष्ट्रवादी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया गया।

चीन के प्रधानमंत्री लीपेंग भारत आए परन्तु भारत की सरकार उसकी भारत यात्रा का अपेक्षित कूटनीतिक लाभ न उठा सकी। भारत और चीन के संबंधों के मधुर होने की संभावना, संभावना ही बनी रही। चीन ने कश्मीर में पाकिस्तानी हस्तक्षेप को लगभग मौन समर्थन दिया।

कावेरी जल विवाद के कारण अपने ही देश में दो दक्षिणी राज्यों तामिलनाडु और कर्नाटक के बीच तनाव की स्थिति बना दी गई। राष्ट्रीय एकता का दंभ भरनेवाली कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियाँ क्षुद्र राजनीति का परिचय देते हुए इस मुद्दे पर क्षेत्रीय अहं को हवा दे रही हैं। इस विवाद का राष्ट्रीय भावना द्वारा हल निकाला जाना चाहिए।

उर्वरकों पर से सब्सीडी हटाकर सरकार ने किसानों की आशाओं पर पानी फेर दिया है साथ ही उसने आयकर की छूट की सीमा न बढ़ाकर कर्मचारियों की आर्थिक हालत भी दयनीय बना डाली है। विशेषकर मँहगाई भत्ते पर आयकर का कोई औचित्य नजर नहीं आता। धर्मनिरपेक्षतावादी राजनैतिक दलों ने लोकसभा में धर्मस्थल विधेयक पारित करके तुष्टीकरण की नीति का एक और घिनौना प्रदर्शन किया। इस विधेयक से देश में साम्प्रदायिक विद्वेष फैलाने वालों को और भी मदद मिलेगा।

पूरे देश में अपराधी पृथकतावादी नक्सली, आतंकवादी तत्वों ने अपहरण लूट और हत्या का अंतहीन दौर चलाये रखा। उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में पंजाब

कृ. पृ. उ.

के उग्रवादियों और मध्यप्रदेश में नक्सलियों ने अप्रत्याशित आतंक मचाया । इस मामले में सरकारी नीति दृढ़ नहीं रही । केन्द्र सरकार राजनैतिक भेदभाव बरतकर इस राष्ट्रीय समस्या को और भी गंभीर बना दे रही है ।

श्री रामजन्म भूमि आंदोलन से राष्ट्रवादी शक्तियों का पुनरूत्थान दृष्टिगत हुआ । उत्तर प्रदेश में रामभक्तों की सरकार बनी तथा अयोध्या में श्रीराम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त हो गया । सम्पूर्ण राष्ट्र अब श्री राम मंदिर के निर्माण का धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा है । वाराणसी के भीषण दंगे में अल्पसंख्यक गुण्डागर्दों और अपराधियों एवं भ्रष्ट राजनैतिक नेताओं की दुरभिसंधि एक बार पुन: उजागर हुई ।

उत्तर प्रदेश के गढ़वाल क्षेत्र में भयानक भूकम्प से अपार धन-जन की हानि हुई । इससे टिहरी परियोजना के औचित्य पर ही प्रश्न चिन्ह उपस्थित हो गया । इन क्षेत्रों में प्रकृति के अनुरूप भवननिर्माण की शैली न अपनाकर पक्के छतों वाले भवनों का निर्माण किया गया । पहाड़ों और वनों के साथ मनमाने छेड़छाड़ किये गये । इतना ही नहीं भूकम्प की पूर्व सूचना देने की तकनीक का भी विकास या सम्यक् उपयोग नहीं किया जा सका । जनता और सरकार को अपने दायित्वों को समझना होगा ।

दिल्ली और अहमदाबाद में जहरीली शराब पीने से कई लोग मरे । अवैध शराब के धंधे को कठोरता से कुचलना होगा अन्यथा पीढ़ियों के अंधकारमय भविष्य को टाला नहीं जा सकता । ये धंधेबाज आयुर्वेद की महिमा को कलंकित कर रहे हैं और राष्ट्रीय राजस्व को भी चूना लगा रहे हैं । आलोच्य अवधि में भी कश्मीर से विस्थापित हिन्दू शरणार्थियों की दयनीय हालत यथावत् रही और सरकार ने उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया, यह अत्यन्त शर्म और क्षोभ का विषय है । संसद के केन्द्रीय कक्ष में पं. श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं श्री राम मनोहर लोहिया के चित्रों का अनावरण किया गया । इससे भारतीय राजनीति को पवित्रता प्राप्त हुई है ।

आलोच्य वर्ष में एकता और अखण्डता की भावना को पुष्ट करने हेतु, आतंकवादियों को राष्ट्र की ओर से सीधी चुनौती देने और भ्रष्ट राजनीतिज्ञों को जनता के समक्ष निरावरण करने के उद्देश्य से भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष डा. मुरलीमनोहर जोशी ने कन्या कुमारी से कश्मीर तक की एकता यात्रा का शुभारंभ किया । यात्रा की समाप्ति गणतंत्र दिवस को श्रीनगर के लाल चौक पर राष्ट्रीय तिरंगे के ध्वजारोहण के साथ होगी । ऐसे स्तुत्य प्रयास का स्वागत करते हुए हम इसकी सफलता की शुभकामना व्यक्त करते हैं । इसी वर्ष पूरे देश में विवेकानन्द भारत परिक्रमा यात्रा का शुभारंभ हुआ । राष्ट्रीय अभ्युदय हेतु नव विवेकानन्दों की खोज के उद्देश्य से आरंभ की गई इस यात्रा की सफलता हेतु हम ईश्वर से सतत् प्रार्थना

......5/-

करते हैं ! हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आनेवाले वर्षों में राष्ट्रवाद अपने पूर्ण स्वरूप में प्रकट होगा और राष्ट्र परमवैभव के शिखर पर आरूढ़ होगा ।

प्रान्तीय परिदृश्य :- अपने प्रान्त बिहार में आलोच्य वर्ष में, राजनीतिक, सांस्कृतिक, प्रशासनिक एवं शैक्षणिक क्षेत्रों में चिन्ताजनक गिरावट देखी गई । हत्या, लूट, बलात्कार एवं अपहरण की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि हुई । राजनीति में अपराधियों का प्रवेश प्रच्छन्न रूप से हुआ । चुनावों में व्यापक धांधली की शिकायतें सुनने को मिलीं । पूरे प्रदेश में जातीय तनाव का तेवर खतरनाक साये की तरह छाया रहा । अपहरण तो एक उद्योग के ही रूप में विकसित हो गया । पटना में पुस्तक मेले का आयोजन सराहनीय रहा ।

भारतीय मजदूर संघ :- आलोच्य अवधि में भारतीय मजदूर संघ की शक्ति में त्वरित वृद्धि हुई । इसकी सदस्यता संख्या बढ़कर लगभग 50 लाख हो गई । तथा इससे सम्बद्ध श्रमसंघटनों की संख्या 3000 तक पहुँच गई । भारतीय श्रमांदोलन में विशुद्ध श्रम संघवाद की स्थापना का उद्देश्य अब प्राय: प्राप्त होने की स्थिति में है । पं. दीन दयाल उपाध्याय के जन्म दिवस पर भारतीय मजदूर संघ ने देश को बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के शिकंजे से मुक्त करने एवं स्वदेशी उद्योगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्वदेशी आन्दोलन का शुभारंभ किया । इसके प्रथम चरण के रूप में विदेशी उपभोक्ता सामग्रियों की होलिका जलाई गई । पं. दीन दयाल उपाध्याय की जन्म तिथि को स्वदेशी दिवस के रूप में मनाया गया । विख्यात स्वतंत्रता सेनानी एवं राष्ट्रीय ट्रेड यूनियन कांग्रेस के संस्थापक श्री लाला लाजपत राय के जन्म दिवस (17.11.1991 को) से स्वदेशी आन्दोलन के दूसरे चरण के रूप में आर्थिक आजादी का संकल्प लिया गया । आर्थिक परतंत्रता के विरुद्ध जनजागरण हेतु देशव्यापी आन्दोलन चलाया गया । इसके अन्तर्गत धरना, प्रदर्शन, जुलूस, स्वदेशी वस्तुओं के ही प्रयोग हेतु सामूहिक शपथ ग्रहण एवं साहित्य प्रकाशित कर प्रचार-प्रसार का कार्यक्रम चलाया गया । इसी कदम में पटना जिला ईकाई द्वारा जे.पी. चौराहे पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के विरुद्ध 29.11.1991 को धरना दिया गया । स्वदेशी आन्दोलन का तृतीय-चरण शीघ्र ही शुरू होने वाला है । हमारा दृढ़ निश्चय है आर्थिक स्वावलम्बन द्वारा ही देश की आजादी को पूर्णता प्रदान की जा सकती है ।

एन.ओ.बी.डब्ल्यू. :- नेशनल आर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स ने आलोच्य अवधि में बैंकिंग उद्योगों में अपने कदम मजबूती से बढ़ाये हैं । कर्मचारियों में इसकी विश्वसनीयता तेजी से बढ़ी है । ग्रामीण बैंक में इसकी सदस्यता संख्या संतोषजनक रूप से बढ़ी है । वहाँ रेड्डी आयोग की अनुशंसाओं को अंशत: लागू किया गया है । इसे पूर्ण रूप से लागू करवाने के लिये आर्गेनाईजेशन प्रयासरत है । इसके लिए केन्द्रीय वित्तमंत्री के समक्ष धरना एवं एक दिवसीय हड़ताल का कार्यक्रम किया गया । केन्द्र

कृ.पृ.उ.

सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के विरूद्ध 21.11.1991 से राष्ट्रीय आन्दोलन चलाया गया । बैंकों के राष्ट्रीयकरण/निजीकरण के स्थान पर स्वायत बैंकिंग निगम के गठन की माँग की गई । केन्द्रीय कर्मचारियों, सार्वजनिक क्षेत्रों के प्रतिष्ठान/बैंक एवं बीमा के प्रतिनिधियों द्वारा केन्द्र सरकार के औद्योगिक नीति/पेंशन, मँहगाई के विरूद्ध देश भर में कार्यक्रम चलाए गये ।

बी.पी.बी.डब्ल्यू.ओ. :- आलोच्य वर्ष में बिहार प्रदेश बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने प्रांतभर के विभिन्न बैंकों के कर्मचारियों में समन्वय स्थापित करते हुए कर्मचारी हितों के लिए संघर्ष को दिशा और गति को बनाये रखने का पूरा प्रयास किया है ।

ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ. :- आल इण्डिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने आलोच्य कालखण्ड में रिजर्व बैंक के लगभग सभी केन्द्रों पर अपनी क्षमता का विस्तार किया है । रिजर्व बैंक कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में इसकी सदस्यता ग्रहण की है । केन्द्रीय सरकारी औद्योगिक न्यायाधिकरण (खत्री ट्रिब्यूनल) ने इसे मान्यता प्रदान करने और वेतन वार्ताओं में आमंत्रित करने का ऐतिहासिक निर्णय दिया । यद्यपि बैंक प्रबंधन द्वारा बम्बई उच्च न्यायालय से इस निर्णय के विरूद्ध स्थगन आदेश ले लिया गया है परन्तु हम अपनी विजय के प्रति पूर्णत: आश्वस्त हैं, आर्गेनाइजेशन का भविष्य अत्यन्त उज्जवल है क्योंकि आचार-संहित का पालन करने वाला यह एकमात्र श्रम संगठन है ।

कालबद्ध प्रोन्नति/नकदी विभाग की पुनर्संरचना के लिए संघर्ष के क्रम में रिजर्व बैंक के माननीय गर्वनर को ज्ञापन भेजा गया ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना :- आर्गेनाइजेशन ने समय-समय पर अपने अखिल भारतीय कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर सफलता पूर्वक क्रियान्वित किया । खत्री ट्रिब्यूनल के ऐतिहासिक फैसले पर मुख्य द्वार पर विजय प्रदर्शन किया गया । एवार्ड की अनुशंसाओं को लागू करवाने हेतु संघर्ष के कई कार्यक्रम लिये गये । भारतीय मजदूर संघ, पटना जिला का सम्मेलन 31.3.1991 को स्थानीय विधायक क्लब में हुआ जिसमें रिजर्व बैंक के बारह प्रतिनिधियों ने भाग लिया । भारतीय मजदूर संघ के अखिल भारतीय महामंत्री श्री राजकृष्ण भक्त ने उपस्थित होकर मार्ग दर्शन दिया । स्थानीय डाक बंगला चौराहे पर केन्द्रीय कर्मचारियों/बैंक/सार्वजनिक डाक प्रतिष्ठान/बीमा के प्रतिनिधियों द्वारा केन्द्र सरकारी की औद्योगिक नीति/पेंशन/मँहगाई के मुद्दे पर संयुक्त एक दिवसीय धरना में आर्गेनाइजेशन ने भी योगदान दिया ।

सेवा निवृति के तृतीय लाभ के रूप में पेंशन, सेवा शर्तों में सुधार हेतु 6 सितम्बर 1991 को देशव्यापी हड़ताल स्थानीय केन्द्र पर सफल हुई । 25.9.91 को रिजर्व बैंक के मुख्य द्वार पर स्वदेशी आंदोलन के तहत विदेशी वस्तुओं को होली

......7/-

जलाई गई एवं एक आम सभा का आयोजन किया गया । इस अवसर पर विदेशी उत्पादों की सूची भी प्रकाशित एवं प्रसारित की गई । ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू. के आह्वान पर कालबद्ध प्रोन्नति एवं नकदी विभाग की पुनर्संरचना के लिए निम्न-लिखित कार्यक्रम आयोजित किये गये :-

1. 25.9.91 को परिपत्र जारी कर द्वार प्रदर्शन किया गया ।
2. 4.10.91 को सामूहिक प्रदर्शन कर प्रबंधक के माध्यम से रिजर्व बैंक के गवर्नर को ज्ञापन दिया गया ।
3. 11.10.91 को भोजनावकाश में द्वार प्रदर्शन किया गया ।
4. 22.10.91 को विभागाध्यक्षों को सामूहिक प्रदर्शन पूर्वक स्मार-पत्र प्रस्तुत किया गया ।

भारत बंद के राजनैतिक आह्वान के विरुद्ध 28.11.91 को परिपत्र जारी कर इससे अलग रहने का निश्चय प्रदर्शित किया गया ।

26.11.91 को आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने आर्थिक आजादी का सामूहिक संकल्प लिया ।

29.11.91 को भारत बंद के साथ रिजर्व बैंक में वामपंथी यूनियनों द्वारा आहूत औद्योगिक हड़ताल को विफल कर दिया गया । उक्त दिन बाहरी असामाजिक तत्वों द्वारा आर्गेनाइजेशन के सदस्यों पर हुए हमले में हमारे सदस्य घायल हुए । कर्मचारियों ने भारी संख्या में बैंक में अपना योगदान दिया और हड़ताल पूर्णतः विफल हो गई ।

रिजर्व बैंक की पटना शाखा पर आर्गेनाइजेशन के प्रति कर्मचारियों की निष्ठा एवं विश्वास से हमारा उत्साह बढ़ा है । स्थानीय समस्याओं पर भी आर्गेनाइजेशन ने अपनी दूरदर्शिता का परिचय देते हुए कई सशक्त आन्दोलन चलाया ।

एसोसिएशन के पदाधिकारियों की शह पर मान्य परम्पराओं/नीतियों के विरुद्ध प्रेषण कार्य के आवंटन में धाँधली के विरुद्ध सफल संघर्ष चलाया गया । इस मामले में स्थानीय मुद्राधिकारी के तानाशाही और अड़ियल रुख के कारण संघर्ष लम्बा एवं तीखा हो गया । 24.1.91 को इस संबंध में एक ज्ञापन दिया गया । इसी क्रम में नकदी विभाग में कार्यरत 181 सदस्यों के हस्ताक्षर से युक्त एक ज्ञापन 31.1.91 को स्थानीय प्रबंधक को दिया गया । अंत में मुद्राधिकारी को अपना आदेश वापस लेना पड़ा ।

जाली शिकायती पत्रों के आधार पर हमारे सदस्यों को मनमाने ढंग से पक्षपात पूर्वक स्मार पत्र जारी किये जाने के विरुद्ध 12.4.91 को कामतो डेपुटेशन एवं बाद में सामूहिक प्रदर्शन किया गया । फलस्वरूप प्रबंधन को स्मार पत्र तत्काल वापस लेने को विवश होना पड़ा ।

लोक सभा के 1991 के चुनाव में प्रतिनियुक्त कर्मचारियों के विराम भत्ता के संबंध में ज्ञापन प्रस्तुत करके एवं प्रबंधन से वार्ता करके अग्रिम की राशि में बढ़ोतरी करवाई गई ।

कृ.पृ.उ.

बिहार प्रदेश बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष श्री रामकिशोर पाठक ने अपने कुशल मार्गदर्शन एवं सहयोग से आर्गेनाइजेशन की छवि को निरन्तर तेज प्रदान किया है, हम उनके प्रति सश्रद्ध कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं । आर्गेनाइजेशन की निवर्तमान कार्य कारिणी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं के प्रति भी हम आभार प्रदर्शित करते हैं जिनके समवेत प्रयासों से ही हम अपने उद्देश्यों में सदैव सफल होते रहे और शाश्वत संघर्ष के लिए निरन्तर प्रेरणा और उत्साह से ओतप्रोत रहे ।

संकल्प :- देश की आर्थिक आजादी के लिए जारी स्वदेशी आन्दोलन के अगले चरण शीघ्र ही प्रारंभ होनेवाले हैं । जिसके अन्तर्गत 1 फरवरी से 14 फरवरी तक सघन जनजागरण अभियान चलाया जायगा । उक्त अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका की रूपरेखा तैयार करके विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम चलाये जायेंगे । रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रम लिये जायेंगे । पारिवारिकता का भाव संपुष्ट करने हेतु भी विभिन्न कार्यक्रम चलाये जाएँगें । आज के राष्ट्रीय पुनरूत्थान की शुभवेला में मातृभूमि की अखंडता और राष्ट्र की एकता के लिए, देश की आर्थिक आजादी की प्राप्ति द्वारा राजनैतिक आजादी को पूर्णता प्रदान करने के लिए एवं राष्ट्र, उद्योग और श्रमिक हितों का समुचित समीकरण प्रस्थापित करते हुए राष्ट्र को परम वैभव के शिखर पर प्रतिष्ठित करने के लिए समस्त देशभक्त बंधुओं के साथ हम पूर्ण निष्ठा पूर्वक अपना अभियान चलाते रहने का संकल्प व्यक्त करते हैं । भगवती भारती का भाल गर्व से सदैव समुन्नत रहे, इन शुभकामनाओं सहित ।

भारत माता की जय ।

आपका भ्रातृवत्

भारतीय मजदूर संघ
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.
आर.बी.डब्ल्यू.ओ.

अमर रहे । अमर रहे ।।

(डा. मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव

प्राप्ति भुगतान खाता
(31 दिसम्बर 1991 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए)

प्राप्तियाँ	रकम रू.	भुगतान	रकम रू.
नामे आरंभिक शेष बैंक में -- 78.65 हाथ में –	78.65	जमा मुद्रण एवं छपाई	1396.00
नामे चंदे 1990 – 60.00 1991 –1264.00 1992– 120.00	1444.00	जमा डाक व्यय	225.00
नामे लेवी	744.00	जमा सभा व्यय	147.00
नामे विशेष चंदे	2400.00	जमा स्टेशनरी	183.00
		जमा विविध	97.00
		जमा जलपान आदि	76.00
		जमा यात्रा व्यय	425.00
		जमा अंतिम शेष बैंक में 2078.65 हाथ में 39.00	2117.65
	4666.65		4666.65

(डा. मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव

(चितरंजन शर्मा)
कोषाध्यक्ष

(नीरज कुमार)
अंकेक्षक

(जय प्रकाश नारायण मिश्र)
अंकेक्षक

श्री राजकृष्ण बोस, फिल्म निर्देशक जी. अरविन्दन, फिल्म अभिनेत्री दुर्गा खोटे, लीला मिश्रा एवं नूतन आदि दिवंगत हुए। इन सबों को सादर श्रद्धांजलियाँ।

उत्तर प्रदेश में आए भयानक भूकम्प से पीड़ित बंधुओं के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए इस प्राकृतिक आपदा में मारे गये लोगों को भी हम सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

कृ. पृ. उ.

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन० ओ० बी० डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र - १/९२ तिथि - २२-१-९२

आर्गेनाइजेशन की त्रयोदश वार्षिक आमसभा सम्पन्न

मित्रों,

विदित हो कि आर्गेनाइजेशन की त्रयोदश वार्षिक आमसभा तिथि १८ जनवरी ९२ को रिजर्व बैंक एनेक्सी बिल्डिंग स्थित कैंटीन हॉल में सम्पन्न हुई जिसमें हमारे सदस्यों के अतिरिक्त प्रदेश अधिकारीगण तथा बड़ी संख्या में समर्थकों एवं हितैषियों ने भाग लिया । आमसभा में बिहार प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के संघटन सचिव श्री सुरेश प्रसाद सिन्हा, बिहार प्रदेश वित्त निगम के सचिव श्री श्याम शेखर प्रसाद एवं बिहार प्रदेश बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष श्री राम किशोर पाठक आदि ने अपनी उपस्थिति से हमें अनुगृहीत किया ।

दीप प्रज्वलन पूर्वक आमसभा का उदघाटन करते हुए भा०म०संघ बिहार प्रदेश के संघटन सचिव श्री सुरेश प्रसाद सिन्हा ने भारतीय मजदूर संघ के इतिहास, उद्देश्यों एवं कार्यों पर सविस्तार प्रकाश डालते हुए देश की आर्थिक आजादी के लिए संघर्ष हेतु राष्ट्रभक्त बन्धुओं का सामयिक आह्वान किया । मुख्य अतिथि के रुप में बिहार प्रदेश वित्त निगम के सचिव श्री श्याम शेखर प्रसाद ने हमारे संगठन की भूरि - भूरि प्रशंसा करते हुये आर्गेनाइजेशन की सर्वांगीण प्रगति की शुभकामना व्यक्त की ।

तालियों की गड़गड़ाहट के बीच महासचिव का प्रतिवेदन एवं आयव्ययशोधन - खाता पारित किया गया । तत्पश्चात श्री सुरेश प्रसाद सिन्हा के पर्यवेक्षण में निवर्तमान कार्य समिति को भंग कर नई कार्य समिति का सर्वसम्मत निर्वाचन सम्पन्न हुआ । नवगठित कार्य समिति का स्वरुप निम्नवत है :-

अध्यक्ष	-	श्री अरुण कुमार ओझा
उपाध्यक्ष	-	(१)श्री राम किशोर पाठक एवं (२) श्री राज कुमार सिन्हा
महासचिव	-	डा० मिथिलेश कुमार सिंह
सचिव	-	(१) श्री घनश्याम पांडेय (२) श्री विजयवत्स एवं (३) श्री अजय नन्दन
कोषाध्यक्ष	-	श्री चितरंजन शर्मा, सह-कोषाध्यक्ष-श्री अजय कुमार
संघटन सचिव	-	श्री शेषपति सिंह

कार्यसमिति सदस्य :-

(१) श्री शिवजी सिंह (२) श्री धीरेन्द्र कुमार सिंह (३) विश्वजीत गोतिया (४) श्री आनन्द कुमार सिंह (५) श्री विनोद कुमार सिंह (६) श्री शैलेन्द्र प्रसाद सिंह (७) शिव कुमार दास (८) राजवल्लभ कुमार (९) श्री विश्वमोहन कुमार सिंह

विशेष आमंत्रित सदस्य :-

(१) श्री देवेन्द्र प्रसाद (२) श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव (३) शिवजी प्रसाद (४)श्री रणधीर कुमार मेहता (५) श्री प्रभु नारायण रंजन ।

सांविधिक कोषांग :-

अध्यक्ष - श्री आनन्द कुमार सिंह
सदस्य - श्री अरुण कुमार ओझा (२) डा० मिथिलेश कुमार सिंह आम सभा

आमसभा में निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गये :-

(१) खत्री ट्रिब्यूनल की अनुशंसाओं के आलोक में रिजर्व बैंक प्रबन्धन द्वारा ऑल इंडिया रिजर्व बैंक वर्क्स आर्गेनाइजेशन (केन्द्रीय कार्यालय, नागपुर) को अविलम्ब मान्यता प्रदान की जाय।

(२) कर्मचारियों के सभी वर्गों के हितों के संदर्भ में रिजर्व बैंक प्रबन्धन द्वारा घोषित पेंशन नीति वापस ली जाय तथा पेंशन को तृतीय सेवानिवृत्ति के लाभ के रुप में लागू किया जाय।

(३) संयुक्त अध्यक्ष दल की रिपोर्ट पर आधारित प्रोन्नति नीति को निरस्त किया जाय तथा सभी कर्मचारियों के लिए आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत कालबद्ध प्रोन्नति लागू की जाय।

(४) रिजर्व बैंक कर्मचारियों के लिए अतिरिक्त आवासों के निर्माण की प्रक्रिया सत्वर प्रारम्भ की जाय ताकि भीषण आवासीय संकट से उन्हें शीघ्र त्राण मिल सके।

(५) रिजर्व बैंक कर्मचारियों के लिए सवारी भत्ता, उनके बच्चों के लिए शिक्षण भत्ता एंव बेहतर चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने हेतु आवश्यक कदम उठाये जाय।

(६) नकदी विभाग के कर्मचारियों को प्रदूषण भत्ता दी जाय।

(७) बैंक में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की चिरलम्बित मांग पूरी की जाय।

आम सभा की अध्यक्षता बिहार प्रदेश भारतीय मजदूर संघ के मंत्री, श्री अरुण कुमार ओझा ने की तथा अन्त में उपस्थित महानुभावों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बिहार प्रदेश बैंक वर्क्स आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष श्री रामकिशोर पाठक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

मित्रों भारतीय श्रमान्दोलन में विशुद्ध श्रम संघ वाद की संस्थापना के उद्देश्य के प्रति हम प्रतिपल सम्बद्ध है। आचार संहिता का पालन करने वाला एक मात्र हमारा श्रम संगठन निरन्तर शक्तिशाली होकर राष्ट्र को परमवैभव के शिखर पर ले जाने को तत्पर है। हमारा निवेदन है कि इस पुनित कर्तव्य में अपने सक्रिय सहयोग से राष्ट्र उद्योग एंव श्रमिक हितों के संरक्षण और संवर्धन हेतु हमारे संघर्ष को सशक्त बनाएँ क्योंकि भारतीय राष्ट्र के विश्वगुरु के रुप में पुनराभिषेक की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। राष्ट्रवाद अपने पूर्ण स्वरुप में प्रकट होने वाला है आइए हम सब मिलकर उसका अभिनन्दन करें।

विजयकामी : शुभाभिवादन पूर्वक।

आपका भ्रातृवत्
(हस्ताक्षर)
(विजय दत्त)
सचिव

बी० एम० एस० एन० ओ० बी० डब्लू० । अमर रहे।
ए० आई० आर० बी० डब्लू० ओ० । अमर रहे।।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन.ओ.बी.डब्ल्यू. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या 2/92 — दिनांक ५ फरवरी 1992.

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

ऑल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के महासचिव श्री ए.एन. मोहिरे द्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्री को आयकर कटौती में छूट संबंधी भेजा गया पत्र आपके सूचनार्थ प्रस्तुत है।

शुभकामनाओं के साथ,

भारतीय मजदूर संघ एन.ओ.बी.डब्ल्यू. ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ, बी.पी.बी.डब्ल्यू.ओ. कर्मचारी एकता	जिन्दाबाद।	आपका भ्रातृवत (विजय वत्स) सचिव

To,

Dr. Manmohan Singh
Union Finance Minister
Govt. of India
North Block
NEW DELHI.

Sir,

<u>Link the personal the exemption limit, rebates, various exemptions and deduction with the Inflation Index of the year</u>

Further to our letter Dt.17th January 1992 on the subject we demand that to minimise the effect of Inflation, reduce the number of amendments and to provide stability to the tax rate structure. It is necessary to make a provision in the Income Tax Act like the one in various countries like Canada, Australia etc. to automatically Index the personal exemptionlimit, rebates and the various exemptions and deduction on the basis of the Inflation Index for the relevant year concerned.

The basic rates of Income Tax should be contained in the Income Tax Act or the Direct Taxes Code itself. Changes in the rates if any, may be made once in five years through the Finance Act of the relevant year. Hence, the following suggestion are made to reduce the harassment, lead to a greater voluntary Tax compliance, check the menace of Black Money to a substancial extent, provide relief to the Tax Payers and make the law respectable, simpler and more humane.

1. Raise the limit of Personal exemption limit :

The personal exemption limit for individuals etc. should be raised from Rs.22000/- to Rs.50000/- effectable from the Financial Year 1992-93.

2. Lower Personal Income Tax rates : The initial rate of Income tax should be lowered from 20 to 10 percent only. The maximum rate of personal Income Tax should be lowered down from 50% to 30% only and should be made applicable on a total income in excess of Rs. One lakh to Two lakh should be 20%. Surcharge on Income Tax should be completely abolished. This alone would curb the growth of black money.

3. Standard Deduction : The maximum standard deduction

for employees should be increased from Rs.12000 to Rs.20000/-.

4. Leave Fare Concession : The actual leave travel concession assisted by way of reimbursement by 1st Class AC rail fare on Air travel given to an employees must be treated as exempt and there should not be any Tax on this LFC facility.

5. Deduct Municipal Tax for self occupied House Property from taxable Income : The municipal Tax paid by the owner of a self occupied house property should be allowed deduction in computing the income so that the loss in respect of self occupied house property can be set off.

6. Interest on Housing Loan : The maximum limit of deduction in respect of interest on loans for acquisition etc. of self occupied house property of Rs.5000/-is extremely low. Hence, it is suggested that in tune with prevailing interest rates, this of deduction should be raised to Rs.30000/-.

The recent action of the Government in the field of economic reforms given the Tax payers a hope that the Govt. may really make reform in direct tax laws so as to reduce the harrassment of ~~xxxxx~~ innocent tax payers, given incentives to be more Tax Honest, make the law so simple and workable as to lead to greater voluntary Tax compliance. In view of this optimistic note, We are giving the above suggestion for the Government to be incorporated while preparing the ensuing Budget.

With regards,

Yours Sincerely

Sd/-
(A.N.MOHARIR)
General Secretary

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन.ओ.बी.डब्ल्यू. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या 3/92 दिनांक 25 फरवरी 1992.

मित्रो,

चाटुकारिता की नई मिसाल

रिजर्व बैंक की पटना शाखा पर चाटुकारों की कोई कमी नहीं है, एक नई घटना इसकी ताजा मिसाल है। हुआ यूँ कि विगत 18.2.1992 को नकदी विभाग के अनुभाग "एफ" में स्टेपलिंग मशीन खराब हो गई। कोषपाल ने अनुभाग "जी" से दूसरी मशीन की व्यवस्था की। इस प्रक्रिया में लगभग सवा घंटे, अनुभाग में कार्य ठप रहा। अनुभाग अधिकारी ने 1 घंटे के लिए 6 पैकेट कोटा कम किये जाने के लिए कोषपाल को अपनी रिपोर्ट भेजी और उन्होंने अधिकारिक सम्मति के बाद किसी अन्य दिन कोटा कम कर देने का आश्वासन दिया। आम तौर पर ऐसी स्थिति में कोटा कम किये जाने के कई उदाहरण हैं। परन्तु कोषपाल ने एसोसिएशन के एक नेता से मिलकर व्यक्तिगत स्तर पर जो निर्णय लिया वह काफी दिलचस्प है। तय यह हुआ कि अपने नये प्रबंधक-हुजूर की तबीयत गड़बड़ है, लिहाजा उन्हें किसी किस्म की तकलीफ न हो, इसलिए कोटा कम नहीं किया जाय। इस सहमति के बाद कोषपाल महोदय ने अनुभाग अधिकारी की रिपोर्ट भी नष्ट कर डाली। दूसरे दिन अनुभाग के कर्मचारियों द्वारा कोटा कम करने के बावत पूछने पर उन्हें उक्त सूचना दी गई। 19.2.1992 को हमारे आर्गेनाइजेशन के अध्यक्ष ने जब कोषपाल से दूरभाष पर बात की तो कोषपाल ने रिपोर्ट नष्ट करने की बात स्वीकार करते हुए यह आग्रह किया कि इस विषय पर बावेला न हो। दूसरे दिन भी कोषपाल कोटा में कमी न करवाने पर ही जोर देते रहे। तीसरे दिन 20 फरवरी 1992 को अनुभाग में कोषपाल, हमारे अध्यक्ष से यही आग्रह करने आये कि कोटा कम करवाने का विचार छोड़ दिया जाय। आर्गेनाइजेशन, परम्परा और नियमों के तहत बैंक की सामान्य प्रक्रिया का सदैव पक्षधर रहा है। चाटुकारिता के उद्देश्य से, परम्परा और नियम न टूटे, इस हेतु अध्यक्ष ने कोषपाल का आग्रह मानने से इन्कार कर दिया। इसपर कोषपाल ने वेतन कटौती की धमकी दी। इस धमकी को चुनौती देते हुए आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने घंटे भर के आनुपातिक कोटा-कार्य का समंजन कर दिया। अनुभाग अधिकारी ने इसकी रिपोर्ट भी कोषपाल को भेज दी है।

मित्रो, कोषपाल यदि देश की अर्थव्यवस्था के बीमार होने का वास्ता देते तो राष्ट्रहित में हमें उनके आग्रह को स्वीकार करते हुए गर्व होता।

कृ. पृ. उ.

परन्तु नये प्रबंधक की खुशामद में हम अपने श्रम सांघटनिक अधिकारों को छोड़ दें इसमें किसका हित है? गौर करने वाली बात यह भी है कि नये प्रबंधक की हाले-तबीयत पर बातचीत के लिए कोषपाल महोदय को ले-देकर पूरे बैंक में एक नेता विशेष ही मिले, बाकी नेता बड़े कठोर निकले। संभव है, उन नेताजी और नये प्रबंधक में कुछ "कॉमन" हो, ऐसी योग्यता भी कम थोड़े ही है। सवाल यह भी है कि नये प्रबंधक स्वस्थ बने रहें, इसके लिए कर्मचारियों को कितना और ज्यादा काम करना होगा? एसोसिएशन के नेता भी प्रबंधन की चाटुकारिता करके क्या प्राप्त करना चाह रहे हैं, जनता-जनार्दन को यह पूछने का हक है। तर्कों और विधान से सम्मत मुद्दे पर एक मान्यता प्राप्त श्रम संघटन का ऐसा मौन समर्पण निश्चय ही एक बहुत बड़ी शोकान्तिका है।

अपने परिपत्र के माध्यम से प्रबंधन को यह बता देना चाहते हैं कि हम राष्ट्र उद्योग और मजदूरों के हितों की कीमत पर प्रबंधन का हित साधन कदापि नहीं कर सकते। उक्त मुद्दे पर यदि वेतन कटौती की जाती है तो परिणाम विस्फोटक होंगे और पटना केन्द्र पर किसी प्रकार की औद्योगिक अशांति के लिए प्रबंधन ही जिम्मेवार होगा।

वासन्तिक शुभकामनाओं सहित
भारतीय मजदूर संघ
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ. — अमर रहे।

भ्रातृवत्
(हस्ताक्षर)
(घनश्याम पाण्डेय)
सचिव

क्या संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट के अध्येता इन प्रश्नों का कोई जवाब दे सकेंगे ? -

(१) रिजर्व बैंक से अलग किये गये संस्थानों में ३ साल बाद ही ग्रेड -। भर्ती का प्रावधान है, रिजर्व बैंक में ९ वर्षों के बाद क्यों ?

(२) आई०डी०बी०आई० जैसी वित्तीय संस्था में वित्तीय सहायक के पद पर प्रोन्नति हेतु कालबध्द प्रावधान है, रिजर्व बैंक में क्यों नहीं ?

(३) केन्द्र सरकार के सी -वर्ग एवं डी -वर्ग के कर्मचारियों के लिए कालबध्द प्रोन्नति का प्रावधान है, रिजर्व बैंक के प्रतिभासम्पन्न कर्मचारियों के लिये क्यों नहीं ?

(४) कुछ पदों के सृजन से १९७० के बाद बैंक की सेवा में आये हुए कर्मचारियों को प्रोन्नति हेतु कबतक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी ?

(५) प्रोन्नति विषयक प्रवाहहीनता (स्टैग्नेशन) के लिहाज से ग्रेड "बी" अधिकारियों की सीधी भर्ती पर कबतक रोक लगायी जायेगी ? क्या ग्रेड " बी" अधिकारियों की योग्यता रखनेवाले कर्मचारी बैंक में उपलब्ध नहीं हैं ?

(६) रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत कालबध्द प्रोन्नति की योजना में क्या बुराई है ? यदि नहीं तो बैंक और एसोसियेशन के वार्ताकार इस योजना से उदासीन क्यों हैं ?

(७) पेंशन के मुद्दे पर भी किसी संयुक्त अध्ययन दल के गठन का इरादा है क्या :

मित्रों , हमें पता है कर्मचारी हितों के समर्पित आकाओं के पास इन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं है । हमें यह भी पता है प्रोन्नति की समस्या का निदान बातूनी औपचारिक -ताओं से नहीं मिलने वाला । वे लोग, जो इन औपचारिकताओं से सामान्य कर्मचारियों को सब्जबाग दिखा रहे हैं, शायद मुगालते में हों, लेकिन हमें पता है कि प्रबन्धन और तथाकथित मान्यता प्राप्त एसोसियेशन की दुरभिसंधि को भेदने वाला अस्त्र कौन सा है । जबतक राष्ट्रवाद की प्रखर चेतना से सम्पन्न , शिव-संकल्प से युक्त हम श्रमिक -सैनिक आपकी सेवा में उपस्थित हैं , राष्ट्र , उद्योग और मजदूरों के हितों का संरक्षण और संवर्द्धन , सुनिश्चित माना जाय । हमारा दृढ़ मत है कि सभी दृष्टियों से, वर्तमान प्रवाहहीनता का एकमेव हल आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत कालबध्द प्रोन्नति की योजना ही है । बैंक प्रबन्धन से हमारा अनुरोध है कि कालबध्द प्रोन्नति हेतु उक्त योजना को अविलम्ब लागू किया जाय । आज दिनांक ६-३-९२ दिन में १ बजे प्रबन्धन के समक्ष आर्गेनाइजेशन, सामूहिक प्रदर्शन पूर्वक उक्त मांग की पूर्ति के लिये ज्ञापन देगा ताकि कर्मचारी असंतोष के बढ़ते ज्वार को समय से पहले नियंत्रित किया जा सके । आपसे अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने हितों के लिये आगे आएं ।

विजय कामी शुभाभिवादन पूर्वक ,

आपका भ्रातृवत ,

भा०म०सं०, | एन०ओ०बी०डब्ल्यू, | ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू० | अमर रहे ।

(विजय कर्ण)
सचिव

क्या संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट के अध्येता इन प्रश्नों का कोई जवाब दे सकेंगे ? -

(१) रिजर्व बैंक से अलग किये गये संस्थानों में ३ साल बाद ही ग्रेड -। भर्ती का प्रावधान है, रिजर्व बैंक में ९ वर्षों के बाद क्यों ?

(२) आई०डी०बी०आई० जैसी वित्तीय संस्था में वित्तीय सहायक के पद पर प्रोन्नति हेतु कालबध्द प्रावधान है, रिजर्व बैंक में क्यों नहीं ?

(३) केन्द्र सरकार के सी -वर्ग एवं डी -वर्ग के कर्मचारियों के लिए कालबध्द प्रोन्नति का प्रावधान है, रिजर्व बैंक के प्रतिभासम्पन्न कर्मचारियों के लिये क्यों नहीं ?

(४) कुछ पदों के सृजन से १९७० के बाद बैंक की सेवा में आये हुए कर्मचारियों को प्रोन्नति हेतु कबतक प्रतीक्षा करनी पड़ेगी ?

(५) प्रोन्नति विषयक प्रवाहहीनता (स्टैग्नेशन) के लिहाज से ग्रेड "बी" अधिकारियों की सीधी भर्ती पर कबतक रोक लगायी जायेगी ? क्या ग्रेड " बी" अधिकारियों की योग्यता रखनेवाले कर्मचारी बैंक में उपलब्ध नहीं हैं ?

(६) रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत कालबध्द प्रोन्नति की योजना में क्या बुराई है ? यदि नहीं तो बैंक और एसोसियेशन के वार्ताकार इस योजना से उदासीन क्यों हैं ?

(७) पेंशन के मुद्दे पर भी किसी संयुक्त अध्ययन दल के गठन का इरादा है क्या ?

मित्रों, हमें पता है कर्मचारी हितों के स्वघोषित ठेकेदारों के पास इन प्रश्नों का कोई उत्तर नहीं है । हमें यह भी पता है प्रोन्नति की समस्या का निदान कानूनी औपचारिक -ताओं से नहीं मिलने वाला । वे लोग, जो इन औपचारिकताओं से सामान्य कर्मचारियों को सब्जबाग दिखा रहे हैं, शायद मुगालते में हों, लेकिन हमें पता है कि प्रबन्धन और तथाकथित मान्यता प्राप्त एसोसियेशन की दुरभिसंधि को भेदने वाला अस्त्र कौन सा है । जबतक राष्ट्रवाद की प्रखर चेतना से सम्पन्न, शिव-संकल्प से युक्त हम श्रमिक -सैनिकआपकी सेवा में उपस्थित हैं, राष्ट्र, उद्योग और मजदूरों के हितों का संरक्षणऔर संवर्द्धन, सुनिश्चित माना जाय । हमारा दृढ़ मत है कि सभी दृष्टियों से, वर्तमान प्रवाहहीनता का एकमेव हल आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत कालबध्द प्रोन्नति की योजना ही है । बैंक प्रबन्धन से हमारा अनुरोध है कि कालबध्द प्रोन्नति हेतु उक्त योजना को अविलम्ब लागू किया जाय । आज दिनांक ६-३-९२ दिन में १ बजे प्रबन्धन के समक्ष आर्गेनाइजेशन, सामूहिक प्रदर्शन पूर्वक उक्त माँग की पूर्ति के लिये ज्ञापन देगा ताकि कर्मचारी असंतोष के बढ़ते ज्वार को समय से पहले नियंत्रित किया जा सके । आपसे अनुरोध है कि उक्त कार्यक्रम में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर अपने हितों के लिये आगे आएं ।

विजय कामना शुभाभिवादन पूर्वक, आपका भ्रातृवत,

भा०म०सं०, |
एन०ओ०बी०डब्ल्यू, | अमर रहे ।
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०|

(विजय कर)
सचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्ल्यू से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या -- ५/९२ दिनांक ७-२-९२

मित्रों ,

कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन -प्रबन्धक का पलायन ।

हम विगत ६-२-९२ को आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के आह्वान पर कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन के लिये आपको हार्दिक बधाई धन्यवाद ज्ञापित करते हैं । अत्यन्त ही खेद का विषय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की अग्रिम सूचना दिये रहने के बावजूद ऐसे संवेदनशील मुद्दों की अवहेलना करके ऐन मौके पर प्रबन्धक महोदय बैंक से गायब पाये गये । आखिर पलायन से समस्याओं का समाधान तो होगा नही, उल्टे समस्याएं परिपक्व होकर अधिक दुःखदायी परिस्थितियां ही उत्पन्न करेंगी । प्रबन्धक महोदय कृपया अपने रवैये में सुधार करें अन्यथा अपनी गैरजिम्मेदारी से औद्योगिक अशान्ति को ही निमंत्रित करेंगे ।

इस अवसर पर हम बधाई पूर्वक आपको यह सूचना भी दे रहे हैं कि संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट लागू करने पर मुख्य श्रमायुक्त दिल्ली ने अपना स्थगन आदेश दे दिया है ।

शुभाभिलाषा पूर्वक ,

आपका भ्रातृवत् ,

घनश्याम पाण्डेय ,
सचिव

भा०म०सं० ,
एन०ओ०बी०डब्ल्यू०
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ० | जिन्दाबाद

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्ल्यू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या – ५/९२ दिनांक ७-३-९२

मित्रों ,

कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन –प्रबन्धक का पलायन ।

हम विगत ६-३-९२ को आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के आह्वान पर कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन के लिये आपको हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं । अत्यन्त ही खेद का विषय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की अग्रिम सूचना दिये रहने के बावजूद ,ऐसे संवेदनशील मुद्दों की अवहेलना करके ऐन मौके पर प्रबन्धक महोदय बैंक से गायब पाये गये । आखिर पलायन से समस्याओं का समाधान तो होगा नहीं, उल्टे समस्याएं परिपक्व होकर अधिक दुःखदायी परिस्थितियां ही उत्पन्न करेंगी । प्रबन्धक महोदय कृपया अपने रवैये में सुधार करें अन्यथा अपनी गैरजिम्मेदारी से औद्योगिक अशान्ति को ही निमंत्रित करेंगे ।

इस अवसर पर हम बधाई पूर्वक आपको यह सूचना भी दे रहे हैं कि संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट लागू करने पर मुख्य श्रमायुक्त दिल्ली ने अपना स्थगन आदेश दे दिया है ।

शुभाभिवादन पूर्वक ,

आपका भ्रातृवत् ,

घनश्याम पाण्डेय ,
सचिव

भा०म०सं० ,
एन०ओ०बी०डब्ल्यू०
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ० | जिन्दाबाद

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्ल्यू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० ५/९२ तिथि ७-३-९२

मित्रों ,

कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन –प्रबन्धक का पलायन ।

हम विगत ६-३-९२ को आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के आह्वान पर कालबध्द प्रोन्नति हेतु सफल सामूहिक प्रदर्शन के लिये आपको हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित करते हैं । अत्यन्त ही खेद का विषय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों की अग्रिम सूचना दिये रहने के बावजूद ऐसे संवेदनशील मुद्दों की अवहेलना करके ऐन मौके पर प्रबन्धक महोदय बैंक से गायब पाये गये । आखिर पलायन से समस्याओं का समाधान तो होगा नहीं, उल्टे समस्याएं परिपक्व होकर अधिक दुःखदायी परिस्थितियां ही उत्पन्न करेंगी । प्रबन्धक महोदय कृपया अपने रवैये में सुधार करें अन्यथा अपनी गैरजिम्मेदारी से औद्योगिक अशान्ति को ही निमंत्रित करेंगे ।

इस अवसर पर हम बधाई पूर्वक आपको यह सूचना भी दे रहे हैं कि संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट लागू करने पर मुख्य श्रमायुक्त दिल्ली ने अपना स्थगन आदेश दे दिया है ।

शुभाभिवादन पूर्वक ,

आपका भ्रातृवत ,

घनश्याम पाण्डेय
सचिव

भा०म०सं०
एन०ओ०बी०डब्ल्यू० | अमर रहे ।
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ०

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - ६/९२ — दिनांक २५-३-९२

प्रिय भाईयों एवं बहनों ,

महंगाई और बेरोजगारी के खिलाफ भारतीय मजदूर संघ का संघर्षनाद - आज (१.०० बजे) में द्वार -प्रदर्शन ।

अपने देश के सबसे बड़े श्रम -संगठन भारतीय मजदूर संघ ने महंगाई तथा बेरोजगारी के विरुद्ध प्रत्याक्रमण का शंखनाद किया है । केन्द्र में सरकार चलानेवाली पार्टी ने सत्ता -ग्रहण के पूर्व अपने चुनाव घोषणा -पत्र में लिखा था कि सौ दिनों में महंगाई कम कर दी जायेगी ,परन्तु सत्ता -ग्रहण के पश्चात् परिणाम - दैनिक उपभोग की वस्तुओं के दामों में अप्रत्याशित वृद्धि । आम जनता तथा विशेषकर वेतनभोगी कर्मचारियों का जीवन दूभर । चावल गेहूं,मकई,आलू एवं तेल में क्रमशः २६.४ %, २१ % ,५४.३% ,३६.३ % एवं २१.४% की वृद्धि । दवाओं में २५ % - ५०% की वृद्धि ।

सरकार की गलत आर्थिक नीतियों के कारण देश की आर्थिक संप्रभुता खतरे में । अंधाधुंध मशीनीकरण -कम्प्यूटरीकरण एवं नियुक्तियों पर प्रतिबंध का परिणाम विकराल बेरोजगारी की समस्या सामाजिक जीवन तनावपूर्ण । बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को खुला आमंत्रण । आई०एम०एफ० तथा विश्व बैंक की शर्तों पर ऋण जाल में फंसते जाना । स्वदेशी पुरुषार्थ को विदेशी सीखचों में कैद कर देना । आज बाजार में ७५% उपभोक्ता वस्तुओं पर विदेशी कम्पनियों का कब्जा । रुपये का अवमूल्यन । आंशिक परिवर्तनशील बनाकर अप्रत्यक्षतः और अवमूल्यन के कारण मुद्रास्फीति का बढ़कर २० % होने की भयावह संभावना । वित्तीय संस्थानों के लिए नरसिंहम समिति की अनुशंसाओं की तलवार -स्वैच्छिक अथवा कम्पलसरी सेवा निवृत्ति दुर्नियोजना । छंटनी का पारालिटिक अटैक आनेही वाला है ।

मित्रों ,यह सब अचानक नहीं हुआ है । अपनी मान्यता बनाए रखने के लिए कम्प्यूटरीकरण के समझौते पर आंख मूंद कर हस्ताक्षर करना -आज की समस्याओं का बीज वपन था । केन्द्रीय सरकार द्वारा आजतक स्तालीनवादी, नेहरूवादी कुनीतियों को सीने से चिपकाए रखना देश का रुधिर चुसाता रहा । एन०ओ०बी०डब्लू० ने अपनी मान्यता की चिंता न करते हुए कम्प्यूटरीकरण के समझौते पर हस्ताक्षर न करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया । घनघोर अंधियारे के बीच ज्योति की जाग्रत दामिनी ।

मित्रों, वर्तमान परिस्थितियों में वामपंथी संघटनों की भूमिका विचारणीय है । विदेशी पूंजी पर पलनेवाली इन संस्थाओं ने सदैव व्यापक श्रमिक हितों का विरोध किया है । जरा देखिए, सी०पी०एम० के मुखपत्र लोक लहर (८-३-९२) का अग्रलेख -" इस वर्ष का बजट आजादी के बाद का सबसे प्रतिगामी बजट है ... सम्पन्न वर्गों को उपहार पर उपहार दिये गये हैं तथा गरीबों को निचोड़ा गया है । सम्पन्न वर्गों पर बरसाया गया लाभ स्पष्ट है । उच्च आय वर्गों के लिये आयकर की दरों में खासी कमी की गई है और आयकर की छूट की सीमा बढ़ाई गई है सो अलग .... मार्गरेट थैचर के ब्रिटेन में भी सम्पन्न वर्गों पर कर का भार इतना कम नहीं रखा गया होगा ।" छद्म से श्रमिक भक्त, आयकर पर छूट की सीमा थोड़ी बढ़ गई तो छाती पर सांप लोट रहा है । हमारी मांग है इसकी सीमा ४८,०००/- तक बढ़ाई जाय ।

मित्रों ,इन छद्म श्रमिक भक्तों से सावधान होकर राष्ट्रवादी श्रमिक शक्तियों के साथ जुटें । एकात्मवादी अर्थव्यवस्था ही समस्याओं का हल है । महंगाई तथा छंटनी के विरुद्ध आवाज तेज करने के लिये आज भोजनावकाश (१.०० बजे) में बैंक के मुख्य द्वार पर प्रदर्शन के लिये जमा होवें - यही आह्वान है ।

विक्रम संवत की बधाईयों के साथ ,

आपका भ्रातृवत् ,

(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)

महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - ४/९२ दिनांक ११-४-९२

प्रिय भाईयों एवं बहनों ,

वनवासी कल्याण -केन्द्र के सहायतार्थ निधिसंग्रह ।

विदित हो कि वनवासी कल्याण केन्द्र ने वनवासी / गिरिवासी बंधुओं के बीच सम्पूर्ण देश में हजारों सेवा प्रकल्प चला रखे हैं जिसके अन्तर्गत विद्यालय , चिकित्सालय , कला -शिल्प केन्द्र , स्वनियोजन आदि कई कार्यक्रम चल रहे हैं । इसे विशाल कार्य -विस्तार के सुचारु संचालन के लिये केन्द्र की सहायता करना हम सभी नागरिकों का पुनीत कर्त्तव्य है । वनवासी कल्याण केन्द्र के निवेदन पर रामनवमी के दिन निधि संग्रह का अभियान चलाया जा रहा है । भगवान श्रीराम का वनवासियों से अगाध स्नेह रहा था । दान के रुप में नहीं , दायित्व मानकर इस अभियान में सहायक होना , भगवान श्री राम के प्रति हमारी सच्ची भक्ति होगी ।

अतः सभी मित्रों से निवेदन है कि उक्त अभियान में उदारतापूर्वक सहयोग करें । शुभमस्तु ।

आपका भ्रातृवत् ,

(signature)

([illegible] विजय कुमार [illegible])

सचिव

टिप्पणी :- २६ और २७ मई १९९२ को अगले मांग पत्र पर तैयारी हेतु बंगलोर में आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन की कार्यसमिति की बैठक होने जा रही है । इस सन्दर्भ में जिन बंधुओं को कोई सुझाव देना हो, वे अधोहस्ताक्षरी से सम्पर्क करें ।

सर्वश्री

देवेन्द्र प्रसाद
शिवजी सिंह
वीरेन्द्र कुमार सिंह
आनन्द कुमार सिंह
अमानन्द तिवारी
जीत नारायण सिंह
मेघ नाथ चौधरी
सुरेश प्र० सिंह
महेन्द्र नाथ दूबे
एन० आर० बन्धु
आर० पी० सहार
ओम प्रकाश पाण्डेय
विष्णु कान्त ठाकुर

रिजर्व बैंक कर्मी आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू०से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - ८/९२

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

यस्मिन कुले त्वम् समुत्पन्नः, गजाः तत्र न हन्यते -
एसोसियेशन नेतृत्व की कायरता उजागर ।

प्रसंगवश संस्कृत वाङ्मय की एक कथा का आनन्द लेते चलें - किसी वन की वीथियों में घूमती हुई, एक सिंहनी की दृष्टि एक सद्यः जात मेष शावक पर पड़ गई । सिंहनी संतानहीन थी, करुणावश वह उसे अपने गुफा में लाकर उसका पालन-पोषण करने लगी । कालान्तर में सिंहनी ने स्वयं भी एक बच्चे को जन्म दिया । सिंहनी के दोनों बच्चे साथ-साथ खेलने लगे । एक बार, खेलते हुए छोटे भाई (सिंह शावक) की नजर एक हाथी पर पड़ी । उसने बड़े भाई (मेष-शावक) से हाथी का शिकार करने का प्रस्ताव रखा । बड़े भाई ने समझाया कि यह बड़ा जानवर है, इसका शिकार करना भारी पड़ जायेगा । परन्तु छोटा भाई मेष शावक तो था नहीं, वह हाथी पर पिल पड़ा । इधर बड़ा भाई भागा-भागा माता के पास पहुँचा और उसने माँ को सारा वृतांत कह सुनाया । माता ने उसको अतीत का वर्णन करते हुए उसे कहा - यस्मिन् कुले त्वं समुत्पन्नः, गजाः तत्र न हन्यते (जिस कुल में तुमने जन्म लिया है, उसमें हाथियों का शिकार नहीं किया जाता) । अतः कुशल इसी में है कि तुम भाग जाओ अन्यथा छोटा भाई अब तुम्हें भी नहीं छोड़ेगा ।

बात कुछ ऐसी ही एसोसियेशन नेतृत्व के साथ भी है । जब भी आर्गेनाइजेशन कर्मचारी हितों के लिये संघर्ष शुरु करता है और विजय प्राप्त करता है, एसोसियेशन नेतृत्व प्रबन्धक के पास शिकायत करने पहुँच जाता है । विगत २८-३-९२ की ही बात है, आर्गेनाइजेशन की कार्यसमिति का एक प्रतिनिधि मंडल स्थानीय समस्याओं को लेकर प्रबन्धन से मिला । स्टाफ क्वाटर का निर्माण प्रारम्भ करने, नकदी विभाग के मशीनों के समुचित रख-रखाव हेतु, वातानुकूलन संयंत्र अप्रैल के प्रथम सप्ताह में चालू करवाने हेतु, अतिरिक्त स्कूटर शेड के निर्माण हेतु, प्रसाधन कक्ष से धूमिल एवं टूटे फूटे शीशे की जगह नये शीशे और कक्ष की सफाई एवं अतिरिक्त वाटर वाश की व्यवस्था करने सम्बन्धी मुद्दों पर प्रबन्धक के साथ सकारात्मक बातचीत हुई । अतिरिक्त वाटर वाश की व्यवस्था हो चुकी है । वाटर कूलर एवं उसके आस-पास के स्थान का निरीक्षण कर उसकी सफाई का कार्य भी प्रारम्भ हो गया है । समस्याओं के अनुकूल रुख के लिए प्रबन्धन को साधुवाद ।

जिन कार्यों में एसोसियेशन ने कोई रुचि नहीं ली, आर्गेनाइजेशन द्वारा पहल करने पर उसे लज्जित होना चाहिये था परन्तु उल्टे उसके प्रतिनिधि मंडल ने स्थानीय प्रबन्धक से मिलकर इस बात पर नाराजगी जताई कि अभी एसोसियेशन के लिए चुनाव की समस्या सबसे बड़ी है । किसी भी समस्या पर चुनाव जीतने के बाद बातचीत होती रहेगी, लेकिन आप आर्गेनाइजेशन द्वारा उठाईगई समस्याओं पर उससे बातचीत कैसे कर सकते हैं क्योंकि इनके साथ ज्यादा लोग नहीं हैं, इन्हें प्रबन्धन की मान्यता भी नहीं मिली है, ये भारतमाता की जय और वंदे मातरम् जैसे साम्प्रदायिक नारे लगाने वाले लोग हैं ।

प्रश्न यह है कि क्या इनके चुनाव तक ग्रीष्म ऋतु घूंघट काढ़कर बैठी रहेगी ? टूटे शीशों को क्यों नहीं बदला जाय ? शीशे में अपना चेहरा देखने से इन्हें परहेज क्यों है ? शतसंख्यक कौरवों की संख्या ज्यादा रहने पर भी वे मात्र पांच पांडवों

कृ०पृ०उ०

से बुरी तरह पराजित क्यों हो गये ? अपनी जन्मभूमि को माता मानकर कृतज्ञतापूर्वक जयकार क्यों नहीं किया जाय जिसकी मिट्टी और पानी ही हमारे जीवन का आधार है ? अथवा भूले गये लोग, स्वतंत्रता संग्राम के उन दिनों को जब इन्हीं को राष्ट्रवादी नारों ने समूचे अंग्रेजी -साम्राज्य को प्रकम्पित कर डाला था । बहुत समय भी नहीं बीता है , कम्प्यूटरीकरण के विरुद्ध संघर्ष और निलम्बन के विरुद्ध ६ दिसम्बर १९९१ की हड़ताल के समय भी इन्हीं नारों ने कामरेडों के पीले पड़े हुए चेहरे को अरुणिमा प्रदान की थी । अपने बहुमत का अभिमान भी इन्हें छोड़ देना चाहिये क्योंकि दो -दो बार के जनमत संग्रहों में यह एसोसियेशन, कर्मचारियों द्वारा खारिज किया जा चुका है । एसोसियेशन को प्रबन्धन की मान्यता का अहंकार भले हो, आर्गेनाइजेशन को कर्मचारियों की विश्वासन्यस्त मान्यता पर कहीं ज्यादा गर्व है । हमारी चुनौती है फिर कभी जनमत संग्रह कराकर एसोसियेशन आर्गेनाइजेशन की लोकप्रियता का प्रमाण पुनः प्राप्त कर ले । वह व्यर्थ आर्गेनाइजेशन से भिड़ने में अपनी ऊर्जा नष्ट न करे । कर्मचारी हितों के सजग प्रहरी होने के कारण, अपने राष्ट्रवादी स्वभाव के कारण, सदैव वीरतापूर्वक आगे चलने की हमारी आदत है । हमारा तो दृष्टिकोण ही यह है कि - यस्मिन कार्ये ह्वं संलग्नतः न अभिकहिताः तेन साध्यते । हमें इसका भी खेद है कि कुछ मदान्ध अधिकारी, निहित स्वार्थों और वैचारिक वासनाओं की पूर्ति हेतु एसोसियेशन के भोंडे कोरस में बिना वजह गिटार बजा रहे हैं । अधिकारियों को निष्पक्ष और न्यायपूर्वक व्यवहार करना चाहिये । प्रबन्धन ~~को~~ को हमारी सलाह है कि ऐसे अधिकारियों से सावधान रहते हुए स्वविवेक से निर्णय लिया करे ।

संयुक्त अध्ययन दल के अनुशंसाओं के अनुरूप नकदी विभाग के पुनर्गठन से कर्मचारियों में व्यापक रोष है । आर्गेनाइजेशन ने इस पुनर्गठन के विरोध में एक हस्ताक्षर अभियान चला रखा है । एसोसियेशन के अध्यक्ष द्वारा घूम -घूम कर कर्मचारियों को हस्ताक्षर करने से मना करने के कारण उनके आक्रोश की ज्वाला तीव्रतर होती जा रही है । अधिकांश कर्मचारी ~~xxxxx~~ विरोध में अपना हस्ताक्षर कर चुके हैं । हम सभी कर्मचारियों से पुनः अपील करते हैं कि वे अपने स्वर्णिम भविष्य पर दृष्टि रखते हुए इस पुनर्गठन के विरुद्ध माननीय गवर्नर को भेजे जाने वाले ज्ञापन पर निर्भीक होकर हस्ताक्षर करें और कायर एसोसियेशन को चलता करें ।

वासंतिक नवरात्र की शुभकामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत् ,
[signature]
(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)

एन०ओ०बी०डब्लू० | अमर रहे ।
बी०एम०एस०

भारत माता की जय ।

नोट :- संयुक्त अध्ययन दल के रिपोर्ट के विरुद्ध उठाये गये औद्योगिकविवाद की संराधन प्रक्रिया उपश्रमायुक्त (केन्द्रीय) के यहां जारी है , अगली सुनवाई दिनांक ३०-४-९२ को होगी । विशेष विवरण अगले परिपत्र में -

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्ल्यू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- १०/९२ तिथि - २९-४-९

मित्रों ,

३० अप्रैल की हड़ताल : कामरेडों के तमाशे की अगली कड़ी

ज्ञात हुआ है कि रिजर्व बैंक इम्पलाइज एसोसिएशन ने तथाकथित रूप से पेंशन के मुद्दे पर समन्वय समिति के आह्वान पर हड़ताल पर जाने का निर्णय किया है । मुद्दा तो बड़ा पवित्र है , परन्तु इस पवित्रता के आवरण में कामरेड पुनः अपने अपवित्र इरादों को छुपा नहीं पा रहे । आपको याद होगा कि पिछले वर्ष छः सितम्बर को आर्गेनाइजेशन ने इसी मुद्दे पर राष्ट्र व्यापी हड़ताल की थी । उस अवसर पर वामपंथी श्रम संघटनों ने ऐन मौके पर उस हड़ताल से न केवल हाथ खींच लिया था वरन् बेशर्मी की हद के पार तक इसका विरोध भी किया था । छः महीने भी मुश्किल से बीते हैं , बहुत जल्दी उन्हें पेंशन के मुद्दे की गंभीरता का अहसास हो गया है । इसे क्या कहें ? उनमें दूरदर्शिता का अभाव अथवा राजनैतिक ध्रुवीकरण की अभिनय प्रक्रिया का कर्मचारियों को उपहार। छः सितम्बर को भी मुद्दा उतना ही गंभीर था जितना आगामी तीस अप्रैल को होगा ; परन्तु लगता है मुद्दे की गंभीरता से ज्यादा गंभीर उनकी राजनैतिक सम्प्रभुता का प्रश्न है। यह एक बार पुनः कांग्रेसी सत्ता के उपग्रह की भूमिका निभाने का प्रयास भर है । रिजर्व बैंक के कर्मचारियों को भी यह मालूम हो गया है कि मान्यता प्राप्त श्रम संगठन उनके भाग्यविधाता नहीं , उनके हितों के सौदेबाज है । आर्गेनाइजेशन का यह दृढ़ मत है कि पेंशन के मुद्दे पर एक सम्पूर्ण - आन्दोलन की आवश्यकता है और यह आवश्यकता ऐसे राजनैतिक तमाशों से पूरी नहीं होने वाली है । यदि इनकी प्रवृत्ति इतनी ही सात्विक है तो ये कृपया बताने का कष्ट करें कि नवम्बर , ९० से भारतीय रिजर्व बैंक पेंशन विनियमावली १९९० के लागू होने बाद जिन्होंने बैंक की सेवा ग्रहण की है , उनके लिए द्वितीय लाभ के रूप में पेंशन की बाध्यता को क्यों स्वीकार किया गया है ? क्यों आनेवाली पीढ़ी के लिए भी पेंशन को सेवा निवृत्ति के तृतीय लाभ के रूप में देने के लिए संघर्ष का आह्वान नहीं किया गया । नवम्बर , ९० के बाद बैंक में आनेवाले बंधुओं को किसके सहारे छोड़ दिया गया है । आर्गेनाइजेशन अपने सभी कर्मचारी बंधुओं से इस परिपत्र के माध्यम से यह अपील करता है कि वे इस तमाशे से अलग रहें और पेंशन को सेवा निवृत्ति के तृतीय लाभ के रूप में प्राप्त करने के लिए आर्गेनाइजेशन के झंडे तले एक समग्र - संघर्ष के लिए एकजुट हों । कामरेडों के राजनैतिक वर्चस्व की कीमत कर्मचारियों की जेबों से कब तक वसूली जाती रहेगी ? विशेषकर नवम्बर , ९० के बाद बैंक में योगदान देने वाले बंधुओं को खुलकर एसोसिएशन की दोरंगी नीति का विरोध करना चाहिए । हम एसोसिएशन के वर्तमान नेतृत्व को भी यह बता देना चाहेंगे कि ३० अप्रैल , ९१ को २९ नवम्बर , ९० की दुःखद पुनरावृत्ति अवश्यमेव नहीं होनी चाहिए । यदि पुनः बैंक परिसर में बाहरी तत्वों का उग्र प्रदर्शन करवाया गया तो परिणाम , पिछली घटनाओं से भी गंभीर होंगे इसी परिपत्र के माध्यम से प्रबंधन से हमारा विनम्र निवेदन है कि वह स्वविवेक से इस नाजुक अवसर पर कार्य करें क्योंकि कुछ अधिकारी प्राण-पण से इस हड़ताल को सफल बनाने में रुचि ले रहे हैं । ऐसे अधिकारी अपनी वैचारिक वासनाओं की पूर्ति के लिए कामरेडों की राजनीति में रुचि लेना बन्द करें तो बेहतर है अन्यथा कर्मचारियों के आक्रोश की गाज उनपर भी गिरेगी , यह तय है ।

विजयकामी शुभकामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत् ,

(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव ।

भा०म०सं०
एन०ओ०बी० डब्ल्यू० ,
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०

अमर रहे ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - 11 /९२ दिनांक ९-६-९२

संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसाओं ने लिखा काला - इतिहास ,

आपको ज्ञात होगा कि संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसाओं के क्रियान्वयन पर लगी रोक विगत २० मई को उठा ली गई , फलस्वरूप रिजर्व बैंक की पटना शाखा पर उक्त अनुशंसाओं को पूरी तरह लागू कर दिया गया है । बावजूद इसके इन अनुशंसाओं के विरुद्ध दायर मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है और आशा की जाती है इस मामले पर आगामी एक -दो माह में एक न्यायाधिकरण का गठन कर दिया जायेगा । परन्तु यह तो भविष्य का संदर्भ है, वर्तमान ने एसोसियेशन --नेतृत्व को एकदम बेनकाब ही कर दिया है । जिस प्रोन्नति नीति से रिजर्व बैंक प्रबंधन को एक करोड़ सत्ताइस लाख का शुद्ध आर्थिक लाभ हो रहा है , तथा रिजर्व बैंक कर्मचारियों को सेवानिवृति अथवा मृत्यु-पर्यन्त (जो भी पहले हो) तृतीय श्रेणी में बने रह जाने पूरी गारंटी मिल रही है , उसके क्रियान्वयन में जी-जान लगा देने की कामरेडों को क्या आवश्यकता थी ? शर्म आनी चाहिये इन्हें, जो कर्मचारियों के हितों के प्रहरी बने फिरते थे, आज अपने हाथों से उनके हितों की बलि दे रहे हैं । जो लोग नव-क्रियान्वित प्रोन्नति नीति की सूक्ष्मता से अवगत है, उन्हें पता होगा कि ८०-९० पृष्ठों की रिपोर्ट को क्रियान्वित होने तक गोपनीय इसलिए रखा गया कि कहीं इसके विरुद्ध कर्मचारियों में असंतोष का लावा न फूट पड़े । आज भले ही गिनती में कुछ लोगों को पदोन्नत कहलाने का अवसर दिया जा रहा है , परन्तु यह तय है कि भविष्य में अब अधिकारियों का पद सृजित होने से रहा । यह कैसी प्रोन्नति नीति है जिसमें एक को दिखाने की प्रोन्नति और बदले में दो को पदावनति मिले ।

मित्रो, उक्त तथाकथित संयुक्त प्रोन्नति नीति में संयुक्त शब्द एक छलावा है । इसे प्रबन्धन ने बनाया और एसोसियेशन ने अपनी मान्यता बचाने के लिये आँख मूंदकर मान लिया है । उदाहरणस्वरूप आपकी जानकारी में यह देना जरूरी है कि उप श्रमायुक्त (केन्द्रीय) के समक्ष इसके नेताओं ने यह दलील दी थी कि संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसाओं के लागू न होने से कर्मचारियों में भीषण रोष है ,जबकि उन्हें इन अनुशंसाओं की बू न मिल सकी थी ।

यदि मानवीय संवेदनाओं के दृष्टिकोण से ही सोचें तो एक -एक अनुभाग में साठ -सत्तर लोगों को भेड़ बकरियों की तरह ठूंस दिया गया है ,जिनके लिये मात्र एक प्रसाधन कक्ष है । भयंकर कोलाहल में काम करने के बाद शाम के सिर दर्द की पक्की गारंटी मानिए । अब तो सिर दर्द निवारक गोलियों का भी बाजार गर्म होगा । काम करने की जगह भी पर्याप्त नहीं है । मात्र ३०० वर्गफीट में सत्तर कर्मचारी कैसे काम करेंगे ? सुविधाओं के नाम पर न पर्याप्त कुर्सियाँ हैं और न पंखे । धूल और दुर्गन्ध का तो कहना ही क्या : ये तो नकदी विभाग के सौन्दर्य हैं ।

वर्तमान में प्रोन्नति नीति से यदि हमारे कर्मचारी बंधु वस्तुतः निराश और असंतुष्ट हैं तो उन्हें सक्रिय विरोध में उठ खड़ा होना चाहिये । बहुमत के समर्थन के अहं ने आज एसोसियेशन के दुस्साहस को इतना बढ़ा दिया है कि उसका नेतृत्व पूर्णतः स्वेच्छाचारी और कर्मचारी हितों के निरपेक्ष हो गया है । सदस्यों का मौन उन्हें सदैव ऐसे कार्यों की प्रेरणा देता रहा है । यदि इस स्थिति को बदलनी है और हितकारी प्रोन्नति नीति के लिये एक सफल युद्ध छेड़ना है तो पहले एसोसियेशन की नींवें हिला देनी होगी और आर्गेनाइजेशन के झंडे तले सतर्क और प्रभावी कारवाई करनी होगी ।

नई प्रोन्नति नीति - हो बर्बाद , इन कामनाओं के साथ ,

भवदीय ,

[signature]

(डा० मिथिलेश कु० सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन० ओ० बी० डब्ल्यू० से सम्बद्ध)

परिपत्र २७ - १२/९२ दिनांक ८-५-९२

नकदी विभाग में ताजा दुर्घटना

रिजर्व बैंक के श्रमान्दोलन के इतिहास की सबसे बड़ी दुर्घटना तो उसी दिन हुई थी जिस दिन संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसाओं के कार्यान्वयन के रूप में कर्मचारी हितों का गला रेता गया था । यदि यह एक संयोग नहीं होकर एक नापाक सौदेबाजी का अभिशप्त फल था तो गत् बुधवार को नकदी विभाग में हमारे एक मित्र की अंगुली का पंखे में फंसकर उतर जाना भी एक संयोग नहीं है । एसोसियेशन के नेतागण भले ही न मानें, लेकिन यह वह दुर्घटना है जो भविष्य की अगली दुर्घटनाओं की भी सूचना देता है । गौर करने वाली बात यह भी है उसी दिन आर्गेनाइजेशन ने सभी कर्मचारियों का ध्यान नकदी विभाग की पुनर्संरचना के दोषों की ओर अपने परिपत्र के माध्यम से खींचा था। यदि इन्सानियत और गैरत का एक कतरा भी कहीं मौजूद है तो इस पुनर्संरचना के पक्षधर पहले यह घोषणा करें औद्योगिक नियमों के अनुसार औसत व्यक्ति को कार्य करने के लिये कितना क्षेत्रफल और कितना अन्तरिक्ष मिलना चाहिये ? नई संरचना में कर्मचारियों को स्वाभाविक रूप से कार्य करने हेतु कानूनन पर्याप्त सुविधाएं बिल्कुल नहीं है । बिल्कुल संवेदनहीन तौर पर गौर करें तो ५८ या ७० तृतीय वर्गीय कर्मचारियों का अनुभाग बनाकर कई ग्रेड -१ टाइप टी० ए० . बनाए जा सकते हैं । यह कैसा अध्ययन दल था जिसने अपने अध्ययन के तौर पर आम कर्मचारियों के भी विचार लेना मुनासिब नहीं समझा । पता नहीं किस सांख्यिकी के आधार पर उन्होंने अपने विचार स्थापित किये । हमारा दृढ़ मत है कि यह एक ऊंची सूझ बूझ वाली व्यावसायिक बुद्धि की लाभोन्मुख योजना है जो कर्मचारी हितों की कीमत पर लागू की गई है । हमारी मांग है, प्रबन्धन दुर्घटनाग्रस्त बंधु को उचित मुआवजा दे । साथ ही अपनी इस नितांत क्रूर योजना पर नये सिरे से विचार करे और आम कर्मचारियों का विचार लें । रिजर्व बैंक में पहले भी कई मुद्दों पर जनमत संग्रह करवाये गये हैं तो इस मुद्दे पर भी ऐसा करने में कौन सी मुश्किलें हैं ? आशा है औद्योगिक शांति की दिशा में सम्बद्ध पक्ष कदम उठायेंगे ।

गंगा दशहरा की शुभकामनाओं सहित,

आपका भ्रातृवत्,

[signature]

(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

१३ (भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध) ६-६-

परिपत्र सं० - ./९२ दिनांक -९२

वाटर वॉय की व्यवस्था का क्या हुआ ?

मित्रों ,

आपको पता होगा कि गत् २६ मार्च, ९२ को आर्गेनाइजेशन की कार्यसमिति का शिष्ट मंडल जब प्रबन्धक से मिला था तो प्रबन्धन ने वाटर वॉय की व्यवस्था की मांग पर सहमति जताते हुए एतसंबंधी आश्वासन दिया था । किन्तु आर्गेनाइजेशन के साथ प्रबंधक की बातचीत पर एसोसियेशन की आपत्ति के बाद, न जाने उक्त आश्वासन की हवा कैसे निकल गई ? मान्यता प्राप्त एसोसियेशन का चुनाव सम्पन्न हो ही गया है अब तो वर्ष भर बाद ही कर्मचारियों की समस्याएं याद आयेगी । मित्रों, वाटर वॉय की व्यवस्था की आवश्यकता इस भीषण गर्मी में कितनी है , इसका अहसास सभी कर्मचारियों को है । अनुभाग में पड़े कूलरों के पास जंग लगे जंजीरों से युक्त एक मैला ग्लास रखा होता है क्या यह मनुष्यों के उपयोग के योग्य है ? सभ्य और प्रगतिशील होने का दावा करने वालों का यह व्यवहार नितांत आपत्तिजनक है । इस परिपत्र के माध्यम से हमारी यह मांग पुनः प्रस्तावित है कि वाटर वॉय की व्यवस्था अविलम्ब की जाय अन्यथा आर्गेनाइजेशन इस मुद्दे पर आन्दोलनात्मक रुख अख्तियार करेगा ।

शुभ कामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत् ,

(हस्ताक्षर)

(डा० मिथिलेश कु० सिंह)
महासचिव

भा० म० सं०
एन० ओ० बी० डब्लू०
ए० आई० आर० बी० डब्लू० ओ० | अमर रहे ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

१३ (भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध) ६-६-

परिपत्र सं० - /९२ दिनांक . -९२

वाटर वॉय की व्यवस्था का क्या हुआ ?

मित्रों ,

आपको पता होगा कि गत् २६ मार्च ९२ को आर्गेनाइजेशन की कार्यसमिति का शिष्ट मंडल जब प्रबन्धक से मिला था तो प्रबंधन ने वॉटर वॉय की व्यवस्था की मांग पर सहमति जताते हुए एतत्सम्बन्धी आश्वासन दिया था किन्तु आर्गेनाइजेशन के साथ प्रबन्धक की बातचीत पर एसोसियेशन की आपत्ति के बाद न जाने उक्त आश्वासन की हवा कैसे निकल गई ? मान्यता प्राप्त एसोसियेशन का चुनाव सम्पन्न हो ही गया है, अब तो वर्ष भर बाद ही कर्मचारियों की समस्याएं याद आयेगी । मित्रों ,वॉटर वॉय की व्यवस्था की आवश्यकता इस भीषण गर्मी में कितनी है , इसका अहसास सभी कर्मचारियों को है । अनुभाग में पड़े कूलरों के पास जंग लगे जंजीरों से युक्त एक मैला ग्लास रखा होता है ,क्या यह मनुष्यों के उपयोग के योग्य है ? सभ्य और प्रगतिशील होने का दावा करने वालों का यह व्यवहार नितांत आपत्तिजनक है । इस परिपत्र के माध्यम से हमारी यह मांग पुनः प्रस्तावित है कि वाटर वॉय की व्यवस्था अविलम्ब की जाय अन्यथा आर्गेनाइजेशन इस मुद्दे पर आन्दोलनात्मक रुख अख्तियार करेगा ।

शुभ कामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत् ,

(हस्ताक्षर)

(डा० मिथिलेश कु० सिंह)
महासचिव ,

भा० म० सं०
एन० ओ० बी० डब्लू०
ए० आई० आर० बी० डब्लू० ओ० | अमर रहे ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

रिपत्र सं० - १४/९२ दिनांक १०-६-९२

ायों एवं बहनों ,

कलकत्ता में ८३ भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों ने आर्गेनाइजेशन की सदस्यता ग्रहण की ।

वंग - भूमि ने विद्रोह की ज्वाला सुलगा दी है । संयुक्त अध्ययन दल द्वारा अनुशंसित प्रतिगा-ी प्रोन्नति नीति ने रिजर्व बैंक कर्मचारियों के उज्जवल भविष्य पर हमला किया है । देश की सीमाओं ा पूर्व रक्षक , कल का प्रहरी अपने हितों पर प्रहार होते ही प्रत्याक्रमण के लिए सन्नद्ध हो गया ै । रिजर्व बैंक , कलकत्ता के ८३ भूतपूर्व सैनिक कर्मचारियों ने इस " रि आर्गेनाइजेशन " के िलाफ " आर्गेनाइजेशन " की सदस्यता ग्रहण की है । बहादुर साथियों को हमारी बधाई ।

मित्रों , एसोसिएशन के वामपंथी नेतृत्व ने रिजर्व बैंक कर्मियों के ऊपर इतने अत्याचार ाए हैं कि पीड़ाओं के पहाड़ खड़े हो गए हैं , अब समय की पुकार है कि पीड़ा के इस घनीभूत पहाड़ की शिलाओं को भेदकर परिवर्तन की पवित्र गंगा प्रवाहित हो । एक ही मार्ग शेष है - सभी ैर - वामपंथी कर्मचारियों के द्वारा एसोसिएशन की सदस्यता से सामूहिक त्याग - पत्र । "नान्य पंथा:"

पटना के साथी इतिहास - सर्जना की इस घड़ी में पीछे न रह जाएं । वंग - भूमि की पुकार आई है , बिहार की भूमि को निर्णायक भूमिका अदा करनी होगी । संघर्ष पूर्ण बधाइयों के साथ ,

कर्मचारी एकता	" पाप का भागी होगा, नहीं केवल व्याध	आपका भ्रातृवत् ,
बी०एम०एस०		[signature]
एन०आई०आर०बी०डब्लू०	जो तटस्थ हैं , समय लिखेगा ,	(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)
जिन्दाबाद	उनका भी अपराध "	महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना ।

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - १५/९२   दिनांक १५-६-१९९२

भाइयो एवं बहनो ,

१६ जून की हड़ताल , हड़कम्प वामपंथ की गड़बड़ ताल ।

इधर मौसम की तपिश और उधर राजनीति के बढ़ते बुखार का आलम । गर्मी की पराकाष्ठा है । भारतीय रिजर्व बैंक के कर्मचारी वामपंथियों के पौरोहित्य में आगामी १६ जून को पंचाग्नि - सेवन के नये अनुष्ठान में शामिल होने हेतु पुनः आवाहित किए जा रहे हैं । इस नये राजनैतिक हथकन्डे से कर्मचारियों को क्या मिलने जा रहा है , यह सोचना ही व्यर्थ है । क्योंकि इतिहास साक्षी है , निरन्तर छीनी जाती रही हैं सेवा सुविधाएं / वेतन - भत्ता आदि में आनुपातिक गिरावटें आई हैं और भीषण मंहगाई ने कर्मचारियों की कमर तोड़ रखी है । वामपंथी श्रम संघटनों की गतिविधियों से प्रथम दृष्टितया ही यह स्पष्ट है कि इनका उद्देश्य सदैव राजनैतिक रहा है । हड़तालों और प्रदर्शनों के माध्यम से इन्होंने अपने राजनैतिक स्वार्थों की पूर्ति का ख्याल ज्यादा , कर्मचारियों का हितसाधन कुछ भी नहीं किया है । १६ जून की हड़ताल के भी कई कारण गिनाये जा रहे हैं , परन्तु यह सब एक छलावा मात्र है । इस तथ्य के समर्थन में उल्लेखनीय तथ्य यह है कि विगत् ३ जून , १९९२ को भा०म०संघ के प्रतिनिधियों के साथ केन्द्रीय श्रम मंत्री के साथ हुई वार्ता में अन्य बातों के अतिरिक्त निम्नलिखित तीन बातों पर समझौता हुआ है :-

(१) मंहगाई भत्ता पर किसी प्रकार की कोई रोक नहीं लगाई जायेगी ।

(२) सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का निजीकरण समस्या का निदान नहीं है , अतः उनका निजीकरण नहीं होगा ।

(३) सार्वजनिक क्षेत्र एवं वित्तीय संस्थानों में जहाँ वेतन वार्ता आरम्भ होनी है , अविलम्ब वेतन वार्ता आरम्भ होगी तथा नए समझौते सम्पन्न होंगे । यदि सिद्धान्ततः निजीकरण से इतना ही परहेज है तो कामरेड यह बताने का कष्ट करेंगे कि प० : . बंगाल में अनेकों विद्युत परियोजनाएं गोयनका को क्यों सुपुर्द किये गये ? कई जूट - मिलों में सीटू की यूनियनों ने वेतन बढ़ोत्तरी की जगह २०० रु० से लेकर २९५ रु० मासिक तक की वेतन कटौती का समझौता क्यों किया । इसी सीटू के अंग इस रिजर्व बैंक इम्पलाइज एसोसिएशन की मंशा संदेहों से परे कतई नहीं है । मित्रो , स्वतंत्रता के बाद के ४५ वर्षों का कुशासन हो अथवा वामपंथ की अपसंस्कृतिमूलक गतिविधियां , भारतीय राष्ट्र के गिरते हुये स्वास्थ्य के लिए दोनों ही समान रुप से जबावदेह हैं । भारतीय मजदूर संघ का स्पष्ट मत है कि साम्यवाद हो अथवा पूंजीवाद दोनों ही शोषणोन्मुख व्यवस्थाएं हैं । भारत - सरकार की जिन नई आर्थिक नीतियों से पूंजीवाद को प्रोत्साहन मिलता है , हमने उसके प्रबल विरोध में खड़े होकर " स्वदेशी आन्दोलन का महान् अभियान छेड़ रखा है । उक्त नीतियों के कारण भारतीय साम्यवाद यदि खतरे में है तो हमें कोई चिन्ता नहीं है । अतएव आगामी १६ जून के वामपंथी यूनियनों की हड़ताल से हम बिल्कुल अलग हैं । सभी कर्मचारियों से हमारा आग्रह है कि वे इस ताजे राजनैतिक - खेल को ध्वस्त करते हुये उक्त तिथि को अपने कार्यालय में योगदान करें और स्वदेशी अभियान की तरह राष्ट्र के सर्वविध स्वावलम्बन हेतु आर्गेनाइजेशन को सशक्त बनाएं ।

भा०म०सं०
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आइ०आर०बी०डब्लू०ओ०

जिन्दाबाद ।

आपका भ्रातृवत्

[signature]

(डा० गिरीश कुमार सिंह)
महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- १६/९२ दिनांक ८-७-९२

भाइयों एवं बहनो ,

" १६ जून की हड़ताल की असलियत उजागर "

आपको याद होगा कि आर्गेनाइजेशन ने अपने परिपत्र के माध्यम से यह प्रतिपादित किया था कि उक्त हड़ताल एक राजनैतिक हथकंडा है । हमें हार्दिक प्रसन्नता है कि पूरे देश की श्रमिक जनता ने वामपंथियों की राजनैतिक महत्वाकांक्षा का बोध करते हुए इस हड़ताल को बिल्कुल असफल बना दिया । गौर करें तो पूरे देश में हड़ताल ८० % से ज्यादा असफल रही । लगभग सभी राज्यों की औद्योगिक इकाइयों में सामान्य रूप से कार्य चला । निजी एवं सार्वजनिक प्रतिष्ठानों में मजदूरों ने हड़ताल के आह्वान को अंगूठा दिखा दिया । ज्यादा नहीं, अपने रिजर्व बैंक की सभी शाखाओं पर ही स्थिति का आकलन करने पर पता चलता है कि बंगाल और केरल में ही रिजर्व बैंक की शाखाओं पर हड़ताल का असर रहा, अन्यथा बंगलोर में बिल्कुल सामान्य कार्य हुआ । वहां ८० % तृतीय श्रेणी के और ७० % चतुर्थवर्गीय कर्मचारी कार्य पर आये । कानपुर, नई दिल्ली एवं मद्रास की शाखाओं पर २५ % से ज्यादा उपस्थिति रही । पटना -शाखा पर की स्थिति तो सर्वविदित ही है । एसोसियेशन के गैर -सदस्य पूरी निर्भीकता से अपने कार्य पर समुपस्थित हुए । वामपंथ में पसीना पसीना तो तब लगता जैसा जब एसोसिएशन के कई सदस्यों ने विभिन्न अनुभागों में उक्त तिथि के लिये छुट्टी का आवेदन दे दिया । हड़तालियों का एक वर्ग अपने ही सदस्यों से गिड़गिड़ाता हुआ कह रहा था -" भले ही छुट्टी ले लें , परन्तु काम पर न जायें ।" इस तरह वामपंथ अपनी लाज कबतक बचा पायगा ? राजनैतिक कुटिलता के कुछ और भी नमूने जनता जनार्दन की नजर हैं:-

१- दिल्ली में एक पीपुल्स पब्लिशिंग हाउस है जिसका स्वामित्व सी०पी०आई० का है । वहां कार्य धड़ल्ले से चला । लोगों ने बताया -वैसे ही आर्थिक तंगी है , काम न होगा तो वेतन कैसे मिलेगी ? दूसरे संस्थानों में कामरेड इस सच्चाई से आँखे क्यों मूंद लेते हैं ?

२- कानपुर की दो मिलों में जहां सीटू की यूनियनें हैं , वहां १६ जून को तो हड़ताल हुई परन्तु इस दिन के एवज में वहां रविवार के दिन कार्य हुआ । इसी सीटू का एक अंग रिजर्व बैंक इम्पलाइज एसोसियेशन इस विषमता का स्पष्टीकरण दे सकता है?

३- एक प्रश्न और भी विचारणीय है , यदि वामपंथियों को कांग्रेसी सरकार की आर्थिक /औद्योगिक नीतियों से इतना ही परहेज था तो राष्ट्रपति चुनाव एक ऐसा अवसर था, जब कांग्रेस पर इन नीतियों पर पुनर्विचार करने का समुचित दबाव डाला जा सकता था । पर नहीं ,उद्देश्य तो कांग्रेसी सत्ता की कक्षा में प्रवेश करना था । बंगलादेश को तीन बीघा देने में,कांग्रेसियों के समझौते का अमल वामपंथियों ने जिस निरंकुशता और नृशंसता के साथ किया है,उससे इनका पूर्वोचित स्नेह -बंधन और भी दृढ़ हो गया है । अभी यह दुरभिसंधि न जाने क्या -क्या गुल खिलायेगी ।

समग्र सतर्कता हेतु आह्वान के साथ ।

भा०मजदूर संघ |
एन०ओ०बी०डब्ल्यू | अमर रहे ।
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू० |

आपका भ्रातृवत्

[signature]

(डा० मिथिलेश कु० सिंह)

महासचिव ,

दुर्गापूजा/दशहरा की शुभकामनाएँ

दिनांक: 1 अक्तूबर 1992

मित्रों,

दुर्गापूजा/दशहरे के शुभ अवसर पर भारतीय रिज़र्व बैंक, पटना के सभी स्टाफ सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएँ व मुबारकबाद। यह त्योहार आप सबों के लिए मंगलमय हो और आपकी खुशियों एवं आपसी भाईचारे का प्रतीक बने।

आपका,

[signature]

(अ० क० सिद्दीकी)
प्रबंधक
भारतीय रिज़र्व बैंक
पटना-800 001

रिज़र्व बैंक कर्मी आर्गेनाइजेशन, पटना।
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- 21 /९२ दिनांक 8-११-९२

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

कर्मचारियों की समस्याएं दिनानुदिन गंभीर होती जा रही हैं परन्तु तथाकथित मान्यता प्राप्त यूनियन की चाटुकारिता के कारण सब ओर मुर्दघटी की शांति दिखलाई दे रही है। न कोई विरोध, न कोई आन्दोलन। स्टाफ क्वाटर निर्माण का भविष्य अनिश्चित हो गया है, प्रेक्षण कार्य प्रति नियुक्ति में अनेक बाधाएं खड़ी हो रही हैं, पटना केन्द्र पर अधिकारियों की रिक्तियां बाहर से भरी जा रही हैं। इन सब समस्याओं को लेकर आर्गेनाइजेशन ने संघर्ष का शंखनाद करने का निर्णय लिया है। कल भोजनावकाश में आर्गेनाइजेशन की कार्य समिति द्वारा प्रबन्धक को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जाएगा।

सभी बंधुओं से आग्रह है कि संघर्ष के लिए सन्नद्ध हो जाएं।

संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ,

कर्मचारी एकता | जिन्दाबाद
भा० म० सं०,
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०

आपका सहयोगाकांक्षी,
[signature]
(डा० मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव

Reserve Bank Employees'Congress,Patna

Dated 11.6.1992.

Circular No.5/92
(To All members and-
Sympathisers)

Dear Friends,

Joint Study Team's Report -
A last nail on the Coffine.

History repeats itself-first as a facade and second as a farce.

The Joint Study Team,comprising the management and their recognised stooges has proved to be a farce and a draconion Sword is hanging over the heads of the R.B.I.employees to destroy their career and eliminqte their joh in continuation,.

Friends,when you entered the portals x of the Bank,you cherished high hopes,leading to better Servioe Sxx conditions,promotional facilities and Security in Service.But it all seems to have been belied.The JST reports implementotion has doomed your career.At the cost of a few promotions,future of all the junior cqdre employees have been sacrificed.Note Examination sections have been coverted as Nazi and Russian labour torture camps.Futaxe promotions and career prospects have been surrendered to the management by their 'Yesmen' for some personal and political gains.Do you know thatat R.B.I. Madrass there was a three days strike and the re-organisation was not allowed to be implimented by the valient employees,as they opposed this conspiracy.Some more career are out to flex their muscles.Comrades are however,desparote to implement the report to please their masters.When you will awake and counter the working closs enemies by atleast deserting them and opposing their game ?

Oppose 16th June Strike

You must be aware that some So.called left political parties and their pocket labour organisations have given a strike call on 16the June next to Sabotage modernisation of our Country's economy.They are opposing new economic policies of the government,even when they have got no alternotive to Solve Country's problems.You may recall that in Collaboratinn with recent 11 months Janata Dal misrule,they destroyed the Country's economy and social life to such a horrible extent that notion became bankrupt and was completed to sell even its preserred gold.The present Union government,however came to the power and chacked the total callapdr.It injected a new blood which is already showing new rays for upliftment of the massed of India.The economy was destroyed by the left political parties and their puppet Unions during Janata Dal misrule leading to abnormal rise in prices of all commodities, but so-called left Unions

Consd....... 2........

never opposed them.Now they-are opposing a government which is out to bring the derailed economy on fast tracks of developments.Hence,it is time to oppose their ugly designs by telling them to take lessons from the Collapsed Russian and other Communist Countries disgraced economies.

Hence, oppose the strike Call of June 16 to saue yourself and the nation from getting doomed.

With xxxx Worm greeting .

Yours Sincerely.
P.K. Jha Prabhat
(P.K.Jha Prabhat)

Gov.Sectretary.

RBEC | ZINDABAD
INTUC |

John -Join- RBEC/INUTC.

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा.म.सं. एवं एन.ओ.बी.डब्ल्यू.ओ. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या 22/92 दिनांक 11.11.92

मित्रो,

कम्प्यूटरीकरण की दुस्साहसी शुरूआत

विदित हो कि, रिजर्व बैंक प्रबंधन ने आगामी 14 नवम्बर 1992 से विस्कोमान स्थित समाशोधन गृह के कम्प्यूटरीकरण की पूरी तैयारी कर रखी है। विदेशी मंत्रों पर राष्ट्र के विकास के तथाकथित "शिल्पी" अपनी अदूरदर्शिता का परिचय देते हुए बाज नहीं आ रहे और दुनिया भर के मजदूरों को एक होने का उपदेश देनेवाले अपने ही देश के मजदूरों के मुख का कौर छीने जाने को अपना खुला समर्थन दे रहे हैं। रिजर्व बैंक में कम्प्यूटरीकरण के विरूद्ध कामरेडों के कथित आन्दोलन का जो इतिहास रहा है उसमें गर्व करने लायक कुछ भी नहीं, शर्म करने लायक सब कुछ है। कर्मचारियों को सदैव अंधेरे में रखते हुए मान्यताप्राप्त संघटन ने इस मुद्दे पर प्रबंधन को तुष्ट करके उनके विश्वास का निन्दनीय हनन किया है अन्यथा आर्गेनाइजेशन द्वारा आज इस आत्मघाती तैयारी की सूचना देकर आपको दु:खी करने का हमें कतई शौक नहीं था। भले ही वामपंथी बंधुओं ने सर्वसमर्पण किया है, आर्गेनाइजेशन कम्प्यूटरीकरण के विरूद्ध अपने गौरवशाली संघर्ष से पीछे न हटने वाला। बंधुओं, आज आवश्यक है, कि हम अपनी प्रसुप्त चेतना को जगाकर राष्ट्रहित, उद्योगहित एवं श्रमिक हितों के अनुरूप कम्प्यूटरीकरण के उक्त दुस्साहस शुरूआत को विफल करने हेतु एकजुटता का परिचय दें।

भारत माता की जय

भारतीय मजदूर संघ
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ.
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.
अमर रहे।

आपका भ्रातृवत्
(हस्ताक्षर)
(डा. मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन.ओ.बी. डब्ल्यू. से संबद्ध)

परिपत्र सं. 23/92 — दिनांक 12.11.1992

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

कम्प्यूटरीकरण - रंगा-बिल्ला गठबंधन ।

आर्गेनाइजेशन ने कल प्रबंधक को एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसके द्वारा अविलंब
क्वार्टर निर्माण, सूखा राहत, अधिकारियों की रिक्तियाँ स्थानीय लोगों के द्वार
प्रेषण-कार्य हेतु सभी परीक्षकों के लिए एक ही कड़ी का निर्माण, छुट्टी आदि के म
अनाप-शनाप शो-कॉज, मेमो पर रोक तथा समाशोधन-गृह के कम्प्यूटरीकरण पर अ
रोक की मांग रखी गई है । मित्रो, इस संघर्ष की आग को तेज करना पड़ेगा क्य
एसोसिएशन ने प्रबंधन को यह आश्वासन दे रखा है कि कम्प्यूटरीकरण पर कोई वि
नहीं होगा । 14 नवंबर के "बाल दिवस" पर असंख्य नौनिहालों के भविष्य को
करने का इन रंगा-बिल्लाओं ने षडयंत्र रचा है । आइए, हम इसे अपने संकल्प से
करें ।

संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ,

भवदीय

(डा. मिथिलेश कुमार सिंह)
महासचिव

बी.एम.एस.
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ. } अमर रहे ।
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.

रिजर्व बैंक कर्मी आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन.ओ.बी.डब्ल्यू. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या 24/92 दिनांक 17.11.92

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला – आज भोजनावकाश (1.00 बजे) में द्वार प्रदर्शन

बैंक के द्वारा प्रेषण कार्य में जो अनियमितताएँ बरती जा रही हैं, कारण बाजार में गंदे नोटों का प्रचलन बढ़ गया है तथा आम-जनता को परेशानि उठानी पड़ रही हैं। इस समस्या की ओर ध्यान दिलाने के लिए आर्गेनाइजेश अखिल भारतीय महामंत्री श्री ए. एन. मोहरिर ने नागपुर में एक प्रेस वार्ता की जिसको वहाँ के अखबारों ने प्रमुखता से प्रसारित किया। समस्याएँ तो वहाँ दू कर दी गई। वहाँ विशेष काउन्टर खोले गए, प्रेषण कार्य में गति लाई गई, स्टाफ को वेतन में एक रू. के दो पैकेट दिये जाने लगे, परन्तु बैंक ने प्रेस वार्त्ता आयोजित करने के लिए श्री मोहरिर तथा नागपुर इकाई के अध्यक्ष एवं महामंत्री कारण बताओ नोटिस जारी किया जिसके विरोध में नागपुर के कर्मचारीगण संघ हैं। आर्गेनाइजेशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने कल स्थानीय प्रबंधक को (गर्वनर के संबोधित) एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें यह मांग की गई है सर्वश्री मोहरिर, तथा बावणे के विरूद्ध जारी कारण बताओं नोटिस को अविलंब वापस ली जाये

आज उसी संघर्ष के क्रम में भोजनावकाश में (1.00 बजे दिन) एक म द्वार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है, आप सबों से आग्रह है कि उसमें शामिल होकर संघर्ष को बलवती बनायें।

संघर्षपूर्ण बधाईयों के साथ,

भवदीय

(ह०) मिथिलेश कुमार

बी. एम. एस.
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू. ओ. | अमर रहे।
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.

(ह०) मिथिलेश कुमार

रिजर्व बैंक कर्मी आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन.ओ.बी.डब्ल्यू. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या 24/92 दिनांक 17.11.92

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला – आज भोजनावकाश (1:00 बजे) में द्वार प्रदर्शन

बैंक के द्वारा प्रेषण कार्य में जो अनियमितताएँ बरती जा रही हैं, कारण बाजार में गंदे नोटों का प्रचलन बढ़ गया है तथा आम-जनता को परेशानि उठानी पड़ रही हैं । इस समस्या की ओर ध्यान दिलाने के लिए आर्गेनाइजेश अखिल भारतीय महामंत्री श्री ए. एन. मोहारिर ने नागपुर में एक प्रेस वार्ता की जिसको वहाँ के अखबारों ने प्रमुखता से प्रसारित किया । समस्याएँ तो वहाँ दू कर दी गई । वहाँ विशेष काउन्टर खोले गए, प्रेषण कार्य में गति लाई गई, स्टाफ को वेतन में एक रु. के दो पैकेट दिये जाने लगे, परन्तु बैंक ने प्रेस वार्त्ता आयोजित करने के लिए श्री मोहारिर तथा नागपुर इकाई के अध्यक्ष एवं महामंत्री कारण बताओं नोटिस जारी किया जिसके विरोध में नागपुर के कर्मचारीगण संघ हैं । आर्गेनाइजेशन के एक प्रतिनिधिमंडल ने कल स्थानीय प्रबंधक को (गवर्नर के संबोधित) एक ज्ञापन प्रस्तुत किया जिसमें यह मांग की गई है सर्वश्री मोहारिर, तथा बावणे के विरूद्ध जारी कारण बताओं नोटिस को अविलंब वापस ली जाये

आज उसी संघर्ष के क्रम में भोजनावकाश में (1.00 बजे दिन) एक म द्वार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है, आप सबों से आग्रह है कि उसमें शामिल होकर संघर्ष को बलवती बनायें ।

संघर्षपूर्ण बधाईयों के साथ,

भवदीय,

(डा. मिथिलेश कुमार

बी. एम. एस.
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ. } अमर रहे ।
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - १/९३ दिनांक १ जनवरी ९३

प्रिय भाइयों एवं बहनो ,

समय की शिला पर अमिट लेख -

" समर शेष है , नहीं पाप का भागी केवल व्याध ,

जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनका भी अपराध । "

स्थानीय एसोसियेशन द्वारा वितरित परिपत्र संख्या -४२/९२ द्वारा उसका विकृत एवं घिनौना रुप पुनः उजागर हुआ है । ६ दिसम्बर की घटनाओं को " राष्ट्रीय त्रास कहते हुए उसने इस देश की मुख्य धारा को धिक्कारा है । मित्रों, इन वामपंथियों को भारत के इतिहास में सब काला ही काला नजर आता है । वामपंथी इतिहासकारों का लिख पढ़कर भारतीय मनुष्य ग्लानि से भर जाता है कि हमारे पुरखे इतने अज्ञानी , दुष्ट औ षडयंत्रकारी लोग थे । देश में आपसी सद्भाव और एकता -अखंडता के सभी कथित पैर को यह साफ समझ लेना चाहिये कि इस देश के महापुरुषों और लोक आस्थाओं का किये बिना अब बात बनने वाली नहीं है ।

इन्हीं कम्युनिस्टों ने न केवल आजादी के आन्दोलन का विरोध किया वरन् नेत सुभाष बोस को जापानी कुत्ता कहकर सड़कों पर प्रदर्शन किया , सन् १९६२ के चीनी आक्रमण को " मुक्ति युध्द " करार दिया तथा सन् १९७४ के सम्पूर्ण क्रान्ति आन्दोलन फासिस्ट आन्दोलन कहा । आज पुनः जब छद्म धर्मनिरपेक्षता के विरुध्द पूरा देश आन्दो है, राष्ट्रीय अस्मिता को जागृत करने एवं खोये स्वाभिमान को प्राप्त करने हेतु " उ पवन " बहने लगा है तो यही कम्युनिस्ट अपने राष्ट्र विरोधी मनसूबों को उजागर लगे हैं । जिस " वंदे मातरम " को गाते हुए अनेक सपूत फांसी के फन्दे पर झूल गये , उसे संसद में गाया जाना इनके लिए साम्प्रदायिक है । कश्मीर में मंदिरों को तो जाना , वहां से हजारों लोगों को भगाया जाना, मां बहनों की इज्जत को लूटा तथा उनके कोमल अंगों पर"पाकिस्तान जिन्दाबाद"गुदवाया जाना इनके लिए सेकुलरवाद

मित्रों, कभी गांधी जी ने"नवजीवन " में लिखते हुए दिनांक २७-७-३७ को था " मंदिरों को तोड़ कर बनायी गयी मस्जिदें हमारी गुलामी के चिह्न हैं " । एक ही पराजय का स्मारक दिनांक ६ दिसम्बर को ध्वस्त हो गया है । वह हमारे लिये लज्ज नहीं हो सकती । भले ही खेद प्रगट किया जा सकता है । और यह खेद भी वैसा ही होगा जैसाकि आधे राज्य के हकदार पांडवों को पांच गांव भी न प्राप्त होने पर कुर के मैदान में भीष्म तथा अन्य स्वजनों पर वाण -वर्षा करते वक्त अर्जुन को हुआ था । उसमें शर्म की कोई बात न थी । वह स्वत्व और धर्म का युध्द था । आज हमें सोचना हमारी परम्परा बाबर की है अथवा राम की । बाबर एक विदेशी लुटेरा था जिसने हम मंदिरों को तोड़ा ताकि इस देश के हिन्दुओं का मनोबल टूट जाय । राम हमारे पु विजय का प्रतीक हैं । इस देश में रहने वाले (चाहे किसी भी मजहब के हों) लोग नसों में राम का रक्त बह रहा है न कि बाबर का ।

आज सोया हुआ राष्ट्रीय स्वाभिमान पुनः जाग रहा है । आइए हम सब इस धारा को बलवती बनायें । राष्ट्रद्रोही शक्तियों के प्रतिनिधि (साम्यवादी एसोसियेशन " सामूहिक रुप से नाता तोड़ें तथा बाबरवादियों की सद्भावना रैलियों से दुर्भावना दुर्गन्ध फैलाया जा रहा है, उससे वातावरण को मुक्त कर राष्ट्रीय स्वच्छ बयार वहाए तटस्थता का वक्त बीत गया , अब इस राष्ट्रीय यज्ञ में सक्रिय समिधा - हव्य चाहिये ।

नव वर्ष की शुभ कामनाओं के साथ ,

आपका सहयोगाकांक्षी

(डा० मिथिलेश कुमार सि

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- २/९२ दिनांक ३०-१

भाईयों एवं बहनों ,

राष्ट्रवादी शक्तियों की शानदार विजय -वामपंथी मंसूबे ध्वस्

रिजर्व बैंक कर्मचारी सहकारी साख एवं साख समिति लि०, पटना की कल २९-१-९ सम्पन्न नई प्रबन्धकारिणी के चुनाव में आपने पुनः एकबार राष्ट्रवादी शक्तियों को वि से विभूषित कर यह प्रमाणित कर दिया है कि क्षुद्र राजनीति और खारिज वामपंथ की देश में कोई जगह नहीं रही । हम कृतज्ञभाव से आपके विवेक एवं दूरदर्शिता का परि बारम्बार पाकर हृदय से गदगद् हैं । वामपंथ का हताश नेतृत्व और वर्ग संघर्ष द्वारा कर्मचारी हितों के स्वघोषित प्रहरी आपके इस निर्णय से अब भी चेतें और राष्ट्रवाद ज्वार का अभिनन्दन करें ।

सोना तो सोना है ,टीन नहीं होगा ।
सूर्य कभी कौड़ी का तीन नहीं होगा ॥

सभी बन्धुओं से आग्रह है कि राष्ट्रवादी शक्तियों को और सशक्त करें ।

शानदार बधाईयों के साथ

एन०ओ०बी०डब्लू०
बी०एम०एस०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०

अमर रहे - अमर रहे ।

भवदीय ,

(डा० मिथिलेश
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कस आर्गेनाइजेशन, पटना
{सम्बद्ध-भारतीय मजदूर संघ, एन·ओ·बी·डब्लू·}

परिपत्र सं0-3/93 दिनांक

मित्रो,

बैंक परिसर में इफ्तार पार्टी की परम्परा

विदित हो कि रिजर्व बैंक कर्मचारी सहकारी बचत एवं साख स
ने स्थानीय प्रबंधक को अपनी ओर से आयोजित इफ्-तार पार्टी में सम्मिलित हों
दिया है। इस संदर्भ में आर्गेनाइजेशन का दृढ़ मत है कि बैंक परिसर में इस प्रका
पार्टी का आयोजन आपत्तिजनक है।

प्रथमत: बैंक प्रबंधन ने स्वयं ही अपने परिपत्र के माध्यम से बैंक प
किसी प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान को रोकने का संकल्प लिया है। यदि प्रबंधक मुद
ऐसे धार्मिक अनुष्ठान में शारीक होते हैं तो वे अपनी ही बनायी हुई आचार सं
उल्लंघन करते हैं। यह बात साफ तौर से, स्पष्ट है कि ईद, होली दिवाली दशहर
के अवसरों पर जो सौहार्द्रपूर्ण सम्मेलन होते रहे हैं वे नितांत सामाजिक हैं जबकि
के अवसर पर चण्डी पाठ, लक्ष्मी गणेश पूजन, हवनादि क्रियाएँ, रोजा रखकर नम
बाद रोजा तोड़ना ये सब धार्मिक अनुष्ठानों की श्रेणी में आते हैं। किसी औद्यो
संस्थान में विश्वकर्मा पूजन की परम्परा को कुछ लोग धार्मिक अनुष्ठान मानते हैं
वे सम्भवत: यह नहीं जानते कि विश्वकर्मा जयंती पूरे भारत वर्ष में राष्ट्रीयश्रम
के रूप में मनाई जाती है और उक्त अवसर पर विश्वकर्मा पूजन में हिन्दुओं या मु
इसाई बंधु सोल्लास भाग लेते हैं। अपने बिहार में ही जिन लोगों ने जमशेदपुर के
औद्योगिक प्रतिष्ठानों में विश्वकर्मा पूजन देखा होगा वे उपर्युक्त तथ्य से भलीभांति
होंगे।

अतएव इस परिपत्र के माध्यम से हम सहकारी समिति के सचिव महो
आग्रह करते हैं कि वे अपनी समिति की जमा पूँजी की कीमत पर ऐसे आयोजनों से प
करें क्योंकि इससे न केवल सार्वजनिक धन का अपव्यय होगा वरन् रिजर्व बैंक के कर्मचा
का एक बड़ा वर्ग भी अपने को उपेक्षित अनुभव करेगा क्योंकि उसकी भी अपेक्षा रहेगी
समिति होली गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती पर्व, ईस्टर और सरहुल आदि के मौके पर
इसी प्रकार की भ्रातृत्व-संध्या आयोजित करे।

हमें तो आश्चर्य है कि हमने रिजर्व बैंक पटना में रक्तदान शिविर के
का प्रस्ताव रखा था जिसे प्रबंधन ने न जाने क्यों सीधे-सीधे ठुकरा दिया था। पर
आज वही प्रबंधन बैंक परिसर में इफ्तार पार्टी के आयोजन को हरी झंडी कैसे दिखा
है? रिजर्व बैंक के प्रबंधन से भी हमारा निवेदन है कि वे ऐसे आयोजन में सम्मिलित
होकर धार्मिक विभेद को उभरने से रोकें और साथ ही अपने ही परिपत्र की भावना
आदर करें।

शुभकामनाओं सहित,

भवदीय,

{ह० अपठनीय}

{घनश्याम पाण्डेय}
सचिव

भारतीय मजदूर संघ,
एन·ओ·बी·डब्ल्यू·
आर·बी·डब्ल्यू·ओ
अमर रहे!

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन·ओ·बी·डब्ल्यू से संबद्ध)

परिपत्र सं0- 7/93 दिनांक 27·3

मित्रो,

29 मार्च 1993 को देशव्यापी हड़ताल

नेशनल आर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक वर्कर्स के आह्वान आगामी मार्च को विभिन्न बैंकों के कर्मचारी देशव्यापी हड़ताल पर जा रहे हैं। हमारी माँगें हैं

1· एन·ओ·बी·डब्ल्यू·को वार्ता में शामिल करने पर लगा प्रतिबंध हटाया ज
उसे बिना शर्त वार्त्ता हेतु आमंत्रित किया जाय।

2· ट्रिब्यूनल के फैसले पर मुकदमे बाजी करके रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन को
वार्ता में शामिल करने से रोकने की प्रवृति बन्द हो और अवार्ड के फैसले
उसे बिना शर्त मान्यता प्रदान कर समझौता वार्ता में शामिल किया जा

3· ग्रामीण बैंकों की सुधार व्यवस्था हेतु नेशनल रूरल बैंक ऑफ इण्डिया का
किया जाय।

4· सेवानिवृत्ति के तृतीय लाभ के रूप में ही पेंशन दिया जाय। बैंक के भविष्य
अंशदान की कीमत पर पेंशन की सौदेबाजी बन्द हो।

5· [illegible] प्रस्ताव को नहीं माना जाय।

6· कर्मचारियों को वेतन समझौता होने तक उनके वेतन का 15 प्रतिशत अतिरि
क्त रूप में दिया जाय।

7· अंधाधुंध कम्प्यूटीकरण पर रोक लगाई जाय।

मित्रों, उपरोक्त ज्वलंत मुद्दे पर हमारा संघर्ष बिल्कुल वाजिब और है। आपसे निवेदन है कि कर्मचारी एकता की दृढ़ता का परिचय देते हुये 29 मार्च हड़ताल को शत प्रतिशत सफल बनायें।

नवसंवत्सर की शुभकामनाओं सहित !

भारतीय मजदूर संघ
एन·ओ·बी·डब्ल्यू·
ए·आई·आर·बी·डब्ल्यू ओ
बी·पी·बी·डब्ल्यू·ओ

जिन्दाबाद,

जिन्दाबाद !!

आपका भ्रातृवत्
(डा· मिथिलेश कुमा
महासचि

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
ए·आई·आर·बी·डब्लू ओ:एन०ओ०बी डब्ल्यू एवम् बी·एम·एस·से सम्बद्ध

दिनांक 24·4·93

महासचिव का प्रतिवेदन

सम्माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण एवम् बन्धुओ,

आर्गेनाइजेशन के 14 वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत करते हुए आलोच्य कालखंड के लिए महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है ।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य अवधि में राष्ट्रीय नव निर्माण एवम् सांस्कृतिक पुनरूत्थान के आन्दोलन में भारत के अनगिनत सपूत शहीद हुए उनके अप्रतिम त्याग एवम् बलिदान का सादर स्मरण करते हुए हम उन्हें अपनी अन्यतम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । श्रमिक संघ आन्दोलन, मानवाधिकार, प्रजातंत्र की रक्षा के लिए अनेक लोगों ने अपना सर्वस्व निछावर कर दिया उन्हें हम श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । आतंकवादियों अलगाववादियों, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों और नक्सलियों द्वारा मारे गये निर्दोष नागरिकों को हम अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । अपने परिवार के कई वरिष्ठ नेता, कार्यकर्ता एवम् सहयोगी हमारे बीच नहीं रहे, उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अन्तर्राष्ट्रीय :- अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में लगातार परिवर्तन होता रहा -साम्यवादी गढ़ के विघटन के बाद अमेरिका भू मंडल के मानचित्र पर अपनी दादागिरी चलाने के लिए प्रयत्नशील है । विश्व बैंक एवम् आइ·एम·एफ·के माध्यम से विकासशील एवम् अविकसित राष्ट्रों पर वह अपना शिकंजा, कसता जा रहा है, परन्तु राष्ट्रवादी शक्तियां हर जगह उसके नापाक इरादे को समझते हुए उसके विरूद्ध गोलबन्द होकर आवाज बुलन्द करने लगी है । यही आशा की एक किरण है ।

राष्ट्रीय परिदृश्य :- राष्ट्र आज चौराहे पर खड़ा केन्द्रीय सरकार लकवाग्रस्त एवम् दिग्भ्रमित है । राजनैतिक, सांस्कृतिक एवम् आर्थिक मुद्दों पर सरकार की विफलता जग जाहिर है शासक दल अन्तर्कलह से ग्रस्त है, लोकतंत्र एवं मौलिक अधिकारों का गला घोटने के लिए वह सदैव प्रयत्नशील है । आए दिन अलोकतांत्रिक असंवैधानिक निर्णय लिए जा रहे हैं । देश की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल है । देश पर प्रति भारतीय छः हजार का कर्ज है । बोफोर्स घोटाले पर अनुसंधान चल ही रहा था कि आलोच्य अवधि में इस सदी का सबसे बड़ा, घोटाला, हर्षद मेहता शेयर घोटाला हुआ, जिसमें बड़े नेताओं, केन्द्रीय मंत्रियों एवं उनके सगे-सम्बन्धियों सहित उच्च प्रशासनिक अधिकारी संलग्न हैं । केन्द्रीय सरकार के नई आर्थिक एवं औद्योगिक नीति के परिणाम सामने आने लगे हैं । गोल्डेन हैंड शेक एवम् स्वैच्छिक सेवा निवृति के रूप में हजारों श्रमिकों को बाहर कर दिया गया है तथा हजारों इसमें पंक्तिबद्ध है । देश की घरेलू स्थिति दयनीय है । छद्म धर्मनिरपेक्षता वादी एवम् विदेशी तत्वों के उकसाने में आकर दिग्भ्रमित असामाजिक तत्वों एवम् विदेशी घुसपैठियों द्वारा देश में गृह युद्ध की स्थिति पैदा कर दी गयी है।

देश में हाल में हुए दंगे इसके प्रमाण है ।आम लोगों पर,क्या,पुलिस बल पर भी ए.के. 47 का प्रयोग किया गया ।बम्बई,कलकत्ता में हुए बम विस्फोट एवम् देश के अन्य नगरों में छापामारी में प्राप्त विस्फोटक पदार्थ देश द्रोहियों के मंसूबे के संकेत हैं।सरकार निष्पक्ष जाँच करवाने में भी संकोच कर रही है,उल्टे सत्ताधारी दल ने लाशों पर राजनीति करना शुरू कर दिया है ।

6 दिसम्बर 1992 भारतीय इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जायगा।इस दिन सदियों से गुलामी के प्रतीक एवम् छद्म धर्मनिरपेक्षता का ढाँचा ध्वस्त हुआ ।राष्ट्रीय पुनर्निमाण के आन्दोलन से भयाक्रान्त केन्द्रीय सरकार,उत्तर प्रदेश की सरकार सहित अन्य तीन लोकतांत्रिक ढंग से निर्वाचित सरकार को बर्खास्त कर दिया । राष्ट्रवादी संघटन पर प्रतिबंध लगाना इसके दिमागी दिवालियेपन का ही प्रतीक है ।वास्तव में 6 दिसम्बर की घटना राष्ट्रीय शर्म नहीं बल्कि राष्ट्रीय गौरव को प्रतिष्ठित करता है ।मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के फैसले केन्द्र सरकार के गलत इरादे को उजागर कर दिया है ।

आलोच्य अवधि में अपने प्रदेश की स्थिति और भी बदतर हुई ।सामूहिक नरसंहारों एवम् हत्याओं का ताँता लगा रहा ।नारियों का चीर हरण और बलात्कार, मासूमों का अपहरण होते रहा।आलोच्य कालखंड में प्रदेश का दु:खदायी भीषणतम साम्प्रदायिक दंगा सीतामढ़ी में असामाजिक तत्वों द्वारा प्रायोजित किया गया । प्रदेश आज प्राकृतिक आपदाओं ,सूखा ,अकाल,भुखमरी,कालाजार एवम् अन्य महामारियों से ग्रस्त है ।सत्ताधारी गठबंधन सद्भावना रैली की आड़ में दुर्भावना फैला रहा है ।धर्म निरपेक्षता की आड़ में जातीयता का विष बोया जा रहा है । राज्य के उद्योग धंधे चौपट हो गये हैं ।कल कारखाने बन्द /रूग्ण पड़े हैं । आम नागरिक रोटी जुटाने में असमर्थ हो रहा है परन्तु जन प्रतिनिधि अपने सुख सुविधाओं को बढ़ाने में ही संलग्न हैं । ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू द्वारा विभिन्न केन्द्रों पर श्रमिक संघटनों के गतिविधियों से अवगत कराने के लिए मासिक न्यूज लेटर का शुभारम्भ किया गया है ।रिजर्व बैंक प्रबन्धन द्वारा स्ट्रेटीजिक ऐक्शन योजना -कर्मचारी दृष्टिकोण से सम्बन्धित प्रश्नावली तथा परिणाम के लिए ए.एफ फर्ग्युसन एण्ड को द्वारा करवाने की व्यवस्था की थी जिसका ऑर्गेनाइजेशन ने कड़ा विरोध किया । इसके सदस्यों ने इसका बहिष्कार किया । शेयर घोटाला से सम्बन्धित घटना में तथाकथित लापरवाही बरतने के आरोप में बैंक ने चार अधिकारियों को निलम्बित कर दिया था ।उनके निलम्बन के विरुद्ध अधिकारी संघटनों द्वारा छेड़े गये संघर्ष में ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ ने अपना पूर्ण समर्थन दिया ।अंतत: निलम्बन वापस हुआ ।इस पर हम प्रसन्नता व्यक्त करते हैं तथा पीड़ित अधिकारियों एवम् अधिकारी संघटन को हार्दिक अभिनन्दन करते हैं ।

बैंक के गलत नीतियों एवम् प्रेषण सम्बन्धी अनियमितताओं के विरुद्ध आन्दोलन चलाने के कारण श्री एन.एन.मोहरिर एवम् अन्य पदाधिकारियों के विरुद्ध बैंक दमनात्मक कार्यवाही चलाने का मनसूबा बना रखा था,परन्तु आर्गेनाइजेशन के प्रबल विरोध के कारण उसे मुँह की खानी पड़ी तथा शो काउज [कारण बताओ नोटिस] वापस लेना पड़ा ।

<u>रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ,पटना</u> - आर्गेनाइजेशन ने समय-समय पर अपने अखिल भारतीय कार्यक्रमों को स्थानीय स्तर पर सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया ।एच•एन•रे• कमिटी एवम् नरसिंहम कमिटीकी रिपोर्ट के विरूद्ध प्रदर्शन एवम् जन जागरण अभियान चलाया गया ।नरसिंहम कमिटीकी रिपोर्ट के होलिका दहन का कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया । आर्गेनाइजेशन ने नकदी विभाग में विद्युत आपूर्ति बाधित होने या मशीन की गड़बड़ी से उत्पन्न स्थिति में कोटा कम करने की परम्परा को खत्म करने के प्रयास का दृढ़तापूर्वक विरोध कर सफलता प्राप्त किया ।

तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को विभिन्न प्रशिक्षण वर्ग में भेजने में विलम्ब तथा अनियमितताओं के विरुद्ध आवाज बुलन्द किया गया जिससे फलस्वरूप कई गड़बड़ियों को दूर किया गया तथा क्रमवार भेजने की व्यवस्था सुचारू रूप से लागू की गई ।

कालबद्ध प्रोन्नति हेतु सामूहिक प्रदर्शन एवम् ज्ञापन दिया गया ।मँहगाई और बेरोजगारी के विरुद्ध बी•एम•एस•के आह्वान पर 25•3•92 को द्वार-प्रदर्शन किया गया ।

27•3•92 को नरसिंहम कमिटी के अनुशंसाओं का होलिका दहन कार्यक्रम हुआ ।वनवासी कल्याण केन्द्र के सहायतार्थ निधि संग्रह का अभियान चलाया गया संयुक्त अध्ययन दल के अनुशंसाओं के विरुद्ध संघर्ष के कार्यक्रमों को क्रियान्वित किया गया उसके विरुद्ध सतत् संघर्ष जारी रहेगा,यह संकल्प लिया गया ।

<u>भारतीय मजदूर संघ</u>- भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा दूसरा राष्ट्रीय श्रम संगठन है इस समय इससे सम्बद्ध 3•200 से अधिक पंजीकृत यूनियनों तथा जिनकी सदस्यता सं० 50 लाख के करीब है ।बिहार प्रदेश में इसके पंजीकृत यूनियनों की संख्या 200 तथा सदस्यता संख्या लगभग 5 लाख पहुँच गयी है तथा यह प्रदेश को सबसे बड़े श्रमिक संघ के रूप में प्रतिष्ठित है ।

आलोच्य अवधि में भारतीय मजदूर संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम को आर्गेनाइजेशन द्वारा उत्साहपूर्वक मनाया गया ।केन्द्र सरकार के नई आर्थिक एवम् औद्योगिक नीति तथा बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के आक्रमण के विरुद्ध 7 जून 92 से 13 जून 92 तक चेतावनी सप्ताह मनाया गया और बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियाँ दी गयी 17 जुलाई को अम्बेदकर चौक पर एक दिवसीय सामूहिक उपवास का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।दिनांक 23 जनवरी को जे•पी गोलम्बर [आयकर चौराहा] के पास एक दिवसीय धरना का कार्यक्रम हुआ ।उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में आर्गेनाइजेशन के सदस्यों का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

<u>एन०ओ०बी०डब्ल्यू/बी•पी•बी•डब्ल्यू ओ</u> :- एन•ओ•बी•डब्ल्यू के आह्वान पर एवम् बी•पी•बी•डब्ल्यू के नेतृत्व में सभी कार्यक्रम सोल्लास सम्पन्न हुए ।माँग पत्र पर संघर्ष का शंखनाद हो चुका है ।29 मार्च 1993 को आहूत बैंक हड़ताल इस केन्द्र पर शत प्रतिशत सफल रहा ग्रामीण बैंकों में केलकर आयोग के अनुशंसाओं को पूर्णतः लागू करने के लिए तथा नेशनल रूरल बैंक की स्थापना के लिए प्रदर्शन ,धरना एवम् हड़ताल के कार्यक्रम आयोजित किया गया माँग पत्र सेवा निवृत्ति के तृतीय लाभ के रूप में पेंशन के लिए संघर्ष जारी है ।

ए·आई·आर·बी·डब्ल्यू ओ:- आल इण्डिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन आलोच्य काल-खंड में रिजर्व बैंक के लगभग सभी केन्द्रों पर अपनी क्षमता का विस्तार किया है। विभिन्न केन्द्रों में बड़ी संख्या में लोग इसकी ओर आकर्षित हुए हैं। अपना मांग पत्र प्रस्तुत किया जा चुका है तथा संघर्ष की शुरूआत भी हो चुकी है। 29 मार्च 93 का एक दिवसीय हड़ताल पूर्णतः सक्षम रही। संयुक्त अध्ययन दल के आड़ में प्रबन्धन अपनी मान्यता प्राप्त एसोसियेशन के सहयोग से कर्मचारी विरोधी नीति लागू करने में सफल रहा। नकदी विभाग के पुर्नगठन से प्रोन्नति के मार्ग अवरुद्ध हो गये। कई कोटि में कर्मचारी अतिरिक्त घोषित कर दिये गये हैं। दिन-प्रतिदिन की प्रोन्नति भी रोक दी गयी है। कुछ लोगों को प्रोन्नति तो मिली परन्तु अधिकांश के लिए प्रोन्नति का मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इसके विरुद्ध सभी कर्मचारियों को गोलबन्द होकर सतत् संघर्ष करने की आवश्यकता है।

ए आई आर बी डब्ल्यू ओ - राय कमिटी, नरसिंघम कमिटी, के विरुद्ध तथा कालबद्ध प्रोन्नति, बोनस, तृतीय लाभ के रूप में पेंशन तथा सवारी भत्ता के लिए संघर्ष पथ पर अग्रसर है। 17 जुलाई 92 को इसके विरुद्ध देश व्यापी सामूहिक उपवास का कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्टाफ क्वार्टर के निर्माण, प्रेषण कार्य प्रतिनियुक्ति में अनियमिततायें, तथा पटना केन्द्र पर अधिकारियों की रिक्तियाँ बाहर से भरे जाने के विरुद्ध प्रदर्शन तथा प्रबंधक को ज्ञापन दिया गया। ज्ञातव्य हो कि इस केन्द्र पर वर्षों से सफलता प्राप्त कर दर्जनों लोग बैठे हैं परन्तु अन्य केन्द्रों से अधिकारियों से रिक्त पदों पर भर्ती की जा रही। 17·11·92 को बैंक के तानाशाही रवैये एवम् ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमले के विरुद्ध द्वार प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

29 मार्च 93 को एन·ओ·बी·डब्ल्यू एवम् ए·आई·आर·बी डब्ल्यू ओ· के आह्वान पर अपने मांग पत्र पर वार्ता हेतु एक दिवसीय हड़ताल शत प्रतिशत सफल रहा।

20 अप्रील 93 को दिल्ली के लाल किले के मैदान में भारतीय मजदूर संघ के आह्वान पर श्रमिक समागम में भी अपनी भागीदारी रही।

केन्द्रीय कार्य समिति की बैठकों बी·पी·डब्ल्यू ओ की बैठकों तथा अधिवेशनों में भी अपनी भागीदारी हुई। पटना जिला बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन का सम्मेलन दिनांक 11 अप्रील 93 को सम्पन्न हुआ जिसमें अपना योगदान सराहनीय रहा। इसी सम्मेलन में राष्ट्रवादी बैंक कर्मचारी मंच की स्थापना भी हुई।

सहयोग समितियाँ :- आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक कर्मचारी बचत, सहयोग एवम् साख समिति का चुनाव हुआ जिसमें हमारे दो साथी सफल हुए। यह कर्मचारियों का आर्गेनाइजेशन में व्यक्त विश्वास का प्रतीक है।

बधाई/विदाई -रिजर्व बैंक की सेवा को छोड़कर अन्य सेवाओं में जानेवाले बन्धुओं को हमने उज्जवल भविष्य की शुभकामनाओं के साथ सादर विदाई दी। सेवा निवृत कर्मचारियों को शुभकामना सहित विदाई दी गयी। आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का हम हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हैं।

आभार प्रदर्शन :- बी·एम·एस·के प्रांतीय पदाधिकारियों एवम् बी·पी·बी·डब्ल्यू के पदाधिकारियों ने समय-समय पर हमें मार्ग दर्शन दिया है उनके प्रति हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। आर्गेनाइजेशन के निवर्तमान कार्यकारिणी एवम् सक्रिय कार्यकर्ताओं के प्रति भी हम आभार प्रदर्शित करते हैं, जिनका सहयोग एवम् स्नेह हमें मिलता रहा है।

शुभ कामनाओं सहित।

आपका भातृवत्
(हस्ताक्षर)
डा० मिथिलेश कु० सिंह

बी एम एस
एन·ओ बी डब्ल्यू
ए आई आर बी डब्ल्यू ओ

अमर रहे -अमर रहे।

भारत माता की जय।

प्राप्ति भुगतान खाता

(31 मार्च 1993 को समाप्त होनेवाले वर्ष के लिए)

	प्राप्तियाँ	रकम		भुगतान	रकम
नामे	प्रारंभिक शेष		जमा	मुद्रण एवं छपाई	1556=00
	बैंक में - 2078·65				
	हाथ में - 39·00	2117·65	जमा	डाक व्यय	198=60
			जमा	सभा व्यय/जलपान-	518=00
नामे	चंदा	1960·00	जमा	स्टेशनरी	211=00
नामे	विशेष चंदा	180=00	जमा	यात्रा व्यय	697=00
			जमा	ऋण भुगतान	500=00
			जमा	अन्य संस्थाओं को चंदा	050=00
			जमा	अंतिम शेष-	
				बैंक में 202=45	
				हाथ में 324=60	527=05
		4,257=65			4,257=65

(आनन्द कु० मेहरोत्रा)
अध्यक्ष

(डा० पृथ्वीश कु० सिंह)
महासचिव

(चितरंजन शर्मा)
कोषाध्यक्ष

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन·ओ·बी·डब्ल्यू·से संबद्ध)

परिपत्र सं0 –5/93 | दिनांक 27·4·93

मित्रो,

<u>आर्गेनाइजेशन की वार्षिक आम सभा सम्पन्न</u>

विदित हो कि रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना की वार्षिक आम सभा रिजर्व बैंक एमेनिटी बिल्डिंग स्थित कैन्टीन हॉल में विगत 24 अप्रैल 1993 को सोल्लास सम्पन्न हुआ। झंडों और बैनरों से सुसज्जित परिवेश में भगवान विश्वकर्मा के पूजन और मजदूर गीत के गायन द्वारा आम सभा का शुभारम्भ हुआ। आर्गेनाइजेशन के निवर्तमान अध्यक्ष श्री अरुण कुमार ओझा ने सर्वप्रथम समागत अतिथियों का परिचय दिया और निवर्तमान महासचिव डा0 मिथिलेश कुमार सिंह ने उनका माल्यार्पण पूर्वक स्वागत किया।

अपने उद्घाटन भाषण में भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश महामंत्री श्री कुमार अशोक विजय ने भारतीय मजदूर संघ के सामाजिक दायित्व की चर्चा करते हुए देश के आर्थिक स्वतंत्रता हेतु स्वदेशी जागरण के आन्दोलन में श्रमिकों की सर्वतोभावेन सहभागिता का आह्वान किया। उन्होंने विगत 20 अप्रैल 93 की दिल्ली भारतीय मजदूर संघ की समागमन की सफलता का उल्लेख करते हुए इसे राष्ट्रवाद के प्रखर उन्नमन का संकेत बताया। इस अवसर पर राष्ट्रवादी बैंककर्मी मंच के संयोजक इलाहाबाद बैंक के अधिकारी श्री संजय कुमार होराइजन ने अपने ओजस्वी भाषण में राष्ट्रवाद की सामयिकता का सार-संक्षेप दर्शाते हुए इस तथ्य पर दुःख व्यक्त किया कि अधिकांश बैंक कर्मचारी कार्यालयेतर दैनन्दिन जीवन में तो राष्ट्रवादी विचारों से ओत-प्रोत रहते हैं परन्तु कार्यालय में प्रवेश करते ही वे साम्यवादी चरित्र के बन जाते हैं। उन्होंने इस प्रकार की दोहरी जीवन शैलि को बदलने की मार्मिक अपील की ताकि राष्ट्रवाद की मुख्य धारा के समक्ष आनेवाली बाधाएँ दूर की जा सकें।

तत्पश्चात डा0 मिथिलेश कुमार सिंह ने महासचिव का प्रतिवेदन और श्री चितरंजन शर्मा ने आय-व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जिसे आम सभा में सर्व सम्मति से पारित किया।

आम सभाने निम्नलिखित प्रस्ताव सर्व सम्मति से पारित किये :-

आज की आम सभा रिजर्व बैंक प्रबन्धन से मांग करती है कि :-

1· ए·आइ·आर·बी·डब्ल्यू ओ अविलम्ब मान्यता देते हुये इसे वेतन समझौते में विना श[illegible] आमंत्रित किया जाय।
2· पटना केन्द्र पर रिक्तियों को पहले यहाँ के प्रोन्नति परीक्षा उत्तीर्ण हो गये लोगों भरने के बाद ही बाहर से अधिकारियों को पदस्थापित किया जाए।
3· महिला चिकित्सक की नियुक्ति की चिरलंबित मांग शीघ्र पूरी की जाय।

4. स्टाफ क्वार्टर के निर्माण में आये गतिरोध को दूर करते हुए निर्माण कार्य अविलम्ब शुरू की जाय ।

5. छंटनी प्रस्ताव को पूर्ण रूप से अमान्य घोषित किया जाय ।

6. बैंकों में अंधाधुन्ध कम्प्यूटरीकरण पर अविलम्ब रोक लगे तथा नियुक्ति पर लगे प्रतिबन्ध को वापस लिया जाय ।

7. बैंक कर्मचारियों को तृतीय लाभ के रूप में पेंशन दिया जाय ।

श्री अरुण कुमार ओझा ने भारतीय मजदूर संघ के सिद्धान्तों और आदर्शों के जागतिक महत्व का रहस्योदघाटन करते हुए भारतीय रिजर्व बैंक में आर्गेनाइजेशन को निरंतर सशक्त बनाने में जुटे रहने का आह्वान किया । उन्होंने विगत कार्यकारिणी को भंग करने की घोषणा करते हुए भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री श्री कुमार आलोक विजय से नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न करने का निवेदन किया । और श्री विजय ने नई कार्यकारिणी के सर्व सम्मत निर्वाचन की घोषणा की जिसका विवरण निम्नलिखित है :-

अध्यक्ष - श्री आनन्द कुमार सिंह

उपाध्यक्ष - 1. श्री शैलेश प्रसाद सिंह

2. श्री शेषपति सिंह

महासचिव - श्री विजय वत्स

संगठन सचिव- श्री अजय नंदन

सचिव - 1. निरंजन कुमार वर्मा

2. श्री विरेन्द्र कुमार

3. श्री अजय कुमार

कोषाध्यक्ष - श्री सुशील कुमार लाल

सहकोषाध्यक्ष - श्री अमिताभ दीपक

कार्यसमिति सदस्य- श्री शिव जी सिंह, श्री रामकिशोर पाठक, श्री घनश्याम पाण्डेय, श्री कृजागिरी, श्री मेघनाथ चौधरी, श्री सतीशचन्द्र श्रीवास्तव, श्रीमती मंजू सिंह, श्री भोलानाथ सिंह, श्री राजेन्द्र प्रसाद -2

आम सभा में श्री शैलेश कुमार सिंह महासचिव रिजर्व बैंक कर्मचारी, अध्यक्ष, रि·बैं·कैंटीन कर्मचारीसंघ बचत एवं साख समिति, श्री बी·के·राय, महासचिव रिजर्व बैंक स्पोर्ट्स क्लब/आदि प्रमुख सम्मान्य अतिथियों की उपस्थिति से हमारा अत्यन्त उत्साह वर्धन हुआ ।

अंत में बिहार प्रदेश बैंक कर्मी आर्गेनाइजेशन, पटना के महासचिव श्री रामकिशोर पाठक ने उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए आम सभा की समापन की घोषणा की ।

विजयकामी शुभकामनाओं सहित ।
भारत माता की जय ।

आपका भातृवत
[signature]
(अजयनंदन)
संघटन सचिव

भारतीय मजदूर संघ, आर·बी·डब्ल्यू·ओ·(जिन्दाबाद:जिन्दाबाद
एन·ओ·बी·डब्ल्यू, बी·पी·डब्ल्यू·ओ·)

रिजर्व बैंक वर्क्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन.ओ.बी.डब्ल्यू.से सम्बद्ध)

परिपत्र सं0-6/93 दिनांक 7, मई93

मित्रो,

11 एवं 12 मई 1993 को हड़ताल

आपको याद होगा कि विगत 29 मार्च 1993 को हमने अपने विभिन्न मांगों के समर्थन में एक दिवसीय देशव्यापी सफल हड़ताल की थी। खेद है कि सरकार ने बैंक-कर्मियों के उन मांगों पर अबतक कोई अनुकूल संवेदना व्यक्त नहीं की है। अतएव नेशनल आर्गेनाइजेशन ऑफ बैंक वर्क्स की केन्द्रीय कार्य समिति के निर्णयानुसार अपनी मांगों पर जोर डालने के लिए और सरकार की हठपूर्ण और निष्ठुर श्रमविरोधी प्रवृति के विरुद्ध बैंक कर्मियों के समुचित संघर्ष को तीव्रता प्रदान करने हेतु आगामी 11 एवं 12 मई 1993 को बैंक कर्मचारी द्विदिवसीय हड़ताल पर जाने को विवश हैं।

हमारी मांगें हैं:-

1. केन्द्रीय श्रम अधिकरण की अनुशंसाओं के आलोक में ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू.ओ. को मान्यता प्रदान कर इसे वार्ता हेतु आमंत्रित किया जाय।
2. आगामी वेतन समझौते की तिथि तक कर्मचारियों को मूलवेतन का 15%. अंतरिम सहायता के रूप में दिया जाय।
3. सेवानिवृति के तृतीय लाभ के रूप में पेंशन दिया जाय।
4. सबों को बोनस मिले।
5. अंधाधुंध मशीनीकरण एवं कम्प्यूटरीकरण पर रोक लगे।
6. नियुक्ति पर पाबंदी हटे, एवं
7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था पर विश्वबैंक, आई.एम.एफ एवं बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के बढ़ते वर्चस्व को रोका जाय तथा डंकल प्रस्ताव पूर्णतः अमान्य किया जाय।

सभी बंधुओं से आग्रह है उपर्युक्त मांगों पर हड़ताल में जाने से पूर्व आज तिथि 7.5.93 को दिन में 1.00 बजे द्वार प्रदर्शन में भारी संख्या में शामिल होकर अपनी एकता संकल्पशक्ति और दृढ़ता का परिचय दें।

विजयकामी शुभकामनाओं सहित ·

भवदीय

भा.म.संघ
एन.ओ.बी.डब्ल्यू.
ए.आई.आर.बी.डब्ल्यू ओ.
बी.पी.बी.डब्ल्यू ओ.
जिन्दाबाद!
जिन्दाबाद!

(अजयनन्दन)
संघटन सचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन·ओ·बी·डब्ल्यू से संबद्ध)

परिपत्र सं० 7/93 दिनांक 5·7·93

प्रिय बंधुओं,

<u>श्रमिक शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग में कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति·</u>

ज्ञातव्य है कि भारत सरकार, विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत श्रमिकों के समुचित शिक्षण प्रशिक्षण हेतु श्रमिक शिक्षा केन्द्रों के अन्तर्गत स्थापित निदेशालयों के तत्वावधान में तीन माह की अवधि का एक श्रमिक-शिक्षक-प्रशिक्षण वर्ग प्रतिवर्ष आयोजित करती है। उस वर्ग में निदेशालय द्वारा भारतीय रिजर्व बैंक से भी कर्मचारियों को आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ग में प्रतिनियुक्त कर्मचारियों को विराम भत्ता, यात्रा भत्ता, आदि सुविधाएँ दी जाती है। इस वर्ष भी श्रमिक शिक्षा केन्द्र निदेशालय मुजफ्फरपुर के तत्वावधान में उक्त प्रशिक्षण वर्ग 9·7·93 से आरंभ होने वाला है। यह अत्यन्त ही खेदजनक है कि जहाँ इस वर्ग के माध्यम से रिजर्व बैंक के प्रबंधन आम कर्मचारियों को, उनके सांघटनिक प्रतिबद्धताओं से निरपेक्ष होकर, प्रशिक्षित होने का अवसर देती, वह इस बहाने अपने पोषित श्रमसंघटनों को अनुगृहीत करती है, जबकि यह भारत सरकार की श्रमिक नीतियों के भी सर्वथा प्रतिकूल है और स्वयं रिजर्व बैंक का केन्द्रीय कार्यालय भी इस संदर्भ में किसी भी प्रकार के भेदभाव से असहमत है। मान्यताप्राप्त श्रम संघटन का नेतृत्व भी इस वर्ग में प्रतिनियुक्ति हेतु अपने ही सदस्यों में से उन्हीं व्यक्तियों की संस्तुति करता है जो उसके पसंद के होते हैं। प्रश्न अब यह उठता है कि क्या जाने-अनजाने प्रबंधन एक विशेष विचार धारा को संरक्षण नहीं दे रहा है। प्रश्न यह भी है कि मान्यता प्राप्त संघटन के ही सदस्यों को भेजने में चुनने-बीनने की नीति का क्या औचित्य है और गैर मान्यता प्राप्त संघटनों के लोगों को भी प्रशिक्षित होने के अधिकार कब तक दबाये जाते रहेंगे।

मित्रो, इस संदर्भ में सभी कर्मचारियों को न्याय मिले, यही हमारा पवित्र आग्रह है। हमें प्रबंधन और एसोसिएशन के बनाए तिलस्म को तोड़ना ही होगा अन्यथा हमारे अधिकारों का खजाना इसी तरह दबा रहेगा। हमारा सुझाव है कि ऐसे वर्गों में प्रतिनियुक्ति हेतु वरीयता क्रम से एक-श्रृंखला बनाई जाए और इसी के अनुसार इच्छुक कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु भेजा जाए।

आपसे आग्रह है कि जो भी उक्त वर्ग में जाना चाहते हों, वे सभी आज ही प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन कर दें और संगत संघर्ष हेतु आर्गेनाइजेशन को मजबूत करें।

विजयकामी अभिनन्दन के साथ,
भारत माता की जय।

भारतीय मजदूर संघ
एन·ओ·बी·डब्ल्यू
ए·आई·आर·बी·डब्ल्यू ओ } अमर रहे!

आपका भ्रातृवत्
विजयवत्स
(विजयवत्स)
महासचिव·

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेसन ,पटना

(सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू०)

परिपत्र सं० - ११ /९३ दिनांक १०-९-९३

प्रिय मित्रों ,

भारत बंद की राजनीति और कर्मचारियों का भयादोहन

कल ९ सितम्बर ९३ को भारत बन्द के अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक पटना में कुछ शरारती तत्वों ने जो शर्मनाक हरकतें की हैं वे बंद के आयोजकों के राजनैतिक दुराग्रह का सबसे निन्दनीय उदाहरण है । आज भारत बंद का आह्वान करनेवाले राजनैतिक दलों का जनता में कोई प्रभाव नहीं है यही कारण है कि वे सत्ता की सौदेबाजी में अपने से सम्बद्ध श्रम संघटनों का इस्तेमाल करते रहे हैं । श्रमिक हितों के लिए जहां एक जुट होकर पवित्र संघर्ष किया जाना चाहिये, वहां राजनैतिक प्रतिबद्धता वाले श्रम संगठन, कर्मचारियों में ही वर्ग-संघर्ष की स्थिति पैदा कर रहे हैं ।

रिजर्व बैंक में कल हमारे सदस्य, जब शांतिपूर्वक कार्यालय में योगदान हेतु प्रवेश कर रहे थे तो कुछ स्वनामधन्य मजदूर नेताओं ने हमारे अखिल भारतीय सचिव श्री अरुण कुमार ओझा के साथ हाथापाई की जिसके कारण वे बुरी तरह अस्वस्थ हो गये । इतना ही नहीं मान्यता प्राप्त एसोसियेशन के नेताओं के इशारे पर कुछ हड़ताली कर्मचारियों ने इस राजनैतिक हड़ताल के विरोधी श्री शहाब दानिश सहित कई अपने ही सदस्यों को अपमानित किया ।

मित्रों , दुनिया के मजदूरों को एक होने का नारा देनेवाले वामपंथी नेताओं के सिध्दान्तों के चुक जाने के कारण ,अब वे आतंक और भयादोहन के बल पर अपना नेतृत्व बचाने में लग गये हैं । फिर भी साहस और धैर्य पूर्वक कर्मचारियों ने इस भारत बन्द को नकार दिया, इसके लिये वे बधाई के पात्र हैं । आज राष्ट्रीय हितों और श्रमिक स्वाभिमान के संरक्षण के लिये , देश की चतुर्विध उन्नति और मजदूरों की उत्कृष्ट सेवा सुविधाओं के लिये इन राजनैतिक सौदेबाजों , अवसरवादियों और मजदूरों को गुमराह करनेवालों को सबक सिखाने की घोर आवश्यकता है । इसलिये जिन्हें + आत्मसम्मान पूर्वक राष्ट्र ,उद्योग और श्रमिक हितों के संरक्षण और संवर्द्धन की महान गौरवशाली साधना में सहयोग देना हो , आर्गेनाइजेशन उनका स्वागत करता है ।

विजय कामी शुभकामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत ,

(signature)
(विजय चन्द्र)
महासचिव

भारतीय मजदूर संघ ,
एन०ओ०बी०डब्लू० ,
एफआई०आर०बी०डब्लू०ओ०
वी०पी०वी०डब्लू०ओ० ।

अमर रहे ।
अमर रहे ॥

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू०से संबद्ध)

परिपत्र सं०- 12 /९३ दिनांक १-१०-९३

मित्रो ,

४ अक्टूबर की हड़ताल, वामपंथी नौटंकी ।

रिजर्व बैंक में आजकल हड़तालों का मौसम है । इस मौसम के सूत्रधार वामपंथी श्रम संघटनों ने आगामी ४ अक्टूबर को भी हड़ताल का आह्वान किया है । जहां तक मुद्दों का प्रश्न है, असली मुद्दे तो नेपथ्य में है । रंगमंच पर जो इन्द्रधनुषी मुद्दे प्रदर्शित किये जा रहे हैं वे हैं बोनस, तृतीय सेवानिवृत्ति के रुप में पेंशन और सरकारी आर्थिक नीतियों की वापसी । ये वही अभिनेता हैं जिन्होंने कभी बोनस को हमारे वेतन में ही शामिल घोषित किया था । इन्होंने ही पेंशन और बोनस के मुद्दे पर वर्षों पूर्व आर्गेनाइ--जेशन द्वारा आहूत हड़ताल में हमारे सदस्यों की छाती रौंदकर प्रबन्धन का साथ दिया था । इनके कई नेता सेवानिवृत्ति के द्वितीय लाभ के रुप में पेश की गई पेंशन की योजना को अंगीकृत कर चुके हैं । आर्थिक नीतियों पर संघर्ष का आलम तो यह है कि इनके पास सरकार की आर्थिक नीतियों का वही विकल्प है जिनपर चलकर पूरा साम्यवाद धराशयी हो गया । सरकारी अनुग्रह हो तो सरकार की मौजूदा आर्थिक नीतियों का भी ये गुणगान करने लगेंगे । अर्थनीति के सन्दर्भ में वैचारिक विडम्बना तो यह है कि वामपंथियों के पास साम्यवाद के अलावे कोई चारा नहीं है और सरकार पर पूंजीवाद का भूत सवार है जबकि साम्यवादी और पूंजीवादी दोनों ही आर्थिक मॉडल विश्वभर में असफल साबित हो गये हैं । हमारा दृढ़-मत है कि स्वदेशी अवधारणा पर आधारित राष्ट्रवादी आर्थिक मॉडल ही , भारतीय परिप्रेक्ष्य में सर्वोत्तम है । भारत बन्द के अवसर पर सभी श्रम संघटन मिलकर राजनीतिक गोटी लाल करेंगे । और मजदूरों की बात आई तो दुनिया के मजदूरों को एक होने का उपदेश देनेवाले अपनी डफलियां अलग -अलग बजाते हैं । हम इन पात्रों की असलियत से पूर्णतः अवगत हैं । यही कारण है कि पिछली हड़तालें बम्बई , हैदराबाद ,कानपुर , दिल्ली आदि केन्द्रों पर हो ही नहीं सकीं । चार अक्टूबर की हड़ताल , इन अभिनेताओं की भूमिका को शोकान्तिका में बदलने जा रही है । मजदूरों को गुमराह करने वाले इन श्रम संघटनों से सावधान रहकर हमें अपने हितों के लिये अपनी लड़ाई खुद लड़नी है । अतएव आर्गेनाइजेशन के सदस्य आमदिनों की तरह चार अक्टूबर को भी नियमित रुप से कार्यालय में अपना योगदान देंगे । प्रबन्धन एवं हड़ताल के समर्थकों को भी इस परिपत्र के माध्यम से आगाह किया जाता है कि इस बार पिछली हड़तालों की अशोभनीय हरकतों से परहेज करें और कार्य पर आने को इच्छुक कर्मचारियों के लिये प्रवेश द्वार को बाधित करने की भूल न करें अन्यथा किसी भी प्रकार की अशांति के वे पूर्णतः जबाबदेह होंगे ।

शुभकामनाओं सहित ।

आपका भ्रातृवत्

भारतीय मजदूर संघ ,	अमर रहे ।	
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०	अमर रहे ॥	
बी०पी०बी०डब्लू०ओ०		(विजय वत्स)
		महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - १३/९३ दिनांक ८-१०-९३

मित्रों ,

" बिग -ब्रदर्स " को गुस्सा क्यों आता है ?

आपने प्रबन्धन के पालतू एसोसिएशन का परिपत्र सं० २५/९३ (दिनांक - ४ अक्टूबर ९३) देखा होगा । पहली बार एसोसियेशन ने एक गैर मान्यता प्राप्त श्रमसंघटन के संदर्भ में लगभग पूरा परिपत्र खर्च कर डाला है , यह रिजर्व बैंक के अन्तर्गत आर्गेनाइजेशन की उपादेयता को सिद्ध करते हुए उसके महत्व को रेखांकित करता है । हमारे परिपत्र में जो प्रश्न उठाये गये थे, उनका उत्तर देने के बजाए प्रश्नों को गालियां बताकर टाल दिया गया है । वे प्रश्न आज भी उत्तरों की अपेक्षा रखते हैं । बिल्कुल ही दार्शनिक शैली में प्रारम्भ हुआ परिपत्र अगले अनुच्छेद में आर्गेनाइजेशन को वफादारी , चरित्र और अनुशासन का पाठ पढ़ाता नजर आता है । पहले तो एसोसियेशन के नेता यह बताएं कि आर्गेनाइजेशन को उपदेश देने का अधिकार उन्हें किसने दिया ? यदि किसी ने दिया भी हो तो क्या वे इसके योग्य हैं ? वफादारी, चरित्र और अनुशासन के मामलों में कम से कम एसोसियेशन तो हमारा आदर्श कतई नहीं हो सकता । एसोसियेशन के वर्तमान सचिव का ही उदाहरण लें जो बम्बई में अपनी केन्द्रीय कार्यसमिति में पटना का प्रतिनिधित्व करते हुए पटना केन्द्र पर एक दिवसीय हड़ताल को विफल कराने का श्रेय ले चुके हैं । कैसी है यह वफादारी ? विभिन्न पदों पर इनके कार्यकाल में वफादारी , चरित्र और अनुशासन की अनेक मिसालें हैं , पर क्या बताएं " बिग ब्रदर्स " को गुस्सा आ जायेगा । वस्तुतः इनका संघर्ष प्रबन्धन से नहीं, परस्पर विरोधी आंतरिक धाराओं से है । एसोसियेशन में घोर वामपंथी , कांग्रेसी और अवसरवादी अन्तर्धाराओं की क्रिया -प्रतिक्रिया निरंतर चलती रहती है । वर्तमान सचिव तीसरी धारा के प्रतिनिधि हैं जो सम्प्रति घोर वामपंथियों के बंधक की तरह कार्य कर रहे हैं ।

जहां तक आर्गेनाइजेशन की स्थानीय इकाई द्वारा अपने केन्द्रीय नेतृत्व द्वारा हड़ताल के आह्वान को न मानने की बात है , कई सवाल यहां भी पैदा होते हैं । हमें केन्द्रीय नेतृत्व का कोई पत्र / संवाद इस सन्दर्भ में अबतक प्राप्त नहीं हुआ है , जबकि दो सितम्बर को हड़ताल में न जाने , चार अक्टूबर के हड़ताल के स्थगित होने और भूकम्प पीड़ितों की आर्थिक सहायता करने से सम्बद्ध सभी टैलेक्स संवाद हमें बैंक कार्यालय के माध्यम से ही प्राप्त हुए हैं, फिर ४ अक्टूबर को हड़ताल पर जाने से सम्बद्ध टैलेक्स अथवा कोई पत्रक कहां गुम हो गया ? हमें संदेह है कि उक्त टैलेक्स अथवा पत्रक को किसी न किसी स्तर पर दबा दिया गया और हमारे बीच विभ्रम पैदा करने के उद्देश्य से केन्द्रीय नेतृत्व और हमारे बीच संवादहीनता की स्थिति लाने का निन्दनीय प्रयास किया गया । इनके परिपत्र के अंतिम अनुच्छेदों में दार्शनिकता का पूरा मेकअप बिगड़ जाता है और परिपत्र -लेखक अपने मौलिक हिंसक स्वरुप में उपस्थित हो जाता है । मित्रों , तथाकथित रुप से २५-३० लोगों का उक्त संघटन यदि कागजी ही है तो वह एसोसियेशन जैसे मान्यता प्राप्त विशाल संघटन का क्या बिगाड़ सकता है ? राष्ट्रवादी अनुष्ठान में जलाकर रखा गया , आर्गेनाइजेशन रुपी अखण्ड -रक्षा-दीप किसके अस्तित्व को चुनौती दे रहा है ? स्पष्टतः उस घोर अंधेरे के विशाल साम्राज्य को जिसमें बैंक कर्मियों के उज्जवल भविष्य को वामपंथियों ने कैद कर रखा है । स्वयं बेफी भी एक माइक्रोस्कोपिक माइनारिटी संघटन है , जिसका स्वरुप भी क्षेत्रीय है और प्रभाव भी सीमित । यह आजकल ए०सी०बी०ई० के कंधों पर सवार होकर अपनी ऊंचाई बढ़ा रहा है । शायद यह का० आशीष सेन के पटना की एक

N.B. - मराठवाड़ा-भूकंप-पीड़ितों के सहायतार्थ राष्ट्रीय स्वयंसेवक द्वारा गठित "जनकल्याण समिति" को उदारतापूर्वक सहयोग करने की कृपा करें ।

कृ०पृ०उ०

सभा में की गई अभिव्यक्ति को चरितार्थ कर रहा है - " ए चाइल्ड ,स्टैंडिंग आॅन द सोल्जर्स आफ हिज फादर सेज - ओ । फादर । लुक आइ एम हाइयर देन यू " । ऐसे लोग हमारी विशालता भला कैसे माप सकते हैं , अतः असफल होकर गलत ही आकड़े देंगे । ये लोग जब अपनी मान्यता को बचाए रखने के लिये प्रबन्धन के शरणागत बने रहेंगे तो कर्मचारी अपने पैसे बचायेंगे ही । जहाँ तक एसोसियेशन के " सब्जबाग " में फलों की खेती का प्रश्न है , वहाँ तो सर्वत्र बबूल ही उगे हुए दिखाई पड़ते हैं । इन भाइयों ने हमारे दतवन का भरपूर प्रबन्ध तो कर दिया है मगर खाने को फल एक भी नहीं मिल रहा । आइए इनके तथाकथित फलों की कुछ प्रजातियों पर एक नजर डालते चलें और सोचें ये फल हैं कि कांटे ?

१- कई कर्मचारी ५-६ वर्षों से स्टाफ अधिकारी ग्रेड की परीक्षा पास कर बैठे हुए हैं जिनकी अबतक प्रतिनियुक्ति न हो सकी है ।

२- नकदी विभाग में दस सिक्का नोट परीक्षकों का समूह चलता था । बीचे ट्रिब्यूनल के निर्णय के आलोक में इस समूह को ७ का बना दिया गया । अब इनके संयुक्त अध्ययन दल ने इस समूह को १४ का बना दिया है । इतना ही नहीं नकदी विभाग को मछली बाजार बनाकर लगभग दो दर्जन सि०नो०प०श्रेणी -। को सरप्लस घोषित कर दिया गया है ।

३- अपनी मान्यता बचाने के लिये कम्प्यूटरीकरण हेतु प्रबन्धन की शर्तों पर समझौता इन्होंने ही किया ।

४- सी०सी०ए० और बोनस के वेतन में शामिल होने की घोषणा इन्होंने अपने परिपत्रों में कईबार कर रखी है । ऐसे कई फल हैं ,जिनका जायजा फिर कभी ।

अब जरा देखिए हमारे मार्क्सवादी बंधु , आजभी आर्गेनाइजेशन के लगाये हुए गये जिन फलों को चटखोरे लेकर खा रहे हैं वे फल हैं -
(१) ९ वर्ष की सेवा अवधि पूर्ण करने पर ग्रेड -। भत्ता (२) सी०सी०ए० (३) प्रेषण कार्य में समयोपरिभत्ता (४) अन्य सुविधाएँ -यथा चिकित्सा एल०एफ०सी०,स्टाफ रेगुलेशन के कर्मचारी विरोधी विभिन्न धाराओं का निरस्तीकरण । (५) काउन्टर की ड्यूटी के लिये रिलीवर की व्यवस्था से दो गणकों की प्रोन्नति ।

मित्रो , बोनस ,तृतीय सेवानिवृत्ति -लाभ के रुप में पेंशन आदि मांगों के महत्त्व और उनकी सम्यक प्राप्ति के लिये सात्विक संघर्ष की अपरिहार्यता से हम पूर्णतः अवगत हैं लेकिन हमारा सदैव आग्रह यही रहा है कि यह संघर्ष मात्र नाटकीय न होकर रचनात्मक और विश्वसनीय हो । इन मुद्दों पर सबसे पहले संघर्ष छेड़नेवाला संघटन आर्गेनाइजेशन ही है, लेकिन वामपंथियों ने अपने वर्चस्व ,मान्यता और राजनैतिक अस्तित्व को बचाए रखने के लिये हमारे संघर्ष को निर्बल करने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी । कई बार संयुक्त संघर्ष का प्रस्ताव कर ऐन मौके पर अपने पांव खींचकर इन्होंने हमें धोखा दिया है । इस सम्बन्ध में एकही उदाहरण काफी होगा - ए०आई०बी०ई०ए / एन०सी०बी०ई० / बी०ई०एफ०ई० आदि संघटनों ने ६ सितम्बर १९९१ को हड़ताल पर जाने का फैसला लिया और एन०ओ०बी०डब्ल्यू० को साथ देने का प्रस्ताव किया । एन०ओ०बी०डब्ल्यू० ने इसे मानते हुए हड़ताल को पूर्ण समर्थन देते हुए पूरी तैयारी कर ली , लेकिन अंतिम क्षणों में यह हड़ताल वापस ले ली गई और एन०ओ०बी०डब्ल्यू० को इसकी सूचना तक नहीं दी गई , जिसके कारण कई स्थानों पर लोग हड़ताल पर चले गये । इसलिये भविष्य में भी हम अच्छी तरह विचार कर ही कोई कदम उठायेंगे । अपने सैद्धान्तिक गौरव ,उच्चादर्शों और दूरदर्शिता के ही कारण आर्गेनाइजेशन आज बैंक कर्मचारियों की आँखों का तारा बना हुआ है ।

आसन्न नवरात्र की शुभकामनाओं सहित ,

आपका भ्रातृवत् ,
(विजय वत्स)
(विजय वत्स)
महासचिव

नागाजुर संघ | अमर रहे ।
एन०ओ०बी०डब्ल्यू० , | अमर रहे ।
ए०आई०टार०बी०डब्लू०ओ० |

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं बी०एम०एस० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - १४/९३ दिनांक २९-१०-९३

२ नवम्बर ९३ से अनिश्चितकालीन हड़ताल

प्रिय मित्रों,

जे०ए०सी० द्वारा आहूत हैदराबाद में पिछले १२ अक्टूबर को बैठक हुई। जे०ए०सी० के नेता एवं ए०आई०बी०ओ०सी० के महामंत्री श्री आर०एन०गोडबोले ने उक्त बैठक में हमारे एन०ओ०बी०डब्लू०, एन०ओ०आई०डब्लू०, ए०आई०आर०बी०डब्लू० आदि संगठनों के नेताओं यथा श्री एन०ए०प्रभु, श्री ए०एन०मोहरिर, के०एन०राव आदि को निवेदनपूर्वक आमंत्रित किया। जे०ए०सी० ने हमारे चार नेताओं को सचिव के रूप में सर्वसम्मति से नियुक्त किया। हमारे प्रतिनिधियों ने हड़ताल से सम्बन्धित मुद्दों, कार्यक्रमों एवं समझौता वार्ताओं से सम्बन्धित अपने विचार प्रकट किये।

सब प्रकार से विचार विमर्श के बाद जे०ए०सी० द्वारा पूर्वनिर्धारित २ नवम्बर ९३ से होने वाले अनिश्चितकालीन हड़ताल को सफल बनाने हेतु सभी घटक संगठनों ने निर्णय लिया। उक्त निर्णयों के आलोक में हमारे अखिल भारतीय संगठन ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० के पत्र के अनुसार जे०ए०सी० के सभी कार्यक्रमों में हमें सम्मिलित होना है।

अतः हड़ताल को सफल बनाने, एवं अपने न्यायोचित मांगों के पक्ष में वातावरण बनाने हेतु आज दिनांक २९-१०-९३ और १-११-९३ को लंच अवकाश (दोपहर १.१५ बजे) में बैंक के मुख्य द्वार पर द्वार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है।

सभी सदस्यों से आग्रह है कि उक्त द्वार प्रदर्शनों में सम्मिलित हों।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०
एन०ओ०बी०डब्लू०
बी०एम०एस०
कर्मचारी एकता

जिन्दाबाद

आपका भ्रातृवत्
(हस्ताक्षर)
(अजय नन्दन)
संगठन सचिव

रिजर्व बैंक वर्क्स आर्गेनाइजेशन, पटना

सम्बद्ध •भा•अ•संघ एवं एन•ओ•बी•डब्लू

आमंत्रण पत्र

मित्रो,

विदित हो कि रिजर्व बैंक वर्क्स आर्गेनाइजेशन, पटना की वार्षिक आम सभा दिनांक 19 फरवरी 94 (शनिवार) को अपराह्न कार्यालय अवधि के पश्चात् रिजर्व बैंक, एनेक्सी बिल्डिंग में होना निश्चित हुआ है।

अस्तु, आप सभी सदस्यों, सहयोगियों एवं शुभेच्छु बंधुओं से आग्रह है कि उक्त सभा में आवश्यक रूप से सहभागी बनें, ताकि कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित हो सके।

सधन्यवाद।

ह0/- विजय बंसल

(विजय बंसल)
महासचिव

ॐ

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना ।
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन.ओ.बी.डब्लू. से संबद्ध)

परिपत्र संख्या -1/94 दिनांक 4 जनवरी 1994

प्रिय मित्रों,

रिजर्व बैंक कर्मियों के लिए चौरानबे का साल-सर्द खौफनाक हवाएं बहने वाली हैं।

यों तो अतीत में ही समाप्त होने वाले तथा भविष्य में ही प्रारंभ होने वाले वर्ष से अपना कुछ लेना-देना नहीं है, फिर भी अगर सब कुछ इसी काल-योजना के हिसाब से चल रहा है तो कुछ-न-कुछ लेखा-जोखा तो लेना ही पड़ता है। तिरानबे का साल अपने कुछ सहकर्मियों के लिए प्रोन्नति का तोहफा लेकर आया था। ऐसे उस समय भी प्रोन्नत बंधुओं को बधाई देते हुए आर्गेनाइजेशन ने चेताया था कि इस चहचहाहट के पीछे असंख्य साथियों के भविष्य का करुण क्रन्दन छिपा हुआ है।

चौरानबे का वर्ष हमारे लिए सर्द खौफनाक प्रभंजन की आहट लेकर उपस्थित हुआ है। एक बार फिर मान्यता की ओट में कुत्सित षड्यंत्र रचा गया है। आपको याद होगा कि संयुक्त अध्ययन दल के प्रतिवेदन के अनुसार नकदी विभाग में कुछ प्रोन्नतियाँ दी गई थीं तथा नकदी अनुभागों में मछली-बाजार जैसी स्थिति उत्पन्न कर दी गई थी। हमने उन दिनों ही कहा था कि इसका दूसरा भाग और अधिक भयावह एवं कुटिल है। सन् चौरानबे दूसरे भाग का साल है। आने वाले दिनों में जब दूसरे भाग का कार्यान्वयन आरंभ हो जाएगा तो आप देखेंगे कि नकदी विभाग में कार्यरत साथियों के साथ कितना क्रूर मजाक किया गया है। नोटों का कोटा दुगुने से अधिक हो गया है। सील भी स्वयं ही लगाना पड़ेगा। मजदूर संवर्ग को साथियों की छुट्टी। प्रेषण-कार्य में अनेक फेर-बदल। सत्यापन अनुभाग में काया-पलट। एसोसिएशन-प्रथा, प्रबंधन के बीच आगामी वर्षों के अंतराल में कर्मचारियों की वर्तमान संख्या में 65% तक की कटौती।

मित्रों, हमें इन सबों से निपटना होगा। नया साल संघर्ष का साल होगा। वेतन-बढ़ोत्तरी एवं प्रोन्नति तो दूर, छँटनी की कटारी हमारे पीठ में भोंकी गई है। मान्यता बचाए रखने के लिए अपने ही साथियों के साथ भद्दा एवं घोर विश्वासघात।

आइए, आर्गेनाइजेशन आपके साथ है। विपदा की इस घड़ी में धैर्य के साथ संघर्ष की शंख ध्वनी करें। आज ही दोपहर 1.00 बजे बैंक के मुख्य द्वार पर जमा होकर सशक्त विरोध-प्रदर्शन करें तथा इस बात की जानकारी लें कि नकदी विभाग के साथ और क्या-क्या होने वाला है। आप हमें ताकत दें, हम आपको सुरक्षित उज्ज्वल भविष्य की गारंटी दें।

आइए, हम सर्द खौफनाक हवाओं को कैद करें।

संघर्षपूर्ण शुभकामनाओं के साथ,

कर्मचारी एकता — जिंदाबाद।
भारतीय मजदूर संघ — जिंदाबाद।
एन.ओ.बी.डब्लू. — जिंदाबाद।
ए.आई.आर.बी.डब्लू.ओ. — जिंदाबाद।

आपका सहयोगाकांक्षी

(अजय नन्दन)
संगठन सचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा. म. संघ एवं एन. ओ. बी. डब्ल्यू. से संबद्ध)

दिनांक 19.2.94

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवं बंधुओं,

आर्गेनाइजेशन की 15 वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत करते हुए आलोच्य अवधि के लिए महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य कालखंड में राष्ट्रीय नव निर्माण एवम् सांस्कृतिक पुनरुत्थान के आन्दोलन में भारतमाता के अनेक सपूत शहीद हुए उनके त्याग और बलिदान का सादर स्मरण करते हुए उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

प्राकृतिक आपदाएँ यथा बाढ़, सूखा एवम् भूकम्प से बहुत से लोग परलोक सिधार गये उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। श्रमिक संघ आन्दोलन, मानवाधिकार, प्रजातंत्र तथा स्वतंत्रता, आर्थिक आजादी के लिए संघर्षरत अनेक बहादुरों के असमय निधन से हमें भारी धक्का लगा है उन्हें स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं :

इस अवधि में अनेक धार्मिक, राजनैतिक समाजसेवी, साहित्यकार, कलाकार स्वर्गलोक चले गए उन्हें भी हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय परिदृश्य:-

राष्ट्र आज आर्थिक गुलामी के दरवाजे पर खड़ा है, अमेरिका के इशारे पर आई. एम. एफ, विश्व बैंक का दबाव बढ़ता जा रहा है गैट के माध्यम से विनाशकारी अर्थ व्यापार चालू है। डंकल प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के बाद तो भारत पूर्ण रूप से आर्थिक गुलामी के जंजीर में बँध जायगा।

परन्तु हर क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रवादी लोगों ने अपनी राजनैतिक निष्ठाओं को परित्याग कर इसके विरोध में आवाज बुलन्द कर दिया है। स्वदेशी एवम् स्वाभिमान की लड़ाई शुरु हो गयी है यही आशा की एक किरण दिखाई पड़ती है- पाकिस्तान द्वारा हमारे आन्तरिक मामले में बेवजह हस्तक्षेप भी बढ़ता जा रहा है। केन्द्र सरकार अपनी दुम दबाकर बैठी है। हजरतबल को आतंकवादियों द्वारा कब्जा करना उदाहरण है। आए दिन सीमाओं पर गोला-बारी, काश्मीर में उग्रवादियों एवं विध्वंसकारियों को भेजना जारी है। पाक प्रशिक्षित आतंकवादी एवं आई. एस. आई. द्वारा बड़े पैमाने पर उथल-पुथल करने की योजनाएं क्रियान्वित करने की साजिश की जा रही है। ऐसे समय में भारत सरकार को मुँह-तोड़ उत्तर देने की आवश्यकता है।

आलोच्य अवधि में अपने प्रदेश की स्थिति बद से बदतर हुई। हत्या, अपहरण और बलात्कार का पर्याय बन गया है बिहार। चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार, कदाचार, अनाचार भाई-भतीजावाद, जातिवाद कदम-कदम से मिलाकर चल रहे हैं। विकास कार्य अवरुद्ध है। हजारों छोटे-बड़े उद्योग और कारखाने बन्द पड़े हैं। लघु और कुटीर उद्योग का तो सर्वनाश ही हो गया है। परन्तु सत्ताधारी गठबंधन छद्म-धर्मनिरपेक्षता की आड़ में साम्प्रदायिकता और जातीय विद्वेष फैलाने में ही लगी रहती है।

<u>भारतीय मजदूर संघ</u> - भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा दूसरा संगठन है। इस समय इससे सम्बद्ध लगभग 3.400 पंजीकृत यूनियनों तथा जिनकी सदस्यता सं. 50 लाख के करीब है। बिहार प्रदेश में इसकी सदस्य संख्या 5 लाख से भी ऊपर पहुँच गयी है तथा प्रदेश के सबसे बड़े श्रमिक संघ के रूप में प्रतिष्ठित है।

आलोच्य अवधि में संघ द्वारा घोषित सभी कार्यक्रमों को पटना जिला (भा. म. सं.) के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए। इसमें रिजर्व बैंक के कार्यकर्ताओं ने उल्लासपूर्ण भागीदारी निभायी।

<u>एन0ओ0बी0डब्ल्यू/बी. पी. बी. डब्ल्यू. ओ0/पी. डी. बी. डब्ल्यू0ओ0</u>

एन. ओ. बी. डब्लू के आह्वान पर बैंकिंग उद्योग में छाये संकट के विरुद्ध आन्दोलन जारी है। मांग पत्र पर समझौता वार्ता शुरू करने के लिए चरणबद्ध आन्दोलन का शुभारम्भ हो चुका है।

प्रदर्शन, गेटमिटिंग, पोस्टरींग, एक दिवसीय हड़ताल का कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गये। आनेवाले दिनों में संघर्ष और तीव्रतर ढंग से चलाये जाने का कार्यक्रम है। ग्रामीण बैंक के कर्मचारी श्री एन०ओ०बी० डब्लू के नेतृत्व में अपनी जुझारू संघर्ष के बदौलत अपने लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं।

एन०ओ०बी० डब्लू के आह्वान पर छेड़े गए संघर्ष के सभी कार्यक्रम, को बी० पी० बी० डब्लू० ओ० के निर्देशन तथा पी० डी० पै० ब० ओ० के नेतृत्व में इस केन्द्र पर आयोजित किया गया।

ए० आई० आर० बी० डब्लू० ओ० - ऑल इण्डिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाईजेशन ने भारतीय रिजर्व बैंक में श्रमांदोलन की गौरवशाली आदान प्रदान करने में अपनी सक्रियता बनाए रखी है, विगत 26-27 दिसम्बर 93 को इसकी केन्द्रीय कार्यसमिति की बैठक कानपुर में सम्पन्न हुई जिसमें स्थानीय केन्द्र से राष्ट्रीय मंत्री श्री अरुण कुमार ओझा सम्मिलित हुए।

आर० बी० डब्लू० ओ० पटना - भारतीय रिजर्व बैंक, पटना केन्द्र पर आर्गेनाईजेशन की सक्रियता संतोषजनक रही। भारतीय मजदूर संघ, एन० ओ० बी० डब्लू० एवं ए० आई० आर० बी० डब्लू० के आह्वान पर विभिन्न तिथियों पर धरना, तार प्रदर्शन, पुतलादहन एवं हड़ताल आदि के कार्यक्रमों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

बधाई/विदाई - आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक, पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले मित्रों को हमने सादर विदाई दी। सेवानिवृत बंधुओं को भी शुभकामनापूर्वक विदाई दी गई। हम आर्गेनाईजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का एतद्द्वारा सादर अभिनंदन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं।

आभार-प्रदर्शन- भारतीय मजदूर संघ के प्रान्तीय पदाधिकारियों एवं बी० पी० बी० डब्लू० ओ० के पदाधिकारियों ने हमारा सदैव मार्गदर्शन किया है, उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं। आर्गेनाईजेशन की निवर्तमान कार्यकारिणी एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनका सहयोग एवं स्नेह हमें मिलता रहा है।

बी० एफ० एस०
एन० ओ० बी० डब्ल्यू०
ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू०

अमर रहे।

अमर रहे।

आपका भ्रातृवत
विजय वत्स
(विजय वत्स)
महासचिव

प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता §वर्ष 1993§

प्राप्ति		भुगतान		
§नामे§		§जमा§		
चंदा	2240	मुद्रण एवं छपाई		1,580.00
विशेष अनुदान	593	चंदा §भा०म०सं०§		125.00
ऋण प्राप्ति :		स्टेशनरी + विविध		294.00
ओझा जी	181	ऋण वापसी :		
		ओझाजी	400	572.00
		मिथिलेश जी	172	
		जलपान		12.00
		यात्राव्यय		431.00
	3014			3014.00

§विजय वत्स§
महासचिव

§सुशील कुमार लाल§
कोषाध्यक्ष

§आनंद कुमार मेहरोत्रा§
अंकेक्षक

भारतीय मजदूर संघ

दशम् राष्ट्रीय अधिवेशन

उद्घाटन	अध्यक्षता	मुख्य वक्ता
मा० पी० ए० संगमा	**मा० रमण भाई शाह**	**मा० दत्तोपन्त ठेंगडी**
श्रम राज्य मंत्री भारत सरकार	अध्यक्ष, भारतीय मजदूर संघ	संस्थापक, भारतीय मजदूर संघ

दिनांक	समय	स्थान
18 मार्च, 1994	**10.00 बजे प्रातः**	**राजकमल सरस्वती शिशु मंदिर** अशोक नगर, धनबाद (बिहार)

आप सादर निमंत्रित हैं।

राजकृष्ण भक्त	**श्यामसुन्दर चौधरी**
महामंत्री, भारतीय मजदूर संघ	अध्यक्ष, स्वागत समिति

अधिवेशन कार्यालय :– भारतीय मजदूर संघ, जे० सी० मल्लिक मार्ग, हीरापुर, धनबाद-826 001 दूरभाष : (0326) 4950

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाईजेशन, पटना
(भा. म. संघ एवं एन. ओ. बी. डब्ल्यू. से संबद्ध) दिनांक 19.2.94
महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवं बंधुओं,

आर्गेनाइजेशन की 15 वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक स्वागत करते हुए आलोच्य अवधि के लिए महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है ।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य कालखंड में राष्ट्रीय नव निर्माण एवम् सांस्कृतिक पुनरुत्थान के आन्दोलन में भारतमाता के अनेक सपूत शहीद हुए उनके त्याग और बलिदान का सादर स्मरण करते हुए उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

प्राकृतिक आपदाएँ यथा बाढ़, सूखा एवम् भूकम्प से बहुत से लोग परलोक सिधार गये उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । श्रमिक संघ आन्दोलन, मानवाधिकार, प्रजातंत्र तथा स्वतंत्रता, आर्थिक आजादी के लिए संघर्षरत अनेक बहादुरों के असमय निधन से हमें भारी धक्का लगा है उन्हें स्मरण करते हुए अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं :

इस अवधि में अनेक धार्मिक, राजनैतिक समाजसेवी, साहित्यकार, कलाकार स्वर्गलोक चले गए उन्हें भी हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य:-

राष्ट्र आज आर्थिक गुलामी के दरवाजे पर खड़ा है, अमेरिका के इशारे पर आई. एम. एफ, विश्व बैंक का दबाव बढ़ता जा रहा है गैट के माध्यम से विनाशकारी अर्थ व्यापार चालू है. डंकल प्रस्ताव पर हस्ताक्षर के बाद तो भारत पूर्ण रूप से आर्थिक गुलामी के जंजीर में बँध जायगा ।

परन्तु हर क्षेत्र में कार्यरत राष्ट्रवादी लोगों ने अपनी राजनैतिक निष्ठाओं को परित्याग कर इसके विरोध में आवाज बुलन्द कर दिया है. स्वदेशी एवम् स्वाभिमान की लड़ाई शुरू हो गयी है यही आशा की एक किरण दिखलाई पड़ती है- पाकिस्तान द्वारा हमारे आन्तरिक मामले में बेवजह हस्तक्षेप भी बढ़ता जा रहा है. केन्द्र सरकार अपनी दुम दबाकर बैठी है. हजरतबल को आतंकवादियों द्वारा कब्जा इसका उदाहरण है । आए दिन सीमाओं पर गोला-बारी, काश्मीर में उग्रवादियों एवं विध्वंसकारियों को भेजना जारी है । पाक प्रशिक्षित आतंकवादी एवं आई. एस. आई. द्वारा बड़े पैमाने पर उथल-पुथल करने की योजनाएं क्रियान्वित कर ने की साजिश की जा रही है. ऐसे समय में भारत सरकार मुँह-तोड़ उत्तर देने की आवश्यकता है.

आलोच्य अवधि में अपने प्रदेश की स्थिति बद से बदतर हुई. हत्या, अपहरण और बलात्कार का पर्याय बन गया है बिहार । चोरी, डकैती, भ्रष्टाचार, कदाचार, अनाचार भाई-भतीजावाद, जातिवाद कदम-कदम से मिलाकर चल रहे हैं. विकास कार्य अवरूद्ध हैं. हजारों छोटे-बड़े उद्योग और कारखाने बन्द पड़े हैं. लघु और कुटीर उद्योग का तो सर्वनाश ही हो गया है. परन्तु सत्ताधारी गठबंधन छद्म-धर्मनिरपेक्षता की आड़ में साम्प्रदायिकता और जातीय विद्वेष फैलाने मे ही लगी रहती है ।

भारतीय मजदूर संघ - भारतीय मजदूर संघ देश का सबसे बड़ा दूसरा संघटन है. इस समय इससे सम्बद्ध लगभग 3.400 पंजीकृत यूनियनों तथा जिनकी सदस्यता सं. 50 लाख के करीब है। बिहार प्रदेश में इसकी सदस्य संख्या 5 लाख से भी ऊपर पहुँच गयी है तथा प्रदेश के सबसे बड़े श्रमिक संघ के रूप में प्रतिष्ठित है ।

आलोच्य अवधि में संघ द्वारा घोषित सभी कार्यक्रमों को पटना जिला (भा. म. सं.) के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए. इसमें रिजर्व बैंक के कार्यकर्ता ओं ने उल्लासपूर्ण भागीदारी निभायी.

एन0ओ0बी0डब्ल्यू/बी.पी.बी.डब्ल्यू.ओ0/पी.डी.बी.डब्ल्यू0ओ0

एन. ओ. बी. डब्लू के आह्वान पर बैंकिंग उद्योग में छाये संकट के विरूद्ध आन्दोलन जारी है. मांग पत्र पर समझौता वार्ता शुरू करने के लिए चरणबद्ध आन्दोलन का शुभारम्भ हो चुका है ।

प्राप्तियाँ एवं भुगतान खाता (वर्ष 1993)

प्राप्ति (नामे)		भुगतान (जमा)		
चंदा	2240	मुद्रण एवं छपाई		1,580.00
विशेष अनुदान	593	चंदा (भा०म०सं०)		125.00
ऋण प्राप्ति :		स्टेशनरी + विविध		294.00
ओझा जी	181	ऋण वापसी :		
		ओझाजी	400	572.00
		मिथिलेश जी	172	
		जलपान		12.00
		यात्रा व्यय		431.00
	3014			3014.00

(विजय वत्स)
महासचिव

(सुशील कुमार लाल)
कोषाध्यक्ष

(आनंद कुमार श्रीवास्तव)
अंकेक्षक

ॐ

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भारतीय मजदूर संघ तथा एन.ओ.बी.डब्लू.से संबद्ध)

परिपत्र सं04/94.

दिनांक 23.2./94.

प्रिय बहनों एवं बंधुओं ,

वार्षिक आम-सभा सम्पन्न

आर्गेनाइजेशन की वार्षिक आम सभा शनिवार दिनांक 19.2.94 को रिजर्व बैंक एनेक्सी बिल्डिंग स्थित कैंटीन हॉल में सोल्लास सम्पन्न हुई। भा.म.सं. के प्रतिनिधि :पटना जिला बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के महासचिव एवम् अन्य गण्य-मान्य श्रमिक नेताओं की उपस्थिति से समारोह की गरिमा में और वृद्धि हुयी .महासचिव के प्रतिवेदन और आय-व्यय का ब्यौरा सर्व सम्मति से पारित करने के बाद नई कार्य-समिति का चुनाव भी सर्व सम्मति से सम्पन्न हुआ।

अध्यक्ष	श्री राम किशोर पाठक
उपाध्यक्ष	श्री राज कुमार सिन्हा
	श्री अजयनन्दन
महासचिव	श्री विनोद कुमार सिंह
संघटन सचिव	डा॰ मिथिलेश कु0सिंह
सचिव	श्री घनश्याम पाण्डेय
	श्री विजय वत्स
	श्री शैलेन्द्र प्र0 सिंह
कोषाध्यक्ष	श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव
सहकोषाध्यक्ष	श्री सुशील कुलाल

कार्यकारिणी समिति के सदस्य गण:-

1.श्री शिवजी सिंह 2.श्री वीरेन्द्र कु0 सिंह 3. श्री विश्वजीत गौतिया

4.श्री आनन्द कुमार सिंह 5.श्री शोभपति सिंह 6.श्री निरंजन कुमार वर्मा

7.श्री रोजेन्द्र प्र0 ।। 8.जयानन्द तिवारी 9.श्री अरुण कुमार ओझा

आम सभा में निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये .

1. ऑल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत माँग पत्र पर अविलम्ब समझौता वार्ता आरम्भ किया जाय तथा कालबद्ध प्रोन्नति अविलम्ब लागू की जाए ।
2. बैंकिंग ,बीमा एवं सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थाओं के निजीकरण का प्रयास बन्द किया जाय .
3. महिला चिकित्सक की नियुक्ति अविलम्ब की जाय तथा चिकित्सा सुविधा बढ़ाई जाए। आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सक की भी नियुक्ति कर देशी चिकित्सा पद्धति को प्रोत्साहन दिया जाए ।
4. वर्तमान में वितरित किये जा रहे पहचान-पत्र की त्रुटियों/विसंगतियों को दूर किया जाय.
5. वेतनभोगी कर्मचारियों के व्यक्तिगत आय-कर की सीमा बढ़ाकर 50,000/-किया जाय .
6. राष्ट्रीय हितों को ध्यान मे रखते हुए डंकल-प्रस्ताव को अस्वीकार किया जाय .
7. रिजर्व बैंक में आम उपभोक्ता वस्तुओं यथा साबुन आदि के क्रय में स्वदेशी कंपनियों में निर्मित वस्तुओं को ही प्राथमिकता दी जाए ।

संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ

आपका शुभेच्छु

ह०

(शैलेन्द्र प्र0 सिंह)

सचिव

बी.एम.एस.
एन.ओ.बी.डब्लू.
ए.आई.आर.बी.डब्लू .ओ.
} जिन्दाबाद

भारतमाता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - ५/९४ दिनांक १७-३-९४

मित्रों ,

बेफी की बेवफाई जाहिर - व्यावसायिक बैंकों में कम्प्यूटरीकरण पर समझौता ।

बेफी का चेहरा एक बार फिर बेनकाब हुआ है । जहां एक ओर एन०ओ०बी०डब्लू० ने अपनी मान्यता की बलि चढ़ाई - कर्मचारी हितों के लिए ,वहीं मार्क्सीय चरित्र वाली बेफी ने कर्मचारी हितों की बलि चढ़ाई - अपनी मान्यता के लिये । व्यवसायिक बैंकों में अपनी मान्यता की कीमत वसूल कर बेफी ने कम्प्यूटरीकरण के समझौते पर हस्ताक्षर कर दिया । एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध केनरा बैंक वर्कर्स यूनियन का परिपत्र आपकी जानकारी हेतु उद्धृत किया जा रहा है ।

मित्रों , वक्त आ गया है , बेफी एवं मार्क्सवादी यूनियनों के वर्ग -चरित्र को हम पहचानें तथा राष्ट्रवादी ताकतों को मजबूती प्रदान करें ।

संघर्षपूर्ण बधाईयों के साथ ,

आपका सहयोगाकांक्षी ,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

कर्मचारी एकता
भा०म०संघ
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०
बी०पी०बी०डब्लू ओ०

[illegible]

CANARA BANK WORKERS' UNION (REGD.) AFFILIATED TO NOBW & BMS,
'Anand Plaza', Anand Rao Circle, Bangalore.

Circular No. BNG/2/94. Date: 15.2.1994

Friends,

COMPUTERISATION-VOLTE FACE BY B.E.F.I.

On 7.1.1994, at 5.00 P.M. minutes of a meeting between representatives of Bank Employees' Federation of India (BEFI) and Indian Banks' Association were signed at the IBA Office in the World Trade Centre, Bombay which read :

"Among others, issue relating to facilitating bipartite relations between Bank Employees' Federation of India and Indian Banks' Association was discussed and it was agreed to finalise and sign a settlement on the lines of the draft annexed hereto at an appropriate and convenient date.

Signed on behalf of IBA : Sd/- A.K. Bakshy. Sd/- B.D.Sumit
Signed on behalf of BEFI: Sd/- Ashis Sen. Sd/- G.M.V.Nayak.

The Annexure Stated :

WHEREAS :

1. Participation of Bank Employees' Federation of India (BEFI) in industry level bipartite negotiations and signing of settlements has been a matter of discussion between the Federation and the Indian Banks' Association(IBA) for quite some time.
2. BEFI wrote to IBA on October 5, 1993 that it does not want to reopen any of the past settlements but should be a participant in all subsequent bipartite negotiations.

Go P.T.O.

3. IBA by a letter of October 23,1993 invited BEFI for a joint meeting on October 29, 1993 at Bombay for finalisation of negotiations and signing of settlements on additional retiral benefits as well as on computers.

4. BEFI sought time to discuss the issues in detail before the settlement could be signed to which IBA agreed.

5. The issues were discussed in a meeting held at New Delhi on 30.11.1993 between IBA officials and BEFI representatives. Arising out of the discussions held and the clarifications exchanged, understanding emerged between the parties.

NOW THESE PRESENT WITNESS AND IT IS HEREBY STATED AND AGREED BY AND BETWEEN THE PARTIES HERETO AS FOLLOWS :

a. In view of the letter dated 5.10.1993 given by the BEFI to IBA referred to in para 2 above, the IBA has already established bipartite relationship with BEFI and has invited it to participate in industry level bipartite negotiations;

b. The BEFI hereby endorses two industry level settlements on retiral benefits and computerisation signed on 29.10.1993 vide annexures I&II.

c. The parties to the settlement appreciate the need to promote harmonious industrial relations, better discipline, efficiency and productivity."

...

We are not surprised by the volte-face by the BEFI on the issue of computerisation in banks, Why? The IBA had a clear impression about the opposition of the BEFI to the issue of computerisation in banks. In t this connection we recollect a meeting the undersigned had with the then Personnel Adviser of the IBA, Mr. B.D.Upasani in the year 1983.

On 8.9.1983, the AIBEA/NCBE had signed the computerisation settlement with the IBA and the NOBW had refused to be a party to the settlement. Thereafter, when the undersigned met Sri Upasani, he tried to persuade the NOBW to be a party to the computerisation settlement stating.

" Donot take the opposition of the BEFI to the computerisation of banks seriously. It is only a ruse on the part of the BEFI to get invited to bipartite negotiations in the banking industry. If the IBA were to invite the BEFI for negotiations, its opposition to computerisation will vanish in thin air."

How prophetic Sri Upasani truned out to be; The IBA successfully resisted the entry of the BEFI in the bipartite negotiations for ten years, from 1983 to 1993. When the BEFI is called after ten years, it is ratifying the settlements on computerisation;; What about the annual strikes' it called for in the month of September every year on the issue ?

The undersigned had told Sri Upasani that we know that the BEFI's opposition to computerisation was a sham. <u>We had seen how Com.Ashis Sen in his capacity as the General Secretary of the All India Reserve Bank Employees' Association had played a double game in permitting the Reserve Bank to install the Main Frame Computer, while telling his flock to stall the move; Now the BEFI has come out in its true colours;</u>

With greetings,

Fraternally yours,

Sd/-
(K. DEVIDAS RAI)
GENERAL SECRETARY.

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भा०म०स०, एन० ओ०वी०डब्लू० एवं ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - ६/९४ दिनांक ६-४-९४

८ अप्रैल ९४ को बैंकिंग उद्योग बन्द :

बैंकिंग एवम् वित्तीय संस्थाओं कार्यरत श्रमिक संघटनों के संयुक्त कार्रवाई समिति, जिसका एक घटक एन०ओ०वी०डब्लू० भी है के आह्वान पर देश भर में दिनांक ८ अप्रैल ९४ को भारत सरकार के कर्मचारी विरोधी नीतियों, बैंकों के निजीकरण एवं विलिनीकरण , शाखाओं की बन्दी के विरुद्ध तथा एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से समझौता वार्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना , आयकर की सीमा बढ़ाकर ५०,०००/- करने तथा सभी कर्मचारियों को विलम्बित वेतन के रुप में बोनस हेतु राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया गया है । सभी सदस्यों एवम् सहकर्मियों से अपील है इस हड़ताल को शत्-प्रतिशत सफल बनाकर अपने गौरवमयी परम्परा में एक कड़ी और जोड़ें ।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन के साथ ,

आपका भातृवत् ,

(विनोद कु० सिंह)
महासचिव

भा०म०स०
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद । जिन्दाबाद ।।

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भा०म०स०, एन० ओ०बी०डब्लू० एवम् ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं. - ६/९४ दिनांक - ६-४-९४

८ अप्रैल ९४ - बैंकिंग उद्योग बन्द :

बैंकिंग एवम् वित्तीय संस्थाओं में कार्यरत श्रमिक संघटनों के संयुक्त कार्रवाई समिति, जिसका एक घटक एन०ओ०बी०डब्लू० भी है, के आह्वान पर देश भर में दिनांक ८ अप्रैल ९४ को भारत सरकार के कर्मचारी विरोधी नीतियों , बैंकों के निजीकरण एवम् बिलिनीकरण , शाखाओं की बन्दी के विरुद्ध तथा एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से समझौता वार्ता, राष्ट्रीय ग्रामीण बैंक की स्थापना , आयकर की सीमा बढ़ाकर ५०,०००/- करने तथा सभी कर्मचारियों को अविलम्ब वेतन के रुप में बोनस हेतु राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया गया है । सभी सदस्यों एवम् सहकर्मियों से अपील है इस हड़ताल को शत् -प्रतिशत सफल बनाकर अपने गौरवमयी परम्परा में एक कड़ी और जोड़ें ।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन के साथ ,

आपका भातृवत्

(विनोद कु० सिंह)
महासचिव

भा०म०स०
ए०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद । जिन्दाबाद ।।

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना ।
(भारतीय मजदूर संघ तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या – ७/९४ दिनांक –११–४–९४

प्रिय बन्धुओं ,

अभूतपूर्व सफल हड़ताल–बैंक कर्मचारी–अधिकारी एकता –जिन्दाबाद ! जिन्दाबाद !!

दिनांक ८ अप्रेल ९४ बैंकिंग उद्योग के श्रमिक आन्दोलन के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जायेगा । इसके लिए सर्वप्रथम बधाई/धन्यवाद, उद्योग में कार्यरत विभिन्न श्रमिक संघटनों के केन्द्रीय नेतृत्व को जिन्होंने अपने–अपने वाद एवं हठधर्मिता का त्याग करते हुए कर्मचारियों के व्यापक हित में एक मंच से अपनी आवाज बुलंद की । यद्यपि यह कदम बहुत कुछ खोने के बाद उठाया गया, फिर भी यह शुभ संकेत है । उद्योग में यह पहला अवसर है जब सारे अधिकारी/कर्मचारी सरकार की गलत नीतियों के विरुद्ध एकजुट होकर विरोध करने पर तत्पर हैं । समय की पुकार है कि इस एकता को कर्मचारी/अधिकारी, उद्योग एवं राष्ट्र के हित में व्यापक बनाया जाय ताकि भविष्य में आने वाली चुनौतियों का सामना किया जा सके । अन्त में सभी सदस्यों सहकर्मियों को हार्दिक बधाई एवं क्रान्तिकारी अभिनन्दन ।

नया वर्ष (वर्ष प्रतिपदा) सबके लिए मंगलकारी हो, सुख–सृष्टि के नवद्वार खुले , इसी मनः क़ामना के साथ ,

आपका भ्रातृवत्

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

भा०म०सं० | जिन्दाबाद
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० | जिन्दाबाद

बैंक कर्मचारी/अधिकारी एकता–जिन्दाबाद ! जिन्दाबाद !!

भारत माता की जय

Registration No. 2411 Phone : 223429

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

Reserve Bank Workers' Organisation, Patna

Ref.

हड़ताल से देश भर में बीमा

राष्ट्रीय सहारा - 8/4/94

समर्थन : रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गनाइजेशन के उपाध्यक्ष अजय नंदन ने 8 अप्रैल को बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थानों के हड़ताल का समर्थन किया है।

जनता अकासर : अखिल भारतीय देशभक्त मोर्चा के अध्यक्ष विजयानंद ने कहा है कि ...

हिन्दुस्तान - 9 अप्रैल

रिजर्व बैंक इम्प्लाइज एसोसिएशन के सचिव विश्वनाथ प्रसाद ने हड़ताल के दौरान ... सारे ... बाधित बताया। रिजर्व बैंक आर्गनाइजेशन के उपाध्यक्ष अजय नंदन, महासचिव विनोद कुमार सिंह ने कर्मचारियों की एकता के लिए बधाई दी है। यूनियन बैंक इम्प्लाइज एसोसिएशन के महामंत्री गोपालनंद तिवारी, वैशाली क्षेत्रीय ...

जनभारत टाइम्स - 8-4-94

... सिंह ने दी।

भारतीय मजदूर संघ से संबद्ध रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गनाइजेशन के उपाध्यक्ष अजय नन्दन के अनुसार 8 अप्रैल को संयुक्त कार्रवाई समिति द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल में उनका संगठन भी शामिल है।

संयुक्त आंदोलन का निर्णय : शिक्षक ... कर्मचारी-पदाधिकारी संयुक्त सम...

आज - 8 अप्रैल 1994

रिजर्व बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन के उपाध्यक्ष अजय नंदन ने घोषणा की है कि संयुक्त कार्रवाई समिति द्वारा आहूत राष्ट्रव्यापी हड़ताल में उनके संगठन के सदस्य भी शामिल हैं।

कम्पनी और बैंक बंद रहे

निजीकरण और छंटनी के खिलाफ आंदोलन

रिजर्व बैंक वर्क्स आर्गेनाईजेशन , पटना ।
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

पत्र संख्या - ८/९४ दिनांक - १० मई १९९४

प्रिय बन्धुओं ,

विश्वासघातियों से सावधान ।

वित्तीय क्षेत्रों में कार्यरत विभिन्न श्रमिक संगठनों की संयुक्त कार्रवाई समिति जिसकी सदस्य संख्या - १५ लाख के करीब है , के आह्वान पर विगत ८ अप्रैल को जो अभूतपूर्व ऐतिहासिक हड़ताल हुई उससे भारत सरकार और वित्त मंत्रालय की नसें फूलने लगी । इतना ही नहीं कर्मचारियों के इस पवित्र चट्टानी एकता से मजदूरों के मसीहा मजदूर एकता जिन्दाबाद तथा दुनिया के मजदूरों एक हो के नारे लगाने वाले तथाकथित मान्यता प्राप्त वामपंथी बाबूमोशाय नेतृत्व की धोती भी ढीली पड़ गयी । ये नेतागण कर्मचारियों की इस व्यापक एकता से बिल्कुल घबड़ा गये, बैठकों में इनके कारनामों की परत - दर परत कलई खुलने लगे । विश्वासघात का पुलन्दा जग- जाहिर होने लगा । अब इन्होंने फिर अपनी अपसंस्कृति के अनुरुप कर्मचारियों की इस व्यापक एकता की पीठ में छूरा भोंकने का मंसूबा बना लिया है ।

इतिहास साक्षी है , जब कभी मजदूरों पर हमला के विरुध्द गोलबन्द होकर सशक्त आन्दोलन शुरु होता है ये क्रान्तिकारी संगठन हाथ में खंजर लेकर पीठ में वार करते हैं । नेशनल कैम्पेन कमिटी (एन०सी०सी०) ज्वाइंट एक्शन कमिटी (जे०ए०सी०) या अन्य संयुक्त कार्रवाई में जब आन्दोलन गति पकड़ता है या चरमोत्कर्ष की स्थिति में पहुंचता है , ये वामपंथी संघटन अपना राग अलग अलपना शुरु कर देते हैं । स्वाधीनता प्राप्ति का आन्दोलन हो या आपात्काल के अत्याचारों के विरुध्द आन्दोलन , नई आर्थिक एवं औद्योगिक नीति के विरुध्द संघर्ष या स्वदेशी आन्दोलन या अन्य राष्ट्रीय पुनर्जागरण का आन्दोलन उनका रवैया गद्दारी का ही रहा है ।

आज बैंकिंग उद्योग में जो समस्या है उसके मूल में इसका ही हाथ है । कम्प्यूटरीकरण एवं मशीनीकरण पर तृतीय वेतन समझौता में ही हस्ताक्षर कर प्रबन्धन को खुली छूट दे दी गयी थी । आर्गेनाईजेशन ने अपनी मान्यता को तिलान्जलि देते हुए इस समझौते से अपने को अलग रखा तथा कर्मचारियों को इसके विनाशकारी प्रभाव से अवगत कराते रहा । इन तथाकथित मान्यता प्राप्त संगठनों ने कम्प्यूटर एलाउंस के रुप में एक वेतनवृध्दि लेकर दो वर्षों तक वेतनवाली स्थगित रखने का समझौता किया है । दूसरी ओर आन्दोलन का नाटक कर अपना घिनौना चेहरा छुपाने का प्रयास कर रहे हैं । सरकार के गलत ऋण नीतियों सस्ती लोकप्रियता के लिए उठाये गये कदमों के कारण आज बैंकिंग उद्योग संकट में है तथा मान्यता प्राप्त संगठन उन नीतियों का समर्थक रहा है । आज यह निर्विवाद सत्य है कि कोई संगठन अतीत में कितना ही सबल संघर्षशील या क्रान्तिकारी क्यों न रहा हो । आज सरकार और प्रबन्धन से अकेला और - अलग - अलग ढंग से लड़ने में सामर्थ नहीं है । यह एक सच्चाई है , यथार्थ है । इसको स्वीकारने में शर्मिन्दगी अनुभव करनी चाहिए बल्कि आत्मलोचन कर संयुक्त संघर्ष के लिए योगदान करना चाहिए क्योंकि वर्तमान का संघर्ष न तो भारत सरकार और न प्रबन्धन से है बल्कि लड़ाई विश्व बैंक आई० एम०एफ० एवं अमेरिका की दादागिरी से है । देश बाह्य ताकतों द्वारा निधारित नीतियों के विरुध्द संघर्ष का बिगुल ज्वाईन्ट एक्शन कमिटी ने फूंक दिया है । संघर्ष के प्रथम चरण की पूर्णाहुति दिनांक - ८ अप्रैल ९४ के एकदिवसीय हड़ताल से हो चुकी है । दूसरे चरण के लिए दिनांक - १० अप्रैल ९४ को कलकत्ता में संयुक्त कार्रवाई समिति की बैठक हुई । विभिन्न मांगों की पूर्ति के लिए सतत एवं सघन आन्दोलन को और तेज करते हुए निम्नलिखित कार्यक्रम तय किये गये हैं:-

२ और ३ जून ९४ -	दो दिनों की लगातार हड़ताल
अगस्त ९४ -	दो दिनों की हड़ताल (तिथिवाद में घोषित की जायेगी)
अक्टूबर ९४	,,
अनिश्चित कालीन हड़ताल -	परिस्थिति जन्य आगे महीनों से ।

मित्रों ,आइए बाह्य शक्तियों भारत सरकार तथा प्रबन्धन के गलत इरादों के ध्वस्त करने के लिए

संयुक्त कार्रवाई में शामिल रहें । अलग -अलग लड़ने से कर्मचारियों का हित साधन नहीं होगा । नेतृत्व मजदूर की दादागिरी बच सकती है परन्तु कर्मचारियों को अहित ही होगा।११ मई १९९४ की हड़ताल तथा एकता को तोड़ने की साजिश है । अतः सभी बन्धुओं से आग्रह है कि इससे अपने को विरत रखें ।

कर्मचारी एकता भारतीय मजदूर संघ, एन०आर०बी०डब्लू० जे०ए०सी०	जिन्दाबाद	राहणोगाकांक्षी (हस्ताक्षर) (विनोद कुमार सिंह)

। भारत माता की जय ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - १३/९४ दिनांक ६ सितम्बर १९९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

पराभव के विरुद्ध संघर्ष का शंखनाद -
आज भोजनावकाश में प्रबन्धक कक्ष के समक्ष जोरदार प्रदर्शन ।

वोल्गा और यांगत्सी नदियों के तटों पर बसने वाले लोगों ने इन नदियों में जमे काई-मैल को काट निकालकर साम्यवादी सड़ांध को समाप्त कर दिया । दुःख-संत्रास की विषैली हवा अब वहां नहीं बहती है । अब वहां के लोग उन्मुक्त गगन - उन्मुक्त पवन में सांस लेने के लिये स्वच्छन्द हैं । कभी कवि दुष्यन्त ने ललकारा था :-

" बदल दो अब इस तालाब का पानी ,
अब यहां कंवल के फूल कुम्हलाने लगे हैं । "

मित्रों, आज रिजर्व बैंक का परिवेश भी परिव्याप्त है - ऐसे ही बदबूदार वायु से । बंदरिया अपने मृत शिशु को अपने से चिपकाए रखती है और इस चिपकाव-वृत्ति का हश्र हम सब जानते हैं । रिजर्व बैंक कर्मचारियों को इस मारक मनोवृत्ति से अपने को मुक्त करना होगा - अगर सरोवर को स्वच्छ रखना है, यहां के कमल-पुष्प को मुरझाने से बचाए रखना है । पटना के घाट से ही इस सफाई-अभियान का श्रीगणेश करना होगा ।

२० जुलाई १९९४ रिजर्व बैंक प्रबन्धन के एजेन्ट "एसोसियेशन" के हाथों रिजर्व बैंक कर्मचारियों की अस्मिता का मृत्यु-दिवस है । भविष्य में की सारी सुख-संभावनाएं इसी दिन समाप्त कर दी गयी है । आइए, गंगा के इसी घाटपर इस एजेन्ट को जबर्दस्ती पटकनी देकर इसका गला टीप दें । इसे सामूहिक श्रद्धांजलि दे दें ।

२० जुलाई ९४ को हस्ताक्षरित मृत्यु-लेख की कुछ बानगियां :-

(१) नकदी अनुभागों में कोटे की जबर्दस्त वृद्धि - मशीनीकरण एवं कम्प्यूटरीकरण की अबाधित छूट - तृतीय वर्ग एवं चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों के साथ - साथ अधिकारी वर्ग के पदों में भी कटौती ।

(२) प्रेषण-कार्य की प्रविधि में संशोधन - तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों को केवल बक्से पहुंचाने की भूमिका ।

(३) सभी कर्मचारियों के नैतिक चरित्र पर भयानक आक्रमण - अनुभागों में उच्च-क्षमता युक्त टी०वी० - कैमरे लगाए जायेंगे तथा उनका केन्द्रीय निरीक्षण मानों अपराध - चोर वृत्ति से ग्रस्त लोग ही अनुभागों में कार्यरत हैं जो कभी भी रुपये - पैसे की चोरी कर सकते हैं ।

(४) ए०आइ०आर०बी०इ०ए० एवं उसकी सभी इकाइयां बैंक में कम्प्यूटरीकरण एवं अन्य मशीनीकरण के लिये पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगी (क्योंकि तभी तो मान्यता बनी रहेगी)
"..... implement rationalisation,streamlining and technological upgradation such as use of computers,telecommunication, network etc........ the AIRBEA and its units at all centres assure total co-operation to the Bank in this regard." (emphasis ours)

मित्रों, अब बचा ही क्या है ? इस सम्पूर्ण पराभव के विरुद्ध ऊर्ध्वबाहु आर्गेनाइजेशन विजय के लिये कृत संकल्प है । आइए, समवेत स्वर में युद्धघोष करें -

" जला दो उस खेत के हर गोशुए - गंदुम को ,
जिस खेत से दहकां को मयस्सर न हो रोटी ।"

आज भोजनावकाश (१.१५ बजे) में प्रबन्धक कक्ष के समक्ष जोरदार प्रदर्शन के लिये जुटें ।

संघर्ष बधाइयों के साथ , आपका सहयोगाकांक्षी

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरबो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - १५/९४ २६ सितम्बर ९४

भाइयो एवम् बहनो ,

सत्यमेव जयते -

Bombay High Court Upholds AIRBWO's right to be heard on Employees' demands :

In a most significant and unique Judgement the Bombay High Court directed the RBI Management to hear and consider the demands made on behalf of RBI employees by AIRBWO. It further advised the Bank to correspond and discuss the issues raised by AIRBWO from time to time. The above order was passed on 16.9.94 on theappeal filed by RBI against the ruling of the Tribunal Presided over by Hon'ble Justice Khatri.

मित्रों , सत्य की विजय होती है उच्च न्यायालय का फैसला राष्ट्रवादी कर्मचारियों के पक्ष में है रिजर्व बैंक प्रबन्धन अभी तक आर्गेनाइजेशन के पत्रों /ज्ञापनों की प्राप्ति का प्रमाण देने में भी हाथ खींचता रहा था । प्रतिनिधि मंडल से मिलने तथा बातचीत करने से पहले उसे " अनौपचारिक " कहने की बिवशता थी वह समाप्त हो गयी । रिजर्व बैंक परिसर में प्रबन्धन - आर्गेनाइजेशन के औद्योगिक सम्बन्ध में नया अध्याय जुड़ जाने से औद्योगिक शान्ति और सद्भाव का वातावरण बनेगा । कर्मचारी हितों की बलि नहीं चढ़ाई जायेगी । अपने राजनैतिक दलों के लाभ के लिये कर्मचारियों को नहीं झोंका जा सकेगा । वास्तव में आम कर्मचारी तो ऐसे तत्वों को पहले से ही " डीरिकग्नाइज " किये हुए हैं , प्रबन्धन का रिकोग्नीसन ही साथ है ।

मान्यता प्राप्त करने के रास्ते अलग -अलग हैं , एक है संघर्ष का तो दूसरा है चाटुकारिता का । बेफी ने जिस शर्मनाक ढंग से समर्पण कर मान्यता प्राप्त की इसका भारतीय ट्रेड यूनियन के इतिहास में दूसरा कोई उदाहरण नहीं है । अपने जन्म काल से पूर्व हुए कम्प्यूटरीकरण के समझौते पर अंगूठा छाप कर मान्यता प्राप्त कर अपनी पीठ खुद थपथपाना उनकी पहचान है ,संस्कृति है । देश के सबसे बड़े श्रमिक संघटन भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध ,एन०ओ०बी०डब्लू० ही एक मात्र श्रमिक संघटन है जो अपनी मान्यता गंवाकर बैंकिंग उद्योग में अपने आन्दोलन का मशाल जलाये हुए हैं । बैंकिंग उद्योग में कार्यरत सभी संघटन (आई०बी०इ०ए० एन०सी०बी०ई०, बेफी) आत्म समर्पण कर चुके हैं ।

बन्धुओं , सितम्बर का महीना चल रहा है । बामपंथी पार्टियां तथा उनसे जुड़े श्रमिक संघों के संघर्ष का चरमोत्कर्ष इसी माह में होता है । शायद अक्टूबर क्रान्ति के पूर्व माह में हुए संघर्ष के यादगार को छिपे रुप से मनाया जाता है । पिछले वर्षों में ६ सितम्बर , ८ सितम्बर, १८ सितम्बर, २८ सितम्बर के दिन हड़ताल हो चुके हैं । इस वर्ष २९ सितम्बर आनेवाला है । बामपंथी पार्टियों के भारत बन्द में उनसे जुड़े श्रमिक संघ भी कदम -ताल मिलाने को कटिबद्ध हैं । परन्तु इस हड़ताल से कर्मचारी हित कहां ? एक ओर नई औद्योगिक नीति का विरोध का नाटक दूसरी ओर नई तकनीक पर अंगूठा लगाना कितना हास्यास्पद चरित्र है इनका ।

मित्रों - एरियर का वितरण हो गया । कौन किसे गुमराह करता है ,आप सब स्वयं अनुभव करते रहे होंगे । हमलोग तो सिर्फ उनके कुकर्मों का आंकड़ा देते हैं । परन्तु ये बेशर्म नमक हराम नेतृत्व यह भूल जाते हैं कि ग्रेड -१ भत्ता ,पारिवारिक भत्ता तथा सी०सी०ए० उसी तथाकथित कागजी संघटन की देन है जो आज सभी को प्राप्त हो रहा है । सी०सी०ए० का कितना विरोध किया था ये लोग,आप भूले नहीं होंगे । इनके कुकृत्यों के विरुद्ध संघर्ष जारी है ।

बन्धुओं , समय बदल रहा है , कोहरा छंटने लगा है । कर्मचारी हितों के प्रहरी आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएं एवम् विश्वासघातियों को सबक सिखाएं। आज इसकी ही आवश्यकता है

विजयकामी शुभकामानाओं सहित

आपका भ्रातृवत् ,

(विनोद कु०सिंह)
महासचिव

ॐ

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ,पटना

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - १५/९४ तिथि २७ सितम्बर '१९९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

बदलता परिप्रेक्ष्य

(१) Ours ls a voluntary Organlsation, Comrade.

-जिनको रहना है,रहें, जिनको जाना है, जाएं ।

-का० आशीष सेन (सन् १९▮७४)

(२) कामरेड, आज हम उतने मजबूत नहीं हैं ,आर्गेनाइजेशन के लोग आकर हमारा हाथ मजबूत करें ।

-का० समीर घोष (२८-९-९४ को पटना की सभा में)

चिर विजय का विश्वास लिए ,

आपका सहयोगाकांक्षी

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव

दि० २९-९-९४ की हड़ताल से आर्गेनाइजेशन का कोई सम्बन्ध नहीं है । सभी सदस्य पूर्ववत् कार्यालय आयेंगे ।

लाल गुलामी छोड़कर बोलो बन्देमातरम् ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा०म०सं० एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या – १७/९४ दिनांक : ७/१०/९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

मांग पत्र पर संघर्ष – भोजनावकाश (१–१५ बजे) प्रबन्धक कक्ष के समक्ष सामूहिक प्रदर्शन

जैसाकि आप जानते हैं, आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र पर विचार करने हेतु बम्बई उच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है । मांग पत्र दिये हुए लगभग दो वर्ष बीत गये हैं, इस बीच प्रबन्धन अपने पालित यूनियन द्वारा गुप-चुप बातचीत कर अपनी कर्मचारी विरोधी योजनाओं को क्रियान्वित करने में अग्रसर है ।

आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन जो रिजर्व बैंक कर्मचारियों की आशा एवं आकांक्षाओं का सही प्रतिनिधित्व करता है, प्रबन्धन के इस नापाक इरादे का कटु शब्दों में निन्दा करता है तथा इसने इसके विरुद्ध संघर्ष का आह्वान किया है ।

आज भोजनावकाश (१–१५ बजे) प्रबन्धक कक्ष के पास एकत्र होकर सामूहिक प्रदर्शन कर यह बता दें कि प्रबन्धन अपनी कुंभकर्णी निन्द्रा तोड़े अन्यथा औद्योगिक शान्ति भंग होगी ।

मित्रों । समय का तकाजा है, आइए आर्गेनाइजेशन को सबल बनाए इसी में हमसब का हित है ।

भा०म०सं०, एयरवो, |
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद

मांग पत्र पर बात करो । बात करो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा०म०सं० एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या – १७/९४ दिनांक : ७/१०/९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

मांग पत्र पर संघर्ष – भोजनावकाश (१–१५ बजे) प्रबन्धक कक्ष के समक्ष सामूहिक प्रदर्शन

जैसाकि आप जानते हैं, आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत मांग पत्र पर विचार करने हेतु बम्बई उच्च न्यायालय द्वारा स्पष्ट निर्देश दिया गया है । मांग पत्र दिये हुए लगभग दो वर्ष बीत गये हैं, इस बीच प्रबन्धन अपने पालित यूनियन द्वारा गुप-चुप बातचीत कर अपनी कर्मचारी विरोधी योजनाओं को क्रियान्वित करने में अग्रसर है ।

आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन जो रिजर्व बैंक कर्मचारियों की आशा एवं आकांक्षाओं का सही प्रतिनिधित्व करता है, प्रबन्धन के इस नापाक इरादे का कटु शब्दों में निन्दा करता है, तथा इसने इसके विरुद्ध संघर्ष का आह्वान किया है ।

आज भोजनावकाश (१–१५ बजे) प्रबन्धक कक्ष के पास एकत्र होकर सामूहिक प्रदर्शन कर यह बता दें कि प्रबन्धन अपनी कुंभकर्णी निन्द्रा तोड़े अन्यथा औद्योगिक शान्ति भंग होगी ।

मित्रों । समय का तकाजा है, आइए आर्गेनाइजेशन को सबल बनाए इसी में हमसब का हित है ।

भा०म०सं०, एयरवो, | जिन्दाबाद
एन०ओ०बी०डब्लू० |

मांग पत्र पर बात करो । बात करो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा० म० सं० , एन० ओ० बी० डब्लू० एवम्

परिपत्र संख्या - १७/९४ दिनांक २७-१०-९४

प्रिय भाईयों एवं बहनों ,

" स्थानीय समस्यायें -- हमारा संघर्ष "

स्थानीय ज्वलन्त समस्याओं के समुचित समाधान हेतु अविलम्ब कदम उठाने के लिये आर्गेनाइजेशन की कार्य समिति के प्रतिनिधि मंडल द्वारा एक १४ सूत्री माँग पत्र दिनांक २०-१०-९४ को स्थानीय प्रबन्धक को दिया गया था । परन्तु प्रबन्धन द्वारा अभी तक कोई सार्थक प्रयास प्रारम्भ नहीं किया गया है । चौदह सूत्री माँग में नकदी विभाग की समस्याएं यथा अस्वास्थ्यकर वातावरण , प्रेषण कार्य की समस्याएं, दैनिक कार्यों की कठिनाइयां, सामान्य संवर्ग श्रेणी के कर्मचारियों का नकदी एवं सामान्य विभाग में चक्रीय स्थानान्तरण इत्यादि प्रमुख हैं ।

नकदी विभाग में संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसाओं को लागू करने के बाद स्थिति बद से बदतर हो गयी है । क्षमता से अधिक कर्मचारियों को एक अनुभाग में भेड़ -बकरे की तरह ठूंस दिया गया है , कर्मचारियों के साथ पशुवत व्यवहार किया जा रहा है । रिजर्व बैंक प्रबन्धन अपने ही मैनुअल का खुल्लमखुल्ला उल्लंघन कर रहा है । एक ही ग्रुप को दो भाग में विभाजित कर एक ही ही पर्यवेक्षक द्वारा पर्यवेक्षण कार्य कराया जा रहा है , जो घोर आपत्तिजनक एवम् गैर कानूनी है ।

कुर्सियां टूटी हैं ,टेबुल के दराज टूटे हैं, गणकों के ड्रावर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है, गणक की ऊंची कुर्सियां क्षत-विक्षत हैं । प्रसाधन कक्ष के शीशे धुमिल हैं , दरवाजे टूटे - फूटे हैं ,सम्पदा विभाग कुंभकर्णी निंद्रा में सोया है । आश्चर्य तो यह है कि बैंक में दीवाल तो देखते -देखते रातों -रात खड़े कर दिये जाते हैं परन्तु मशीन के पूर्जे महीनों में भी नहीं बदले जाते । टेबुल के दराज एक वर्ष से अधिक समय में भी ठीक नहीं किया जा सकता , पंखे गर्मी के मौसम बीत जाने पर ही ठीक होते हैं । कर्मचारियों की सुविधाओं से सम्बन्धित हर " नोट सीट " को फाईल कर दिया जाता है ।

प्रेषण कार्य आवंटन से ही परेशानियां आरम्भ भोल्ट में जगह की कमी चारो ओर अफरा -तफरी , एक वोल्ट का नोट/सिक्के दूसरे वोल्ट में । जिम्मेवारी का अभाव । बक्सों का तौल नहीं । अनेक अनियमितताएं और ये सब मैनुअल प्रावधानों को लागू करनेवाले वरिष्ठ अधिकारियों की देख-रेख में उनकी नाक तले होता है परन्तु प्रेषण कार्य से लौटने के बाद बिल पास करने में अनावश्यक बिलम्ब कर कर्मचारियों को परेशान किया जाता है । विपत्रों पर छिद्रान्वेषण कर अनावश्यक पत्राचार का दौर शुरु होता है । छोटी मोटी बातों पर विपत्रों का भुगतान रोक दिया जाता है ,यों तो वापसी की तिथि ही गलत ढंग से निर्धारित की जाती है , समय से लौटने पर भी प्रगति रपट नहीं है ,तो ज्यादा दिन ठहर गये ,कोई न कोई बहाना बनाकर भुगतान में विलम्ब करने का प्रयास किया जाता है ।

मित्रों, अनेक समस्याएं कर्मचारियों को परेशान किये हुए हैं, इन सबों से निजात पाने के लिये आर्गेनाइजेशन ने संघर्ष का बिगुल फूंक दिया है । पूर्व की भांति इस समय भी आपका सहयोग अपेक्षित है । संघर्ष के प्रथम चरण में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित है ।

		भोजनावकाश
२८-१०-९४ --	कोषपाल के समक्ष प्रदर्शन	(अपराह्न १.१५ बजे
१-११-९४	मुद्राधिकारी (आपरेशन) प्रदर्शन	,,
११-११-९४	लेखाधिकारी (सम्पदा) ,,	,,
१५-११-९४	मुद्राधिकारी (प्रशासन) ,,	,,
२२-११-९४	प्रबन्धक के समक्ष प्रदर्शन	,,

अन्त में सभी सदस्यों ,समर्थकों ,शुभेच्छुओं से आग्रह है कि उपर्युक्त कार्यक्रम में सक्रिय सहयोग देकर समस्याओं के समाधान के लिये प्रबन्धन को बाध्य करें ।

दीपावली की शुभकामनाओं सहित , आपका सहयोगाकांक्षी ,

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा०म०सं०, एन०ओ०बी० डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या : १८/९४ दिनांक : १/११/९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

स्थानीय समस्याएँ – हमारा संघर्ष

आज योजनावकाश (१-१५ बजे) मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन

दिनांक २८/१०/९४ को कोषपाल के समक्ष सशक्त प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई । नकदी विभाग की समस्याओं से सभी अधिकारी सहित विभाग प्रमुख कोषपाल भी अवगत है पर प्रबन्धन मौन, क्योंकि स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु अभी तक कोई सार्थक पहल प्रारम्भ नहीं हुआ है, इसलिए चलाये जा रहे संघर्ष के क्रम में आज भोजनावकाश (१-१५ बजे) मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार करें ।

धनवंतरी जयन्ति की बधाइयां सहित
डी०एम०एस एन०ओ०बी०डब्लू० – जिन्दाबाद
बैंक कर्मचारी एकता – जिन्दाबाद
स्थानीय समस्याओं का समाधान करो
राष्ट्र भक्त मजदूरों एक हो । एक हो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या : १८/९४ दिनांक : १/११/९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

स्थानीय समस्याएँ – हमारा संघर्ष

आज योजनावकाश (१-१५ बजे) मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन

दिनांक २८/१०/९४ को कोषपाल के समक्ष सशक्त प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई । नकदी विभाग की समस्याओं से सभी अधिकारी सहित विभाग प्रमुख कोषपाल भी अवगत है पर प्रबन्धन मौन, क्योंकि स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु अभी तक कोई सार्थक पहल प्रारम्भ नहीं हुआ है, इसलिए चलाये जा रहे संघर्ष के क्रम में आज भोजनावकाश (१-१५ बजे) मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन कर अपने गुस्से का इजहार करें ।

धनवंतरी जयन्ति की बधाइयां सहित
डी०एम०एस एन०ओ०बी०डब्लू० – जिन्दाबाद
बैंक कर्मचारी एकता – जिन्दाबाद
स्थानीय समस्याओं का समाधान करो
राष्ट्र भक्त मजदूरों एक हो । एक हो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा०म०सं० तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या : २०/९४ दिनांक : ११/११/९४

प्रिय भाईयों एवं बहनों,

स्थानीय समस्याएँ - संघर्ष जारी

आज भोजनावकाश (१-१५ बजे) लेखाधिकारी (सम्पदा) के समक्ष प्रदर्शन

दिनांक 3 नवम्बर, ९४ को मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई ।

बंधुओं - पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज लेखाधिकारी (सम्पदा) के समक्ष प्रदर्शन का कार्यक्रम है । सम्पदा विभाग की निष्क्रियता के कारण अधिकत्तर समस्याएँ लम्बित है । फर्निचर की मरम्मति / बदलना हो या इमरजेन्सी लाइट ठीक करवाना इस विभाग में फाइल की गति नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली कहावत चरितार्थ करती है । सफाई व्यवस्था भी बिल्कुल चौपट हो गया है । आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत माँग पत्र पर हम अडिग है तथा उसके समाधान तक संघर्ष हेतु कृत संकल्प है ।

तो आइए आज भोजनावकाश में शानदार प्रदर्शन कर अपने आक्रोश का प्रदर्शन करें तथा प्रबन्धन को बता दें कि जबतक हमारी न्यायोचित मांगों का समाधान नहीं होता हमारा संघर्ष और तीव्रतर होता जायगा ।

देवोत्थान एकादशी की शुभकामनाओं सहित ।

भा०म०सं०एन०ओ०बी०डब्लू० जिन्दाबाद

स्थानीय समस्याओं का समाधान करो । समाधान करो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी,

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा०म०सं० तथा एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या : २०/९४ दिनांक : ११/११/९४

प्रिय भाईयों एवं बहनों,

स्थानीय समस्याएँ - संघर्ष जारी

आज भोजनावकाश (१-१५ बजे) लेखाधिकारी (सम्पदा) के समक्ष प्रदर्शन

दिनांक 3 नवम्बर, ९४ को मुद्राधिकारी (आपरेशन) के समक्ष प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई ।

बंधुओं - पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार आज लेखाधिकारी (सम्पदा) के समक्ष प्रदर्शन का कार्यक्रम है । सम्पदा विभाग की निष्क्रियता के कारण अधिकत्तर समस्याएँ लम्बित है । फर्निचर की मरम्मति / बदलना हो या इमरजेन्सी लाइट ठीक करवाना इस विभाग में फाइल की गति नौ दिन चले अढ़ाई कोस वाली कहावत चरितार्थ करती है । सफाई व्यवस्था भी बिल्कुल चौपट हो गया है । आर्गेनाइजेशन द्वारा प्रस्तुत माँग पत्र पर हम अडिग है तथा उसके समाधान तक संघर्ष हेतु कृत संकल्प है ।

तो आइए आज भोजनावकाश में शानदार प्रदर्शन कर अपने आक्रोश का प्रदर्शन करें । तथा प्रबन्धन को बता दें कि जबतक हमारी न्यायोचित मांगों का समाधान नहीं होता हमारा संघर्ष और तीव्रतर होता जायगा ।

देवोत्थान एकादशी की शुभकामनाओं सहित ।

भा०म०सं०एन०ओ०बी०डब्लू० जिन्दाबाद

स्थानीय समस्याओं का समाधान करो । समाधान करो ॥

आपका सहयोगाकांक्षी,

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(बी०एम०एस० एवं एन०ओ०बी० डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या :– २१/९४ दिनांक : १५/११/९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

स्थानीय समस्याएँ – संघर्ष जारी

आज भोजनावकाश (१–१५ बजे) मुद्राधिकारी (प्रशासन) के समक्ष प्रदर्शन

दिनांक ११/११/९४ को लेखाधिकारी (सम्पदा) के समक्ष जोरदार प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई। सम्पदा विभाग के अकर्मण्यता के कारण कर्मचारी हितों से सम्बन्धित समस्याएँ लम्बित हैं। एक ओर रिजर्व बैंक परिसर में प्रायः हमेशा कन्स्ट्रक्शन वर्क चलते रहता है, कभी ईंट उखड़े नजर आते हैं, दीवार फीट – दर फीट – ऊँचा किया जाता है, कभी टेलीफोन के लिए, ईंट उखाड़े जाते हैं, तो कभी पानी के लिए। परन्तु कर्मचारियों को बुनियादि सुविधा देने में भी प्रबन्धन टाल – मटोल की नीति अपना रहा है। टूटे टेबुल / कुर्सी, दराज ठीक नहीं करवाया जा रहा है। इमरजेन्सी लाइट सभी अनुभागों में नहीं है, जो है भी वह ठीक ढंग से कार्य नहीं करता, सफाई व्यवस्था बिल्कुल चरमरा गया है। भोल्ट के दीवार एवं बीन के उपर धूल की मोटी परत जमा है। अनुभाग के प्रसाधन कक्ष की स्थिति और बदत्तर है। खिड़कियों में कोल भरे है।

इन समस्याओं के अतिरिक्त अनेक समस्याएँ है, जिन्हें उजागर करते हुए आर्गेनाइजेशन ने प्रबन्धन को माँग पत्र दिया था, परन्तु प्रबन्धन मौन साधे है। इसे तोड़ना होगा, हम औद्योगिक शान्ति चाहते हैं। आपसी बातचीत से समस्याओं के समाधान में हमारा विश्वास है, परन्तु प्रबन्धन की हठधर्मिता एवं अकर्मण्यता अन्दोलन को तेज करने के लिए बाध्य किया है। हम कर्मचारियों को बुनियादि सुविधाएँ उपलब्ध करवाने के लिए कटिबद्ध है। आप हमें सहयोग दें, हम आपको सुविधाएँ दिलवायेंगे। तो आइए आज भोजनावकाश १–१५ बजे मुद्राधिकारी (प्रशासन) के समक्ष जोरदार प्रदर्शन कर अपना आक्रोश व्यक्त करें।

भवदीय,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बी०एम०एस०, एन०ओ०बी० डब्लू०,
कर्मचारी एकता जिन्दाबाद
बुनियादि सुविधाएँ – उपलब्ध करो। भारत माता की जय।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(बी०एम०एस० एवम् एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०-२२/९४ दिनांक २४-११-९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

स्थानीय समस्याओं पर संघर्ष - अल्प विराम ।

स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु जारी संघर्ष का अल्प विराम ।

बन्धुओं , दिनांक २२ नवम्बर, ९४ को आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों से प्रबन्धक की लगभग एक घंटा बात चीत हुई । यद्यपि प्रबन्धक द्वारा पहले बात चीत में अन्यामनस्कता का प्रदर्शन हुआ, परन्तु जब कर्मचारियों की दुर्दशा, सम्पदा विभाग की कुव्यवस्था एवं अन्य समस्याओं से पूर्णतः अवगत कराया गया तो वे भी भौंचके रह गये । उन्हें भी स्थिति की जानकारी नहीं थी । उनकी भी संवेदना जगी तथा बड़े ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बात - चीत सम्पन्न हुयी ।

प्रबन्धक ने यथोचित समय सीमा के अन्दर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है । सम्बन्धित विभाग भी क्रियाशील हुआ । परिणाम दृष्टिगोचर होने लगे हैं । कुछ समस्याओं के निराकरण में कुछ समय लगेगा । इस परिस्थिति में हम अपने आन्दोलन को अल्प विराम देते हैं, परन्तु सतर्क रहना है ।

अन्त में सभी सदस्यों, सहकर्मियों तथा अधिकारियों को धन्यवाद जिनका सहयोग समर्थन मिला ।

विजयकामी शुभकामनाओं सहित ।

बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद, भारत माता की जय

कर्मचारी एकता

आपका ,मातृवत

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(बी०एम०एस० एवम् एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०-२२/९४ दिनांक २४-११-९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

स्थानीय समस्याओं पर संघर्ष-अल्प विराम ।

स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु जारी संघर्ष का अल्प विराम ।

बन्धुओं, दिनांक २२ नवम्बर, ९४ को आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों से प्रबन्धक की लगभग एक घंटा बात चीत हुई । यद्यपिप्रबन्धक द्वारा पहले बातचीत में अन्यामनस्कता का प्रदर्शन हुआ परन्तु जब कर्मचारियों की दुर्दशा, सम्पदा विभाग की कुव्यवस्था एवं अन्य समस्याओं से पूर्णतः अवगत कराया गया तो वे भी भौंचके रह गये।उन्हें भी स्थिति की जानकारी नहीं थी । उनकी भी संवेदना जगी तथा बड़े ही सौहार्दपूर्ण वातावरण में बात चीत सम्पन्न हुयी ।

प्रबन्धक ने यथोचित समय सीमा के अन्दर समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया है । संबंधित विभागभी क्रियाशील हुआ । परिणाम दृष्टिगोचर होने लगे हैं । कुछ समस्याओं के निराकरण में कुछ समय लगेगा । इस परिस्थिति में हम अपने आन्दोलन को अल्प विराम देते हैं, परन्तु सतर्क रहना है ।

अन्त में सभी सदस्यों सहकर्मियों तथा अधिकारियों को धन्यवाद जिनका सहयोग समर्थन मिला ।

विजय कामी शुभकामनाओं सहित ।

बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद, भारत माता की जय ।

कर्मचारी एकता

आपका मातृवत ,

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू०, एवं ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - १२/९४ दिनांक ३०-८-९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

क्या खोया क्या पाया

२० जुलाई १९९४ रिजर्व बैंक के श्रमिक आन्दोलन के इतिहास में काला दिन के रुप में अंकित हो गया । इसी दिन प्रबन्धन तथा इसके मान्यता प्राप्त एसोसियेशन द्वारा चार समझौते हुए । जिसमें एक आर्थिक पक्ष का भी है । आर्थिक पक्ष के विश्लेषण से यह स्पष्ट है कि लगभग ४० % से अधिक कर्मचारियों को हजारों रुपये की आर्थिक क्षति होगी ।

समझौते से स्पष्ट है कि दिनांक १-११-९३ को या वे कर्मचारी जो वेतनमान के अधिकतम बिन्दु पर पहुंच चुके या जो उपर्युक्त तिथि को स्टेगनेशन वृद्धि प्राप्त कर रहे हैं को रुपये ३१०/- प्रतिमाह की दर से नियत व्यक्तिगत भत्ता (एफ०पी०ए०) १-११-९३ से प्राप्त होगा । वे कर्मचारीगण जो यह अग्रिम वेतन वृद्धि समझौते के तहत प्राप्त कर लेंगे उन्हें यह नियत व्यक्तिगत भत्ता (फिक्सड पर्सनल एलाउन्स) तीनों स्टेगनेशन वृद्धि प्राप्त कर लेने के एक वर्ष पश्चात् प्राप्त होगा । इस नियत व्यक्तिगत भत्ते (एफ०टी०ए०) को वेतनमान के अन्तिम बिन्दु (रु० ३,४५०/- श्रेणी -१ भत्ता सम्मिलित) पर पहुंचने के तुरन्त पश्चात् नहीं देने के कारण उन हजारों कर्मचारीयों को जो १९७८ के पश्चात बैंक की सेवा में आये हैं हजारों रुपये की हानि होगी । जैसाकि नीचे के उदाहरण से स्पष्ट है ।

(१) कर्मचारी "क" - इस कर्मचारी ने अपनी अन्तिम वेतन वृद्धि रुपये १७५/- (२० वां स्टेज) अक्टूबर १९९३ को प्राप्त किया । इसे नियत व्यक्तिगत भत्ता ३१०/-रु० १-११-९३ से प्राप्त होगा । इसके पश्चात यह सामान्य रुप से अपना पोस्ट स्केल विशेष वेतन और स्टेगनेशन वृद्धि प्राप्त करता रहेगा ।

(२) कर्मचारी "ख" - यह कर्मचारी अपने अधिकतम वेतन बिन्दु पर दिसम्बर १९९३ को पहुंचता है । इस समझौते के कारण यह अपनी अन्तिम वेतन बृद्धि रु० १७५/- दिसम्बर ९३ के स्थान पर नवम्बर १९९३ को पा जाता है । अपनी अन्तिम वेतन बृद्धि केवल एक माह पहले पाने के कारण उसे नियत व्यक्तिगत भत्ता रु० ३१०/ नवम्बर २००२ से प्राप्त होगा । जो अन्तिम वेतन बृद्धि के ९ वर्ष पश्चात् होगा (३ + २ = ६ या १ + २ = ९) । यदि उसने सी०ए०आई०आई० बी० भी पास कर लिया है तो इसमें तीन वर्ष और जुट जायेगा ।

अतः स्पष्ट है कि चूंकि कर्मचारी "क" कर्मचारी "ख" से मात्र दो माह पहले बैंक की सेवा में आया है अतः उसे नियत व्यक्तिगत भत्ता नवम्बर ९३ से प्राप्त होगा । जबकि कर्मचारी "ख" को यह भत्ता २००२ या २००५ से प्राप्त होगा । इस प्रकार रु० ३१०/-प्रतिमाह की दर से कर्मचारी "ख" को रु० ३३,४८०/- (३१०/- + १२ + ९) या रु० ४४,६४०/- (३१०/- १२ + १२) की हानि होगी ।

किसको कितनी हानि होगी :-

कर्मचारी	बैंक सेवा का वर्ष	हानि
गैर स्नातक	नवम्बर १९७४ के पश्चात्	२६,०४०/-
स्नातक	नवम्बर १९७८ के पश्चात	३३,४८०/-
स्नातक सी०ए०आई०आई०बी०-१	नवम्बर १९७७ के पश्चात	३७,२००/-
स्नातक सी०ए०आई०आई०बी-२	नवम्बर १९७९ के पश्चात	४४,६४०/-

० अस्थायी कर्मचारियों को आर्थिक लाभ एक वर्ष बाद से मिलेगा ।

कृ० पृ० उ०

० स्टेगनेशन प्राप्त कर रहे कर्मचारियों को १-११-९३ के महँगाई भत्ता पर २४/-रु० प्रतिमाह जो महँगाई भत्ते की बृद्धि से अधिक ही होता जायेगा ,हानि है ।

मित्रों , आखिर क्या विवशता थी ? बेफी जो माइक्रोस्कोपिक माइनरीटी संगठन है उसकी मान्यता प्राप्त करने एवं रिजर्व बैंक में अपनी मान्यता बचाये रखने के लिये जिस निर्लज्जतापूर्वक आत्म समर्पण किया यह उसके घिनौने चरित्र को उजागर करता है । बैंकिंग उद्योग उद्योग में एक वर्ष पूर्व ही मान्यता प्राप्त यूनियनों द्वारा पेंशन, व्यापक कम्प्यूटरीकरण पर एक अग्रिम वेतन बृद्धि पर सहमति हुई थी । जिसके विरुद्ध बेफी जंग का एलान किया था । जैक के साथ आधे मन से जुड़े, संगठन के संघर्ष के समय पल्ला झाड़ कर अलग हुए । अकेले क्रान्तिकारी जय घोष हुआ । अन्य बाम पंथियों से मिलकर भारत बन्द, औद्योगिक हड़ताल , रिजर्व बैंक बन्द, धरना, प्रदर्शन, जुलूस आदि कई कार्यक्रम आयोजित किये और अन्त में कम्प्यूटरीकरण मशीनीकरण पर आँख मूँद कर हस्ताक्षर कर मान्यता प्राप्त कर ली । आई० बी० ए० के साथ बैठकर चाय -पान की जुगाड़ कर ली , नेताओं को रेल एवं उड़न खटोला की यात्रा का अवसर प्राप्त हो गया । यही है आज का बाम पंथी चरित्र । मार्क्स लेनिन को भूल कर आज इनका आदर्श पाकिस्तानी सेनापति जनरल नियाजी हो गया है । बेफी की स्थापना ए०आई० बी० ई० ए० की समर्पणकारी नीतियों के विरुद्ध किया गया था , परन्तु आज चोर -चोर मौसेरे भाई के कहावत को चरितार्थ करते हुए उसी रास्ते पर चल पड़े । बेफी की अब कोई आवश्यकता नहीं है । इसे म कूड़ेदान में फेंक देना चाहिये तथा इसके नेताओं को बंगाल की खाड़ी (गंगासागर) में जल समाधि ले लेनी चाहिये ।

बन्धुओं रिजर्व बैंक परिसर में हालत भिन्न नहीं है । यहाँ अपनी मान्यता बचाये रखने के लिये प्रबन्धन की शर्तों पर अपना अँगूठा लगाने के लिये हर समय तैयार है । चाहे पुनर्गठन का मामला हो ,पेंशन , वेतन वृद्धि का मामला हो या कर्मचारी हित का अन्य मामला हो सभी को तिलांजली देकर अपनी सुख-सुविधा बरकरार रखने में बेफी अपने बड़े भाई ए०आई०बी०ई०ए० से पीछे नहीं है ।

मित्रों , उठो , जागो , जड़ता त्याग कर अँगूठा छापने वालों को अँगूठा दिखाओ । उपयुक्त अवसर आ गया है । आर्गेनाइजेशन, प्रबन्धन-एसोसियेशन गठबन्धन के विरुद्ध संकल्पित है । आप सबों की सक्रिय भागेदारी की अपेक्षा है । यदि मौन बैठ गये तो आने वाला दिन और भयावह होगा । जिसकी कल्पना से ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं । दिनकर की वाणी को स्मरण करते हुए कि -

अधिकार खो कर बैठ रहना यह महा दुष्कर्म है ।
न्यायार्थ अपने बन्धु को भी दंड देना धर्म है ॥

भा० म० सं०
एन० ओ० बी० डब्लू ०
ए० आई० आर० बी० डब्लू० ओ०

जिन्दाबाद

आपका सहयोगाकांक्षी ,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद । जिन्दाबाद ॥
प्रबन्धन - एसोसियेशन गठबन्धन -मुर्दाबाद । मुर्दाबाद ॥

भारतमाता की जय

(रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाईजेशन , पटना
(भा०म०स० एवम् एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०-१०/९४ तिथि - ९/६/९४

भाईयों एवं बहनों ,

होशियार । जे०एस०टी०आर०(भाग-॥) आ रहा है ॥

बंधुओं आम कर्मचारियों के विरोध के बावजूद संयुक्त अध्ययन दल की रिपोर्ट (भाग-।) को नकदी विभाग में लागू होने के पश्चात् इसके खट्टे- मिठ्ठे /कड़वे स्वाद का अनुभव होने लगा लाभ-हानि का हिसाब करने पर पता चलता है कि कर्मचारियों को हानि ही हानि है तथा प्रबंधन को लाभ ही लाभ है ४०० सि०नो०प० श्रेणी -। के हितों की बलि चढ़ाकर कुछ लोगों को स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" में प्रोन्नति दी भी गयी । बैंक को प्रतिवर्ष १.२७ करोड़ रु० का लाभ हुआ कर्मचारियों को ,एक प्रमोशन दो रिवरसन वैज्ञानिक मार्क्सवादी सिध्दांत की अद्भुत देन । एक स्नातक परीक्षक को दो तिहाई ($\frac{2}{3}$) वरीयता त्यागने पर लिपिक की योग्यता स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" होने पर चार आंखे (७ के बजाय १४ परीक्षकों का पर्यवेक्षण) कार्मिक प्रबंधन की नीतियों जिसमें प्रभावशाली पर्यवेक्षण के लिए ५-६ कर्मचारियों पर एक अधिकारी के सर्वथा विपरीत १४ कर्मचारियों पर एक अधिकारी और अब संयुक्त अध्ययन दल के अनुशंसा भाग-२ रुपी राक्षस जिसे कर्मचारी विरोधी,स्वार्थी एवं प्रबंधन के पिठ्ठु तथाकथित . मान्यता प्राप्त एसोसियेशन द्वारा स्वागत कर कर्मचारियों पर थोपने की जो योजना बनाई जा रही है उसका अवलोकन करें । वास्तव में यह अपने सदस्यों सहित रिजर्वबैंक में कार्यरत सभी कर्मचारियों के साथ विश्वासघात है । आईए प्रस्तावित जे०ए०टी०आर०(भाग-२) की प्रमुख विशेषताएं देखे जिसपर मार्क्सवादी नेतृत्व गौरवान्वित है ।

(१) नोट परीक्षण अनुभाग/सत्यापन अनुभाग में कोटा की नई दर :-

		वर्तमान	प्रस्तावित
१-	पैरट नोट/		
	रु० १/- और रु० २/-	११,५००	१२,०००
	रु० ५/- रु० १०/- और रु० २०/-	४,६००	११,६००
	रु० ५०/- और उसके उपर	४,०००	१०,०००
२-	स्थानीय टेंडर और गारंटी		
	रु० १/- और रु० २/-	९,२००	१२,५००
	रु० ५/- रु० १०/- और २०/-	४,६००	९,०००
	रु० ५०/- एवं उसके उपर	४,०००	८,०००
३-	नोटे का सत्यापन		
	रु० १/- और रु० २/-	११,५००	१५,०००
	रु० ५/- रु० १०/- रु० २०/-	५,७००	१२,०००
	रु० ५० /- एवं उपर	५,७००	१२,०००

नोट पैकेट की सिलाई दाहिने एवं बांयी दोनों तरफ रहेगी दांयी ओर का स्टीच नोट गिनते समय खोला जायेगा ।

नोट पैकटों पर मुहर लगाना समाप्त प्रत्येक परीक्षकों को विभिन्न प्रकार के सील निर्गत किये जायेंगे , जिसे उन्हें स्वयं पैकटों पर लगाना होगा । सील कीपर , पंचिंग ओपरेटर (मशीन चालक) का पद समाप्त होगा ।

नोट को सीधे सत्यापन अनुभाग को सौंपा जायेगा । सत्यापन अनुभाग में सभी नोट पैकेट को संख्या सत्यापन के लिए नोट गिनने वाले मशीन में फीड किया जायेगा । सत्यापन अनुभाग का कार्य , नोट परीक्षण अनुभाग में पूर्वाद्ध की कार्य समाप्ति पर आरम्भ होगा ।

नोट का पंचिग सत्यापन अनुभाग में होगा ।

नया नोट :-

सभी नोट पोलिथिन रेपेर में पैक किये जायेंगे । प्रत्येक बंडल में १० पैकेट रहेगा , पांच ऐसे बंडलों का एक पैकेज होगा तथा २० ऐसे पैकेज (१०० बंडल) दो भाग में एक नोट बाक्स में पैक किया जायेगा । प्रेषण कार्य सिर्फ एक दिन का होगा नोटो का परीक्षण नहीं होगा नासिक एवं देवास से प्राप्त नोटों का प्रारम्भिक सत्यापन नहीं होगा ।

मित्रों । संयुक्त अध्ययन दल की अनुशंसा (भाग-२) जो कर्मचारी हितों के विरुद्ध है , आर्गेनाइजेशन संघर्षरत है । संघटनात्मक आन्दोलन के साथ - साथ न्यायीक प्रक्रिया का सहारा लेना पड़ सकता है । समय - समय पर आपको अवगत कराया जायेगा । अब समय गहन आत्मालोचन का है । आपकी उपस्थिति तथाकथित मान्यता प्राप्त संघटन में किस लिए है , नकदी विभाग में पुनर्गठन के समय कहा गया था कि सामान्य विभाग १५० चेस्ट अधिकारी का पद छः महीने के अन्दर सृजित होगा पर आ रहा है जे०एस०टी०आर० (भाग-२) रुपी राक्षस। आर्गेनाईजेशन ही कर्मचारी हितों का एकमात्र संरक्षक है । आईए इसमें साझेदारी लेकर इसे सबल बनाए ।

आपका सहयोगकांक्षी ,

(signature)

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाईजेशन , पटना
(भा०म०स० एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या ९/९४ दिनांक - १३/५/१९९४

प्रिय बन्धुओं ,

अवसरबादियों के मनसूबे चकनाचूर ।

दिनांक ११-५-९४ को आपने धैर्य , साहस , संयम और अनुशासन का पालन करते हुए प्रबन्धन के पिठ्ठू ,पालतू और चाटुकार , संयुक्त संघर्ष की पीठ में छूरा भोंकने वाले एवं संस्थागत हितों को कर्मचारी हित से ऊपर माननेवाले नेताओं के सुनियोजित षडयंत्र तथा उनके द्वारा बिछाए गए मकड़जाल को काटते हुए दृढ़तापूर्वक आगे बढ़े इसके लिए हार्दिक अभिनन्दन ।,बधाई ॥

प्रबन्धन - मान्यता प्राप्त संगठनों के नापाक गठबंधन के षडयंत्रों से आम कर्मचारी भी अब अवगत हो गया है जो एक शुभ संकेत है । कुछ स्वार्थी तत्व जो निहित स्वार्थवश भय ,आतंक और अशान्ति का माहौल बनाना चाहते हैं , आने वाले दिनों में उनकी आंख पर से भी पर्दा हट जायेगा ।

मित्रों आश्चर्य तो तब होता है जब बैंक परिसर में तमाम अनैतिक कार्य करने वाले गिरोह के सदस्य सीना तान कर खड़ा हो रास्ता रोकते हैं। जिसे जेल की सींखचों के भीतर होना चाहिए था , सामान्य दिनों में जो आंख नहीं मिला सकता,वही काम पर जाने वाले कर्मचारियों/अधिकारियों के रास्ते में बाधा डालते हैं । हालांकि इस प्रकार का व्यवहार नशे की हालत में किया गया । सामान्य स्थिति में शायद वैसा नहीं होता । आखिर क्यों ? बन्धुओं अब नशा टूटनी चाहिए, नशा टूटेगी और नहीं तो आने वाले दिनों में नशा तोड़ दिया जायेगा नशा तोड़ना भी हम जानते हैं । बैंकिंग उद्योग में हालत बदतर होते जा रही है, स्थानीय स्तर पर अनेक समस्याएं मुंह बाये खड़ी हैं । परन्तु उनकी बहादुरी का प्रदर्शन केवल मध्यम वर्गीय अधिकारियों पर होता है । आर्गेनाईजेशन द्वारा आहूत हड़ताल के दिन १२ बजे के बाद भी हाजरी बननी चाहिए और उनकी हड़ताल में १०-३० बजे डबल क्रॉस क्यों नहीं हुआ ? आफत आ गयी । ट्रेड यूनियन अधिकारों पर जबरदस्त हमला हो गया । घेरो ,अपमानित करो , आतंक फैलाओ , डराओ ,धमकाओ ताकि आने वाले दिनों में स्वार्थपूर्ति होती रहे । यह ट्रेड यूनियन है या यूनियन ट्रेड । चुनाव हार जायें तो अपने लोगों को अनुशासन तोड़कर हड़ताल से विरत रहने के लिए उत्प्रेरित करना और अब एसोसियेशन के प्रेसिडेन्ट बन गये तो मानों अमेरिका के प्रेसीडेन्ट बन गये । चौधराहट और दादागिरी शुरु। मान लिया कि आप प्रबन्धन के पालतू संगठन के सम्मानित अध्यक्ष हैं इसका मतलब यह तो नहीं है कि काम पर जाने वाले इच्छुक कर्मचारियों/अधिकारियों को बलपूर्वक रोकने का लाईसेन्स मिल गया ।

अन्त में अपने सभी सदस्यों शुभेच्छु सहकर्मियों को हार्दिक बधाई जिन्होंने बड़े ही धैर्य और संयम से स्थिति पर नियंत्रण रखा हड़ताली कर्मचारियों के उस शान्ति प्रिय एवं न्यायप्रिय समूह को भी शुभकामनाएं जिनके प्रयास से स्थिति विस्फोटक होने से बची।चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी यूनियन के नेतृत्व से भी हम अपेक्षा करते हैं कि हड़ताल के दिन अपने कुछ सदस्यों को सामान्य अवस्था एवं होश में रखें तथा अपनी चौधराहट स्थापित करने के आकांक्षी एसोसियेशन के स्वार्थी नेताओं के षडयंत्र से अपने को अलग रखें ताकि भविष्य में बचे खुचे लाल झण्डे के उखरने की स्थिति न बन जाये। साथ ही प्रबन्धन को भी चेतावनी देते हैं कि भेद-भावपूर्ण रवैया को त्यागकर निष्पक्षतापूर्वक कार्य करें तभी औद्योगिक शान्ति बनी रहेगी।

सभी सज्जन शक्तियों से हमारी अपील है कि जड़ता त्यागकर आर्गेनाईजेशन को सहयोग करें ताकि दुर्जन शक्तियों का समूल वंश विच्छेद किया जा सके ।

शुभकामनाओं सहित ,

बी०एम०एस०
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० | जिन्दाबाद

सहयोगाकांक्षी
[signature]

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लु० एवम् ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० -११/९४

दिनांक - २६ अगस्त ९४

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

भारतीय मजदूर संघ अब सबको राह दिखायेगा ।

केन्द्रीय श्रम मंत्रालय ; भारत सरकार द्वारा अंततः ४ अगस्त ९४ को केन्द्रीय श्रम संगठनों की सत्यापित सदस्यता संख्या (३१ दिसम्बर १९८९ को) का प्रकाशन किया गया । सरकारी तथा सरकार समर्थक वाम पंथी श्रमिक संघटनों के लाख चिल-पों करने के बावजूद सूची प्रकाशित की गयी तथा भारतीय मजदूर संघ को प्रथम स्थान का गौरव प्राप्त हुआ है । प्रकाशित सदस्यता संख्या का विवरण निम्नवत है :-

१-		कुलसदस्य संख्या
१-	भारतीय मजदूर संघ -	३१,१७,३२४
२-	इंटक -	२७,०६,४५१
३-	सीटू	१७,९८,०९३
४-	एच०एम०एस०	१४,२७,४७२
५-	एटक	९,२३,५१७

मित्रों, बी०एम०एस० की स्थापना १९५५ में हुआ था । शून्य से शुरु कर आज यह संघटन सभी स्थापित केन्द्रीय श्रम संघटनों को पीछे ढकेलते हुए प्रथम स्थान पर आ गया है । आज के दिन में इसकी सदस्य संख्या ५० लाख से भी अधिक हो गयी है ।

यह उपलब्धि इसके सिद्धान्तों, राष्ट्रीय विचारधारा ,गैर राजनीतिक प्रतिबद्धता एवं श्रमिक आन्दोलन में इसके कार्यकर्त्ताओं के त्याग, तपस्या और बलिदान का प्रतिफल है । भारतीय मजदूर संघ के एक सच्चे सिपाही होने के नाते आज हम भी गौरवान्वित हैं तथा परम् वैभवम् नेतुमेतत् स्वराष्ट्रम् के ध्येय प्राप्ति के संकल्प को पुनः दुहराते हैं ।

बन्धुओं , बैंकिंग उद्योग में स्थिति विस्फोटक है । चारो ओर अनिश्चय और अंधकार के बादल मंडरा रहे हैं । मान्यता प्राप्त संघटन अपने आदर्शों एवं श्रमिक हितों को तिलांजली देकर स्वार्थपूर्ति में लिप्त हैं । दिनांक २०-७-९४ को चार समझौते हुए हैं जिसमें खोया ज्यादा , पाया कम । ऐसोसियेशन अपने परिपत्र की भूमिका में बैंकिंग उद्योग में आज के हालात का हवाला देते हुए अपनी विवशता बतलायी है । परन्तु फिक्सड परसनल एलाउन्स के मामले में उससे भी पिछड़ गयी । व्यवसायिक बैंकों में इसकी गणना अन्तिम वेतन वृध्दि पर दिनांक १-११-९३ को महंगाई भत्ता का जोड़ था । हमारे यहां अन्तिम वेतन बृध्दि रु० १७५/- है । १-११-९३ को देय महंगाई भत्ता १६५/- स्लैब था .५५% प्रति स्लैब की दर से १७५/- रु० का डी०ए० १५९/-रु० होता है । एफ०पी०ए० रु० ३३४/- (१७५+१५९) होना चाहिये था । परन्तु बैंक मात्र रु० ३१०/- ही दे रहा है । फलस्वरुप २४/-रु० प्रतिमाह की दर से हानी हो रही है । इसमें अनेक त्रुटियां / विसंगतियां हैं । जिसके विरुध्द आर्गेनाइजेशन संघठनात्मक एवं वैधानिक दोनों तरीकों से संघर्ष का मन बना लिया है । सही अवसर पर उचित कदम उठाते हुए आगे बढ़ना है । आपका सहयोग अपेक्षित है । हमें विश्वास है कि पूर्व की भांति इस बार भी आपका सहयोग मिलेगा और प्रबन्धन एसोसियेशन के नापाक गठबंधन के मंसूबे चकनाचूर होंगे ।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाईयों सहित ,

भा०म०सं० ,
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० | जिन्दाबाद

आपका सहयोगाकांक्षी ,
(हस्ताक्षर)
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बैंक -एसोसियेशन गठबन्धन-हो बर्बाद, हो बर्बाद ।।

Registration No. 2411 | Phone : 223429

रिजर्व बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन, पटना

Reserve Bank Workers' Organisation, Patna

(AFFILIATED TO AIRBWO, NOBW & BMS)

B. M. S.

Office :- 6/32, 'R' Block, Patna-800 001

Ref. आर.बी.डब्ल्यू.ओ./201/94 | Dated 17.11.94

प्रबंधक,
भारतीय रिज़र्व बैंक
पटना.

महोदय,

<u>कौमी एकता सप्ताह – शपथ ग्रहण समारोह.</u>

उपर्युक्त विषय से संबंधित कार्मिक परिपत्र सं. 64 दिनांक 17.11.94 के संबंध में हमें कहना है कि दिनांक 19.11.94 को अपराह्न 1.00 बजे स्थानीय कार्यालय [illegible] में जो समारोह आयोजित किया गया है उसका शुभारम्भ 'वन्दे मातरम्' गीत से हो, तथा समापन राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' से किया जाए (जैसा कि प्रस्तावित भी है)

मेरा यह भी कहना है कि स्वतंत्र भारतीय संसद का शुभारम्भ भी 'वन्दे मातरम्' से होता है। इस पर अविलम्ब निर्णय लेकर सूचित करने की कृपा करें।

सदैव हम आपके आभारी रहेंगे।

सधन्यवाद

भवदीय
[signature]
([illegible] पाण्डेय)
सचिव

17/11/94

Customer Service relating to Issue Management and Servicing of IFCI/NABARD/ IRDI/IDBI/SIDBI/ Exmim Bank Bonds -

....

We understand from the Bank's circula dated 24.1.1995 No.DO. CO.DT.130021/2726/2734/94-95 that the RBI has decided to do [illegible] with the existing procedure and practice relating to Securities Settlement, Management, issue and servicing of IFCI/NABARD/IRDI/IDBI/SIDBI/Exim Bank Bonds with effect from April, 1995. This will virtually wind up the present departments namely Public Debt Office and Deposit Accounts Department.

Further we understand that a committee to undertake a critical review of the existing procedure and practices relating to transfer of funds, securities settlement in banking industry, payment system and cheques clearing under the Chairmanship of our Executive Director Shri W.S.Saraf has recommended to dilute the role of RBI in cheques clearing operations by introduction of Group Clearance System' in motorpolis under the supervision of SBI. Obviously the proposed system will effect to shrink the area of supervision of RBI over the clearance of cheques.

Both these measures are aiming at to render the services of about 2000 RBI men surplus and will shrink the area of customer service in RBI. We strongly oppose these anti-employee measures and urge you to revoke these decisions forthwith.

We would like to make it clear that under the provisions of Industrial Disputes Act, 1947 and the recent judgement dated 16.9. 1994 of the Bombay High Court, 'no settlement in RBI where AIRBWO is not a party, can be made binding on AIRBWO." The above provisions of Industrial Disputes Act, 1947 which may compel us to have a recourse to legal actions against the RBI if need be.

We, therefore, once again demand of you that :-

i. To revoke the above referred decisions under intimation to us.

OR

ii. To invite AIRBWO for negotiations to consider on the above issues urgently.

Awaiting your response in the matter within 15 days from the receipt of this letter.

Please acknowledge receipt of this letter.

Yours Sincerely,
Sd/-A.N.Moharir
GENERAL SECRETARY.

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा०म०स०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरबो से सम्बद्ध)

दिनांक : २२/४/९५

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवम् बंधुवृंद, आर्गेनाइजेशन के १६ वें वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हुए, आलोच्य अवधि का महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है ।

श्रद्धांजलियाँ :-

आलोच्य अवधि में देश - विदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों एवम् श्रमिक हितों एवम् मानवाधिकार के रक्षार्थ जिन लोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया उनके त्याग एंव बलिदान का स्मरण करते हुए हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, थलसेनाध्यक्ष जेनरल बी०सी० जोशी सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष आनन्द बोध सरस्वती के निधन से राष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुयी है उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलिअर्पित करते हैं ।

इसी काल - खंड में हमारे अपने अखिल भारतीय अध्यक्ष एंव कनार्टक प्रदेश भामसं के अध्यक्ष पी०एस० पनुराया पंचतत्व में विलीन हो गये, रिजर्व बैंक परिवार के कई सदस्य स्वर्गसिधार गये । उनके असामयिक निधन से आर्गेनाइजेशन को गहरा आघात लगा है उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

आतंकवादियों, अलगाववादियों, विदेशी षडयंत्रकारियों, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों, नक्सलियों द्वारा मारे गये निर्दोष लोगों को हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय :-

आलोच्य अवधि में अमरीका द्वारा पूरे विश्व पर अपना दादागीरी जमाने के प्रयास में निरन्तर तेजी लायी जा रही है, विकासशील देश पर आर्थिक गुलामी का शिकंजा कसता जा रहा है । विश्वबैंक, आई०एम०एफ०, डब्लू०टी०ओ० गैट, डंकल प्रस्ताव इत्यादि विभिन्न माध्यमों से मानव समुदाय के शोषण का षडयंत्र जारी है ।

विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा राष्ट्र विरोधी शक्तियों को निरन्तर समर्थन एंव सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें हमारी एकता, अखंडता एवम् सम्प्रभुता पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

राष्ट्रीय परिदृश्य :-

राष्ट्र आज चौराहे पर खड़ा है । संवाद के बादल छाये हुए हैं । घुसपैठिये, आतंकवादियों एवम् आई०एस०आई० का जाल पूरे देश में फैल गया है । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एंव हिन्दू मुन्नानी के मद्रास स्थित कार्यालय पर बम विस्फोट, हिन्दु मुन्नानी के अध्यक्ष की हत्या, मणिपुर एंव नागालैण्ड में राष्ट्रभक्त नागरिकों पर हमले इसके ज्वलंत उदाहरण है ।

केन्द्र सरकार लकवाग्रस्त है । शासक दल कांग्रेस अन्तर्कलह से ग्रस्त हैं । अल्पसंख्यक - तुष्टीकरण पराकाष्ठा पर है । हजरतबल और चरारे- शरीफ पर चुप्पी साध लेते हैं परन्तु विश्व हिन्दु परिषद पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है। देश की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल है, घोटाले पर घोटाले का उजागर हो रहा है, घोटाले में लिप्त होने के कारण कई मंत्रियों को हटाना पड़ा, सूटकेश - रिश्वतखोरी-संस्कृति फल - फूल रही है । आम - आदमी का दैनिक जीवन कष्टकर होता जा रहा है । मजदूर वर्ग बेकारी और छंटनी का शिकार है, आर्थिक उदारीकरण के नाम पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लूट की छूट दी जा रही है । उपभोक्तावाद की विषबेल पनप रही है । हमारे सांस्कृतिक गौरव पर हमला तेज हो गया है, सरकारी माध्यमों से भोंड़ा और बेहूदा

प्रचार प्रसारित कर सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है । युवा वर्ग को चकाचौंध कर भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास जारी है इस कठिन परिस्थिति में देश के प्रबुध्द नागरिक बुध्दिजीवी, छात्र, किसान, मजदूर की जिम्मेवारियाँ और बढ़ गयी है तथा उनकी सोच सही दिशा में शुरु हो गयी है, जो एक शुभ-संकेत है । देश में हुए विभिन्न राज्यों के विधान सभा चुनाव का परिणाम उत्साहवर्धक है । राष्ट्रवादी शक्तियों के जनाधार में वृध्दि, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश में व्यवस्था के विरुद्ध जनता का आक्रोश प्रकट हुआ है । केन्द्र के आर्थिक और औद्योगिक नीतियों को जनता ने नकार दिया है । राष्ट्रवादी शक्तियाँ जागृत और संगठित हो रही है, छद्म-धर्मनिरपेक्षता, जातिवादी - साम्प्रदायिक एवम् तुष्टिकरण की नीति का पराभाव सुनिश्चित होने जा रहा है । महाराष्ट्र सरकार द्वारा विदेशी घुसपैठिये, अवैध रुप से रह रहे विदेशी नागरिकों, राष्ट्र द्रोहियों को देश से निकालने के साहसिक कदम को उचित मानते हुए इस कार्य के लिए हम उन्हें बधाई देते हैं । चुनाव में सत्ता और पैसा, बाहुबलियों - गुंडा - अपराधियों का आतंक, चुनाव धांधलि रोकने में मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका सराहनीय रही । काफी हदतक वे सफल रहें, परन्तु बिहार में सत्ताधारी गठवन्धन के सुनियोजित साजिश के सामने उनके प्रयास बौने साबित हुए । हम उनके कर्त्तव्य निष्ठा और इमानदारी पर बधाई देते हैं । उन्हें सुलभ इन्टरनेशनल द्वारा इस वर्ष के सबसे इमानदार व्यक्ति के उपाधि से विभूषित करना सामयिक और सटीक कदम है । देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की स्थिति चिंताजनक है । उत्तराखंड आन्दोलन के दौरान महिलाओं के साथ बलात्कार और बर्बर अत्याचार की पुष्टि हो गयी है फिर भी कांग्रेस ने भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को अपना समर्थन जारी रखा है ।

धर्म और अधर्म के बीच युध्द छिड़ गया है । धर्म की विजय होगी, अधर्म का नाश होगा, राष्ट्रवाद विजयी होगा यह हमारा दृढ़ विश्वास है ।

भारतीय मजदूर संघ :-

केन्द्रीय श्रम मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा सत्यापित सदस्यता संख्या (३१ दिसम्बर १९८९ को) के आधार पर बी०एम०एस० के सदस्य संख्या ३१,१७,३२४ थी जो सर्वाधिक है तथा देश में श्रमिक संघों में इसे प्रधान स्थान पाने का गौरव प्राप्त हुआ । आज यह देश का सबसे बड़ा मजदूर संघटन है और भारतीय मजदूर संघ अब सबको राह दिखायेगा ।

भारतीय मजदूर संघ केन्द्र सरकार के आर्थिक और औद्योगिक नीतियों, मजदूर विरोधी नीति के विरुद्ध तथा स्वदेशी आन्दोलन के कई कार्यक्रम आयोजित किये जिसे बिहार प्रदेश एवम् पटना जिला भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया जिसमें रिजर्व बैंक के कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया ।

एन०ओ०बी०डब्लू० :-

बैंकिंग उद्योग में एक मात्र संगठन एन०ओ०बी०डब्लू० ही बचा जो अपने मान्यता के प्रभाव बिना समर्पित है । बैंकों ने कम्प्यूटरीकरण पर समझौता कर अपनी मान्यता प्राप्त कर ली तथा बैंक कर्मियों के साथ विश्वासघात किया समझौते के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं । इसके विरुद्ध तथा कर्मचारी हितों से जुड़े समस्याओं के समाधान के लिए एन०ओ० बी०डब्लू० द्वारा छेड़े गये आन्दोलन में रिजर्व बैंक कर्मियों ने अपना सक्रिय योगदान किया । एन०ओ०बी०डब्लू० का अधिवेशन २४/२५ अप्रील ९४ को इंदौर में सम्पन्न हुआ जिसमें बिहार प्रदेश की सक्रिय सहभागिता रही । बी०जी०बी०डब्लू०ओ०/पी०डी०बी०डब्लू०ओ० के नेतृत्व में विभिन्न बैंकों में कार्यरत अपने सदस्यों के समस्याओं का समाधान कानूनी / सांगठनिक आधार पर किया गया । ग्रामीण बैंक में एन०ओ०बी०डब्लू० के आह्वान पर ग्रामीण बैंक कर्मी आन्दोलन के राह पर हैं, उनकी सफलता निश्चित है । आलोच्य अवधि में संगठन का विस्तार विभिन्न बैंक शाखाओं में तेजी से हो रहा है जो एक शुभ लक्षण है । बैंक कर्मचारियों का एकमात्र हितैषी

संगठन एन०ओ०बी०डब्ल० है यह स्पष्ट हो गया है ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० :-

एयरबो की लोकप्रियता / विश्वसनीयता रिजर्व बैंक कर्मियों के बीच बढ़ी है । इसके सदस्य संख्या में विभिन्न केन्द्रों पर वृद्धि इसके संकेत है , कर्मचारी इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं ।

३० अप्रील - १ ली मई १९९४ को १३ वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न केन्द्रों के २०० प्रतिनिधि भाग लिए पटना केन्द्र से १० सदस्यों ने हिस्सा लिया । बम्बई उच्च न्यायालय ने दिनांक १६ सितम्बर ९४ के अपने ऐतिहासिक फैसले में ए०आई०आर०बी०डब्लू० के अधिकार को स्थापित करते हुए रिजर्व बैंक प्रबन्धन को वार्ता तथा पत्राचार का निर्देश दिया है । यह ऐयरबो की बहुत बड़ी उपलब्धि है । इस फैसले के आलोक में दिनांक ७-१०-९४ को अखिल भारतीय स्तर पर प्रबन्धक को सामुहिक रुप से ज्ञापन दिया गया ।

दिनांक १६ जनवरी ९५ को भा०रि० बैंक के उप - गर्वनर श्री डी०आर० मेहता को एयरबो के मान्यता तथा मांग पत्र पर अविलम्ब वार्ता आरम्भ करने हेतु ज्ञापन दिया गया ।

रिजर्व बैंक परिसर में मान्यता प्राप्त एशोसियन एवम् प्रबन्धन के बीच हुए मशीनीकरण के समझौता के दुष्परिणाम के सम्बन्ध में कर्मचारियों को जागृत किया जा रहा है । इन समझौते के क्रियान्वयन से हजारों कर्मचारी अतिरिक्त घोषित हो जायेंगे ।

रिजर्व बैंक प्रबन्धन के स्वेच्छाचारिता के विरुद्ध आन्दोलन जारी है । विभिन्न विभागों के स्थानान्तरण के विरुद्ध अखिल भारतीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया गया । स्थानान्तरण तो अभी रुक गया है, भविष्य में भी सतर्क और जागरुक रहना है । मांग पत्र पर वार्ता में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा है । आन्दोलन के प्रथम चरण में विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू० के आन्दोलनात्मक कारवाई में पटना यूनिट ने अपनी सक्रिय भागीदारी जतायी ।

...र०बी०डब्ल०ओ०, पटना :-

भारतीय रिजर्व बैंक पटना - केन्द्र पर आर्गेनाइजेशन की सक्रियता बढ़ी है । कर्मचारियों के आस्था और विश्वास के प्रतीक के रुप में यह विकासशील और गतिमान है । भामस, एन०ओ०बी०डब्लू०, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० - पी०डी०बी०डब्ल०ओ० द्वारा आयोजित संघर्ष के कार्यक्रम को शत - प्रतिशत सफल बनाया गया आर्गेनाइजेशन के कार्यकर्त्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही । उक्त संघटनों के वार्षिक / द्विवार्षिक अधिवेशन में भी हमारे सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभायी ।

कौमी एकता सप्ताह शपथ ग्रहण समारोह :-

बैंक प्रतिवर्ष पूर्व-प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्म दिवस दिनांक १९ नवम्बर को कौमी एकता सप्ताह के समापन पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करती है जिसका समापन राष्ट्रीय गीत " जन गण - मन " से किया जाता है । हमने बैंक प्रबन्धन से अनुरोध किया है कि उक्त समारोह का शुभारम्भ " वन्देमातरम " से किया जाय, जैसाकि संसद और अन्य सरकारी समारोह में होता है । प्रबन्धन द्वारा इस पर विचार किया गया है तथा उम्मीद की जाती है कि इस वर्ष से समारोह का शुभारम्भ " वन्देमातरम " से होगा ।

दिनांक १४-७-९५ को भोजनावकाश में बैंक के विभाग स्थानान्तरण के नीतियों के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया तथा एयरवो द्वारा गवर्नर को दिये गये ज्ञापन के प्रति को वितरित किया गया ।

ठेका कर्मचारियों की नियुक्ति के सम्बन्ध में दिनांक ५-१२-९४ को स्थानीय प्रबंधक को ज्ञापन दिया गया । दिनांक ६-१२-९४ को स्थानीय प्रबंधक से तृतीय एवम् चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नववर्ष पर कलेन्डर, लेखनी के अतिरिक्त डायरी देने का अनुरोध किया गया था इस वर्ष डायरी नही दी जा सकी है । हम प्रयत्नशील है आशा करते हैं कि अगले वर्ष से सभी कर्मचारियों को डायरी मिलेगा ।

विकलांग कर्मचारियों को मिल रही आय कर राहत में कटौती का प्रस्ताव कनीय अधिकारियों द्वारा किया गया था, जिसका हमने विरोध किया तथा समाधान निकाला गया । हमने अपने सदस्यों एवं आम कर्मचारियों के समस्याओं के समाधान के लिए सतत् प्रयत्नशील रहे हैं । दिनांक ८ अप्रैल ९४ को बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं में कार्यरत श्रमिक संगठनों के संयुक्त कारवाई समिति जिसका एक घटक एन०ओ०बी०डब्लू० भी था के आह्वान पर भारत सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों बैंकों के निजीकरण इत्यादि के विरुद्ध एक दिवसीय हड़ताल यहाँ शतप्रतिशत सफल रही ।

संयुक्त अध्ययन दल के अनुशंसा भाग - II के लागू होने तथा उसके कुप्रभाव से सम्बन्धित परिपत्र जारी किया गया । दिनांक २० जुलाई ९४ को प्रबन्धन एवं मान्यताप्राप्त एशोसियेशन के मध्य हुए समझौते के विरुद्ध दिनांक ६ सितम्बर ९४ को भोजनावकाश में प्रबंधक कक्ष के समक्ष विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया । ७-१०-९४ को माँग पत्र पर संघर्ष के क्रम में प्रबन्धक कक्ष के समक्ष प्रदर्शन किया गया । स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष का निम्नलिखित कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया ।

२०-१०-९४	कोषपाल के समक्ष प्रदर्शन
१-११-९४	मुद्राधिकारी (आपरेशन) ,,
११-११-९४	लेखाधिकारी (सम्पदा) ,,
१५-११-९४	मुद्राधिकारी (प्रशासन) ,,

२२-११-९४ को आर्गेनाईजेशन के पदाधिकारियों से प्रबन्धक की लगभग एक घंटा बातचीत के बाद आन्दोलन स्थगित किया गया समस्याओं के निदान में प्रबन्धन सक्रिय हुआ कुछ का निराकरण तत्काल हुआ, कुछ लम्बित है, जिसके समाधान के लिए हम प्रयत्नशील है । कठिन से कठिन परिस्थिति में हम आपके साथ हैं । आपका सहयोग ही हमारा संबल है ।

सहयोग समितियाँ :-

आलोच्य कालखंड में रिजर्व बैंक कर्मचारी सहयोग बचत एवं साख समिति का कार्य संतोषजनक रहा है । सदस्यों के आर्थिक कठिनाईयों को दूर करने में समिति का प्रयास सराहनीय है ।

कैंटीन का चुनाव कर इसे व्यवस्थित ढ़ंग से चलाने की आवश्यकता हम महसूस करते हैं तथा बैंक में कार्यरत विभिन्न संगठनों से सहयोग की अपेक्षा और अपील करते हैं ।

स्पोर्ट्स एण्ड रिक्रियेशन क्लब की गतिविधियों में और विस्तार की आवश्यकता हम महसूस करते हैं ।

बधाइ / विदाई :-

आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले मित्रों को हमने सादर विदाई दी । सेवा निवृत एवम् प्रोन्नत सहयोगियों को भी हमने शुभ

कामनापूर्वक विदाई दी । हम आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का सादर अभिनन्दन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं ।

आभार प्रदर्शन :-

भा०मस० के प्रांतीय पदाधिकारियों, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० के पदाधिकारियों द्वारा हमें सदैव सहयोग और मार्गदर्शन मिला, उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं । हमारे अध्यक्ष एवम् निवर्तमान कार्यकारिणी तथा सक्रिय कार्यकर्त्ताओं एवम् सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनका सहयोग एवम् स्नेह हमें मिलता रहा है ।

आपका भ्रातृ वत,

बी०एम०एस०
एन०ओ० बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
एयरवो

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

भारतमाता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ,
पटना
(सम्बद्ध भारतीय मजदूर संघ, एन. ओ. बी. डब्लू ए. आई आर बी डब्लू)

प्राप्ति भुगतान खाता

31 दिसम्बर 1994 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

प्राप्ति	रकम (रूपये)	भुगतान	रकम
प्रारंभिक शेष केनरा बैंक	7,35	मुद्रण छपाई	1756 .00
		स्टेशनरी	247.00
सदस्यता शुल्क अभिदान	777,769.00	प्रतिनिधि शुल्क (आर. बी. डब्लू ओ)	800.00
विशेष चन्दा	2,845.00	नागपुर बैठक	720 .00
		प्रचार	95 .00
		वर्ष 1993 आम सभा का व्यय	911.00
		ऋण भुगतान	1223.00
		अल्पाहार	121 .00
		बैंक शेष (अंतिम)	
		आर. बी. ई को. सें.	4741.00
		केनरा बैंक	7.35
	10,621.35		10621.35

महासचिव

कोषाध्यक्ष

अंकेक्षक

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा०म०स०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरबो से सम्बद्ध)

दिनांक : २२/४/९५

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवम् बंधुवृंद, आर्गेनाइजेशन के १६ वें वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हुए, आलोच्य अवधि का महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है ।

श्रद्धांजलियाँ :-

आलोच्य अवधि में देश - विदेश में लोकतांत्रिक मूल्यों एवम् श्रमिक हितों एवम् मानवाधिकार के रक्षार्थ जिन लोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया उनके त्याग एंव बलिदान का स्मरण करते हुए हम उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह, पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, थलसेनाध्यक्ष जेनरल बी०सी० जोशी सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा के अध्यक्ष आनन्द बोध सरस्वती के निधन से राष्ट्र को अपूरणीय क्षति हुयी है उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलिअर्पित करते हैं ।

इसी काल - खंड में हमारे अपने अखिल भारतीय अध्यक्ष एंव कनार्टक प्रदेश भामसं के अध्यक्ष पी०एस० पुनुराया पंचतत्व में विलीन हो गये, रिजर्व बैंक परिवार के कई सदस्य स्वर्गसिधार गये । उनके असामयिक निधन से आर्गेनाइजेशन को गहरा आघात लगा है उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

आतंकवादियों, अलगाववादियों, विदेशी षडयंत्रकारियों, राजनैतिक संरक्षण प्राप्त अपराधियों, नक्सलियों द्वारा मारे गये निर्दोष लोगों को हम भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय :-

आलोच्य अवधि में अमरीका द्वारा पूरे विश्व पर अपना दादागीरी जमाने के प्रयास में निरन्तर तेजी लायी जा रही है, विकासशील देश पर आर्थिक गुलामी का शिकंजा कसता जा रहा है । विश्वबैंक. आई०एम०एफ०, डब्लू०टी०ओ० गैट, डंकल प्रस्ताव इत्यादि विभिन्न माध्यमों से मानव समुदाय के शोषण का षडयंत्र जारी है ।

विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा राष्ट्र विरोधी शक्तियों को निरन्तर समर्थन एंव सहयोग दिया जा रहा है, जिसमें हमारी एकता, अखंडता एवम् सम्प्रभुता पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है।

राष्ट्रीय परिदृश्य :-

राष्ट्र आज चौराहे पर खड़ा है । संकट के बादल छाये हुए हैं । घुसपैठियों, आतंकवादियों एवम् आई०एस०आई० का जाल पूरे देश में फैल गया है । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एंव हिन्दू मुन्नानी के मद्रास स्थित कार्यालय पर बम विस्फोट, हिन्दु मुन्नानी के अध्यक्ष की हत्या, मणिपुर एंव नागालैण्ड में राष्ट्रभक्त नागरिकों पर हमले इसके ज्वलंत उदाहरण है ।

केन्द्र सरकार लकवाग्रस्त है । शासक दल कांग्रेस अन्तकलह से ग्रस्त हैं । अल्पसंख्यक - तुष्टीकरण पराकाष्ठा पर है । हजरतबल और चरारे-शरीफ पर चुप्पी साध लेते हैं परन्तु विश्व हिन्दू परिषद पर प्रतिबन्ध लगा दिया जाता है। देश की आर्थिक स्थिति खस्ताहाल है, घोटाले पर घोटाले का उजागर हो रहा है, घोटाले में लिप्त होने के कारण कई मंत्रियों को हटाना पड़ा, सूटकेश - ब्रिफकेश-संस्कृति फल - फूल रही है । आम - आदमी का दैनिक जीवन कष्टकर होता जा रहा है । मजदूर वर्ग बेकारी और छंटनी का शिकार है, आर्थिक उदारीकरण के नाम पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लूट की छूट दी जा रही है । उपभोक्तावाद की विषबेल पनप रही है । हमारे सांस्कृतिक गौरव पर हमला तेज हो गया है, सरकारी माध्यमों से भोंडा और बेहूदा

प्रचार प्रसारित कर सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है । युवा वर्ग को चकाचौंध कर भ्रमित करने का कुत्सित प्रयास जारी है इस कठिन परिस्थिति में देश के प्रबुद्ध नागरिक बुद्धिजीवी, छात्र, किसान, मजदूर की जिम्मेवारियाँ और बढ़ गयी हैं तथा उनकी सोच सही दिशा में शुरु हो गयी है, जो एक शुभ-संकेत है । देश में हुए विभिन्न राज्यों के विधान सभा चुनाव का परिणाम उत्साहवर्द्धक है । राष्ट्रवादी शक्तियों के जनाधार में वृद्धि, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उड़ीसा, आन्ध्र प्रदेश में व्यवस्था के विरुद्ध जनता का आक्रोश प्रकट हुआ है । केन्द्र के आर्थिक और औद्योगिक नीतियों को जनता ने नकार दिया है । राष्ट्रवादी शक्तियाँ जागृत और संगठित हो रही है, छद्म-धर्मनिरपेक्षता, जातिवादी - साम्प्रदायिक एवम् तुष्टिकरण की नीति का पराभाव सुनिश्चित होने जा रहा है । महाराष्ट्र सरकार द्वारा विदेशी घुसपैठिये, अवैध रुप से रह रहे विदेशी नागरिकों, राष्ट्र द्रोहियों को देश से निकालने के साहसिक कदम को उचित मानते हुए इस कार्य के लिए हम उन्हें बधाई देते हैं । चुनाव में सत्ता और पैसा, बाहुबलियों - गुंडा - अपराधियों का आतंक, चुनाव धांधलि रोकने में मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका सराहनीय रही । काफी हदतक वे सफल रहें, परन्तु बिहार में सत्ताधारी गठबन्धन के सुनियोजित साजिश के सामने उनके प्रयास बौने साबित हुए । हम उनके कर्त्तव्य निष्ठा और इमानदारी पर बधाई देते हैं । उन्हें सुलभ इन्टरनेशनल द्वारा इस वर्ष के सबसे इमानदार व्यक्ति के उपाधि से विभूषित करना सामयिक और सटीक कदम है । देश के सबसे बड़े प्रदेश उत्तर प्रदेश की स्थिति चिंताजनक है । उत्तराखंड आन्दोलन के दौरान महिलाओं के साथ बलात्कार और बर्बर अत्याचार की पुष्टि हो गयी है फिर भी कांग्रेस ने भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को अपना समर्थन जारी रखा है ।

धर्म और अधर्म के बीच युद्ध छिड़ गया है । धर्म की विजय होगी, अधर्म का नाश होगा, राष्ट्रवाद विजयी होगा यह हमारा दृढ़ विश्वास है ।

भारतीय मजदूर संघ :-

केन्द्रीय श्रम मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा सत्यापित सदस्यता संख्या (३१ दिसम्बर १९८९ को) के आधार पर बी०एम०एस० के सदस्य संख्या ३१,१७,३२४ थी जो सर्वाधिक है तथा देश में श्रमिक संघों में इसे प्रथम स्थान पाने का गौरव प्राप्त हुआ । आज यह देश का सबसे बड़ा मजदूर संघटन है और भारतीय मजदूर संघ अब सबको राह दिखायेगा ।

भारतीय मजदूर संघ केन्द्र सरकार के आर्थिक और औद्योगिक नीतियों, मजदूर विरोधी नीति के विरुद्ध तथा स्वदेशी आन्दोलन के कई कार्यक्रम आयोजित किये जिसे बिहार प्रदेश एवम् पटना जिला भारतीय मजदूर संघ के नेतृत्व में सफलतापूर्वक सम्पन्न किया गया जिसमें रिजर्व बैंक के कर्मचारियों ने अपना योगदान दिया ।

एन०ओ०बी०डब्लू० :-

बैंकिग उद्योग में एक मात्र संगठन एन०ओ०बी०डब्लू० ही बचा जो अपने मान्यता के प्रवाह किये बिना संघर्षरत है । बेफी ने कम्प्यूटरीकरण पर समझौता कर अपनी मान्यता प्राप्त कर ली तथा बैंक कर्मियों के साथ विश्वासघात किया समझौते के दुष्परिणाम सामने आने लगे हैं । इसके विरुद्ध तथा कर्मचारी हितो से जुड़े समस्याओं के समाधान के लिए एन०ओ० बी०डब्लू० द्वारा छेड़ें गये आन्दोलन में रिजर्व बैंक कर्मियों ने अपना सक्रिय योगदान दिया । एन०ओ०बी०डब्लू० का अधिवेशन २४/२५ अप्रील ९४ को इंदौर में सम्पन्न हुआ जिसमें बिहार प्रदेश की सक्रिय सहभागिता रही । बी०ओ०बी०डब्लू०ओ०/पी०डी०बी०डब्लू०ओ० के नेतृत्व में विभिन्न बैंकों में कार्यरत अपने सदस्यों के समस्याओं का समाधान कानूनी/सांगठनिक आधार पर किया गया । ग्रामीण बैंक में एन०ओ०बी०डब्लू० के आह्वान पर ग्रामीण बैंक कर्मी आन्दोलन के राह पर हैं, उनकी सफलता निश्चित है । आलोच्य अवधि में संगठन का विस्तार विभिन्न बैंक शाखाओं में तेजी से हो रहा है जो एक शुभ लक्षण है । बैंक कर्मचारियों का एकमात्र हितैषी

संगठन एन०ओ०बी०डब्ल्यू० है यह स्पष्ट हो गया है ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० :-

एयरबो की लोक प्रियता / विश्वसनीयता रिजर्व बैंक कर्मियों के बीच बढ़ी है । इसके सदस्य संख्या में विभिन्न केन्द्रों पर वृद्धि इसके संकेत है , कर्मचारी इसके प्रति आकर्षित हो रहे हैं ।

३० अप्रील - १ ली मई १९९४ को १३ वाँ द्विवार्षिक सम्मेलन नई दिल्ली में सम्पन्न हुआ, जिसमें विभिन्न केन्द्रों के २०० प्रतिनिधि भाग लिए पटना केन्द्र से १० सदस्यों ने हिस्सा लिया । बम्बई उच्च न्यायालय ने दिनांक १६ सितम्बर ९४ के अपने ऐतिहासिक फैसले में ए०आई०आर०बी०डब्लू० के अधिकार को स्थापित करते हुए रिजर्व बैंक प्रबन्धन को वार्त्ता तथा पत्राचार का निर्देश दिया है । यह ऐयरवो की बहुत बड़ी उपलब्धि है । इस फैसले के आलोक में दिनांक ७-१०-९४ को अखिल भारतीय स्तर पर प्रबन्धक को सामुहिक रुप से ज्ञापन दिया गया ।

दिनांक १६ जनवरी ९५ को भा०रि० बैंक के उप - गर्वनर श्री डी०आर० मेहता को एयरवो के मान्यता तथा मांग पत्र पर अविलम्ब वार्त्ता आरम्भ करने हेतु ज्ञापन दिया गया ।

रिजर्व बैंक परिसर में मान्यता प्राप्त एशोसियन एवम् प्रबन्धन के बीच हुए मशीनीकरण के समझौता के दुष्परिणाम के सम्बन्ध में कर्मचारियों को जागृत किया जा रहा है । इन समझौते के क्रियान्वयन से हजारों कर्मचारी अतिरिक्त घोषित हो जायेंगे ।

रिजर्व बैंक प्रबन्धन के स्वेच्छाचारिता के विरुद्ध आन्दोलन जारी है । विभिन्न विभागों के स्थानान्तरण के विरुद्ध अखिल भारतीय स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया गया । स्थानान्तरण तो अभी रुक गया है, भविष्य में भी सर्तक और जागरुक रहना है । मांग पत्र पर वार्त्ता में अनावश्यक विलम्ब किया जा रहा है । आन्दोलन के प्रथम चरण में विरोध प्रदर्शन, ज्ञापन इत्यादि का कार्यक्रम आयोजित किया गया ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू० के आन्दोलनात्मक कारवाई में पटना यूनिट ने अपनी सक्रिय भागीदारी जतायी ।

[illegible]र०बी०डब्लू०ओ०, पटना :-

भारतीय रिजर्व बैंक पटना - केन्द्र पर आर्गेनाइजेशन की सक्रियता बढ़ी है । [illegible]र्मचारियों के आस्था और विश्वास के प्रतीक के रुप में यह विकासशील और गतिमान है । [illegible]मास, एन०ओ०बी०डब्लू०, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० - पी०डी०बी०डब्ल०ओ० द्वारा आयोजित संघर्ष के कार्यक्रम को शत - प्रतिशत सफल बनाया गया आर्गेनाइजेशन के कार्यकर्त्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही । उक्त संघटनों के वार्षिक / द्विवार्षिक अधिवेशन में भी हमारे सदस्यों ने अपनी भागीदारी निभायी ।

कौमी एकता सप्ताह शपथ ग्रहण समारोह :-

बैंक प्रतिवर्ष पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के जन्म दिवस दिनांक १९ नवम्बर को कौमी एकता सप्ताह के समापन पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन करती है जिसका समापन राष्ट्रीय गीत " जन गण - मन " से किया जाता है । हमने बैंक प्रबन्धन से अनुरोध किया है कि उक्त समारोह का शुभारम्भ " वन्देमातरम " से किया जाय, जैसाकि संसद और अन्य सरकारी समारोह में होता है । प्रबन्धन द्वारा इस पर विचार किया गया है तथा उम्मीद की जाती है कि इस वर्ष से समारोह का शुभारम्भ " वन्देमातरम " से होगा ।

दिनांक १४-५-९५ को भोजनावकाश में बैंक के विभाग स्थानान्तरण के नीतियों के विरुद्ध जोरदार प्रदर्शन किया गया तथा एयरवो द्वारा गवर्नर को दिये गये ज्ञापन के प्रति को वितरित किया गया ।

ठिका कर्मचारियों की नियुक्ति के सम्बन्ध में दिनांक ५-१२-९४ को स्थानीय प्रबंधक को ज्ञापन दिया गया । दिनांक ६-१२-९४ को स्थानीय प्रबंधक से तृतीय एवम् चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को नववर्ष पर कलेन्डर, लेखनी के अतिरिक्त डायरी देने का अनुरोध किया गया था इस वर्ष डायरी नहीं दी जा सकी है । हम प्रयत्नशील है आशा करते हैं कि अगले वर्ष से सभी कर्मचारियों को डायरी मिलेगा ।

विकलांग कर्मचारियों को मिल रही आय कर राहत में कटोती का प्रस्ताव कनीय अधिकारियों द्वारा किया गया था, जिसका हमने विरोध किया तथा समाधान निकाला गया । हमने अपने सदस्यों एंव आम कर्मचारियों के समस्याओं के समाधान के लिए सतत् प्रयत्नशील रहे हैं । दिनांक ८ अप्रैल ९४ को बैंकिंग एंव वित्तीय संस्थाओं में कार्यरत श्रमिक संगठनों के संयुक्त कारवाई समिति जिसका एक घटक एन०ओ०बी०डब्लू० भी था के आह्वान पर भारत सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों बैंकों के निजीकरण इत्यादि के विरुद्ध एक दिवसीय हड़ताल यहां शतप्रतिशत सफल रही ।

संयुक्त अध्ययन दल के अनुशंसा भाग - II के लागू होने तथा उसके कुप्रभाव से सम्बन्धित परिपत्र जारी किया गया । दिनांक २० जुलाई ९४ को प्रबन्धन एंव मान्यताप्राप्त एशोसियेशन के मध्य हुए समझौते के विरुद्ध दिनांक ६ सितम्बर ९४ को भोजनावकाश में प्रबंधक कक्ष के समक्ष विशाल विरोध प्रदर्शन किया गया । ७-१०-९४ को मांग पत्र पर संघर्ष के कम में प्रबन्धक कक्ष के समक्ष प्रदर्शन किया गया । स्थानीय समस्याओं के समाधान हेतु संघर्ष का निम्नलिखित कार्यक्रम क्रियान्वित किया गया ।

२०-१०-९४	कोषपाल के समक्ष प्रदर्शन
१-११-९४	मुद्राधिकारी (आपरेशन) ,,
११-११-९४	लेखाधिकारी (सम्पदा) ,,
१५-११-९४	मुद्राधिकारी (प्रशासन) ,,

२२-११-९४ को आर्गेनाइजेशन के पदाधिकारियों से प्रबन्धक की लगभग एक घंटा बातचीत के बाद आन्दोलन स्थगित किया गया समस्याओं के निदान में प्रबन्धन सक्रिय हुआ, कुछ का निराकरण तत्काल हुआ, कुछ लम्बित है, जिसके समाधान के लिए हम प्रयत्नशील हैं । कठिन से कठिन परिस्थिति में हम आपके साथ हैं । आपका सहयोग ही हमारा संबल है ।

सहयोग समितियाँ :-

आलोच्य कालखंड में रिजर्व बैंक कर्मचारी सहयोग बचत एंव साख समिति का कार्य संतोषजनक रहा है । सदस्यों के आर्थिक कठिनाईयों को दूर करने में समिति का प्रयास सराहनीय है ।

कैंटीन का चुनाव कर इसे व्यवस्थित ढंग से चलाने की आवश्यकता हम महसूस करते हैं तथा बैंक में कार्यरत विभिन्न संगठनों से सहयोग की अपेक्षा और अपील करते हैं ।

स्पोर्टस एण्ड रिक्रियेशन क्लब की गतिविधियों में और विस्तार की आवश्यकता हम महसूस करते हैं ।

बधाइ / विदाई :-

आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले मित्रों को हमने सादर विदाई दी । सेवा निवृत एवम् प्रोन्नत सहयोगियों को भी हमने शुभ

कामनापूर्वक विदाई दी । हम आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का सादर अभिनन्दन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं ।

आभार प्रदर्शन :-

भा०मस० के प्रांतीय पदाधिकारियों, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० के पदाधिकारियों द्वारा हमें सदैव सहयोग और मार्गदर्शन मिला, उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं । हमारे अध्यक्ष एवम् निवर्तमान कार्यकारिणी तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं एवम् सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनका सहयोग एवम् स्नेह हमें मिलता रहा है ।

बी०एम०एस० |
एन०ओ० बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
एयरवो |

आपका मातृवत्

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

भारतमाता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ,
पटना
(सम्बद्ध भारतीय मजदूर संध, एन. ओ. बी. डब्लू ए. आई आर बी डब्लू)

प्राप्ति भुगतान खाता

31 दिसम्बर 1994 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए

प्राप्ति	रकम (रूपये)	भुगतान	रकम
प्रारंभिक शेष केनरा बैंक	7,35	मुद्रण छपाई	1756 .00
		स्टेशनरी	247.00
सदस्यता शुल्क अभिदान	777,769.00	प्रतिनिधि शुल्क (आर. बी. डब्लू ओ)	800.00
[illegible] विशेष चन्दा	2,845.00	नागपुर बैठक	720 .00
		प्रचार	95 .00
		वर्ष 1993 आम सभा का व्यय	911.00
		ऋण भुगतान	1223.00
		अल्पाहार	121 .00
		बैंक शेष (अंतिम) आर. बी. ई को. सें.	4741.00
		केनरा बैंक	7.35
	10,621.35		10621.35

महासचिव

कोषाध्यक्ष

Pankaj Kumar
अंकेक्षक

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(मामरा, एन० ओ० बी० डब्लू एवम् एयबो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - २/९५ दिनांक -- २५-४-९५

प्रिय भाइयों /बहनों,

मांग पत्र पर संघर्ष --आज भोजनावकाश (१.१५ बजे)

मुख्य महाप्रबन्धक कक्ष के समक्ष मास डेपुटेशन

दिनांक १४-१५ अप्रील १९९५ को बंगलोर में सम्पन्न ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० के केन्द्रीय कार्यसमिति के निर्णयानुसार मांग पत्र पर अविलम्ब सार्थक वार्ता आरम्भ करने हेतु प्रबन्धन पर दबाव डालने के लिये संघर्ष का आह्वान किया गया है ।

प्रबन्धन टाल-मटोल की नीति अपनाये हुये है तथा मान्यता प्राप्त यूनियन से साँठ-गाँठ कर कर्मचारी विरोधी नीतियों को धीरे-धीरे लागू कर रहा है । इस परिस्थिति में कर्मचारियों को सजग और सतर्क रहना परम आवश्यक है ।

संघर्ष के प्रथम कड़ी में आज भोजनावकाश अपराह्न १.१५ बजे मुख्य महाप्रबन्धक कक्ष के समक्ष मास डेपुटेशन आयोजित कियागया है । आइए इसमें योगदान कर इसे सफल बनायें तथा प्रबन्धन को अपने आक्रोश से अवगत करायें ।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन के साथ,

मामरा, | जिन्दाबाद
एन० ओ० बी० डब्लू० |
एयबो |

मांग पत्र पर बात करो

आपका भातृवत,

(विनोद कु० सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(मामरा, एन० ओ० बी० डब्लू० एवम् एयबो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - २/९५ दिनांक २५-४-९५

प्रिय भाइयों/ बहनों,

मांग पत्र पर संघर्ष --आज भोजनावकाश (१.१५ बजे)

मुख्य महाप्रबन्धक कक्ष के समक्ष मास डेपुटेशन :

दिनांक १४-१५ अप्रील १९९५ को बंगलोर में सम्पन्न ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० के केन्द्रीय कार्य समिति के निर्णयानुसार मांग पत्र पर अविलम्ब सार्थक वार्ता आरम्भ करने हेतु प्रबन्धन पर दबाव डालने के लिये संघर्ष का आह्वान किया गया है ।
प्रबन्धन टाल-मटोल की नीति अपनाये हुए हैं तथा मान्यता प्राप्त यूनियन से साँठ-गाँठ कर कर्मचारी विरोधी नीतियों को धीरे-धीरे लागू कर रहा है ।
इस परिस्थिति में कर्मचारियों को सजग और सतर्क रहना परम आवश्यक है ।
संघर्ष के प्रथम कड़ी में आज भोजनावकाश अपराह्न १.१५ बजे मुख्य महाप्रबन्धक कक्ष के समक्ष मास डेपुटेशन आयोजित किया गया है । आइए इसमें योगदान कर इसे सफल बनाएं तथा प्रबन्धन को अपने आक्रोश से अवगत करायें ।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन के साथ,

मामरा | जिन्दाबाद
एन० ओ० बी० डब्लू० |
एयबो |

मांग पत्र पर बात करो ।

आपका भातृवत,

(विनोद कु० सिंह)

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना-१

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - ८/९५ — दिनांक ९ मई, १९९५

मांग पत्र पर शीघ्र समझौते के लिए आज भोजनावकाश में द्वार प्रदर्शन

समय बीतता जा रहा है, परन्तु वेतन समझौते की अंधी गुफा का अन्त कहीं नजर नहीं आ रहा है न तो प्रबंधन ही बताना चाह रहा है कि गतिरोध कहाँ है और न ही उसकी मान्यता प्राप्त यूनियन अपने सदस्यों को साफ-साफ बताना चाहती है कि वह कितना मांग रही है तथा प्रबंधन कितना दे रहा है हाँ, दोनों पार्टनरों में इतना समझौता जरूर है कि कर्मचारी हितों का उचित प्रतिनिधित्व करने वाला आर्गेनाइजेशन वेतन वार्ता में सम्मिलित न हो, क्योंकि अगर ऐसा हो गया तो उनकी दुरभिसंधि उजागर हो जायेगी जो अभी तक (उनके आंदोलनों के द्वारा) चल रहा है। इस काल रात्रि के मध्य आशा का एकमात्र आकाशदीप आर्गेनाइजेशन है। रिजर्व बैंक के वेतन समझौतों का इतिहास साक्षी है कि कर्मचारियों को लाभ तभी प्राप्त होता है जब आर्गेनाइजेशन को अपनी भूमिका निर्वहन का अवसर प्राप्त हो जाता है।

हम संघर्षरत हैं। आप सबों का सम्पूर्ण सहयोग चाहिए। हमारी मांग है प्रबंधन आर्गेनाइजेशन के साथ वेतन वार्ता शुरू करे। इसी मांग को लेकर आज भोजनावकाश (१.१५ बजे) में एक द्वार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है। आप सबों से आग्रह है कि इसमें सम्मिलित होवें।

संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ,

भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० | जिन्दाबाद।

आपका सहयोगाकांक्षी,
(विनोद कुमार सिंह) सचिव।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना

(सम्बद्ध:- ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं बी०एम०एस०)

परिपत्र सं०- ७/९५ दिनांक : ८/८/९५

मित्रों ,

रिजर्व बैंक में वेतन समझौता – कहाँ है एस०बी०आई०पैकेज ?

जैसा कि कामरेड बढ़-चढ़ कर दावा कर रहे हैं कि वेतन के पुनर्निर्धारण में रिजर्व बैंक प्रबन्धन के साथ किये गये समझौते के द्वारा इन्होंने बैंकिंग उद्योग में तुलनात्मक दृष्टि से उच्चतम स्तर के साथ रिजर्व बैंक में तृतीय श्रेणी कर्मचारियों के लिए "एस०बी०आई० पैकेज" को भी प्राप्त कर लिया है ।

मित्रों रिजर्व बैंक में सम्पन्न होने वाले किसी भी वेतन समझौते में एन-पोजीशन सुनिश्चित करने के साथ ही उसमें निम्न दो प्रमुख तत्वों का समावेश होना आवश्यक है :-

(१) सन् १९८४ में विशेषतः एस०बी०आई०कर्मचारियों को दी गयी अतिरिक्त वेतन वृद्धि जिसके लिए रिजर्व बैंक कर्मचारियों को वंचित रखा गया ।

(२) हाल ही में भारतीय स्टेट बैंक में सम्पन्न समझौते के "एस०बी०आई०पैकेज" के समवर्ती तत्व ।

रिजर्व बैंक एम्प्लाइज एसोसियेशन "एस०बी०आई०पैकेज" प्राप्ति का खोखला दावा मात्र कर रही है । एस०बी०आई० के समझौते में सभी कर्मचारियों को रुपये १७०/- से ५५०/- तक का अतिरिक्त लाभ प्राप्त हुआ है, जबकि रिजर्व बैंक में हासिल किया गया तथाकथित "एस०बी०आई०पैकेज" का अर्थ मात्र रुपये १५५/- (प्रथम स्टेज पर एक अग्रिम वेतन का लाभ) से रुपये ४४०/- ही है । मित्रों आइए अब हम कामरेडों के तथाकथित "जायज" एवम् "वाजिब" वेतन समझौते की खूबियों का वाणिज्यिक बैंकों के समझौते से तुलना करके देखें।

(१) वाणिज्यिक बैंकों में मकान किराया भत्ता बिना किसी अधिकतम सीमा के १२ % प्रतिशत देय है । जबकि रिजर्व बैंक में पूर्व निर्धारित १२.५ % से घटाकर १२ % कर दी गयी एवं अधिकतम सीमा रुपये ७००/- पर बांध दी गई जिससे रिजर्व बैंक के अधिकांश पुराने कर्मचारियों को रु० ३७५/- प्र०मा० का घाटा हो रहा है ।

(२) वर्तमान समझौते के तहत् रु० १७५/- का स्टेगनेशन इंक्रीमेंट रु० ३२५/- के बजाय रु० ३४०/- पर पुनर्निर्धारित होना चाहिये था जिससे पुराने कर्मचारियों का नुकसान नहीं होता । वाणिज्यिक बैंकों में सी०ए०आई०आइ०बी० किया हुआ कर्मचारी चौथा स्टेगनेशन इंक्रीमेन्ट २८वें वर्ष में पाने का हकदार होगा जबकि रिजर्व बैंक कर्मचारी को यह स्टेगनेशन इंक्रीमेंट प्राप्त करने हेतु ३० वें वर्ष तक इंतजार करना पड़ेगा ।

(३) इसी प्रकार वेतनमान पूर्ण होने पर वर्तमान में मिलने वाला रु० ६६/- का विशेष वेतन, पुनर्निर्धारण के बाद रु० १२०/- के स्थान पर रुपये १२७/- होना चाहिए था ।

(४) जैसा कि आपको ज्ञात है कि १९८९ के समझौते के तहत अनेक खामियाँ रही थी जिनको हमने उसी समय उजागर किया था जिसके फलस्वरुप एसोसियेशन को अपने ही समझौते के विरुद्ध पुनः आंदोलन करना पड़ा और बाद में "पूरक समझौते" के द्वारा रु० १०/- से रु० ६५/- तक का अतिरिक्त विशेष वेतन कर्मचारियों को प्राप्त हुआ । वर्तमान समझौते में उचित तो यह होता कि इस अतिरिक्त विशेष वेतन को मूल वेतन में मिला दिया जाता, लेकिन अफसोस है कि वह विसंगति अलग मद के रुप में अभी भी बरकरार रखी गई है जिससे अन्तिम वेतन वृद्धि बहुत कम मिल पाई है ।

(५) हमने पहले भी यह बात बताई थी कि बैंक की नीयत अन्तिम वेतन वृद्धि को कम से कम रखने की है जो कि रुपये १७५/- रखी गई और जिसे एसोसियेशन ने स्वीकार

भी कर लिया । वर्तमान समझौते में भी अन्तिम वेतन वृद्धि में घाटा जारी रखते हुए रु० ३२५/- पर निर्धारित किया गया है । तथ्यों से स्पष्ट है कि महंगाई भत्ते को ११४८ बिन्दु पर विलय के बावजूद, पिछले समझौते में अन्तिम और उससे पूर्व की वेतन वृद्धि के बीच जो रु० २०/- का अंतर था वर्तमान में वह अन्तर बढ़ने की बजाय घटकर मात्र १०/- रु० रह गया है । यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि यह प्रबन्ध एव एचम् एसोसियेशन की "सोची समझी चाल " है जिससे पुराने कर्मचारियों के स्टेगनेशन इंक्रीमेन्ट को निम्न स्तर पर रखा जा सके ।

उपरोक्त खूबियों को ध्यान से पढ़ने पर आप पायेंगे कि तथाकथित "एस०बी० आई०पे-कोज" जो आपको २० वीं स्टेज के बाद देय है वह (१) सीलिंग थोप कर उच्चतर मकान किराये भत्ते से वंचित रखकर और (२) अतिरिक्त विशेष वेतन स्टेगनेशन इंक्रीमेन्ट आदि में काट - छाँट करके हासिल किया गया है । इससे स्पष्ट है कि बैंकिंग उद्योग में अधिकतम वेतन भत्ते प्रदान करने वाली भारतीय स्टेट बैंक से इस समझौते की तुलना नहीं होती है ।

समझौते के उपरोक्त विश्लेषण से आप पायेंगे कि बैंक ने चतुराई से प्रयास-पूर्वक उच्चतम स्टेजों पर पे स्केल के लाभों को कम किया है । क्योंकि पिछले कई वर्षों से नई [illegible] नहीं हो रही है एवं पदोन्नतियाँ न होने से रिजर्व बैंक के बहुसंख्यक सीनियर कर्मचारियों को उनके बाजिब आर्थिक लाभों से भी इस समझौते में वंचित रखा गया है । प्रबन्धन की इन हरकतों में एसोसियेशन के "कुशल" नेताओं ने भी अहम् भूमिका अदा की है ।

अंत में रिजर्व बैंक कर्मचारियों को यह जानने का अधिकार है कि " लौह आवरण" के पीछे सेवा शर्तों के बारे में क्या निर्णय लिये गये । कहीं ऐसा तो नहीं कि एक तरफ [illegible]सियेशन केवल आर्थिक पहलुओं का ही यशोगान करने का पुराना खेल खेलती रहे और [illegible] तरफ प्रबन्ध अपने प्रशासनिक पतिपत्रों के माध्यम से सेवा शर्तों में हमेशा की तरह मनमाने परिवर्तन लागू करता रहे ।

सजगता के आह्वान के साथ ।

आपका ,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०
बी०एम०एस०

जिन्दाबाद - जिन्दाबाद ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(बी एम एस, एन ओ बी डब्लू से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० 8/95 दिनांक 22-8-95

भाइयो एवम् बहनो,

शर्मनाक—अमर्यादित—खेदजनक समर्पण

पिछले कथित द्विपक्षीय समझोते का पुनरावलोकन करते हुए हाल ही में (दिनांक 23 जून 1995 को) हुए कथित नये द्विपक्षीय समझौते से यह स्पष्ट हो गया है कि प्रबन्धन की मान्यतावाली एशोसियेशन कर्मचारी हितों की पूर्णाहुति करते हुए प्रबन्धन के समक्ष पूर्ण समर्पण कर दिया है। यह द्विपक्षीय समझोता न होकर प्रबन्धनपक्षीय हैं। 23 जून 95 को दो समझौता हुआ है। दूसरे समझोता की प्रति छपवाकर तीन रुपये प्रति कापी दर से बिक्री की गयी, जिसमें उपलब्धियों का बखान किया गया है। परन्तु न तो एस. बी. आई. पैकेज ही मिला ओर न वास्तविक (A+) स्थान। मानलिया जाय कि कुछ आर्थिक बढ़ोतरी हुई है, लेकिन किस कीमत पर? आइए पहले समझौते पर नजर डालें।

The Momorandum of Shamful Surrender Reads as follows :

The Management of the Reserve Bank of India (hereinafter referred to as the "Bank") and the All India Reserve Bank Employees' Association (hereinafter referred to as the "Association") have been jointly disscussing from time to time with a view to improving the work culture, productivity & operational efficiency, eliminating waste & rendundancy & maintaining harmonious industrial relations. With these objectives in view the Bank & the Association had reached an agreement on 20th July 1991 & had also earlier mutually agrreed to a Code of Discipline.

2. It is reiterated in this connection that the Association & its units will discourage any wasteful restrictive practice; will not resort to any agitational course till all avenues open for peaceful solution of disputes are explored or act in a manner inconsistent with the Code of Discipline.

3. The Bank & the Association note that in the fast changing scenario in the financial sector, the functions & the responsibilities of the Reserve Bank of India as the Central Bank of the country may continually undergo changes.

4 The Association & its units shall impress on every workman in Class III staff to discharge his duties with total integrity, honesty, diligence, punctuality & regularity in attendance in the best interest of the institution & service to customers.

5 The Bank will continue to provide infrastructure for congenial work environment. The Bank will redress employees grienuine grievances with expedition Wherever necessary the Bank will discuss such matters with the Association.

6. The Bank & the Association agree to maintain Cordiality & to make maximum endeavour to resolve disputes, if any through bipartite discussions.

Friends, the so called Champions of labour rights, which they claimed to have earned after many struggles, have now most cowardely bowed before their masters, thus paving way for harassment of employees.

Comrades must have thought that their masters, would take time to implement their secret deal but management seem to be in a hurry & have issued a confidencial letter dated 7th July, 1995 to all its Heads of Offices in this regard. The Bank has expressed its feelings that Memorandum of Understanding on Technology Upgradation signed in July 1994 & the present Memorandum will provide a good opportunity for the Bank to remove all bottlenecks in the form of outdated practices and procedure.

Explaining the restrictive practices which Comrades have agreed to forego, Bank hints at few examples such as —

(i) **Refusal to attend to work of other desk/s during absence of concerned staff;**

(ii) **Resistance to re-allocation of work amongst staff/redeployment of staff;**

(iii) **Refusal by Stenographers to do typing work when not busy with stenography; and**

(iv) **Self-imposed work norms resulting in under-utilisation of available human resources.**

Through the said letter, Bank had advised its officials that after signing of the present Memorandum of Settlement,

1. No local unit of Association can insist on the continuance of any local practice which is wasteful and comes in the way of improved productivity and better customer service,

2. **No local unit can object to the rationalisation of any procedure etc. on the basis of instructions from Central Office, applicable to all offices and if there are any issues arising from such rationalisation etc. it could at best take up the matter with their Central unit to consider further course of action.**

3. **No unit shall resort to any agitational course till all avenues open for peaceful solution of disputes are explored. They shall not act in a manner inconsistent with the code of discipline under which it is incumbent upon the Association, inter alia;**

(i) not to engage in any form of physical duress :

(ii) not to resort to demonstrations which are not peaceful & not to permit rowdyism in demonstration; not to hold any demonstration within the Bank's premises & not to resort to any picketing; etc. so as to prevent employees of any class from entering the Bank premises or intimidate any official for any act done in the discharge of official duties;

(iii) not to take up or engage in union activities during working hours unless provided for by law, etc

(iv) to discourage unfair labour practices such as negligence of duty, insubordination etc.

(v) to take appropriate action against activists defying the code.

बन्धुओ,

आत्मसमर्पणकारी मानसिकता [illegible] को मुँह छिपाने के लिए कोई स्थान नहीं बचा है। बड़ी ही [illegible] प्राप्त हुई यूनियन अधिकार तक गिरवी रख दी, इन क्रान्तिकारियों ने। एम० ओ० यू० (Memorandum of understanding) के अनुसार प्रबन्धन उकसावेपूर्ण कार्रवाई आरम्भ कर दी है। समयबद्धता, कार्य-संस्कृति, ग्राहक सेवा और दक्षता के नाम पर कर्मचारियों पर दमन का सिलसिला आरम्भ हो गया है। हाल ही हुए स्टाफ अधिकारी (योग्यता) के परीक्षाफल घोषित रिक्तियों की पूर्ति आधे से भी कम करना, इसका दुष्परिणाम है।

मित्रो,—संकट के इस घड़ी में धैर्य एवं संयम की परम आवश्यकता है। रिजर्व बैंक में कार्यरत कर्मचारी इन घटनाओं पर पैनी नजर रखे हैं। नेतृत्व समर्पण कर सकता है परन्तु कर्मचारी कायर नहीं है। सभी मंच पर अपने हक की लड़ाई में सदैव अग्रिम पंक्ति पर रहे हैं आगे भी रहेंगे। समर्पणकारी नेतृत्व दरकिनार होंगे, ऐसा मेरा विश्वास है। प्रबन्धन को भी यह नहीं भूलना चाहिए कि इस महान संस्था के विकास में प्रत्येक कर्मचारी का सहयोग और योगदान है। कर्मचारियों के सुविधाओं में कटौती कर कोई संस्था विकास नहीं कर सकता, औद्योगिक शान्ति नहीं रह सकती।

साथियों,—संघर्ष पथ पर आगे बढ़े। आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएं। यही एकमात्र संगठन है जो कर्मचारी हितों का [illegible] प्रहरी है। यह घुटना टेकने का आदी नहीं है।

इसकी परम्परा तो त्याग, तपस्या और बलिदान है।

AIRBWO
NOBW } — जिन्दाबाद
BMS

सहयोगाकांक्षी
विनोद कुमार सिंह
महामंत्री

[illegible]

—: वन्देमातरम् :—

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना ।
(बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- ९/९५ दिनांक १/९/९५

प्रिय भाईयों एवं बहनों ,

प्रबन्धन की स्वेच्छाचारिता - आज मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष प्रदर्शन ।

दिनांक २३ जून, १९९५ को प्रबन्धन एवं उसकी मान्यता प्राप्त यूनियन के बीच हुए समझौते के बाद पूरा परिदृश्य बदल गया है । प्रबन्धन द्वारा मनमाने, गैर जिम्मेवराना, असंवैधानिक, असंगत एवं अमर्यादित कदम उतावले में उठाये जा रहे हैं । अपने दायित्वों के निर्वहन में विफल प्रबन्धन स्वेच्छारिता और तानाशाही पर उतर आया है । आये दिन सिकारी मौखिक फरमान जारी किये जा रहे हैं । बुनियादी सुविधाओं को उपलब्ध कराने में विफल प्रबन्धन कर्मचारियों पर दमन, एवं आतंक फैला कर जंगल राज चलाने पर उतारु हैं । नकदी विभाग में म्यूजिक चैनल लगाने वाला प्रबन्धन वहां कार्यरत कर्मचारों को स्वच्छ जल भी उपलब्ध नहीं करा सका है । विभिन्न विभाग में अवस्थित अक्वा गार्ड में से कई महीनों से बेकार पड़े हैं । गंदगी का आलम यह है कि पूरा नकदी विभाग नरक विभाग में तब्दील हो गया है ।

फर्निचर ..... का अभाव, दवाखाना में दवा का अभाव स्कूटर सेड का अभाव, प्रबन्धन की अकर्मण्यता का ही द्योतक है । दूसरी ओर मेमो शो-काउज, चार्जशीट का अम्बार लगा हुआ है । किसी को शो-काउज दिया जाता है तथा उसका उत्तर दिये जाने के पहले ही उसको चार्जशीट थमा दिया जाता है । घोर अंधेरगर्दी मची हुई है । गड़े मुर्दे उखाड़े जा रहे हैं । गृह निर्माण अग्रिम, एल०एफ०सी०छुट्टी एवं अन्य मामले में कर्मचारियों को अनावश्यक परेशान किये जा रहे हैं । दर्जनों कर्मचारियों को मेमो चार्जशीट किया गया है । कर्मचारियों के उपर अनुचित कार्यभार बढ़ाया जा रहा है । अभी हाल ही में डी०जी०एम०साहब का मौखिक फरमान जारी हुआ है कि नकदी विभाग में एक अनुभाग से दूसरे अनुभाग में कर्मचारियों को नहीं घुसने दिया जाय । जबकि प्रबन्धन स्वयं ही प्रतिदिन एक कर्मचारी को विभिन्न अनुभागों में स्थानान्तरित करते रहा है । मुद्रा तिजोरी को प्रेषण भेजने का कार्यक्रम कई-कई बार बदले जाते हैं । साधारण अवकाश सम्बन्धी मेमो में संचित शेष अवकाश का विवरण देना भी बन्द कर दिया गया है ।

यह सब २३ जून, ९५ के समझौते की आड़ में किया जा रहा है । ट्रेड यूनियन अधिकारों को संकुचित करने का सुनियोजित ढंग से प्रयास किया जा रहा है । प्रबन्धन के इस प्रयास को सफल बनाने में एसोसियेशन नेतृत्व का पूर्ण समर्थन प्राप्त है ।

मित्रों, लेकिन आर्गेनाइजेशन चुप नहीं बैठेगा। आज की परिस्थिति में आर्गेनाइजेशन के कंधे पर विशेष जिम्मेदारी आ गयी है, हमें आपके सक्रिय सहयोग की आवश्यकता है । हम आपको विश्वास दिलाना चाहते हैं कि आम कर्मचारियों के समर्थन से हम प्रबन्धन के दमन, अत्याचार और जंगली राज को दमित करने में सफल होंगे, तन्द्रा तोड़ें, तथा आज मध्याह्न भोजनावकाश १-३० बजे मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर अपने आक्रोश का इजहार करें ।

बी०एम०एस०
एन०ओ०बी०डब्लू०
एयर वो - | जिन्दाबाद

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद
ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला-बन्द करो-बन्द करो ।

आपका सहयोगाकांक्षी
(हस्ताक्षर)
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना ।

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- १०/९५   दिनांक ४ सितम्बर ९५

मित्रों,

घनी तमिस्रा में एक नंदादीप ।

ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला के खिलाफ १ सित० ९५ को जोरदार सफल प्रदर्शन के लिए बधाई । जहाँ एक ओर प्रबंधन की यूनियन ने कर्मचारी हितों की बलि चढ़ाते हुए घुटना टेक दिया है , वहीं आर्गेनाइजेशन ने कर्मचारियों में आशा एवं विश्वास का नव संचार किया है । प्रदर्शन के बाद मुख्य महाप्रबंधक की हमारे केन्द्रीय संघटन सचिव श्री अरुण कुमार ओझा के साथ वार्ता हुई, जिसमें प्रबंधन द्वारा यह आश्वासन मिला है कि शीघ्र ही कर्मचारियों की सारी समस्याएँ हल की जायेंगी । स्कूटर शेड का निर्माण होगा, नकदी विभाग की नारकीय स्थिति ठीक की जायेगी तथा कर्मचारियों को शो कौज , मेमो , चार्ज शीट द्वारा अनावश्यक रुप से परेशान नहीं किया जायेगा । मुख्य महाप्रबंधक को धन्यवाद । प्रबंधन द्वारा कर्मचारी हित में उठाए गए हरकदम का हम स्वागत करेंगे, सहयोग करेंगे वहीं हमारे अधिकारों पर कुठाराघात हुआ तो उसे कतई बर्दाश्त भी नहीं करेंगे ।

मित्रों, अपने खोए गौरव को पुनः प्राप्त करने के लिए आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएँ । आर्गेनाइजेशन ही है -- घनी तमिस्रा में चमकता नंदादीप । भादों की गहरी अंधेरी रात में भी दमकता आलोक - पुंज ॥

संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ ,

कर्मचारी एकता,
भा०म०सं०,
एन०ओ०बी०डब्लू०
ए०आइ०आर०बी०डब्लू०ओ० | जिन्दाबाद ।

आपका भ्रातृवत्
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना ।

(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - १०/९५   दिनांक ४ सितम्बर ९५

मित्रों,

घनी तमिस्रा में एक नंदादीप ।

ट्रेड यूनियन अधिकारों पर हमला के खिलाफ १ सित० ९५ को जोरदार सफल प्रदर्शन के लिए बधाई । जहाँ एक ओर प्रबंधन की यूनियन ने कर्मचारी हितों की बलि चढ़ाते हुए घुटना टेक दिया है , वहीं आर्गेनाइजेशन ने कर्मचारियों में आशा एवं विश्वास का नव संचार किया है । प्रदर्शन के बाद मुख्य महाप्रबंधक की हमारे केन्द्रीय संघटन सचिव श्री अरुण ओझा के साथ वार्ता हुई, जिसमें प्रबंधन द्वारा यह आश्वासन मिला है कि शीघ्र ही कर्मचारियों की सारी समस्याएँ हल की जायेंगी । स्कूटर शेड का निर्माण होगा, नकदी विभाग की नारकीय स्थिति ठीक जाएगी तथा कर्मचारियों को शो कौज, मेमो, चार्ज शीट द्वारा अनावश्यक रुप से परेशान नहीं किया जायेगा । मुख्य महाप्रबंधक को धन्यवाद । प्रबंधन द्वारा कर्मचारी हित में उठाये गये हरकदम का हम स्वागत करेंगे, सहयोग करेंगे वहीं हमारे अधिकारों पर कुठाराघात हुआ तो उसे कतई बर्दाश्त भी नहीं करेंगे ।

मित्रों, अपने खोए गौरव को पुनः प्राप्त करने के लिए आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएँ । आर्गेनाइजेशन ही है - घनी तमिस्रा में चमकता नंदादीप । भादों की गहरी अंधेरी रात में भी दमकता आलोक - पुंज ।

कर्मचारी एकता,
भा०म०सं०
एन०ओ०बी०डब्लू०,
ए०आइ०आर०बी०डब्लू०ओ० | संघर्षपूर्ण बधाइयों के साथ,
जिन्दाबाद ।

आपका भ्रातृवत्
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा०म०सं० , एन०ओ०बी०डब्लू० एवं एयरबो से सम्बद्ध)

प्राप्ति / भुगतान खाता वर्जन्ति ३१ दिसम्बर , १९९५

प्राप्तियाँ		भुगतान	
मद	राशि	मद	राशि
पिछला शेष –		प्रवास –	३,७३६–२५
साख समिति ४,७४१–००		केन्द्र को अभिदान –	७,५००–००
केनरा बैंक ७–३५		छपाई/छाया प्रति –	१,३०४–२०
	४७४८–३५	आम सभा / जलपान –	१,०७२–००
चन्दा से –	४५००–००	[illegible] –	१३२–००
संघर्ष निधि –	२००–००	प्रचार व्यय –	१०७–००
लेवी –	२२८६५–००	अन्य –	२३–००
		सावधि जमा –साख समिति –	१०,०००–००
		शेष –	
		साख समिति	७,८९४–००
		केनरा बैंक –	७–३५
		नकद	
		कोषाध्यक्ष २१०–००	
		महासचिव – ३२७–५५	५३७–५५
	३२,३१३–३५		३२,३१३–३५

आय – व्यय खाता वर्जन्ति ३१ दिसम्बर, ९५

व्यय		आय	
मद	राशि	मद	राशि
प्रवास –	३,७३६–२५	चन्दा से –	४,५००–००
केन्द्र का अंश –	७,५००–००	संघर्ष निधि –	२००–००
छपाई/छाया प्रति –	१,३०४–२०	लेवी से –	२२,८६५–००
आम सभा/जलपान –	१,०७२–००		
डाक व्यय –	१३२–००		
प्रचार व्यय –	१०७–००		
अन्य –	२३–००		
आय का व्यय पर अधिक्य	१३,६९०–५५		
	२७,५६५–००		२७,५६५–००

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

([illegible] श्रीवास्तव)
कोषाध्यक्ष

खातों का अंकेक्षण किया एवं सही पाया ।

([illegible])
अंकेक्षक

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरवो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० -११/९५ — दिनांक ८-९-९५

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

अखिल भारतीय विरोध दिवस --प्रदर्शन

आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने कर्मचारियों की समस्याओं के सम्बन्ध में मांग पत्र प्रस्तुत किया है तथा उनके समाधान हेतु अविलम्ब कदम उठाने के लिये कई पत्र दिया गया है । कर्मचारियों का तापमान बढ़ाने वाली समस्याएं निम्नवत् है ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए"(योग्यता) परीक्षा :--

वर्ष १९९४-९५ का परीक्षाफल घोषित किया गया है, जो बहुत ही अन्यायपूर्ण एवं कपटपूर्ण है । आठ अवधि के लिये घोषित ८४ रिक्तियों में से सिर्फ २८ कर्मचारियों का चयन किया गया । इन रिक्तियों को तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति से ही भरा जाना है तथा बैंक में योग्यतम स्टाफ सी०ए०, पी-एच०डी० तथा सी०आई०आई०बी परीक्षा पास कर्मचारी उपलब्ध है, फिर भी पूरे पदों का नहीं भरा जाना अन्यायपूर्ण व असंगत है ।

रिजर्व बैंक में स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए"(क्वालिफाईंग) परीक्षा में परीक्षार्थियों को प्राप्तांक उपलब्ध कराये जाते हैं, परन्तु योग्यता (मेरिट) परीक्षा में प्राप्तांक उपलब्ध नहीं कराया जाता, जो सरासर गलत है । प्राकृतिक न्याय का तकाजा है कि परीक्षार्थियों को अंक पत्र उपलब्ध कराया जाय । हम प्रबन्धन से मांग करते हैं कि परीक्षाफल पर पुनर्विचार कर घोषित रिक्तियों को अविलम्ब भरा जाय ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" (क्वालिफाईंग) परीक्षा पास कर कर्मचारी वर्षों से पदोन्नति की आशा लगाये बैठे हैं परन्तु प्रबन्धन टाल-मटोल की नीति अपना कर उनलोगों की प्रोन्नति का मामला लटकाए हुए हैं ,उन्हें यथाशीघ्र प्रोन्नति दी जाय ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" बाहरी भर्ती ,सीधी परीक्षा, मेरिट परीक्षा तथा अर्हता परीक्षा के सही अनुपात को कठोरता से पालन किया जाय ताकि सीधी भर्ती अपने निर्धारित अनुपात से अधिक न हो ।

अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के आश्रितों का कनफरमेशन, रिजर्व बैंक के कार्यों का संकुचन, पेंशन इत्यादि अनेक मुद्दे कर्मचारियों के दिमाग को उद्वेलित कर रहे हैं ।

उपरोक्त ज्वलन्त समस्याओं का निराकरण आर्गेनाइजेशन से बात-चीत कर अविलम्ब किया जाय अन्यथा कर्मचारियों में व्याप्त कुंठा ,निराशा से औद्योगिक शांति भंग होगी जिसकी जिम्मेवारी एकमात्र प्रबन्धन की होगी ।

बंधुओं - आज विरोध दिवस के अवसर पर शानदार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है । मध्याह्न भोजनावकाश १.३० बजे मुख्य द्वार पर आकर प्रदर्शन को सफल करें । हम सभी सहकर्मियों से अपील करते हैं कि इसमें उपस्थित होकर प्रबन्धन -एसोसियेशन-गठबन्धन के लिखित /गुप्त समझौते का भंडाफोड़ करते हुए अपने गगनभेदी नारे से कुम्भकर्णी प्रबन्धन को यह बता दें कि प्रबन्धन -एसोसियेशन गठबन्धन की कर्मचारी विरोधी नापाक मनसूबों को हम चकनाचूर करेंगे । आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएं ,हम कर्मचारी हितों के सच्चे एवम् सजग प्रहरी हैं ।

अनन्त चतुर्दशी की अनन्त शुभकामनाओं सहित ,

आपका भातृवत्

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बी०एम०एस० | जिन्दाबाद
एन०ओ०बी०डब्लू० |
एयरवो |

बैंक कर्मचारी एकता -- जिन्दाबाद
न्यायालय का सम्मान करो - ,आर्गेनाइजेशन से बात करो ।
लाल गुलामी छोड़कर - बोलो वन्दे मातरम् ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स ऑर्गनाईजेशन, पटना
(भा० म० संघ एवं एन० ओ० बी० डब्लु० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या - १/९६ | दिनांक ५/१/१९९६

मित्रों,

ऑर्गेनाईजेशन की १७ वीं वार्षिक आम सभा

हमें हर्ष है कि भारतीय रिजर्व बैंक, पटना में स्थापित अपना राष्ट्रवादी संघटन अपने १७ वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अपनी छोटी आयु में ही हमारे संघटन ने अपनी तेजस्विता और संघर्षपरक कटिबद्धता के बल पर ऐतिहासिक उपलब्धियाँ अर्जित की है। किसी भी संघटन के सुचारु परिचालन हेतु एक निश्चित अवधि के बाद अपनी गतिविधियों की समीक्षापूर्वक भविष्यत् लक्ष्यों के लिए एक पर्याप्त और ठोस ढाँचे को बनाये रखना आवश्यक होता है। एतदर्थ ऑर्गेनाईजेशन की १७ वीं वार्षिक आम सभा आगामी दिनांक ८ जनवरी ९६ को कैंटीन हॉल में आहूत है, जिसकी कार्यावली निम्नलिखित है :-

(१) महासचिव का प्रतिवेदन, (२) ऑर्गेनाईजेशन के आय व्यय पत्र को पारित करना, (३) अन्यान्य प्रस्ताव पारित करना, (४) नई कार्य समिति का चुनाव (५) अन्यान्य विषय।

सभी सदस्यों, मित्रों एवं शुभेच्छुओं से आग्रह है कि उक्त आम सभा में अधिकाधिक संख्या में सम्मिलित होकर इसे सफल बनाएँ।

आपका भ्रातृवत्,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव।

भा० म० संघ, एन० ओ० बी० डब्लु० | अमर रहे।
ए० आई० आर० बी० डब्लु० ओ० |
बी० पी० बी० डब्लु० ओ० | अमर रहे॥
भारत माता की जय।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भारतीय मजदूर संघ एवं एन०ओ०बी०डब्लू० से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या -- २/९६ | दिनांक : ९/१/१९९६

मित्रों,

आर्गेनाइजेशन की १७ वीं आमसभा सम्पन्न

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना की १७ वीं आम सभा विगत ६ जनवरी, १९९६ को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम मजदूर गीत पूर्वक भगवान् विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। तत्पश्चात महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। इसी प्रकार आर्गेनाइजेशन का अंकेक्षित लेखा भी सर्वसम्मति से पारित किया गया।

आम सभा में मुख्य अतिथि के रूप में पी०वी०डब्लू०ओ० के संगठन सचिव श्री अशोक कुमार वर्त्तमान जनचेतना यात्रा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भारतीय मजदूर संघ बैंक कर्मियों में राष्ट्रीयता के जागरण हेतु प्रयत्नशील है उन्होंने बैंक कर्मियों से राष्ट्रवादी श्रमान्दोलन को और भी शक्तिशाली बनाने की अपील की।

इस अवसर पर निम्नलिखित प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किये गये :-

१) नेशनल आर्गेनाइजेशन आफ बैंक वर्कर्स को प्रबन्धन वार्त्ता का पक्ष बनाए।
२) ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० को शीघ्र मान्यता दी जाय।
३) बैंक में महिला चिकित्सक की नियुक्ति की जाय।
४) सामान्य संवर्ग के कर्मचारियों का नकदी एवं सामान्य विभाग में रोटेशन के आधार पर अन्तर्विभागीय स्थानान्तरण वरीयता के आधार पर।
५) विभिन्न स्थानीय मुद्दों पर प्रबन्धन, वार्त्ता कर उसका शीघ्र समाधान करें।
६) रिजर्व बैंक, पटना के परिसर में एक पूर्णकालिक सहकारी उपभोक्ता भंडार विकसित किया जाय जिसके अध्यक्ष और सचिव को बैंक प्रबन्धन कार्य से मुक्त रखें और वहां नियुक्त होने वाले कर्मचारियों के वेतनादि में सब्सीडी दें।

अंत में निवर्त्तमान कार्यकारिणी स्थान पर नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मत निर्वाचन सम्पन्न हुआ जिसका संचालन ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ० के अखिल भारतीय संगठन सचिव श्री अरुण कुमार ओझा ने किया। नई कार्य समिति का स्वरूप निम्नलिखित है :-

अध्यक्ष - श्री राम किशोर पाठक, उपाध्यक्ष - (१) श्री श्यामदेव शर्मा (२) डा० अजयनन्दन महासचिव -- श्री विनोद कुमार सिंह, सचिव -(१) श्री घनश्याम पाण्डेय (२) श्री विजय दास (३) श्री शैलेन्द्र प्रसाद सिंह, संगठन सचिव - श्री सतीश चन्द्र श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष - निरंजन कुमार वर्मा, सह-कोषाध्यक्ष - शिवजी प्रसाद, कार्य समिति सदस्य - (१) सर्वश्री वीरेन्द्र कुमार सिंह, (२) जयानन्द तिवारी, (३) आनन्द कुमार सिंह, (४) कामेश्वर राम (५) विश्वजीत गौतिया, (६) जनक किशोर शर्मा, (७) शेषव्रति सिंह, (८) बसंत कुमार मिश्र, (९) भोलानाथ सिंह।

धन्यवाद ज्ञापन पूर्वक आम सभा का समापन हुआ। मित्रों, आर्गेनाइजेशन राष्ट्रवादी संकाय को मूर्त्त देने में सतत प्रगति के पथ पर है, इसे आपके सहयोग से राष्ट्र के परमवैभव के लक्ष्य तक पहुंचाना है। मुझे विश्वास है कि हमारी संगठित एकाशक्ति और जुझारु संघर्ष से हमारी साधना अवश्य सिद्ध होगी।

भारतमाता की जय।

भारतीय मजदूर संघ,
एन०ओ०बी०डब्लू०,
बी०पी०बी०डब्ल्यू०ओ०,
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ०,
आर०बी०डब्ल्यू०ओ०, पटना

अमर रहे,
अमर रहे॥

आपका भ्रातृवत्

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा० म०सं०, एन०ओ०बी० डब्लू० एवम् एयरवो से सम्बद्ध)

दिनांक ६ जनवरी, १९९६

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवं बंधुवृन्द । आर्गेनाइजेशन के १७ वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हुए आलोच्य अवधि का महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है ।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य अवधि में देश - विदेश में श्रमिक हितों, मानवाधिकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के रक्षार्थ जिन लोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया, उनके त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । प्राकृतिक आपदा एवं मानवीय असावधानीवश हुई दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों के प्राण - पखेरु उड़ गये, ~~[illegible]~~ एवं राष्ट्रवादी युवा / जनता शहीद हो गये । उन्हें हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं । रिजर्व बैंक परिवार से कई सदस्य सदा - सर्वदा के लिए विदा ले गये, उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अन्तर्राष्ट्रीय :- आलोच्य अवधि में अमेरिका द्वारा पूरे विश्व पर अपनी दादागिरी जमाने के प्रयास और तेज हुए हैं । विश्व बैंक, आई०एम०एफ० एवं अन्य आर्थिक संगठनों के माध्यम से विकासशील देशों पर आर्थिक गुलामी का शिकंजा कसाता जा रहा है । पूरे मानव समाज के शोषण का षडयंत्र जारी है । विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा राष्ट्र विरोधी शक्तियों को निरन्तर सहयोग और समर्थन दिया जा रहा है, जिससे हमारी एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है ।

राष्ट्रीय परिदृश्य :- आलोच्य काल खंड में आम आदमी का दैनिक जीवन कष्टकर होता जा जा रहा है । सभी आर्थिक सिद्धान्त फेल होते जा रहे हैं । रुपयों के अवमूल्यन से आम आदमी की क्रयशक्ति का ह्रास होता जा रहा है । कर्ज लेकर विकास की गति को तेज करने का सपना चकनाचूर हो रहा है । आर्थिक उदारीकरण के नाम पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लूट की छूट दी जा रही है । परिणाम स्वरुप नित्य नये घोटाले उजागर हो रहे हैं । मजदूर वर्ग छँटनी का शिकार हो रहा है । बेरोजगारी बढ़ रही है । युवा वर्ग निराश, उच्छृंखल एवं दिशाहीन होता जा रहा है । सरकारी प्रचार माध्यमों द्वारा भोंड़े और बेहुदे विज्ञापन प्रचारित कर सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है ।

राष्ट्रीय राजनीति में कई उतार - चढ़ाव आएँ । राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का राजनीतिकरण जारी रहा । सिनेमा तंदूर कांड हुआ । सरकारी संत चन्द्रा - स्वामी के कारनामें उजागर हुए । बिहार, पं०बंगाल और केरल आई०एस०आई० का मुख्य केन्द्र बन गया है । केन्द्र सरकार स्वच्छ प्रशासन देने में पूर्णतः विफल रही । [illegible] समझौता रद्द हुआ, घोटालों की कड़ी में नवीनतम, दूर-संचार घोटाला उजागर हुआ है । आतंकवादियों, उग्रवादियों एवं विदेशी षडयंत्रकारियों के हौसले बुलंद रहे । सारे देश में आई०एस०आई० का

लगातार ---पे०/२

शिकंजा कसता गया । पाकिस्तान द्वारा अत्याधुनिक हथियार, गोला - बारुद, कारतूस भारतीय क्षेत्र (पुरुलिया, पं० बंगाल में गिराया जाना अत्यन्त चिंतनीय विषय है । ... बिहार, पं० बंगाल और केरल आई०एस०आई० का मुख्य केन्द्र बन गया है । गृहयुद्ध की तैयारी चल रही है, मौनी बाबा मौन हैं, वोट का गणित चल रहा है ।

परन्तु इस गहरे अंधकार में भी एक नक्षत्र प्रकाशमान है । विचार मंथन चल रहा है । सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का उद्घोष, राष्ट्रवादी शक्तियों द्वारा कर दिया गया है । हाल ही में सम्पन्न उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम उत्साहवर्द्धक है ।

भारतीय मजदूर संघ :- बी०एम०एस० देश में श्रमिक संघों में प्रथम स्थान प्राप्त कर निरंतर प्रगति के पथ पर है । इसके राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित होकर मजदूर आकर्षित हो रहे हैं । इसकी सदस्यता संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है । भूमंडलीकरण, नई आर्थिक नीति, केन्द्र सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष के कई कार्यक्रम आयोजित किये गये । जिसमें आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने सक्रिय रुप से अपनी भूमिका निभाई ।

एन०ओ०बी०डब्लू० :- बैंकिंग उद्योग में एकमात्र संगठन एन०ओ०बी०डब्लू० जो अपनी पहचान कायम किए हुए हैं । सभी संगठन अपनी मान्यता बचाने के लिए प्रबन्धन के समक्ष आत्म समर्पण कर चुके हैं । हाल ही हुए द्विपक्षीय समझौते से वार्ताकार यूनियनों (ए०आई०बी०ई०ए०, एन०सी०बी०ई०, ए०आई०बी०ई०एफ० एवं बी०ई०एफ०आई०) के दिमागी दिवालियापन और समर्पणकारी नीति फिर बेनकाब हुई है । समझौते के बाद इन संगठनों के महासचिव का वक्तव्य और उसके बाद स्वयं अपनी करनी पर रोना गया दर्शाता है । एन०ओ०बी०डब्लू० इस समझौते के विरुद्ध आन्दोलन छेड़े हुए हैं । प्रदर्शन, २२-९-९५ को अखिल भारतीय विरोध दिवस पर एक दिवसीय धरना का कार्यक्रम सारे देश में सम्पन्न हुआ जिसे बी०पी०बी०डब्लू० ओ० के नेतृत्व में बिहार में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया ।

आल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन, धरना बैज धियरिंग एवं दो बार हड़ताल का आह्वान किया, जिसे बिहार के ग्रामीण बैंकों में अभूतपूर्व सफलता मिली । अभी सारे देश में सघन जन - जागरण अभियान चल रहा है । जिसकी सफलता की हम कामना करते हैं ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० :- एयरबो की लोकप्रियता / विश्वसनीयता रिजर्व बैंक परिवार में लगातार बढ़ रही है । इसकी सदस्यता संख्या में प्रत्येक केन्द्र पर बढ़ोत्तरी इसका द्योतक है । कर्मचारियों के बड़े हिस्से द्वारा इसे ही मान्यता प्राप्त है, न्यायालय ने इसके वार्ता के अधिकार को मान्यता दी है, परन्तु रिर्जब बैंक प्रबन्धन । यहअपने मृत शिशु को गोद में चिपकाए चल रहा है । पर सहन केवल रिर्जब बैंक कर्मियों, बल्कि प्रबन्धन और राष्ट्र की हित में भी घातक है । जल्दीबाजी में किये गये समझौते जो प्रत्येक दृष्टिकोण से असंतोषजनक है, मान्यता प्राप्त यूनियन के नेतृत्व वर्ग को बेनकाब कर रहा है ।

लगातार ----पे०/३

एक ओर केन्द्रीय प्रबन्धन अपने पत्र सन्दर्भ सं०- डी०ए०पी०एम० नं०-६२३/आर/(II) आई०आर-१२९/९४-९५ दिनांक ८ मई १९९५ द्वारा एयरबो को महासचिव को उनके मांग पत्र को जांच कर उनसे आगे इस सम्बन्ध में सलाह देने का पत्र देती है दूसरी ओर मान्यता प्राप्त यूनियन को बुलाकर अपनी सुविधानुसार तथाकथित समझौते पर हस्ताक्षर करवा कर वेतन वार्ता सम्पन्न करा दी है । बैंक के इस कदाचार के विरुद्ध बम्बई उच्च न्यायालय में मानहानी का मामला दर्ज हो गया है, जिस पर सुनवाई इसी माह होने वाली है । विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से इसमें व्याप्त विसंगतियों पर कर्मचारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया है । बंगलोर केन्द्र पर विसंगतियों के कई मामले उजागर हुए हैं जिस पर आर्गेनाइजेशन लड़ रही है । अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के स्थायीकरण के सम्बन्ध में केन्द्रीय कार्यालय को पत्र दिया गया , फलस्वरुप विभिन्न केन्द्रों पर कार्यरत इस कोटि के कर्मचारियों का स्थायीकरण किया गया ।

मेरिट टेस्ट का परिणाम काफी असंतोषजनक रहा । घोषित रिक्तियों से कम परिणाम घोषित किये गये जिसके विरुद्ध एयरबो ने केन्द्रीय कार्यालय को अपना विरोध पत्र दिया तथा ८ सितम्बर, १९९५ को विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया । क्लीयरिंग हाउस को रिजर्व बैंक से व्यावसायिक बैंकों में स्थानान्तरण का एयरबो ने तीव्र विरोध किया । फलस्वरुप प्रबन्धन को अपना इरादा बदलना पड़ा ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० के आन्दोलनात्मक कार्रवाई में पटना यूनिट के सदस्यों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभायी ।

<u>आर०बी०डब्लू०ओ०, पटना :-</u> भारतीय रिजर्व बैंक, पटना केन्द्र पर आर्गेनाइजेशन की संख्या और सक्रियता काफी बढ़ी हुई है । कर्मचारियों के आस्था और विश्वास के प्रतीक के रुप में उभर कर आयी है । बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू०, एयरबो द्वारा आयोजित मोर्चा के कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाया गया तथा इसमें आर्गेनाइजेशन के कार्यकर्त्ताओं की सक्रिय भागीदारी रही ।

मांग पत्र पर संघर्ष के क्रम में दिनांक २५-४-९५ को मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष मास-डेपुटेशन दिया गया , इसीक्रम में दिनांक ६ मई, ९५ को भोजनावकाश में द्वार - प्रदर्शन का आयोजन किया गया । वेतन समझौते की विसंगतियों / खामियों से सम्बन्धित कई परिपत्र दिये गये तथा जन - जागरण अभियान चलाया गया ।

स्थानीय समस्याएँ एवं स्थानीय प्रबन्धन के स्वेच्छाचारिता के विरुद्ध दिनांक - १-९-९५ को मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष विशाल और जोरदार प्रदर्शन का आयोजन किया गया , फलस्वरुप इस केन्द्र पर स्थानीय प्रबन्धन के रुख में गुणात्मक परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं । अपने सदस्यों के समस्याओं के समाधान में हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं । अपने अखिल भारतीय संघटन मंत्री , माननीय अरुण कुमार ओझा के विरुद्ध मान्यता प्राप्त यूनियन के उकसावे पर प्रबन्धन द्वारा बेबुनियाद आरोप लगाकर अनुशासनात्मक कार्रवाई आरम्भ करने के प्रयास को तत्परता पूर्वक विरोध द्वारा कठोरता से दबा दिया गया ।

क्रमशः ---पे०/४

श्री सुशील कुमार ~~सिन्हा~~ लाल एवं नीरज कुमार के आय कर से संबंधित समस्या का समाधान किया गया । स्थानीय समस्याओं, कर्मचारियों के व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान/निराकरण में हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं । कठिन से कठिन समय में हम आपके साथ हैं । आपका सहयोग ही हमारा संबल है ।

सहयोग समितियाँ :- आलोच्य काल खंड में रिजर्व बैंक कर्मचारी कैंटीन सहयोग समिति का चुनाव हुआ जिसमें हमारे सक्रिय सदस्य श्री विजय चन्द्र एवं श्री बिन्देश्वरी प्रसाद विजयी हुए । आरम्भिक के दिनों में कैंटीन व्यवस्था में सुधार परिलक्षित हुआ था । वहाँ सामान्य स्तर बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि सदस्यों के विश्वास पर नेतृत्व खरा उतरे । रिजर्व बैंक कर्मचारी सहयोग समिति का भी चुनाव सम्पन्न हुआ । जिसमें हमारे ~~श्री~~ सक्रिय सदस्य श्री सुशील राय एवं विश्वजीत गौतिया भारी मतों से विजयी रहे । सहयोग समिति का कार्य संतोषजनक चल रहा है, कर्मचारियों को इससे और सुविधा की उम्मीद है, हम चाहते हैं कि सहयोग समिति निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे ।

स्पोर्टस एवं रिक्रियेशन क्लब की गतिविधियों में भी तेजी आयी है, विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया है । इसमें विजयी प्रतियोगियों को हम बधाई देते हैं । इस बार आयोजित "क्विज प्रतियोगिता " में कुछ अव्यवस्था एवं पक्षपात की शिकायत मिली है । भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये । " क्विज प्रतियोगिता " सहित अन्य प्रतियोगिताएँ को विभिन्न स्थानों पर स्थित स्टाफ क्वाटर्स में कराये जायें ऐसा हमारा सुझाव है ।

बधाई / विदाई :- आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक, पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले मित्रों / सहयोगियों को हमने सादर विदाई दी । सेवा निवृत्त एवं प्रोन्नत सहयोगियों को भी हमने शुभकामनापूर्वक विदाई दी । हम रिजर्व बैंक परिवार एवं आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का सादर अभिनन्दन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं ।

आभार प्रदर्शन :- भा० म० सं० के पदाधिकारियों, बी० पी० बी० डब्लू० ओ० के पदाधिकारियों द्वारा सदैव सहयोग और मार्गदर्शन मिला उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं । अपने अध्यक्ष एवं निवर्तमान कार्यकारिणी तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके सहयोग एवं स्नेह हमें सदैव मिलता रहा है ।

आपका शुभेच्छु

(हस्ताक्षर)

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव

बी० एम० एस०
एन० ओ० बी० डब्लू०
एयरवो

जिन्दाबाद

राष्ट्रभक्त मजदूरों - एक हो । एक हो ॥

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा० म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरवो से सम्बद्ध)

दिनांक ६ जनवरी, १९९६

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष जी, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवं बंधुवृन्द । आर्गेनाइजेशन के १७ वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हुए आलोच्य अवधि का महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जा रहा है ।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य अवधि में देश - विदेश में श्रमिक हितों, मानवाधिकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के रक्षार्थ जिन लोगों ने अपना सर्वस्व समर्पित किया, उनके त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । प्राकृतिक आपदा एवं मानवीय असावधानीवश हुई दुर्घटनाओं में सैंकड़ों लोगों के प्राण - पखेरु उड़ गये, [illegible] राष्ट्रवादी युवा / जनता शहीद हो गये । उन्हें हम श्रद्धासुमन अर्पित करते हैं । रिजर्व बैंक परिवार से कई सदस्य सदा - सर्वदा के लिए विदा हो गये, उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अन्तर्राष्ट्रीय :- आलोच्य अवधि में अमेरिका द्वारा पूरे विश्व पर अपनी दादागिरी जमाने के प्रयास और तेज हुए हैं । विश्व बैंक, आई०एम०एफ० एवं अन्य आर्थिक संगठनों के माध्यम से विकासशील देशों पर आर्थिक गुलामी का शिकंजा कसा जा रहा है । पूरे मानव समाज के शोषण का षडयंत्र जारी है । विदेशी षडयंत्रकारियों द्वारा राष्ट्र विरोधी शक्तियों को निरन्तर सहयोग और समर्थन किया जा रहा है, जिससे हमारी एकता, अखण्डता एवं सम्प्रभुता पर भी खतरा उत्पन्न हो गया है ।

राष्ट्रीय परिदृश्य :- आलोच्य काल खंड में आम आदमी का दैनिक जीवन कष्टकर होता जा जा रहा है । सभी आर्थिक सिद्धान्त फेल होते जा रहे हैं । रुपयों के अवमूल्यन से आम आदमी की क्रय शक्ति का ह्रास होता जा रहा है । कर्ज लेकर विकास की गति को तेज करने का सपना चकनाचूर हो रहा है । आर्थिक उदारीकरण के नाम पर बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को लूट की छूट दी जा रही है । परिणाम स्वरुप नित्य नये घोटाले उजागर हो रहे हैं । मजदूर वर्ग छँटनी का शिकार हो रहा है । बेरोजगारी बढ़ रही है । युवा वर्ग निराश उच्छृंखल एवं दिशाहीन होता जा रहा है । सरकारी प्रचार माध्यमों द्वारा भौंड़े और बेहुदे विज्ञापन प्रचारित कर सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है ।

राष्ट्रीय राजनीति में कई उतार - चढ़ाव आए । राजनीति का अपराधीकरण और अपराधियों का राजनीतिकरण जारी रहा । [illegible] तंदूर कांड हुआ । सरकारी संत चन्द्रा - स्वामी के कारनामें उजागर हुए । बिहार, पं० बंगाल और केरल आई०एस०आई० का मुख्य केन्द्र बन गया है । केन्द्र सरकार स्वच्छ प्रशासन देने में पूर्णतः विफल रही । [illegible] समझौता रद्द हुआ । घोटालों की कड़ी में नवीनतम, दूर-संचार घोटाला उजागर हुआ है । आतंकवादियों, उग्रवादियों एवं विदेशी षडयंत्रकारियों के हौसलें बुलंद रहे । सारे देश में आई०एस०आई० का

लगातार ---पे०/२

शिकंजा कसता गया । पाकिस्तान द्वारा अत्याधुनिक हथियार, गोला - बारुद, कारतूस भारतीय क्षेत्र (पुरुलिया, पं० बंगाल में गिराया जाना अत्यन्त चिंतनीय विषय है । [illegible] बिहार, पं० बंगाल और केरल आई०एस०आई० का मुख्य केन्द्र बन गया है । गृहयुद्ध की तैयारी चल रही है, मौनी बाबा मौन हैं, वोट का [illegible] चल रहा है ।

परन्तु इस गहरे अंधकार में भी एक नक्षत्र प्रकाशमान है । विचार मंथन चल रहा है । सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का उद्घोष, राष्ट्रवादी शक्तियों द्वारा [illegible] किया गया है । हाल ही में सम्पन्न उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव परिणाम उत्साहवर्धक है ।

<u>भारतीय मजदूर संघ</u> :- बी०एम०एस० देश में श्रमिक संघों में प्रथम स्थान प्राप्त कर निरंतर प्रगति के पथ पर है । इसके राष्ट्रवादी विचारों से प्रभावित होकर मजदूर आकर्षित हो रहे हैं । इसकी सदस्यता संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है । भूमंडलीकरण , नई आर्थिक नीति , केन्द्र सरकार के मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ संघर्ष के कई कार्यक्रम आयोजित किये गये । जिसमें आर्गेनाइजेशन के सदस्यों ने सक्रिय रुप से अपनी [illegible] निभाई ।

<u>एन०ओ०बी०डब्लू०</u> :- बैंकिंग उद्योग में एकमात्र संगठन एन०ओ०बी०डब्लू० जो अपनी पहचान कायम किए हुए हैं । सभी संगठन अपनी मान्यता बचाने के लिए प्रबन्धन के समक्ष आत्म समर्पण कर चुके हैं । हाल ही हुए द्विपक्षीय समझौते से वार्ताकार यूनियनों (ए०आई०बी०ई०ए०, एन०सी०बी०ई०, ए०आई०बी०ई०एफ० एवं बी०ई०एफ०आई०) के दिमागी दिवालियापन और [illegible] नीति फिर बेनकाब हुई है । समझौते के बाद इन संगठनों के [illegible] और [illegible] अपनी करनी पर रोना बचा [illegible] है । एन०ओ०बी०डब्लू० इस समझौते के विरुद्ध आन्दोलन छेड़े हुए हैं । पुनश्च, २२-९-[illegible] भारतीय विरोध दिवस पर एक दिवसीय धरना का कार्यक्रम सारे देश में [illegible] बी०ओ०बी०डब्लू० ओ० के नेतृत्व में बिहार में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया गया ।

आल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने ग्रामीण बैंक के कर्मचारियों के लिए प्रदर्शन , धरना बैज धारिंग एवं दो बार हड़ताल का आह्वान किया, जिसे बिहार के ग्रामीण बैंकों में अभूतपूर्व सफलता मिली । अभी सारे देश में उनका जन - जागरण अभियान चल रहा है । जिसकी सफलता की हम कामना करते हैं ।

<u>ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ०</u> :- एयरबो की लोकप्रियता / विश्वसनीयता रिजर्व बैंक परिवार में लगातार बढ़ रही है । इसकी सदस्यता संख्या में प्रत्येक केन्द्र पर [illegible] इसका द्योतक है । कर्मचारियों के बड़े हिस्से द्वारा इसे ही मान्यता प्राप्त है , न्यायालय ने इसके वार्ता के अधिकार को मान्यता दी है , परन्तु रिजर्व बैंक प्रबन्धन । यह अपने मृत शिशु को गोद में चिपकाए चल रहा है । पर यह न केवल रिजर्व बैंक कर्मियों , बल्कि प्रबन्धन और राष्ट्र के हित में भी घातक है । जल्दीबाजी में किये गये समझौते जो प्रत्येक दृष्टिकोण से असंतोषजनक है, मान्यता प्राप्त यूनियन के नेतृत्व वर्ग को मजबूर कर रहा है ।

लगातार ---पे०/३

एक ओर केन्द्रीय प्रबन्धन अपने पत्र सन्दर्भ सं०- डी०ए०पी०एम० नं०-६२१/आर/(II) [illegible] दिनांक ८ मई १९९५ द्वारा एयरबो के [illegible] को उनके [illegible] सम्बन्ध में सलाह देने का [illegible] दूसरी ओर [illegible] प्राप्त यूनियन को बुलाकर अपनी सुविधानुसार तथाकथित समझौते पर हस्ताक्षर करवा कर वेतन वार्ता सम्पन्न करा ली है । बैंक के इस कार्यकार के विरुद्ध [illegible] न्यायालय में मानहानी का मामला दर्ज हो गया है, जिस पर सुनवाई इसी माह होने वाली है । विभिन्न परिपत्रों के माध्यम से इसमें व्याप्त विसंगतियों पर कर्मचारियों का ध्यान आकृष्ट कराया गया है । बंगलोर केन्द्र पर विसंगतियों के कई मामले उजागर हुए हैं जिस पर आर्गेनाइजेशन लड़ रही है । अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के स्थायीकरण के सम्बन्ध में केन्द्रीय कार्यालय को पत्र दिया गया , फलस्वरुप विभिन्न केन्द्रों पर कार्यरत इस कोटि के कर्मचारियों का स्थायीकरण किया गया ।

मेरिट टेस्ट का परिणाम काफी असंतोषजनक रहा । [illegible] रिक्तियों से कम परिणाम घोषित किये गये जिसके विरुद्ध एयरबो ने केन्द्रीय कार्यालय को अपना विरोध पत्र दिया तथा ८ सितम्बर, १९९५ को विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया गया । क्लीयरिंग हाउस को रिजर्व बैंक से व्यावसायिक बैंकों में स्थानान्तरण का एयरबो ने तीव्र विरोध किया । फलस्वरुप प्रबन्धन को अपना इरादा बदलना पड़ा ।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० के आन्दोलनात्मक कार्रवाई में पटना यूनिट के सदस्यों ने अपनी सक्रिय भूमिका निभायी ।

<u>आरब्री०डब्लू०ओ०, पटना :-</u> भारतीय रिजर्व बैंक, पटना केन्द्र पर आर्गेनाइजेशन की संख्या और सक्रियता काफी बढ़ी हुई है । कर्मचारियों के आस्था और विश्वास के प्रतीक के रुप में उभर कर आयी है । बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू०, एयरबो द्वारा आयोजित संघर्ष के कार्यक्रम को शत-प्रतिशत सफल बनाया गया तथा इसमें आर्गेनाइजेशन के कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागी - दारी रही ।

मांग पत्र पर संघर्ष के क्रम में दिनांक २५-४-९५ को मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष मास डेपुटेशन दिया गया , इसीक्रम में दिनांक ६ मई, ९५ को भोजनावकाश में द्वार - प्रदर्शन का आयोजन किया गया । वेतन समझौते की विसंगतियों / खामियों से सम्बन्धित कई परिपत्र दिये गये तथा जन - जागरण अभियान चलाया गया ।

स्थानीय समस्याएँ एवं स्थानीय प्रबन्धन के स्वेच्छाचारिता के विरुद्ध दिनांक - १-९-९५ को मुख्य महाप्रबन्धक के समक्ष विशाल और जोरदार प्रदर्शन का आयोजन किया गया [illegible] , फलस्वरुप इस केन्द्र पर स्थानीय प्रबन्धन के रुख में गुणात्मक परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं । अपने सदस्यों के समस्याओं के समाधान में हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं । अपने अखिल भारतीय संघटन मंत्री , माननीय अरुण कुमार ओझा के विरुद्ध मान्यता प्राप्त यूनियन के उकसावे पर प्रबन्धन द्वारा बेबुनियाद आरोप लगाकर अनुशासनात्मक कार्रवाई आरम्भ करने के प्रयास को तत्परता पूर्वक विरोध द्वारा कठोरता से दबा दिया गया ।

लगातार ---पे०/४

श्री सुशील कुमार सिन्हा एवं नीरज कुमार के आय कर से संबंधित समस्या का समाधान किया गया। स्थानीय समस्याओं, कर्मचारियों के व्यक्तिगत समस्याओं के समाधान/निराकरण में हम सदैव प्रयत्नशील रहे हैं। कठिन से कठिन समय में हम आपके साथ हैं। आपका सहयोग ही हमारा संबल है।

सहयोग समितियाँ :- आलोच्य काल खंड में रिजर्व बैंक कर्मचारी कैंटीन सहयोग समिति का चुनाव हुआ जिसमें हमारे सक्रिय सदस्य श्री विजय दत्त एवं श्री बिन्देश्वरी प्रसाद विजयी हुए। आरम्भिक के दिनों में कैंटीन व्यवस्था में सुधार परिलक्षित हुआ था। वहाँ सामान्य स्तर बनाए रखने की आवश्यकता है ताकि सदस्यों के विश्वास पर नेतृत्व खरा उतरे। रिजर्व बैंक कर्मचारी सहयोग समिति का भी चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें हमारे श्री सक्रिय सदस्य श्री सुशील राय एवं विश्वजीत गौतिया भारी मतों से विजयी रहे। सहयोग समिति का कार्य संतोषजनक चल रहा है, कर्मचारियों को इससे और सुविधा की उम्मीद है, हम चाहते हैं कि सहयोग समिति निरंतर प्रगति के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

स्पोर्ट्स एवं रिक्रियेशन क्लब की गतिविधियों में भी तेजी आयी है, विभिन्न प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया है। इसमें विजयी प्रतियोगियों को हम बधाई देते हैं। इस बार आयोजित "क्विज प्रतियोगिता" में कुछ अव्यवस्था एवं पक्षपात की शिकायत मिली है। भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये। "क्विज प्रतियोगिता" सहित अन्य प्रतियोगिताएँ को विभिन्न स्थानों पर स्थित स्टाफ क्वार्टर्स में कराये जायें ऐसा हमारा सुझाव है।

बधाई / विदाई :- आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक, पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले मित्रों / सहयोगियों को हमने सादर विदाई दी। सेवा निवृत्त पदोन्नत सहयोगियों को भी हमने शुभकामनापूर्वक विदाई दी। हम रिजर्व बैंक परिवार एवं आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का सादर अभिनन्दन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं।

आभार प्रदर्शन :- भा०म०सं० के पदाधिकारियों, बी०पी०बी०डब्लू०ओ० के पदाधिकारियों द्वारा सदैव सहयोग और मार्गदर्शन मिला उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं। अपने अध्यक्ष एवं निवर्तमान कार्यकारिणी तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं जिनके सहयोग एवं स्नेह हमें सदैव मिलता रहा है।

आपका साथी
(हस्ताक्षर)
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बी०एम०एस० एन०ओ०बी०डब्लू० एकता	जिन्दाबाद

राष्ट्रवादी मजदूरो - एक हो। एक हो।।

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भा०म०सं० एवं एन०ओ०बी०डब्ल्यू०ओ० से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- ३/९६ दिनांक : १५/१/१९९६

बन्धुओं,

आर्गेनाइजेशन की शक्ति वृद्धि

(१२क)

विदित हो कि रिजर्व बैंक आफ इण्डिया स्टाफ एसोसिएशन, नई दिल्ली के सदस्यों ने १३ दिसम्बर, १९९५ की अपनी आकस्मिक आम सभा में एक सर्वसम्मत प्रस्ताव द्वारा एन०ओ०बी०डब्ल्यू० में इसके विलय की घोषणा की है। उक्त प्रस्ताव का हिन्दी अनुवाद एतद्द्वारा प्रस्तुत करते हुए हमें अत्यन्त हर्ष है -

१३/१२/१९९५ को भारतीय रिजर्व बैंक स्टाफ एसोसिएशन, नई दिल्ली की आकस्मिक आमसभा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित करती है कि भारतीय रिजर्व बैंक में वर्तमान श्रमसांघिक परिदृश्य को देखते हुए ऐसा लगता है कि कर्मचारियों के वास्तविक हितों के लिए संघर्ष करने हेतु अधिकाधिक कर्मचारियों के संघटित हो जाने का उपयुक्त समय आ गया है।

यह आम सभा यह अनुभव करती है कि भारतीय रिजर्व बैंक स्टाफ एसोसिएशन, नई दिल्ली (निबन्धन सं०- १२७१) का बी०एम०एस०, ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ०, एन०ओ०बी०डब्ल्यू० से सम्बद्ध रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, नई दिल्ली में विलय कर देना बुद्धिसम्मत होगा। अतएव रिजर्व बैंक आफ इण्डिया स्टाफ एसोसिएशन, नई दिल्ली अब से आर०बी०डब्ल्यू०ओ०, नई दिल्ली में विलीन है।

अब से लम्बित मुकदमे / विवाद आदि (यदि कोई हो) रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन नई दिल्ली द्वारा निपटाये जाएंगे।

(ए०एल० मल्होत्रा) (नन्द किशोर)
अध्यक्ष महासचिव।

साक्षी :-

१) श्री एस०के० बेरी
२) श्री आर०के० पाल

मित्रों, हम सभी नवागन्तुक मित्रों का हार्दिक अभिनन्दन पूर्वक अपने संघटन में हम उनका स्वागत करते हैं जिन्होंने प्रबन्धन कामरेड युति द्वारा कर्मचारी हितों पर बढ़ते आक्रमणों के विरुद्ध हमारे संघर्ष को अतिरिक्त शक्ति प्रदान की है।

खीस्तीय नववर्ष पर जारी कामरेडों का परिपत्र आपने देखा होगा। खोखले दावों, सुनहरे सपनों और वाममोर्चे के लिए राजनैतिक नारों के सहारे बहुसंख्य सदस्यता के नाम पर, अपनी मनमानी करने वाले कामरेड, श्रम सांघटनिक स्नायुदौर्बल्य का अभिशाप भोग रहे हैं।

सभी विवेकशील, साहसी और विचारक भाईयों एवं बहनों से हमारी अपील है कि वे भारत के सबसे बड़े श्रमसंघटन भारतीय मजदूर संघ के राष्ट्रवादी झंडे के तले, कर्मचारी, उद्योग और राष्ट्र की समृद्धि एवं निरन्तर विकास के लिए हमारे संघर्ष एवं रचनात्मक कार्यों में एकजुट हो जाय।

मकर - संक्रांति की शुभकामनाओं सहित। आपका भ्रातृवत्,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

भारतीय मजदूर संघ, |
एन०ओ०बी०डब्ल्यू० | अमर रहे।
ए०आई०आर०बी०डब्ल्यू०ओ० | अमर रहे।
आर०बी०डब्ल्यू०ओ०, पटना |
भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(बी०एम०एस०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं एयरवो से सम्बद्ध)

परिपत्र संख्या – ४/९६ दिनांक : २६/२/९६

प्रिय भाइयो एवं बहनो,

मकान किराया भत्ता–आयकर कटौती–प्रबन्धन की मनमानी

प्रबन्धन द्वारा निर्धारित मकान किराया भत्ता, के परिणाम का भुगतान किया जा चुका है । इस वित्तीय वर्ष में आयकर की गणना में इसे सम्मिलित कर मनमाने ढंग से आयकर काटने का स्थानीय प्रबन्धन द्वारा कुत्सित प्रयास किया जा रहा है जो न केवल अनैतिक है बल्कि गैर कानूनी भी । कर्मचारी प्रतिवर्ष घोषणा पत्र भर कर मकान किराया भुगतान एवं अन्य विवरणी प्रस्तुत करता है । मकान किराया भत्ता से प्राप्त राशि से कहीं अधिक भुगतान मकान मालिक को करना पड़ता है । परन्तु प्रबन्धन जिस ढंग से गणना कर रहा है उससे कर्मचारियों को भारी आर्थिक हानि होने जा रहा है, फलस्वरुप कर्मचारियों में भारी रोष एवं आक्रोश व्याप्त है । हम प्रबन्धन को चेतावनी देते हैं कि समय रहते प्रक्रिया में सुधार लाए वरना आक्रोश प्रस्फुटित होने पर औद्योगिक शांति तो भंग होगी ही, न्यायालय का चक्कर लगाने पर भी विवश होना पड़ेगा । हम चाहते हैं कि कर्मचारियों द्वारा पूर्व में भरे गये घोषणा पत्र के आधार पर पिछले वित्तीय वर्षों के लिए अलग-अलग गणना कर आयकर का समायोजन किया जाय यदि प्रबन्धन के पास घोषणा पत्र उपलब्ध न हो तो कर्मचारियों से नया घोषणा पत्र मांग कर तदनुसार कारवाई करें । ऐसी सूचना मिली है कि प्रबन्धन द्वारा घोषणा पत्र को नष्ट कर दिया गया है, इसी गलती को छिपाने के लिए मनमाना तरीका अपनाया जा रहा है ।

कर्मचारियों द्वारा मकान मालिक से यह सहमति भी रहती है, कि नियोजक द्वारा मकान किराया भत्ता में वृद्धि होने पर उसी अनुपात में मकान भाड़ा में वृद्धि होगी । कानूनी तौर पर भी कर्मचारियों को पूरक घोषणा पत्र देने का अधिकार है ।

मित्रों – मान्यता प्राप्त एसोसिएशन/यूनियन मौन है । उन्होंने मौन रहने का ही संकल्प ले रखा है । प्रत्येक मान्यता प्राप्त संघटन के सचिव का एकमात्र काम संयुक्त रुप से हस्ताक्षर कर कन्फोलेंस मिटिंग कर दो मिनट मौन रहना, रह गया है । ये मौन रहने के लिए संयुक्त होते हैं । कर्मचारियों की समस्याओं पर चुप्पी साध लेते हैं । मौन रहने में अद्भुत एकता एक मिशाल है । संघर्ष के समय बिखर जाते हैं । यही नियति है इनका।

हम सभी सहकर्मियों से अपील करते हैं कि आप मौनी बाबा न बनें । अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आगे आएं । आर्गेनाइजेशन का सबल नेतृत्व आपकी हर सहायता । साधन जुटाने के लिए कटिबद्ध है । हम संघर्ष पर जाने वाले हैं, आपका सहयोग चाहिए । हम प्रबन्धन के हमले का मुंहतोड़ जवाब देने के लिए कृत संकल्प हैं । संघर्ष के कार्यक्रम की रुप रेखा अगले परिपत्र में दी जायगी ।

होली की अग्रिम शुभकामनाओं के साथ,

आपका सहयोगाकांक्षी,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बी०एम०एस० |
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
एयरवो |

बैंक प्रबन्धन – सावधान । सावधान ।।

– भारत माता की जय –

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना ।

(भामसं , एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरवे से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०-५/९६ दिनांक ११-३-९६

प्रिय भाईयों एवं बहनों

ठीका कर्मचारियों का आर्गेनाइजेशन परिवार में मिलन-स्वागत । स्वागत ॥ स्वागत ॥।

नियुक्ति के लिए प्रतीक्षारत, प्रबन्धन एवं मान्यता प्राप्त यूनियन के नापाक गठबन्धन के षडयंत्रों के शिकार, अन्याय के विरुद्ध संघर्षशील क्रान्तिकारी ठीका कर्मचारियों द्वारा देश के सबसे बड़े श्रमिक संघटन भारतीय मजदूर संघ से सम्बद्ध एन०ओ०बी०डब्लू०की सदस्यता ग्रहण करने के अवसर पर उन्हें स्वागत और हार्दिक अभिनन्दन है ।

मित्रों - प्रबन्धन एवं मान्यता प्राप्त यूनियन नेतृत्व के एक वर्ग द्वारा इन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है । इस अन्याय के विरुद्ध न्याय पाने के लिए ये न्यायालय की शरण में गये हैं । बैंक द्वारा टाल-मटोल की नीति अपनाई जा रही है । न्यायालय द्वारा कई अवसरों पर बैंक को फटकार भी सुनना पड़ा , फिर भी नेतृत्व के एक खास वर्ग के सामर्श पर प्रबन्धन अड़ियल रुख अपनाए हुए हैं । न्यायालय का फैसला आने वाला है । हम प्रबन्धन को सलाह देते हैं कि उतावले में कोई ऐसी कार्रवाई न करें जिससे उत्तेजना फैले और औद्योगिक सम्बन्ध बदहाल हो जाये ।

बन्धुओं :- आज पूरे बैंकिंग उद्योग में परिदृश्य बदल गया है । सभी मान्यता प्राप्त कलंकार यूनियन व नेतृत्व वर्ग चाटुकार - चाकर की भूमिका में है । कर्मचारी हितों की बलि चढ़ाकर निहित स्वार्थों की पूर्ति में लिप्त रहते हैं। तो आइए , इस महान राष्ट्रवादी संगठन आर्गेनाइजेशन को मजबूत बनाए। प्रबन्धन को मुँह तोड़ जवाब देने के लिए यही एकमात्र संगठन है। इसकी मजबूती आपकी मजबूती और सुरक्षा की गारंटी है ।

आयकर से संबंधित विवाद पर आन्दोलनों द्वारा परिपत्र संख्या - ४/९८ में उठाये गये बिन्दुओं पर स्थानीय प्रबन्धन ने सहानुभूति से काम लिया । पूर्व में घोषित घोषणा पत्र के आधार पर आयकर में छूट दी जा रही है। प्रबन्धन को साधुवाद । हम अपेक्षा करते हैं कि कर्मचारियों की समस्याओं पर बैंक विवेकपूर्ण निर्णय ले ; ताकि औद्योगिक सम्बन्ध मधुर बना रहे ।

आपका सहयोगाकांक्षी ,

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव ।

भामसं
एन०ओ०बी०डब्लू०
एयरवे

जिन्दाबाद

लाल गुलामी छोड़कर - बोलो वन्दे मातरम

भारत माता की जय ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना
(भामसं, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं एथरवो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०- ६/९६

वर्ष प्रतिपदा चैत्र शुक्ल - १
युगाब्द - ५०९८
विक्रम सम्वत् २०५३ तदनुसार
दिनांक २० मार्च,१९९६

प्रिय भाइयों एवम् बहनों,

वर्ष प्रतिपदा - नूतन वर्षाभिनन्दन

आज युगाब्द ५०९८ तथा विक्रम सम्वत् २०५३ की प्रतिपदा के शुभ अवसर पर आपको हार्दिक बधाई और अभिनन्दन करते हुए अपार हर्ष अनुभव कर रहा हूँ । हम कामना करते हैं कि यह भारतीय नव वर्ष आपके परिजनों, मित्रों, समाज एवं राष्ट्र के लिए मंगलकारी हो साथ ही आपको स्मरण दिलाना चाहेंगे कि आज का दिन :-

१) ब्रह्मा जी द्वारा सृष्टि की रचना तथा संवत्सरों का प्रथम दिवस है ।

२) नवरात्रि का प्रथम दिवस है ।

३) महाराजा विक्रमादित्य द्वारा विक्रम सम्बत का शुभारम्भ दिवस है ।

४) महाराज युधिष्ठिर के राज्याभिषेक का दिन है ।

५) आर्य समाज स्थापना दिवस है ।

६) देव भगवान झूलेलाल का जन्म दिवस है ।

७) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डा० केशव

८) बलीराम हेडगेवार का जन्म दिवस है ।

९) बाबा साहब भीम राव अम्बेडकर का जन्म दिवस है ।

गुप्तवंश के ह्रास के बाद भारतवर्ष की राजनीति में मालवगणों का प्रवेश हुआ । उन दिनों हूणों व शकों का प्रभाव था । कलियुग की ३१ वीं शताब्दी में मालवों के नेतृत्व में हिन्दुस्तानी संगठित हुए और उन्होंने शकों को पराजित किया । महाराज वीर विक्रमादित्य के नेतृत्व में शकों की ऐतिहासिक पराजय हुई थी और भारतीयों का गौरव बढ़ा था । ईश्वी से ५७ वर्ष पूर्व विजय की स्मृति में विक्रम सम्वत् का प्रारम्भ हुआ था । इसका निर्धारण ऋतुराज वसन्त के आगमन पर चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा को किया गया । शुक्ल पक्ष निर्मलता प्रखरता, ज्ञान-विज्ञान और विकास का प्रतीक है तो वसंत ऋतु नव जीवन, नयी स्फूर्ति, नयी चेतना व नये उत्साह का, मधुमास (चैत्रमास) नयी फसलों, समृध्द नये अन्न भण्डारों और फल-फूलों का तो नवरात्र और पुरुषोत्तम राम का जन्म, ओज, बल, शक्ति, आचार-विचार-व्यवहार, संस्कृति-सभ्यता व मान मर्यादाओं के द्योतक हैं ।

हमारे देश में सम्वतसर के स्थान पर ईश्वी सन् का प्रचलन गुलामी का एक प्रतीक है जो हमें विरासत में मिला है, इसे इस प्रकार से देश व्यवहार में ले रहा है कि अब अलग करना कोरी कल्पना मात्र कही जायेगी । परन्तु हमारा पड़ोसी देश नेपाल सम्वत्सरी कालगणना के अनुसार चलकर प्रगति और विकास के पथ पर स्वाभिमान के साथ अग्रसर है । तो आइये, इस वर्ष प्रतिपदा पर हम एक दूसरे को रोली चन्दन लगाकर स्वागत करें । जात-पात, अगड़ा-पिछड़ा, ऊँच-नीच, आमीर-गरीब, छूत-अछूत की बाड़ तोड़ कर गले से गले मिलकर देश के स्वाभिमान और संस्कृति की रक्षा और स्वदेशी के अनुपालन का व्रत लें । श्रमिक हितों एवं रिजर्व बैंककर्मियों की बदत्तर हो रही हालत में सुधार के लिए एकताबध्द होकर संघर्ष के संकल्प को दुहरायें । वर्ष

कृ०पृ०उ०--- २

प्रतिपदा की पूर्व वेला में पटना उच्च न्यायालय ने बैंक। कर्मचारियों के पक्ष में ऐतिहासिक फैसला दिया है । उन्हें यथाशीघ्र नियुक्त किया जाय, यह हमारा पुनः आग्रह है । बैंक प्रबन्धन सद्बुद्धि से काम ले, विवेकपूर्ण निर्णय ले एवं बैंक परिवार में औद्योगिक शांति बनी रहे, यही हमारी मनः कामना है ।

नव वर्ष में सुख समृद्धि हेतु प्रार्थना करें ।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुखभाग् भवेत् ।।

नववर्ष की अनन्त शुभकामनाओं सहित आपका भातृवत् ।

भा० म० सं० |
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
एयरवो |

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

लाल गुलामी छोड़कर – बोलो वंदेमातरम्

भारत – माता की जय

दिनांक : २-४-९६

रिजर्व बैंक के सभी कर्मचारियों से एक मार्मिक अपील

प्रिय बन्धुओं ,

हम ठीका कर्मचारियों की ओर से आपलोगों से हार्दिक अपील कर रहे हैं ।

आज से लगभग तीन वर्ष पूर्व प्रबन्धन एवं उनकी मान्यता प्राप्त फेडरेशन के मध्य कार्यरत ठीका कर्मचारियों की नियुक्ति के लिए एक समझौता हुआ । फलस्वरुप दर्जनों साथियों की नियुक्तियाँ, पटना के अलावा कलकत्ता, मद्रास, गुवाहाटी इत्यादि केन्द्रों पर हुईं । परन्तु कुछ दिन बाद फेडरेशन के एक निहित स्वार्थी गुट द्वारा जिसका वर्चस्व केन्द्रीय नेतृत्व पर है, समझौते की मूल भावना के खिलाफ कार्य योजना बनाई गयी । भिन्न - भिन्न केन्द्रों पर अलग-अलग पैमाना लागू कर नियुक्तियाँ हुईं । इसमें पटना केन्द्र के साथ घोर अन्याय हुआ एवं उसके साथ सौतेला व्यवहार किया गया जो आज तक जारी है । अभी भी इस केन्द्र पर लगभग ५० से अधिक पद रिक्त हैं परन्तु बैंक उन जगहों पर नियुक्ति नहीं कर रही है तथा इन पदों को छुपा रही है ।

यूनियन के पूर्व सचिव द्वारा केन्द्रीय कार्य समिति की बैठक में शेष ठीका कर्मचारियों की नियुक्ति हेतु जोरदार आवाज उठायी गयी परन्तु उनकी न सुनी गयी और न उस पर ध्यान दिया गया, बल्कि उन्हें पागल और पियाक्कड़ कहकर अपमानित किया गया जबकि वास्तविक यह है कि पटना केन्द्र को छोड़कर सभी केन्द्रों पर ठीका कर्मचारियों की नियमित बहाली हो चुकी है । केवल बिहारियों की उपेक्षा क्यों ?

बन्धुओं कई केन्द्रों पर एक वर्ष से कम भी कार्य करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति हो गयी, परन्तु इस केन्द्र पर लगभग तीन वर्षों तक सेवा करने वाले कर्मचारियों को न्यायालय का चक्कर लगाना पड़ रहा है क्यों ? कारण स्पष्ट है । एक वर्ष सेवा अवधि वाले कर्मचारियों की सबसे बड़ी योग्यता केन्द्रीय नेतृत्व के प्रभावशाली एवं षड्यंत्रकारी ग्रुप के बेटा / भतीजा / सगा - सम्बन्धी होना था । कपटपूर्ण ढंग से समझौते के प्रावधानों की व्यवस्था कर अपना स्वार्थ साधनों में ये बहुत ही निपुण हैं । जिसका सहयोग स्थानीय नेतृत्व का निहित स्वार्थी ग्रुप करता आ रहा है ।

इसी षड्यंत्र के तहत इस केन्द्र पर होने वाली रिक्तियों को ट्रांसफर करवा कर भरने की साजिश की जा रही है ।

दोस्तों, आज केन्द्रीय पदाधिकारीगण का पटना में प्रवास चल रहा है । उनकी मंशा खुलकर सामने नहीं आयी है, परन्तु पूर्व कड़वे अनुभव के आधार पर निःसंकोच रुप से कहा जा सकता है कि इनका ट्रेड यूनियन चरित्र संदिग्ध है । पटना उच्च न्यायालय में मामले की सुनवाई हो रही है ।

आजकल भ्रष्ट श्रमिक नेताओं, भ्रष्ट राजनीतिज्ञों, अफसरशाहों एवं अपराधियों में हड़कम्प व्याप्त है । कई अवसरों पर माननीय न्यायाधीश द्वारा रिजर्व बैंक प्रबन्धन को फटकार दी गयी है । हमारे विद्वान वकीलों ने प्रबन्धन के वरिष्ठ वकील को निरुत्तर चुप रहने को विवश कर दिया है । न्यायालय का अन्तिम फैसला आने वाला है । सत्य की विजय होगी , षड्यंत्रकारी और अन्यायी परास्त होंगे , यह अटल सत्य है ।

भाईयों, हमलोग लगभग तीन दर्जन ठीका कर्मचारी दर - दर ठोकरें खा रहे हैं । हमने सबका दरवाजा खट-खटाया । चारों ओर निराशा ही हाथ लगी । अब आशा की किरण जगी है, तो केन्द्रीय नेतृत्व दौड़ा - दौड़ा यहाँ आया है । हम उनसे भी अपील करते हैं कि हमलोगों के साथ न्याय हो । यह रोजी - रोटी का सवाल है । श्रमिक संघ का मूल उद्देश्य रोजी - रोटी, रोजगार प्राप्त करना है । ट्रान्सफर तो वरीयता में बहुत नीचे है ।

कृ०पृ०उ०-----२/पे०

हम अपेक्षा करते हैं कि वे रोजगार के लिए प्रयत्नशील रहेंगे । हमारा विश्वास शान्ति और अहिंसा में है । यूनियन के एक शरारती गूप द्वारा यह अफवाह फैलायी गयी कि ठीका कर्मचारियों द्वारा केन्द्रीय नेताओं के साथ मार - पीट एवं हिंसक रास्ता अपनाये जाने की योजना बनायी गयी है । फलस्वरुप सभा को शान्ति पूर्ण ढंग से चलाने के लिए पुलिस बल एवं स्थानीय प्रशासन की मदद ली जाये तथा ठीका कर्मचारियों को बैंक परिसर में प्रवेश को रोका जाये । ऐसी मांग प्रबन्धन से की गयी । यह अफवाह स्वार्थी और शरारती तत्व द्वारा फैलायी गयी है जो बेबुनियाद और असंगत है । हम इसकी कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं तथा चेतावनी देते हैं कि वे अपनी कुटिल चालों से बाज आयें ।

अंत में हम सभी बन्धुओं खासकर चतुर्थ वर्गीय कर्मचारियों से विशेष रुप से निवेदन करते हैं कि श्रमिक संघवाद में लेस मात्र भी आस्था हो तो हमारी न्यायोचित मांगों के समर्थन में आवाज उठायें , हमें सहयोग करें ताकि हमें रोजी - रोटी मिले तथा हम सम्मानपूर्वक अपने परिवार के दायित्व का निर्वाह कर सकें । वक्त का यही तकाजा है ।

सहयोग और समर्थन की आशा में ,

आपका सहयोगाकांक्षी बन्धु

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद हम ठीका मजदूर

1. शैलेन्द्र कुमार सिंह
2. अरविन्द प्रसाद
3. सदानन्द राम
4. राजकुमार सिंह
5. [illegible] प्रसाद
6. [illegible] सिंह

सत्यं शिवम् सुन्दरम् । सत्य मेव जयते ॥ भारत माता की जय ॥

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ,
(भामस, एन०ओ०बी०डब्लू० एवं एयरवो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं०-७/९८ दिनांक : १५/०४/९८

प्रिय भाईयों एवं बहनों ,

बिहार की उपेक्षा - छंटनीग्रस्त ठीका कर्मचारियों के साथ धोखाधड़ी ।

आज मध्याह्न १-१५ बजे विशाल विरोध - प्रदर्शन ।

रिजर्व बैंक प्रबन्धन एवं उसकी मान्यता प्राप्त फेडरेशन के नापाक गठबन्धन के शिकार यहाँ के तीन दर्जन ठीका कर्मचारियों को दर-दर ठोकरें खाने को मजबूर कर दिया गया है । मुम्बई और कलकत्ता गठबन्धन ने बिहारियों को पूर्ण उपेक्षा कर इनके साथ क्रूर मजाक किया है । हद तो तब हो गयी जब सारे केन्द्रों पर एक वर्ष से कम अवधि तक कार्य करने वाले ठीका कर्मचारियों को भी नियमित नियुक्ति हो गयी, परन्तु इस केन्द्र पर तीन वर्ष तक कार्यरत कर्मचारियों को भी सुनहरे भविष्य का सपना दिखाया जाता रहा और अन्त में लॉली पॉप थमा दिया गया परन्तु सारा दोष सिर्फ केन्द्रीय नेतृत्व को ही नहीं दिया जा सकता, स्थानीय नेतृत्व भी कम जिम्मेदार नहीं है । [illegible] ।

अज्ञानता, प्रलोभन या निहित स्वार्थवश ये लोग भी प्रबन्धन एवं केन्द्रीय नेतृत्व के बहकावे में आकर दिग्भ्रमित हो गये ।

बन्धुओं - बिहार । बिहार है । यह क्रान्ति भूमि है । अन्याय सहन नहीं कर सकता । न्याय आत्म सम्मान और अस्मिता बचाने के लिए सर्वस्व न्योछावर करने के लिए हमेशा आतुर रहा है । चुनौतियाँ सामने हैं, शिखण्डी भी सामने आ गये हैं । उन्हें दर किनार करते हुए न्याय युध्द में आगे बढ़े । समय की यही पुकार है ।

आर्गेनाइजेशन की कार्य समिति ने अपनी बैठक में सर्वसम्मति से इस समस्या के निदान हेतु आर - पार की लड़ाई लड़ने का संकल्प किया है । संघर्ष के कई चरणबध्द कार्यक्रम तय किये गये हैं । जिसका शुभारम्भ आज दिनांक १५ अप्रील, ९८ को मध्याह्न १-१५ बजे मुख्य द्वार पर विशाल विरोध प्रदर्शन द्वारा किया गया है । अगले सप्ताह में व्यापक पोस्टरिंग का कार्यक्रम है । इसके क्रियान्वयन के बाद विभाग प्रमुखों के समक्ष प्रदर्शन का कार्यक्रम है, जिसकी विस्तृत जानकारी अगले परिपत्र में दी जायेगी ।

तो आइये , आर्गेनाइजेशन के कार्यक्रम में योगदान कर इसे सफल बनायें । आर्गेनाइजेशन को संगठनिक मजबूती प्रदान करें, ताकि षडयंत्रकारियों को मुंह के बल लुढकाया जा सके ।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन के साथ ,

आपका सहयोगाकांक्षी ,

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव ।

बी०एम०एस०-एन०ओ०बी०डब्लू०
एयरवो - जिन्दाबाद
बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद
रिजर्व बैंक प्रबन्धन - होश में आओ ।
बिहारियों की उपेक्षा - बन्द करो । बन्द करो ।
— भारत माता की जय —

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा० म० सं०, एन० ओ० बी० डब्लू एवं सदस्यों से सम्बद्ध)

परिपत्र सं. 8/96 6.9.96

प्रिय भाइयों एवं बहनों

घड़ियाली आँसू–एसोसियेशन को नसीहत

आजकल एसोसियेशन कैम्प में ग्लानीपूर्ण कुलबुलाहट है–रिजर्व बैंक का विस्तार, रिक्तियों को भरना, कम्प्यूटरीकरण, रिजर्व बैंक के कार्यों का संकुचन, प्रोन्नति नीति के अलावा बेहतर ग्राहक सेवा इत्यादि से सम्बन्धित समस्याओं पर दिखावटी गंभीरता एवं घड़ियाली आँसू बहाया जा रहा है। आखिर ये समस्याएँ एक दिन में नहीं खड़ी हुई है । इसके पीछे दो दशकों से भी अधिक समय से इनकी अवसरवादिता और विश्वासघात की दास्तान है । सत्तर के दशक से निरंतर जारी गिरावट ने आज रिजर्व बैंक कर्मियों को अंधेरे कुँए में ढकेल दिया है। अपनी ही हाथों से हस्ताक्षरित, [illegible] के बाद प्रचार किया जाता है कि यह ऐतिहासिक समझौता है, इससे बेहतर आज की परिस्थिति में हो ही नहीं सकता, पर बाद में परिणाम आने पर रोना रोया जाता है ।

बंधुओं–कामरेड आशीष सेन तत्कालीन महासचिव, एआईआर बी इए ने 1979 में भारतीय रिजर्व बैंक, मुम्बई कार्यालय में कम्प्यूटरीकरण का विरोध किया, बलपूर्वक रोकने का आह्वान किया, कई दिनों तक आन्दोलन किया, सारे देश में एकदिन की हड़ताल हुई, अंत में द्विपक्षीय समझौता कर कम्प्यूटर लगाया गया। 1982–84 में एआईबीइए एवं एन. सी. बी ई ने व्यापक कम्प्यूटरीकरण पर आँख मूँद कर हस्ताक्षर किया। एन. ओ. बी डब्लू ने अपनी मान्यता की परवाह किये बिना हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया, फलस्वरूप इसकी मान्यता भी आगे चलकर समाप्त कर दी गयी । उसी समय नवगठित बेफी जिसके स्वघोषित जनरल सचिव कामरेड आशीष सेन कम्प्यूटरीकरण/मशीनीकरण के विरूद्ध गला फाड़–फाड़ कर चिल्लाते रहे । रिजर्व बैंक में भी कई अवसरों पर इसके विरूद्ध आन्दोलन एवं एक दिवसीय हड़ताल हुये। परन्तु 1993 आते–आते थक–हारकर अपने सिद्धान्तों आदर्शों की बलि चढ़ाते हुए समर्पण कर दिये। बेफी की मान्यता प्राप्त करने के लिए कम्प्यूटरीकरण/मशीनीकरण पर समझौता कर वेतन वार्ता में शामिल होकर गौरवान्वित महसूस किये । व्यावसायिक बैंकों में साझा वार्ताकार एवं रिजर्व बैंक में एकाधिकार प्राप्त वार्ताकार का हाल " सौ–सौ चूहे खाकर बिल्ली चली हज को " जैसी है ।

रिजर्व बैंक में संयुक्त अध्ययन दल बना। जिसमें प्रबंधन और ऐसोसियेशन के प्रतिनिधियों ने एक समझौता किया। उस दल के रिपोर्ट को जो घोर कर्मचारी विरोधी है, लागू करवाने के लिए आन्दोलन हुये। कर्मचारियों को सब्ज–बाग दिखायेगये । कहा गया कि इसके लागू होने पर प्रोन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। एक सौ क्लर्क पोस्ट आफिसर हो जायेंगे। नकदी विभाग स्वर्ग बन जायगा। आन्दोलन कर कर्मचारी विरोधी रिपोर्ट लागू करवाया गया। परिणाम हम सब देख रहे हैं। एक प्रोमोशन–दो रिभरसन, जम्बो जेट ग्रुप इत्यादि। संयुक्त अध्ययन दल के रिपोर्ट के कुछ अनुच्छेदों पर और ध्यान दें :-

At Pg. no.50(Para 4.10.4)- " Decrease in clerical strength would be to the extent of about 2 to 2 and Half times the no. of additional Post of officers created."

At Page 67 (Para 5.11) - "No future recruitment would be made to these categories and these post will cease to exist with the retirements, death, dismissal etc. of the Present incumbents."

मित्रो, ये पंक्तियाँ हैं-प्रबंधन तथा एसोसिएशन के मध्य हुए समझौते के दस्तावेज की। एक तरफ समझौता करते हैं- NO Further Recruitment और दूसरी ओर अपने सदस्यों की आँखों में धूल झोंकते हैं कि STRIKE FOR RECRUITMENT. आप स्वयं सोचें, क्या करना चाहिए ?

हाल ही हुये टेक्नीकल अपग्रेडेशन के समझौते का परिणाम भी सामने आने लगे हैं। व्यापक कम्प्यूटरीकरण हमलोग देख ही रहें है, काउन्टरों पर कम्प्यूटर लग रहे हैं, नोटों के बंडल बाँधने का मशीन लग रहा है। कोटा दुगना होने जा रहा है। ये सब क्रान्तिकारी कामरेडों के द्वारा हस्ताक्षरित समझौते के फलस्वरूप हो रहा है। जिस समझौते पर गौरवान्वित होते थे, उसी के विरूद्ध प्रदर्शन, बैज वियरींग, हस्ताक्षर अभियान एवं हड़तालें की योजना क्या दर्शाता है ।

मित्रों- कम्युनिस्टों का इतिहास ही विश्वासघात और अवसरवादिता के काले पन्नों से भरा है। ये अपनी गलतियों को पाँच-दस साल बीत जाने पर ही महसूस करते हैं। इसलिए समय का तकाजा है ऐसे अवसरवादी और विश्वासघाती मजदूर विरोधी, गद्दार नेतृत्व के विरूद्ध अपने हित में आवाज बुलन्द करें। यह संघर्ष वास्तव में आप कर्मचारियों के व्यापक हित में नहीं, वरन रिजर्व बैंक के कार्य विस्तार के नाम पर केवल प. बंगाल स्थित दुर्गापुर में कार्यालय खुलवाने के लिए है ।

हम प्रबंधन को भी आगाह करना चाहते हैं कि चूँकि 4 सितम्बर 96 की हड़ताल में आर्गेनाइजेशन के सदस्य भाग नहीं लेंगे अतः बैंक में कर्मचारियों का प्रवेश किसी भी तरह से बाधित नहीं होना चाहिए । अगर ऐसा हुआ तो उससे उत्पन्न बुरी परिस्थितियों की जिम्मेवारी भी उसी की होगी ।

भारतीय मजदूर संघ ⁝ जिन्दाबाद !
एन. ओ. बी. डब्लू. ⁝ जिन्दाबाद !
ए. आई. आर. बी. डब्लू. ओ. ⁝ जिन्दाबाद !

आपका,
(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

भारत गुलामी छोड़कर – बोलो वन्दे मातरम्
राष्ट्रभक्त मजदूरों – एक हो । एक हो ।।

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भामस, एन०ओ०बी०डब्लू०, एवम् एयरवो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० -९/ ९६ दिनांक १३ सितम्बर ९६

प्रिय भाइयो एवं बहनो ,

९ सितम्बर हड़ताल - टांय-टांय फिस्स
कानपुर केन्द्र पर गुंडागर्दी /हिंसा - आज विरोध प्रदर्शन

ए०आई०आर०बी०ई०ए० द्वारा आहूत दिनांक ९ सितम्बर ९६ का हड़ताल पूर्णतः विफल रहा। विभिन्न केन्द्रों से प्राप्त सूचना के आधार पर मुम्बई, बैंगलोर, मद्रास, नई दिल्ली, नागपुर, कानपुर आदि बड़े एवं मुख्य केन्द्रों पर हड़ताल बेअसर रहा। बैंकिंग कार्य सामान्य ढंग से सम्पन्न हुये। क्लीयरिंग भी अन्य दिनों की तरह चला। पटना केन्द्र की स्थिति से हमलोग अवगत हैं ही। प्रबन्धन - एसोसियेशन के सम्मिलित प्रयास के बावजूद कार्य सम्पन्न हुए। उनके द्वारा खड़ा किये गये, तमाम अवरोधों को पार करते हुये कर्मचारियों ने योगदान किया एवं ग्राहक सेवा जारी रहा। सभी काउन्टर, पी०ए०डी०, डी०ए०डी० डाक अनुभाग, कोषपाल अनुभागसहित एम०पी० एवं नोट परीक्षण अनुभाग सामान्य ढंग से चले लेकिन आम जनता, पेंशनर को बैंक परिसर में आने से रोका गया और प्रबंधन इसका मूकदर्शक बना रहा। प्रबंधन की अक्षमता एवं अकर्मण्यता के कारण क्लीयरिंग का कार्य नहीं हो सका आखिर क्यों ? अधिकारी, तृतीय एवं चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों की उपस्थिति के बावजूद प्रबंधन क्लीयरिंग नहीं करवा सका जबकि वहां चार में से तीन तृतीय श्रेणी के कर्मचारीहमारे सदस्य थे तथा वे समय पर उपस्थित थे। प्रबंधन अपना उत्तरदायित्व निभाने में पूर्णतः विफलरहा।

मित्रो, - प्रबन्धन - एसोसियेशन गठबन्धन द्वारा उस दिन मुख्य द्वार पर जो अशोभनीय; अमर्यादित एवं अशिष्ट व्यवहार का प्रदर्शन किया गया, उसे जितनी भी निन्दा की जाय कम ही होगा। आम कर्मचारी, अधिकारी की क्या, न्यायविद लोकपाल को भी कार्यालय में प्रवेश को बलपूर्वक बाधित करने का असफल प्रयास किया गया, जिसे हम कठोर शब्दों में भर्त्सना करते हैं तथा चेतावनी देते हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिये।

कानपुर केन्द्र - इस केन्द्र पर प्रबन्धन की शह पर कामरेड, गुंडागर्दी और हिंसा पर उतर आये। कार्यालय में योगदान करने वाले कर्मचारियों को बलपूर्वक रोका जा रहा था। राष्ट्रभक्त कर्मचारियों का जत्था, ज्योंहि प्रवेश के लिए बढ़ा, वे कामरेड हिंसा पर उतर आए, फलस्वरूप अपने एक सक्रिय कार्यकर्ता श्री कृष्ण शुक्ला जी बुरी तरह घायल हो गये। प्रबन्धन के अधिकारी टुकुर -टुकुर देखते रहे। घायलावस्था में शुक्ला जी को अस्पताल में भर्ती कराया गया। हमारे लोगों ने कार्यालय में योगदान दिया एवं ग्राहक सेवा चालू रही वहां भी सभी कार्य सम्पादित हुए। हम प्रबंधन की अकर्मण्यता एवं एसोसियेशन की गुंडागर्दी की घोर निन्दा करते हैं।

ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० ने कानपुर की घटना को बड़ी गंभीरता से लिया है तथा प्रबंधन की अकर्मण्यता एवं उसके पालतू यूनियन की गुंडागर्दी के खिलाफ संघर्ष का एलान किया है। इसी क्रम में आज भोजनावकाश में १.३० बजे मुख्यमहाप्रबंधक कक्ष के समीप विरोध-प्रदर्शन का आयोजन किया गया प्रदर्शन के बाद मुख्यमहाप्रबन्धक को एक ज्ञापन दिया जायेगा।

कृपया प्रदर्शन में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं तथा प्रबन्धन - एसोसियेशन -गठबंधन के विरुद्ध हल्ला बोलें।

क्रान्तिकारी अभिनन्दन सहित

आपका भ्रातृवत्,

(विनोद कु० सिंह)
महासचिव

भारतीय मजदूर संघ |
एन०ओ०बी०डब्लू० | जिन्दाबाद
ए०आई०आर०बी०डब्लू०ओ० |

रिजर्व बैंक में गुंडा-गर्दी-नहीं चलेगी, नहीं चलेगी,
मेनेजमेन्ट - एशोसियेशन गठबंधन - होशियार। होशियार।।

भारत माता की जय

रिजर्व बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन, पटना

(भारतीय मजदूर संघ, एन०ओ०बी०डब्ल्यू०, ए०आई०आर०बी०ओ० सम्बद्ध)

परिपत्र सं० - 10/96.   दिनांक- 09-10-96.

प्रिय भाइयों एवं बहनों,

बिहार/बिहारियों की घोर उपेक्षा : किसकी साजिश है ये।

हमारे बिहार को प्रकृति ने प्रचुर सम्पदा और उत्कृष्ट मानव संसाधन से सम्पन्न बनाया किन्तु आज यह भारत - सरकार एवं रिजर्व बैंक प्रबंधन की गलत नीतियों एवं भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण विपन्न हो गया है। व्यावसायिक बैंकों की प्रवृत्ति भी घोर चिन्ता-जनक है। जहाँ एक ओर जमा/अग्रिम अनुपात राष्ट्रीय स्तर पर 60 % से अधिक है वहीं दूसरी ओर बिहार में प्रान्तीय स्तर पर यह अनुपात मात्र 30 % है। बिहार की बैंक-शाखाओं में जमा राशि का उपयोग बिहार के बाहर अन्यत्र हो रहा है। गरीबी उन्मूलन के कार्यक्रम उदासीनता के शिकार हो गये हैं। रिजर्व-बैंक-प्रबंधन और उसके द्वारा पोषित एसोसिएशन के आचरण तो बिहार की छाती पर मूँग दलने जैसे ही हैं। उक्त एसोसिएशन का केन्द्रीय कार्यालय कलकत्ता में है। रिजर्व बैंक का कलकत्ता केन्द्र, भुवनेश्वर, गुवाहाटी एवं पटना स्थित केन्द्रों का लगातार शोषण और मानमर्दन करता रहा है। विशेषकर पटना केन्द्र को कलकत्ता का उपनिवेश कहा जाय तो यह अतिशयोक्ति नहीं होगी। डी० एफ० सी० (डिपार्टमेंट ऑफ फिनांसियल कम्पनी) का केन्द्रीय कार्यालय कलकत्ता में ही है तथा रिजनल ऑफिसर्स का मुख्यालय भी कलकत्ता में। जोनल ट्रेनिंग सेंटर एवं मिंट कलकत्ता में पहले से ही है, वहीं केन्द्रीय मुद्रणालय सालबोनी (खड़गपुर के पास), पश्चिम बंगाल में ही खोला गया है। अपने पिछले परिपत्र में हम आपको सूचित कर चुके हैं कि दुर्गापुर में रिजर्व बैंक का नया कार्यालय खोले जाने के लिए विगत सितम्बर में हड़ताल करवाया गया। आजादी में देश के दूसरे बड़े राज्य, बिहार की दुर्दशा पर, अब गौर किया जाय। ऐसी सूचना है कि बिहार में कार्यरत बहुत सारी कम्पनियों का निरीक्षण बैंक द्वारा नहीं करवाया गया है। कुछ कम्पनियाँ जो जनता द्वारा जमा स्वीकार करने के कुछ दिन बाद गायब हो जाती है। अधिकतर कम्पनियों में बिहार वासियों द्वारा जमा राशि का निवेश दूसरे राज्यों में होता है। क्या यह जरूरी नहीं कि भारतीय रिजर्व बैंक पटना में डी० एफ० सी० का विभाग खोलकर सारी कम्पनियों का निरीक्षण करवाया जाय? सरकार और प्रबंधन की उपेक्षा से रिजर्व बैंक, पटना में राज्य सरकार का कार्य नहीं लाया जा सका। मान्यता प्राप्त एसोसिएशन का नेतृत्व तो जातीय जोड़तोड़, भाई भतीजावाद एवं मनोवांछित ट्रान्सफर / पोस्टिंग, के चलते आपसी उठापटक और प्रबंधन की जी-हुजूरी में व्यस्त रहता है। राज्य सरकार का कार्य प्राप्त करना उसकी कार्यसूची में जैसे है ही नहीं। ज्ञातव्य है कि राज्य सरकार का कार्य रिजर्व बैंक द्वारा निःशुल्क किया जाता है जबकि एजेंसियों द्वारा कार्य करवाने पर कमीशन के रूप में भारी रकम चुकानी पड़ती है। फिर एजेंसियों द्वारा गलत एकाउन्टिंग तथा अधिक रिइम्बर्समेंट लेने के कारण भी राज्य सरकार को अतिरिक्त आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। पर सरकारी खजाने में इस सेंधमारी की चिन्ता किसे है?

क्र०पृ०उ०....

पटना केन्द्र पर स्टाफ अधिकारी की परीक्षा में उत्तीर्ण दर्जन भर लोग प्रोन्नति के लिए प्रतीक्षारत हैं । प्रबंधन को स्टाफ अधिकारी (प्रतीक्षारत) नामक पद का सृजन कर सभी कर्मचारियों को उसमें सूचीबद्ध कर आदर्श प्रोन्नति नीति का उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए । पटना केन्द्र के कर्मचारियों के साथ प्रशिक्षण के मामले में भी अन्याय होता रहा है । 25 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत कर्मचारियों में सैकड़ों कर्मचारियों को अबतक कोई भी प्रशिक्षण नहीं दिया गया है । प्रबंधन-एसोसिएशन के समझौते के फलस्वरूप रिजर्व बैंक का संकुचन जारी है । टेक्नीकल आर्गेनाइजेशन के नाम पर प्रबंधन अपनी कार्य योजना को लागू करता जा रहा है । कर्मचारी बुनियादी सुविधाओं से वंचित किए जा रहे हैं । रिजर्व बैंक का (कु) प्रबंधन अपनी जिम्मेवारी निभाने में पूर्णत: नकारा साबित हुआ है ।

इन परिस्थितियों में बिहार के जन प्रतिनिधि एवं रिजर्व बैंककर्मियों से आत्म-मंथन करने की अपेक्षा की जाती है । बिहार की आबादी एवं पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए राँची/जमशेदपुर में रिजर्व बैंक की शाखा खोला जाना अत्यन्त आवश्यक है । हम रिजर्व बैंक में कार्यरत सभी संवर्ग के श्रमिक संगठनों से अपील करते हैं कि अपने-अपने पूर्वाग्रहों एवं व्यर्थ की प्रतिबद्धताओं को छोड़कर स्थानीय समस्याओं के समाधानार्थ संयुक्त संघर्ष हेतु आगे बढ़ें । यह समय की पुकार है ।

विजय कामी शुभकामनाओं के साथ

बी० एम० एस०
एन० ओ० बी० डब्ल्यू०
एवर बो

अमर रहे । अमर रहे ।।

आपका सहयोगाकांक्षी

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बिहार की उपेक्षा बंद करो : बंद करो ।।
स्थानीय समस्याओं का समाधान -- जल्द करो । जल्द करो ।।
भारत माता की जय ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन , पटना
(भा०म०सं०, एन०ओ०बी०डब्लू० एवम् एयरबो से सम्बद्ध)

परिपत्र सं० -११/९५ | दिनांक ८-९-९५

प्रिय भाइयों एवं बहनों ,

अखिल भारतीय विरोध दिवस --प्रदर्शन

आल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन ने कर्मचारियों की समस्याओं के सम्बन्ध में मांग पत्र प्रस्तुत किया है तथा उनके समाधान हेतु अविलम्ब कदम उठाने के लिये कई पत्र दिया गया है । कर्मचारियों का तापमान बढ़ाने वाली समस्याएं निम्नवत् है ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए"(योग्यता) परीक्षा :--

वर्ष १९९४-९५ का परीक्षाफल घोषित किया गया है, जो बहुत ही अन्यायपूर्ण एवं कपटपूर्ण है । उक्त अवधि के लिये घोषित ८४ रिक्तियों में से सिर्फ २८ कर्मचारियों का चयन किया गया । इन रिक्तियों को तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों की पदोन्नति से ही भरा जाना है तथा बैंक में योग्यताप्राप्त स्टाफ सी०ए०, पी-एच०डी० तथा सी०आई०आई०बी परीक्षा पास कर्मचारी उपलब्ध है, फिर भी पूरे पदों का नहीं भरा जाना अन्यायपूर्ण व असंगत है ।

रिजर्व बैंक में स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए"(क्वालिफाइंग) परीक्षा में परीक्षार्थियों को प्राप्तांक उपलब्ध कराये जाते हैं, परन्तु योग्यता (मेरिट) परीक्षा में प्राप्तांक उपलब्ध नहीं कराया जाता, जो सरासर गलत है । प्राकृतिक न्याय का तकाजा है कि परीक्षार्थियों को अंक पत्र उपलब्ध कराया जाय । हम प्रबन्धन से मांग करते हैं कि परीक्षाफल पर पुनर्विचार कर घोषित रिक्तियों को अविलम्ब भरा जाय ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" (क्वालिफाइंग) परीक्षा पास कर कर्मचारी वर्षों से पदोन्नति की आशा लगाये बैठे हैं परन्तु प्रबन्धन टाल-मटोल की नीति अपना कर उनलोगों की प्रोन्नति का मामला लटकाए हुए है , उन्हें यथाशीघ्र प्रोन्नति दी जाय ।

स्टाफ अधिकारी ग्रेड "ए" बाहरी भर्ती , सीधी परीक्षा, मेरिट परीक्षा तथा अर्हता परीक्षा के सही अनुपात को कठोरता से पालन किया जाय ताकि सीधी भर्ती अपने निर्धारित अनुपात से अधिक न हो ।

<u>अनुकम्पा के आधार पर नियुक्त कर्मचारियों के आश्रितों का कनफरमेशन, रिजर्व बैंक के कार्यों का संकुचन, पेंशन इत्यादि अनेक मुद्दे कर्मचारियों के दिमाग को उद्वेलित कर रहे हैं ।</u>

उपरोक्त ज्वलन्त समस्याओं का निराकरण आर्गेनाइजेशन से बात-चीत कर अविलम्ब किया जाय अन्यथा कर्मचारियों में व्याप्त कुंठा , निराशा से औद्योगिक शांति भंग होगी जिसकी जिम्मेवारी एकमात्र प्रबन्धन की होगी ।

बंधुओं - आज विरोध दिवस के अवसर पर शानदार प्रदर्शन का आयोजन किया गया है । <u>मध्याह्न भोजनावकाश १.३० बजे मुख्य द्वार पर आकर प्रदर्शन को सफल करें</u> । हम सभी सहकर्मियों से अपील करते हैं कि इसमें उपस्थित होकर प्रबन्धन -एसोसियेशन-गठबन्धन के लिखित /गुप्त समझौते का भंडाफोड़ करते हुए अपने गगनभेदी नारे से कुम्भकर्णी प्रबन्धन को यह बता दें कि प्रबन्धन --एसोसियेशन गठबन्धन की कर्मचारी विरोधी नापाक मनसूबों को हम चकनाचूर करेंगे । आर्गेनाइजेशन को सबल बनाएं , हम कर्मचारी हितों के सच्चे एवम् सजग प्रहरी हैं ।

अनन्त चतुर्दशी की अनन्त शुभकामनाओं सहित ,

बी०एम०एस०
एन०ओ०बी०डब्लू०
एयरबो
| जिन्दाबाद

अपका भ्रातृवत्

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

बैंक कर्मचारी एकता - जिन्दाबाद
न्यायालय का सम्मान करो - आर्गेनाइजेशन से बात करो ।
मन गुलामी छोड़कर - बोलो बन्दे मातरम् ।

रिजर्व बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन, पटना

(सम्बद्ध - एन० ओ० बी० डब्ल्यू० एवं भारतीय मजदूर संघ)

परिपत्र सं० - 12/96   दिनांक - 18-12-96

मित्रों,

भारतीय रिजर्व बैंक से बिहार की अपेक्षाएँ

उपर्युक्त संदर्भ में ज्ञातव्य है कि बिहार घनी आबादी का एक पिछड़ा प्रदेश है । नयी तकनीक और भारत सरकार की औद्योगिक नीतियों के कारण रोजगार के अवसर तो घटे ही हैं, प्रोन्नति के आसार भी नजर नहीं आते । बिहार सरकार के कार्यों को रिजर्व बैंक के अधिन लाने की दिशा में कोई सार्थक परिणाम सामने नहीं आया । नकदी विभाग, पुनर्गठन की प्रक्रिया के बाद अचानक अफरातफरी का शिकार हो गया। पूर्व में कार्यरत ठीका मजदूरों का समुचित समायोजन नहीं किया गया। मृत कर्मचारियों के आश्रितों को अनुकम्पा के आधार पर नियुक्ति में उनकी विधवाओं के अतिरिक्त अन्य किसी आश्रित की नियुक्ति बंद कर दी गई है । चिकित्सा सुविधा सभी कर्मचारियों को समान रूप से उपलब्ध नहीं करवाया जा रहा। 25 वर्ष से अधिक कार्यरत कई कर्मचारियों को भी किसी प्रकार का प्रशिक्षण नहीं मिला है । क्या यह रिजर्व बैंक का दायित्व नहीं है कि बिहार के विशाल मानव संसाधन का महत्तम उपयोग हो इसलिए राँची एवं जमशेदपुर में रिजर्व बैंक की शाखाएँ खोली जायँ । पटना में डी० एफ० सी० विभाग खोला जाना भी बहुत जरूरी हो गया है ताकि बैंकिंग/गैर बैंकिंग संस्थाओं का समुचित नियंत्रण हो सके और समय-समय पर उनका निरीक्षण होता रहे । ताकि कुछ फर्जी कम्पनियों द्वारा जनता की गाढ़ी कमाई को धोखे से हड़प कर जाने से रोका जा सके ।

प्रान्त की शीर्षस्थ संस्था के कर्मचारी होने के नाते हम सबका यह नैतिक दायित्व है कि उपर्युक्त समस्याओं की ओर रिजर्व बैंक प्रबंधन का ध्यान आकृष्ट किया जाय ताकि इनके समाधान की दिशा में सार्थक पहल की जा सके । इन समस्याओं का कोई राजनैतिक हल भी असंभव ही है । इसीलिए हमने इस संदर्भ में, माननीय गवर्नर, भारतीय रिजर्व बैंक को रिजर्व बैंक के कर्मचारियों से हस्ताक्षरित एक ज्ञापन प्रेषित करने का निश्चय किया है । आप सभी बंधुओं से विनम्र अनुरोध है कि अपने महान् दायित्व को ध्यान में रखते हुए इस ज्ञापन पर भारी संख्या में हस्ताक्षर करें। साभार ।

आपका भातृवत

(विनोद कुमार सिंह)
महासचिव

भारत माता की जय ।
बी० एम० एस०
एन० ओ० बी० डब्ल्यू०
ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू० ओ०
अमर रहे । अमर रहे ।।

रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन, पटना

(भा० म० सं०, एन० ओ० बी० डब्ल्यू०, एवं ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू० ओ० से सम्बद्ध)

दिनांक- 18 जनवरी 1997.

महासचिव का प्रतिवेदन

माननीय अध्यक्ष महोदय, उपस्थित अतिथिगण, बहनों एवं बन्धुवृन्द । आर्गेनाइजेशन की 18 वीं वार्षिक आम सभा के शुभ अवसर पर आप सबों का हार्दिक अभिनन्दन और स्वागत करते हुए तथा आलोच्य अवधि का महासचिव का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए अपार हर्ष का अनुभव कर रहा हूँ ।

श्रद्धांजलियाँ :- आलोच्य अवधि में देश-विदेश में श्रमिक हितों, मानवाधिकार एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के रक्षार्थ जिन लोगों ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया उनके त्याग और बलिदान का स्मरण करते हुए उन्हें हम अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । प्राकृतिक आपदाओं एवं मानवीय असावधानीवश हुई दुर्घटनाओं में सैकड़ों लोगों के असामयिक निधन पर हम अपनी गहरी संवेदना प्रकट करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं । रिजर्व बैंक परिवार से कई सदस्य सदा-सर्वदा के लिए बिछुड़ गये, उन्हें हम अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं ।

अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय परिदृश्य :-

अन्तर्राष्ट्रीय जगत में अमेरिका का वर्चस्व लगातार बढ़ रहा है । उसके एजेन्ट आई० एम० एफ०, वर्ल्ड बैंक, विश्व व्यापार संगठन एवं अन्य संस्थाएँ शेष जगत के विकासशील राष्ट्रों की अपनी पहचान, गरिमा संस्कृति नष्ट करते हुये उसे आर्थिक रूप से पराधीन बनाने के लिए अग्रसर है । परन्तु संतोष की बात यही है कि हर जगह राष्ट्रवादी शक्तियों ने संघटित होकर इसका मुखर विरोध शुरू कर दिया है, जो एक शुभ संकेत है ।

देश आज चौराहे पर खड़ा है, चारों ओर संकट के बादल मंडरा रहे हैं । आर्थिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, सामाजिक एवं नैतिक मूल्यों का ह्रास तेजी से हो रहा है । बड़े-बड़े राजनीतिज्ञ भ्रष्टाचार में आकंठ लिप्त हैं । वर्ष 96 की उपलब्धि राजनीतिक भ्रष्टाचार रहा है । मूल्यविहीन राजनीति का परिणाम सामने आया । तेरह दलीय संयुक्त मोर्चा की सरकार बनी जिसे मार्क्सवादी एवं कॉंग्रेस के बाहरी समर्थन रूपी बैसाखी पर चलाया जा रहा है । केन्द्र और राज्य स्तर पर घोटाले की सूची बढ़ती जा रही है । अभी राज्य पशुपालन महा-घोटाले की करारी चोट से छट-पटा ही रहा था कि अलकतरा घोटाला, दवा घोटाला, वर्दी घोटाला, वन घोटाला आदि भी उभर कर सामने आ गये, न्यायिक सक्रियता के सक्रियता के फलस्वरूप राजनीतिज्ञों एवं अपराधियों में खलबली मच गई है । पूरे बिहार में आई० एस० आई० का जाल बिछ गया है । पूरे सूबे में उच्च मूल्यवर्ग के जाली नोटों का प्रचलन धड़ल्ले से जारी है । आर्थिक स्थिति चरमरा गयी है । आम आदमी का दैनिक जीवन कष्टकर होता जा रहा है । मजदूर वर्ग की क्रय शक्ति में लगातार ह्रास होता जा रहा है । मजदूर छटनीग्रस्त और युवा बेकार हो रहे हैं । उपभोक्तावाद एवं अपसंस्कृति को बढ़ावा दिया जा रहा है, तथा राष्ट्रीय गौरव पर हमला तेज हो गया है । सरकारी प्रचार माध्यमों से सांस्कृतिक प्रदूषण फैलाया जा रहा है । परन्तु इस गहरे अंधकार में आशा की किरणें निश्शेष हैं, राष्ट्रवादी शक्तियाँ संघटित हो रही हैं ।

क्र०पृ०उ०.....

भारतीय मजदूर संघ :- बी० एम० एस०, देश में श्रमिक संघों में प्रथम स्थान प्राप्त कर निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है । इसके द्वारा भारत सरकार के मजदूर विरोधी, आर्थिक और औद्योगिक नीतियों के विरुद्ध चलाये गये आन्दोलन के कार्यक्रमों में हमारे सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही ।

एन० ओ० बी० डब्ल्यू० :- बैंकिंग उद्योग में विगत समझौते के विरुद्ध आन्दोलनात्मक कार्यक्रम एवं बैंक कर्मचारियों में जन जागरण कार्यक्रम के फलस्वरूप विवश होकर चारो वार्ताकार यूनियनों को अपने ही समझौते के विरुद्ध ही आन्दोलन । हड़ताल करना पड़ा । फलस्वरूप दिनांक 14 दिसम्बर 96 को विसंगतियों को दूर करने के लिए एक पूरक समझौता सम्पन्न हुआ जिससे व्यक्तिगत वेतन के रूप में 70 रुपया से 140 रुपया प्रति माह की दर से वृद्धि हुई । परन्तु यहाँ भी प्रबन्धन एवं वार्ताकार यूनियने डंडी मार गयी । यह समझौता 1 जुलाई 1996 से प्रभावी रहा जबकि इसे मूल समझौते की तिथि से लागू की जानी चाहिए थी । ऑल इंडिया ग्रामीण बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन के आह्वान पर प्रदर्शन, धरना, बैज, बियरिंग एवं हड़ताल का कार्यक्रम बिहार के ग्रामीण बैंकों में सफलतापूर्वक क्रियान्वित किये गये ।

ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू० ओ० :- ऑल इंडिया रिजर्व बैंक वर्कर्स आर्गेनाइजेशन की लोकप्रियता/विश्वसनीयता रिजर्व बैंक परिवार में लगातार बढ़ रही है । इसके सदस्य संख्या में प्रत्येक केन्द्र पर बढ़ोतरी इसका द्योतक है । एआरबो के बंगलोर यूनिट के प्रयास से वेतन समझौते में विसंगतियाँ दूर करने में सफलता मिली है । एआरबो ने कर्मचारी हितों से संबंधित ज्ञापन देकर प्रबन्धन का ध्यान आकृष्ट कराते रहा है तथा उन्हें प्राप्त करने के लिए आन्दोलनात्मक कार्रवाई भी की है । इसके जन जागरण के परिणाम स्वरूप मान्यता प्राप्त एसोसियेशन का दिनांक 9 सितम्बर 96 का हड़ताल असफल रहा । कॉमर्शियल बैंक में पूरक समझौता सम्पन्न होने के बाद रिजर्व बैंक में यथाशीघ्र बात-चीत हो इसके लिए प्रयास जारी है । यहाँ व्यक्तिगत वेतन में 70 रुपया से 250/- रुपया बढ़ोतरी का पर्याप्त आधार बनता है जिसके रिजर्व बैंककर्मी हकदार हैं ।

आर० बी० डब्ल्यू० ओ०, पटना :- पटना केन्द्र पर आर्गेनाइजेशन की सक्रियता बढ़ी है । कर्मचारी हितों का एक मात्र प्रहरी आर्गेनाइजेशन ही है, ऐसा लोग अनुभव कर रहे हैं । भामसं, एन० ओ० बी० डब्ल्यू०, बी० पी० बी० डब्ल्यू० ओ०, पी० डी० बी० डब्ल्यू० ओ० द्वारा आयोजित संघर्ष के कार्यक्रमों को शत-प्रतिशत सफल बनाया गया । ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू० ओ० के आन्दोलनात्मक कार्रवाई में पटना यूनिट ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभायी । उक्त संगठनों के वार्षिक/द्विवार्षिक अधिवेशन एवं कार्य समिति के बैठकों में भी हमलोगों ने उचित हिस्सेदारी निभायी ।

पूर्व में कार्यरत ठीका कर्मचारियों के नियुक्ति के लिए आन्दोलन चलाया गया उनकी नियुक्ति जबतक नहीं हो जाती, हमारा संघर्ष जारी रहेगा ।

स्थानीय समस्याओं के प्रति हम सदा गंभीर तथा उनके समाधान हेतु प्रयत्नशील रहे हैं । मुख्य महाप्रबन्धक, गर्वनर, मुख्य निरीक्षक इत्यादि को ज्ञापन दिया गया । अपने सदस्यों के ऊपर हुए अनुशासनात्मक कार्रवाई का सफल समाधान निकाला गया ।

आय-व्यय खाता वर्षान्त 31 दिसम्बर 1996

व्यय		आय	
मद	राशि	मद	राशि
छपाई	2,037=00	चंदा से	4,650=00
जलपान/आवभगत	1,180=00	लेवी से	75=00
कैलेन्डर	1,030=00	साख-समिति से	
प्रचार	57=50	प्राप्त ब्याज	210=00
दूरभाष	48=00		
टंकण	37=20		
डाक-टिकट	35=00		
आय का व्यय पर			
आधिक्य	510=30		
	4,935=00		4,935=00

प्राप्तियाँ			भुगतान		
मद	राशि		मद	राशि	
पिछला शेष :-			छपाई/छापा प्रति		2,037=00
साख समिति -	7,894=00		जलपान/आवभगत		1,180=00
केनरा बैंक -	7=35		कैलेन्डर		1,030=00
कोषाध्यक्ष -	210=00		प्रचार		57=50
महासचिव -	327=55	8,438=90	दूरभाष		48=00
चन्दा से प्राप्त राशि		4,650=00	टंकण		37=20
लेवी राशि		75=00	डाक-टिकट		35=00
साख समिति से प्राप्त ब्याज		210=00	शेष :-		
महासचिव से ऋण		537=65	साख समिति में जमा	9,153=00	
			केनरा बैंक	7=35	
			कोषाध्यक्ष	326=50	
					9,486=85
		13,911=55			13,911=55

महासचिव

कोषाध्यक्ष

<u>सहयोग समितियाँ</u> :- आलोच्य अवधि में यहाँ कार्यरत सहयोग समितियों का कार्य लगभग संतोषजनक रहा है । यहाँ हमारे सदस्यों का योगदान काफी सराहनीय रहा है ।

<u>बधाई/विदाई</u> :- आलोच्य अवधि में रिजर्व बैंक पटना की सेवा छोड़कर अन्यत्र नियुक्ति पाने वाले सहयोगियों को हमने सादर विदाई दी । सेवा निवृत एवं प्रोन्नत बंधुओं को भी शुभकामनापूर्वक विदाई दी। हम आर्गेनाइजेशन परिवार में सम्मिलित नये सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए उन्हें हार्दिक बधाई देते हैं ।

<u>आभार प्रदर्शन</u> :- भामसं के प्रांतीय पदाधिकारियों, बी० पी० बी० डब्ल्यू० ओ० के पदाधिकारियों द्वारा हमें सदैव सहयोग और मार्ग दर्शन मिलता रहा, उनके प्रति हम अपना हार्दिक आभार प्रकट करते हैं । हम अखिल भारतीय संघटन मंत्री, उपाध्यक्ष तथा स्थानीय अध्यक्ष एवं निवर्तमान कार्यकारिणी तथा सक्रिय कार्यकर्ताओं एवं सदस्यों के प्रति भी आभार व्यक्त करते हैं, जिनका सहयोग एवं स्नेह हमें मिलता रहा है ।

शुभ कामनाओं सहित ।

आपका भ्रातृवत

(विनोद कुमार सिंह)

महासचिव

बी० एम० एस० |

एन० ओ० बी० डब्ल्यू० | जिन्दाबाद ।

ए० आई० आर० बी० डब्ल्यू० ओ० | जिन्दाबाद ।।

<u>भारत माता की जय</u>